



वार्षिक प्रतिवेदन
2017 - 18

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी

कमान्ड - 175005, हिमाचल प्रदेश, भारत

दृष्टिकोण

विज्ञान और तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी बने रहना, ज्ञान संवर्धन और नवाचरण करते हुए भारत देश को एक ऐसी दिशा प्रदान करना जिसमें न्यायप्रिय, सर्वहारा एवम् धारणीय समाज का समावेश हो।

ध्येय

- ◆ व्यक्तिगत एवम् सामूहिक प्रयासों से समाज के लाभार्थ ज्ञान सृजन करना ।
- ◆ शिक्षा द्वारा ऐसे व्यवसायी तैयार करना जो विशेषतः हिमालय क्षेत्र के विकास एवम् अन्ततः राष्ट्र तथा मानवता के विकास में नव प्रवर्तन उत्पादों एवम् प्रक्रियाओं के माध्यम से नेतृत्व कर सकें ।
- ◆ समाज एवम् उद्योग की समस्याओं विशेषकर हिमालय क्षेत्र की संवेदनशील पर्यावरणीय प्रकृति के लिये शिक्षा के माध्यम से वैश्विक स्वीकृति के समाधान प्रस्तुत करने की भावना से युक्त दक्ष उद्यमी तैयार करना ।
- ◆ अगली पीढ़ी के अभियंताओं, वैज्ञानिकों एवम् शोधकर्ताओं को प्रेरित करने में सक्षम प्राध्यापक प्रशिक्षित करना ।
- ◆ शिक्षा और शोध के उपर्युक्त लक्ष्यों के अनुसरण में अत्याधुनिक और वाणिज्यिक रूप से व्यवहार्य प्रौद्योगिकियों के विकास हेतु उद्योग के साथ सक्रिय भूमिका निभाना ।
- ◆ प्रतिभा एवम् उत्कृष्टता से परिपूर्ण सम्मानजनक कार्य संस्कृति विकसित करना ।

विषय

	पृष्ठ
1. निदेशक की कलम से	
2. शैक्षणिक स्वरूप	1-8
2.1 स्कूल	
2.2 उपाधि कार्यक्रम	
2.3 आंकड़े	
• बैच, लिंग और जाति के आधार पर छात्रों की संख्या	
• लिंग के आधार पर प्राध्यापकों और कर्मचारी वर्ग की संख्या	
• वित्तीय वर्ष 2017-18 में उपलब्ध कुल प्रायोजित अनुसंधान और विकास	
3. प्रारूप व्यवहार्य-2018	9-13
4. शैक्षणिक स्कूल	14-48
4.1 संगणक एवं विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल	
• प्राध्यापक	
• अनुसंधान परियोजनाएं	
• अनुसंधान परियोजनाओं की प्रगति	
• राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित पत्र	
• पेटेंट	
• प्रकाशित पुस्तक / पुस्तक अध्याय	
• सम्मेलनों में उपस्थिति और प्रस्तुत पत्र	
• लोक सम्पर्क कार्यक्रम / आयोजित अनवरत शिक्षा गतिविधियां	
• सम्मेलन कार्यशालाएं / अन्य संस्थान / उद्योग दौरे (भारत और विदेश)	
और आमन्त्रित व्याख्यान प्रस्तुति	
• व्यावसायिक उपलब्धियां, आदर एवं सम्मान / व्यावसायिक समितियों की सदस्यता	
4.2 अभियांत्रिकी स्कूल	49-80
• प्राध्यापक	
• अनुसंधान परियोजनाएं	
• अनुसंधान परियोजनाओं की प्रगति	
• सम्मेलन / कार्यशाला / दौरे में वार्ता	
• प्रयोगशाला में स्थापित कुछ महत्वपूर्ण उपकरण	
• अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित पत्र	
4.3 आधार विज्ञान स्कूल	81-110
• प्राध्यापक	
• संकाय सहभागी	

● अनुसंधान परियोजनाएं	
● अनुसंधान परियोजनाओं की प्रगति	
● राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित पत्र	
● कार्यशालाएं/सम्मेलन/प्रदर्शन	
● लोक सम्पर्क कार्यक्रम	
● उपलब्धियां	
4.4 मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान स्कूल	111–117
● प्राध्यापक	
● अनुसंधान परियोजनाएं	
● प्रकाशित पुस्तकें/प्रकाशित पुस्तक अध्याय	
● राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित पत्र	
● अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन	
● व्यावसायिक उपलब्धियां, पुरस्कार और सम्मान	
● आयोजित कार्यशालाएं/वार्ता	
● व्यावसायिक निकायों की सदस्यता	
5. सहमति ज्ञापन (एमओयू)	118–121
6. महत्त्वपूर्ण विषय अनुसंधान केन्द्र	112–135
6.1 उन्नत सामग्री अनुसंधान केन्द्र (एएमआरसी)	
6.2 इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के प्रारूप एवं निर्माण के लिए केन्द्र (सी4डीएफईडी)	
6.3 बायो एक्स	
7. अनुसंधान समूह	136–142
7.1 यूएचएल: हिमालयी आजीविका की प्रगति के लिए केन्द्र (यूएचएल)	
7.2 बहुमाध्यम विश्लेषण नेटवर्क और प्रणालियां (एमएएनएएस)	
7.3 संघनित तत्त्व भौतिक विज्ञान	
8. ग्रीष्मकालीन अनिवार्य प्रशिक्षण कार्यक्रम	143
9. केन्द्रीय पुस्तकालय	144–146
10. पंचम दीक्षान्त समारोह	147
11. छात्र सुविधाएं और गतिविधियां	148–197
11.1 खेल सुविधाएं और गतिविधियां	
11.2 राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस)	
11.3 मार्गदर्शन एवं परामर्श सेवा (जीसीएस)	
11.4 सांस्कृतिक समिति	
11.5 देहाती व पहाड़ी लम्बी यात्रा	
11.6 विशेष कार्यक्रम	
11.7 कैरियर एवं स्थानन विवरण	

11.8	भूतपूर्व छात्र मामले	
12	कमान्द में हमारा स्थायी परिसर	198–198
13	अभिशासक मण्डल	200
14	वित्त समिति	201
15	भवन एवं कार्य समिति	202
16	प्रबन्ध समिति	203–204
17	शैक्षिक कर्मचारी	205
18	प्रशासनिक कर्मचारी	206
19	दिनांक 31 मार्च, 2018 तक नियमित कर्मचारियों की सूची	207
20	दिनांक 31 मार्च, 2018 तक अनुबन्ध कर्मचारियों (समेकित वेतनमान पर) की सूची	208
21	दिनांक 31 मार्च, 2018 तक प्रतिनियुक्त / बाह्य सेवा कर्मचारियों की सूची	208
22	छात्र नेतृत्व 2017–18	208
23	पी.एचडी. छात्र–2017 बैच	209
24	एम.एस. छात्र–2017 बैच	210
25	बी.टैक. छात्र –2017 बैच	211–214
26	एम.एससी. –2017 बैच	214–216
27	एम.टैक. –2017 बैच	216–218
28	I–पी.एचडी. (भौतिक विज्ञान)–2017 बैच	218



निदेशक की कलम से-

हमारे भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी के 9वें वर्ष में तेजी से विस्तार हुआ। इसके उत्तरी परिसर में कई भवनों का निर्माण कार्य पूर्ण किया जा रहा है। इस वर्ष उत्तरी परिसर में दशीर छात्रावास, ब्यास कुण्ड छात्रावास और गौरी कुण्ड छात्रावास में लगभग 320 छात्र रहने लगे। वे 60 प्राध्यापकों और कर्मचारी परिवारों के साथ सम्मिलित हुये थे। उत्तरी परिसर में एम.एस.सी. और बी.टैक. की कक्षाएं आरम्भ हुईं।

वर्ष 2017-18 में हमने निम्नलिखित तीन कार्यक्रम आरम्भ किए: 'भौतिक विज्ञान' में एम.एससी, 'पॉवर इलैक्ट्रॉनिक्स एवं ड्राइव्स' और 'संचार एवं संकेत प्रक्रम' में एम.टैक.। इनको सम्मिलित करने के बाद स्नातकोत्तर छात्रों की प्रतिशतता में 46% वृद्धि हुई।

वर्ष 2017-18 में भा.प्रौ.सं. मण्डी को महत्वपूर्ण राष्ट्रीय पहचान मिली। भा.प्रौ.सं. मण्डी द्वारा बी.टैक. में लिंगानुपात बढ़ाने की पहल को सभी भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों ने राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार किया। बी.टैक. में महिलाओं की प्रतिशतता वर्ष 2016 से 2018 तक 8 प्रतिशत से 14 प्रतिशत तक तथा वर्ष 2020 में 20 प्रतिशत बढ़ाने की हमारी योजना को भा.प्रौ.सं. परिषद् ने माह अप्रैल 2017 में अनुमोदित किया। माह अगस्त 2017 में भा.प्रौ.सं. मण्डी ने अपने बी.टैक. में 22 इच्छुक महिलाओं का स्वागत किया, जोकि बैच की 4-6 प्रतिशत से 15 प्रतिशत तक उल्लेखनीय वृद्धि है।

हमारे बायो एक्स सेंटर के नये भवन का उद्घाटन करने के लिए प्राध्यापक के. विजय राघवन, सचिव डीबीटी, भा. प्रौ.सं. मण्डी आये। वर्ष के अंत में जब उन्होंने महत्वाकांक्षी फारमर जोन टी एम परियोजना को प्राप्त किया, तब उन्होंने भारत के लाखों छोटे और मध्यम खेतों को सर्वाधिक लाभ पहुंचाने के लिए भा.प्रौ.सं. मण्डी को चुना। इस परियोजना के भागीदार संयुक्त राज्य और यूएस हैं। माह मार्च 2018 में भा.प्रौ.सं. मण्डी की सबसे बड़ी 7.5 करोड़ की फारमर जोन परियोजना को स्वीकृति मिली। इसकी टीम में एससीईईई, एसबीएस और एसएचएसएस के प्राध्यापक सम्मिलित हैं।

वर्ष 2017-18 में भा.प्रौ.सं. मण्डी के प्राध्यापकों, छात्रों और कर्मचारी वर्ग ने भा.प्रौ.सं. मण्डी को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा, अनुसंधान और नवोचार का पसंदीदा गंतव्य बनाने की चुनौती पर कठोर परिश्रम किया है। निश्चय ही वर्ष के दौरान उनकी नव पहल आगामी वर्षों के लिए सार्थक होगी।

प्राध्यापक तिमोथी ए. गोन्सेल्वज
निदेशक

शैक्षणिक स्वरूप

शैक्षिक गतिविधियों में अध्यापन, अधिगम और अनुसंधान को तीन समकोणीय, लेकिन पूरक संरचना के रूप में कार्यान्वित किया है। ये शैक्षिक स्कूल, छात्र उपाधि कार्यक्रम और अनुसंधान समूह हैं। प्रत्येक को एक महत्वपूर्ण लक्ष्य के लिए निर्मित किया गया है। संस्थान के उच्चतम शैक्षिक लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए ये तीनों परस्पर सुगमता से जुड़े हैं। यह स्वरूप बहु विषयक अधिगम और अनुसंधान को प्रोत्साहित करके प्रौद्योगिकी के विकास में अग्रसर है।

स्कूल

प्राध्यापक गण विस्तृत और स्वतन्त्र रूप से निर्धारित स्कूलों से सम्बन्धित हैं। उन प्राध्यापकों के लिए जिनकी रुचि कुछ मौलिक सिद्धांतों के प्रति है, उन्हें प्रत्येक स्कूल घरेलू वातावरण प्रदान करता है। कुछ प्राध्यापकों की नियुक्ति संयुक्त रूप से अन्य स्कूलों में भी हुई है। भा.प्रौ.सं. मण्डी ने व्यापक रूप से संस्थानों में पारम्परिक विभागों और प्रभागों की परम्परा को इसीलिए नकारकर प्राध्यापकों को वर्गित स्कूलों में नियुक्त किया है, ताकि संस्थान में सक्रिय रूप से एक बहु विषयक संस्कृति विकसित हो सके और सभी क्षेत्रों में सहयोगात्मक अनुसंधान और परियोजनाओं को गति मिल सके।

आजकल संस्थान में निम्नलिखित स्कूल संचालित हैं:

1. संगणक और विद्युतीय अभियांत्रिकी स्कूल (एससीईई)

इलैक्ट्रॉनिक्स और अर्धचालक, सांकेतिक प्रक्रिया, स्वचालन और नियंत्रण तथा विद्युतीय ऊर्जा प्रणाली सहित संगणक विज्ञान, संगणक अभियांत्रिकी, विद्युत अभियांत्रिकी के व्यापक विषयों के प्राध्यापक सदस्य इस स्कूल के भाग हैं।

2. अभियांत्रिकी स्कूल (एसई)

अभियांत्रिकी के अन्य विषयों (यांत्रिक अभियांत्रिकी और जनपद अभियांत्रिकी, सामग्री विज्ञान अभियांत्रिकी) के प्राध्यापक इस स्कूल का भाग हैं।

3. आधार विज्ञान स्कूल (एसबीएस)

आधार विज्ञान के सभी विषयों (भौतिकी, गणित, रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान) के प्राध्यापक इस स्कूल का भाग हैं।

4. मानविकी और सामाजिक विज्ञान स्कूल (एसएचएसएस)

अंग्रेजी, जर्मन, अर्थशास्त्र, समाज विज्ञान, मनोविज्ञान, प्रबन्धन, इतिहास और मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान के अन्य विषयों के प्राध्यापक इस स्कूल का भाग हैं।

उपाधि कार्यक्रम:

1. निम्नलिखित अभियांत्रिकी विषयों में प्रौद्योगिकी स्नातक (बी.टैक.) की जाती है:

- (क) जनपद अभियांत्रिकी (सीई)
- (ख) संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी (सीएसई)
- (ग) विद्युत अभियांत्रिकी (ईई) और
- (घ) यांत्रिकी अभियांत्रिकी (एमई)

2. निम्नलिखित अभियांत्रिकी विषयों में एम.एस. (अनुसंधान द्वारा) की जाती है—
 - (क) संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी
 - (ख) यांत्रिकी अभियांत्रिकी
 - (ग) विद्युत अभियांत्रिकी (नागरिक)
3. अभियांत्रिकी, आधार विज्ञान और मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान में पी.एचडी.
4. रसायन विज्ञान में एम.एससी.
5. अनुप्रयुक्त गणित में एम.एससी.
6. भौतिक विज्ञान में एम.एस.सी
7. ऊर्जा प्रणालियों में विशेषज्ञता सहित यांत्रिकी अभियांत्रिकी में एम.टैक.
8. सामग्री में विशेषज्ञता के साथ ऊर्जा अभियांत्रिकी में एम.टैक.
9. वीएलएसआई में विशेषज्ञता सहित विद्युत अभियांत्रिकी में एम.टैक.
10. पावर इलेक्ट्रॉनिक्स और ड्राइव्स में एम.टैक.
11. संचार और संकेत प्रक्रम में एम.टैक.
12. जैव प्रौद्योगिकी में एम.टैक.
13. भौतिक विज्ञान में संकलित पी.एचडी.

**भा.प्रौ.सं. मण्डी में दिनांक 31 मार्च, 2018 को छात्र सांख्यिकीय आंकड़ा
बैच, लिंग और जाति के आधार पर छात्रों की संख्या**

	2010-11		2011-12		2012-13		2013-14		2014-15		2015-16		2016-17		2017-18	
लिंग के अनुसार	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला
	1	1	5	0	12	2	13	4	134	16	167	33	240	60	262	80

वर्ष	बी.टैक.					एम.एससी. (रसायन विज्ञान)					एम.टैक. (ऊर्जा अभियांत्रिकी)				
	सामान्य	ओबीसी	एससी	एसटी	कुल	सामान्य	ओबीसी	एससी	एसटी	कुल	सामान्य	ओबीसी	एससी	एसटी	कुल
2010	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---
2011	---	---	1	---	1	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---
2012	---	2	---	---	2	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---
2013	---	1	1	---	2	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---
2014	56	34	13	9	112	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---
2015	63	36	22	10	131	---	---	---	---	---	---	---	---	1	1
2016	73	40	12	11	147	21	9	7	2	39	15	4	2	1	22
2017	73	39	23	11	146	29	14	11	1	55	41	15	6	0	62
महायोग	541					94					85				

वर्ष	एम.एस.					पी.एच.डी.					I-पी.एच.डी. (भौतिकी)						
	सामान्य	ओबीसी	एससी	एसटी	कुल	सामान्य	ओबीसी	एससी	एसटी	कुल	सामान्य	ओबीसी	एससी	एसटी	कुल		
2010	---	---	---	---	---	1	1	---	---	2	---	---	---	---	---		
2011	---	---	---	---	---	2	1	1	---	4	---	---	---	---	---		
2012	---	---	---	---	---	10	2	---	---	12	---	---	---	---	---		
2013	---	---	---	---	---	13	2	---	---	15	---	---	---	---	---		
2014	3	---	---	---	3	27	7	1	---	35	---	---	---	---	---		
2015	11	---	---	---	11	38	11	2	---	51	5	1	---	---	6		
2016	9	2	---	---	11	54	14	8	---	76	5	---	---	---	5		
2017	8	3	1	0	12	46	11	4	---	61	4	2	---	---	6		
महायोग					37						256						17

वर्ष	अंशकालिक / ईआरपी (एम.एस./पीएच.डी)				
	सामान्य	ओबीसी	एससी	एसटी	कुल
2010	---	---	---	---	---
2011	---	---	---	---	---
2012	---	---	---	---	---
2013	3	---	---	---	3
2014	3	1	---	---	4
2015	5	---	---	---	5
2016	---	1	---	---	1
2017	3	2	1	---	6
महायोग					19

भा.प्रौ.सं. मण्डी में दिनांक 31 मार्च, 2018 तक प्राध्यापक (लिंग के आधार पर)			
2017-18			
लिंग के आधार पर	पुरुष	महिला	कुल प्राध्यापक
प्राध्यापक	87	23	110

भा.प्रौ.सं. मण्डी में दिनांक 31 मार्च, 2018 तक अशैक्षणिक कर्मचारी वर्ग (लिंग के आधार पर)			
2017-18			
लिंग के आधार पर	महिला	पुरुष	कुल कर्मचारी वर्ग
अशैक्षणिक कर्मचारी वर्ग	41	11	52

**वित्तीय वर्ष 2017-18 में उपलब्ध कुल अनुसंधान और विकास
(प्रायोजित संस्था और शैक्षणिक स्कूल द्वारा)
बाहरी प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाएं**

क्र. सं.	परियोजना संख्या	परियोजना शीर्षक	प्रायोजित संस्था	प.अ. एवं समन्वयक	विभाग/स्कूल	स्वीकृत धन (रु.)	योजना की अवधि	वित्तीय वर्ष
1	आईआईटीएम/एचपीएससीएसटीई/एसपी/163	सौर युक्त नालीदार सुखाने वाले कुशल बक्से का प्रारूप और विकास	विज्ञान, प्रौद्योगिकी और पर्यावरण के लिए हिमाचल प्रदेश राज्य परिषद् (एससीएसटीई)	डॉ. सत्वशील पोवार (प.अ.) डॉ. धीरज पाटिल, डॉ. अतुल धर, डॉ. अर्पण गुप्ता	अभियांत्रिकी स्कूल	8,17,000	2 वर्ष	2017-18
2	आईआईटीएम/एस एसी-आईएस आरओ/डीपीएस/164	भू-स्थानिक (एवीआईआरआईएस-एनजी) और क्षेत्रीय आंकड़े से बर्फ मानचित्रण और इसके मापकों का आकलन	एसएससी-इसरो	डॉ. डेरिक्स पी. शुक्ला	अभियांत्रिकी स्कूल	28,00,000	2 वर्ष	2017-18
3	आईआईटीएम/डी बीटी-बीएमबीएफ/एसकेएम/165	बायो पीईसी: सूक्ष्म जैवीय जैव प्रक्रियाओं और पायरोलायसिस प्रौद्योगिकियों के एकीकरण द्वारा सेलुलॉसिक अपशिष्ट से उच्च मूल्य उत्पादों तक	डीबीटी-बीएमबीएफ	डॉ. श्याम कुमार मासाकपल्ली (प.अ.), डॉ. नील माकिन्नोन (प.अ.), डॉ. स्वाति शर्मा (जर्मनी)	आधार विज्ञान स्कूल	45,46,000	2 वर्ष	2017-18
4	आईआईटीएम/डी बीटी-आईसी/आर जी/166	संक्रमण रोगों के लिए हाथ से पकड़ने वाले आण्विक देखभाल परीक्षण बिन्दु उपकरण का विकास	डीबीटी-आईसी	डॉ. रजनीश गिरि, प्रा. दामन सलुजा (दिल्ली विश्वविद्यालय), प्रो. जेम्स महोनी (कनाडा)	आधार विज्ञान स्कूल	98,25,000	2 वर्ष	2017-18
5	आईआईटीएम/आईसी एसएसआर/एकेएम/167	भारतीय ईसाई धर्म का प्रजातंत्रीकरण: आधुनिक भारत में दलित ईसाई मुक्ति लहर	आईसीएसएसआर	डॉ. अशोक कुमार मोचरला	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान स्कूल	6,00,000	18 माह	2017-18
6	आईआईटीएम/एसई आरबी/पीपीजे/168	सूक्ष्मदर्शी संरचना का तुलनात्मक अध्ययन और कम व उच्च घनत्व पर रेखीय गलित बहुलक में कांच पारगमन के समीप गतिकी	एसईआरबी	डॉ. प्रसाथ पी. जोस	आधार विज्ञान स्कूल	20,23,780	3 वर्ष	2017-18
7	आईआईटीएम/एम एचआरडी-इम्प्रिंट/एडी/169	जैव फोटो इलेक्ट्रो कैटालायसिस और जैव उत्पादन के माध्यम से सतत अपशिष्ट जल का उपाय	एमएचआरडी-इम्प्रिंट	डॉ. अतुल धर (प.अ.) डॉ. राहुल वैश, डॉ. श्याम कुमार मासाकपल्ली, डॉ. अदिती हल्दर, डॉ. तुलिका पी. श्रीवारस्ता, डॉ. ऋक् रानी कोडार	अभियांत्रिकी स्कूल और आधार विज्ञान स्कूल	3,84,34,000	3 वर्ष	2017-18
8	आईआईटीएम/डी बीटी/पीएम/170	गेर आक्रामक बिम्ब विधान, ट्रेकिंग और बढ़ रहे यकृत रोग के निदान को पहुँचाने के लक्ष्य के लिए नोवल एनआईआर-1 और एनआईआर-2 रंजक और उनके कार्यात्मक अति सूक्ष्म कण	डीबीटी	डॉ. प्रसेनजीत मण्डल (प.अ.), डॉ. सुब्रता घोष (स.प.अ.)	आधार विज्ञान स्कूल	60,25,600	3 वर्ष	2017-18
9	आईआईटीएम/डी टीआरएल-डीआर डीओ/एमके/171	यंत्र अधिगम समय श्रृंखला पूर्वकथन रूपांकन के प्रयोग से संवेदक आंकड़ा आधारित विशेष स्थल पूर्वानुमान	डीआरडीओ	डॉ. मनोज ठाकुर	आधार विज्ञान स्कूल	26,06,400	2 वर्ष	2017-18
10	आईआईटीएम/एसईआरबी/डीएस/172	क्रियात्मक विलेय पारवहन में विषमांगी छिद्रित माध्यम से होकर उच्च रूपांकन दृष्टिकोण का औचित्य: प्रयोगात्मक और सांख्यिकीय अध्ययन	एसईआरबी	डॉ. दीपक स्वामी	अभियांत्रिकी स्कूल	42,74,600	3 वर्ष	2017-18
11	आईआईटीएम/एस ईआरबी/आरआरके/173	ऊर्जा भण्डारण अनुप्रयोग के लिए सकारात्मक विद्युत सक्रिय वर्ग के रूप में नये धातु जैविक नेटवर्क: सामग्री विकास से नमूने के निर्माण तक	एसईआरबी	डॉ. ऋक् रानी कोडार	अभियांत्रिकी स्कूल	30,51,000	3 वर्ष	2017-18
12	आईआईटीएम/यूबीए/एसपी/174	एमएचआरडी- उन्नत भारत अभियान योजना	एमएचआरडी	डॉ. सत्वशील पोवार (प.अ.), डॉ. सूर्य प्रकाश उपाध्याय, डॉ. डेरिक्स पी. शुक्ला, डॉ. अतुल धर (स.प.अ.)	अभियांत्रिकी स्कूल और मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान स्कूल	3,50,000	1 वर्ष	2017-18

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी का वार्षिक प्रतिवेदन ■ 2017-18

13	आईआईटीएम/डी आरडीओ/आरके/175	कार्यात्मक रूप से ग्रेडिड पाइजोइलेक्ट्रिक सामग्री का उपयोग करते हुए कार्यात्मक रूप से ग्रेडिड संरचना का अरैखिक सक्रिय ढाँचा और कम्पन नियंत्रण	डीआरडीओ	डॉ. राजीव कुमार (प.अ.), डॉ. मोहम्मद तलहा (स.प.अ.)	अभियांत्रिकी स्कूल	18,03,000	3 वर्ष	2017-18
14	आईआईटीएम/डी एसटी-आईआर/आरजी/176	लियुकेमिया प्रेरण में आंतरिक रूप से अव्यवस्थित प्रोटीन, E2APBX1 के पार सक्रियण क्षेत्र का वलन तंत्र	डीएसटी	डॉ. रजनीश गिरि (प.अ.), डॉ. इरिना एम कुजनेटसोवा (टिखेरीटस्की सेंट पीटर्जबर्ग रशिया)	आधार विज्ञान स्कूल	23,39,200	2 वर्ष	2017-18
15	आईआईटीएम/डी एसटी-आईआर/एके पी/177	युग्मक Fe-Pb और तिगुने Fe-Pd-M(M-Ni,Ga) में चुम्बकीय गुण और रचना परिवर्तन	डीएसटी	डॉ. आरती कश्यप (प.अ.), डॉ. अलेकसन्दर पोपोव, एम.एन. मिहीव रुसी विज्ञान संस्थान, यकेटीरिनबर्ग, रूस	आधार विज्ञान स्कूल	19,86,400	2 वर्ष	2017-18
16	आईआईटीएम/एसईआरबी/एबी/178	आगामी ऊर्जा और संवेदक उपकरण आधारित गैलियम ऑक्साइड का विकास	एसईआरबी	डॉ. अंकुश बाग	संगणक एवं विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल	51,85,400	3 वर्ष	2017-18
17	आईआईटीएम/डी आरडीओ-डीटीआर एल/वीडी/179	भू-स्खलन की जल्दी चेतावनी देने वाले सस्ते साधनों का निर्माण और विकास	डीआरडीओ-डीटीआरएल	डॉ. वरुण दत्त (प.अ.), डॉ. वेंकटा उदय कला (स.प.अ.)	संगणक एवं विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल और अभियांत्रिकी स्कूल	9,99,460	3 वर्ष	2017-18
18	आईआईटीएम/डी एसटी (डब्ल्यूओएस-बी)/आरएसओ/180	भा.प्रौ.सं. मण्डी में प्रयोगशाला से लेकर मध्य हिमालयीन क्षेत्र के किसानों तक के लिए किये जा रहे प्रौद्योगिकी आधारित कृषि का विकास और विस्तार	डीएसटी (डब्ल्यूओएस-बी)	डॉ. रेशमा साव (प.अ.), डॉ. श्याम कुमार मासाकपल्ली (सलाहकार)	आधार विज्ञान स्कूल	26,80,000	3 वर्ष	2017-18
19	आईआईटीएम/एन आईआरडी और पी आर/आरटी/181	महिलाओं के नेतृत्व में पंचायती राज संस्थान (पीआरआईज) के माध्यम से सामुदायिक विकास	एनआईआरडी-पीआर	डॉ. रमना ठाकुर	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान स्कूल	2,30,000	3 माह	2017-18
20	आईआईटीएम/एस ईआरबी/जीएसआर/182	विभिन्न आरएफ और माइक्रोवेव अनुप्रयोगों के लिए ब्रॉड बैंड फ्रिक्वेंसी सीलेक्टिव सरफेस (एफएसएस) संरचनाओं का अध्ययन और प्रारूप	एसईआरबी	डॉ. गोपी श्रीकान्थ रेड्डी	संगणक एवं विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल	51,97,910	3 वर्ष	2017-18
21	आईआईटीएम/आरएफएसएल-मण्डी/एबी/183	हिमाचल प्रदेश में फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशालाओं में अत्याधुनिक डिजिटल फोरेंसिक सुविधाओं का निर्माण और विकास	रीजनल फोरेंसिक साईंस लैबोरेटरी (आरएफएसएल)	डॉ. अर्णव भावसार (प.अ.), आरएफएसएल से श्री राजेश वर्मा (पीआई), डॉ. अनिल के. साव, डॉ. रेणु रमेशन, डॉ. पद्मनाभन राजन, डॉ. ए.डी. दिलीप, डॉ. आदित्य निगम (स.प.अ.)	संगणक एवं विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल	12,00,000	2 वर्ष	2017-18
22	आईआईटीएम/एनडी एमए/वीडी/184	भू-स्खलन निगरानी वाले सस्ते साधनों का निर्माण और मूल्यांकन	एनडीएमए	डॉ. वरुण दत्त (पीआई), डॉ. वेंकटा उदय कला (स.प.अ.)	संगणक एवं विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल और अभियांत्रिकी स्कूल	27,85,080	3 वर्ष	2017-18
23	आईआईटीएम/एचपी एससीएसटीई/एसके एम/185	एजो रंजक को हटाने के लिए लागत प्रभावी मिश्रित प्रौद्योगिकी आधारित rGO-TiO ₂ का उपयोग करते हुए अपशिष्ट जल का फोटो कैटालाइटिक व्यवहार	विज्ञान, प्रौद्योगिकी और पर्यावरण के लिए हिमाचल प्रदेश राज्य परिषद् (एससीएसटीई)	डॉ. सतिन्द्र कुमार शर्मा (प.अ.), डॉ. वेंकटा कृष्णन (स.प.अ.)	संगणक और विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल और आधार विज्ञान स्कूल	5,88,000	2 वर्ष	2017-18
24	आईआईटीएम/डीएई-बीआरएनएस/एस जी/186	हिमाचल प्रदेश के चार जिलों (ऊना, बिलासपुर, सोलन और सिरमौर) में भूमि जल, धरातल जल और पीने के जल में यूरेनियम और सहायक जल गुणवत्ता मापकों का स्थानीय वितरण	डीएई-बीआरएनएस	डॉ. सुब्रता घोष (प.अ.), डॉ. जसप्रीत कौर रन्धावा (स.प.अ.)	आधार विज्ञान स्कूल और अभियांत्रिकी स्कूल	29,24,300	2 वर्ष	2017-18

25	आईआईटीएम/डीई-बीआरएनएस/वीके एन/187	शिमला और किन्नौर में यूरेनियम और सहायक जल गुणवत्ता मापकों का स्थानीय वितरण	डीई-बीआरएनएस	डॉ. वैकटा कृष्णन (प.अ.), डॉ. ऋक् रानी कोडार (स.प.अ.)	आधार विज्ञान स्कूल और अभियांत्रिकी स्कूल	29,24,300	2 वर्ष	2017-18
26	आईआईटीएम/डीई-बीआरएनएस/डीपी एस/188	मण्डी, कुल्लू और हमीरपुर में यूरेनियम और सहायक जल गुणवत्ता मापकों का स्थानीय वितरण	डीई-बीआरएनएस	डॉ. डेरिक्स पी. शुक्ला (प.अ.), डॉ. अदिति हल्दर (स.प.अ.)	अभियांत्रिकी स्कूल और आधार विज्ञान स्कूल	27,51,800	2 वर्ष	2017-18
27	आईआईटीएम/एस डब्ल्यू-एमडीएफए/एसडीजी/189	भारतीय हिमालयी क्षेत्रों के जलवायु परिवर्तन की अति संवेदनशीलता के निर्धारण का क्षमता निर्माण	सविस विकास निगम (एफडीएफए)	डॉ. अनामिका बरूआ (प.अ.), भा.प्रो.सं. गुवाहाटी, डॉ. श्यामाश्री दाश गुप्ता(प.अ.), भा.प्रो.सं. मण्डी	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान स्कूल	18,84,562	16 माह	2017-18
28	आईआईटीएम/एस ईआरबी/पीएफएस/190	प्राचीन ग्राफीन का कैटालिस्ट समर्थन के रूप में विकास	एसईआरबी	डॉ. प्रेम फेलिक्स सिरिल (प.अ.), डॉ. सुब्रता घोष (स.प.अ.)	आधार विज्ञान स्कूल	29,54,600	3 वर्ष	2017-18
29	आईआईटीएम/एचपीएससीएसटीई/एनआरटी/191	ग्रामीण हिमाचल आवासीय अनुप्रयोग के लिए संकर विद्युत परावर्तन प्रणाली आधारित सस्ती उच्च दक्षता नवीकरणीय ऊर्जा	विज्ञान, प्रौद्योगिकी और पर्यावरण के लिए हिमाचल प्रदेश राज्य परिषद् (एससीएसटीई)	डॉ. नरसा रेड्डी टुम्मरु (प.अ.)	संगणक एवं विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल	6,50,000	2 वर्ष	2017-18
30	आईआईटीएम/डी बीटी-इन्डो-यूके/एसएस/192	कुशल कृषि: फारमर जोन	डीबीटी	भा.प्रो.सं. मण्डी से डॉ. श्रीकान्त श्री निवासन (प.अ.), डॉ. रेणु एम.आर. डॉ. सिद्धार्थ शर्मा, डॉ. ए.डी. दिलीप, डॉ. श्याम कुमारमासाकपल्ली, डॉ. श्यामाश्री दाश गुप्ता (स.प.अ.) और सीपीसीआर आई शिमला से डॉ. एस.के चक्रवर्ती (प.अ.) और एनआईएबी (यूके) से डॉ. टिना बारस्वाई (प.अ.) और गोदान (अमेरिका) से डॉ. एन्ड्रे लेपीरीरी (प.अ.), पेन्सिलवेनिया विश्वविद्यालय से डॉ. डेविड हघस (प.अ.)	संगणक एवं विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल और आधार विज्ञान स्कूल तथा मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान स्कूल	9,47,76,400	3 वर्ष	2017-18
31	आईआईटीएम/आईसीएसएसआर/पी एस/193	बैंक के कार्य के प्रतिनिधि मॉडल का विकास: हिमाचल प्रदेश में अध्ययन का एक मामला	आईसीएसएसआर	डॉ. पूरन सिंह (प.अ.), डॉ. श्यामाश्री दाश गुप्ता (स.प.अ.)	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान स्कूल	2,50,000	1 वर्ष	2017-18
32	आईआईटीएम/आई एनएमएस-डीआरडी ओ/एसओ/194	लिये गये बिम्बों से ट्राइएज बायोडोसीमीट्री अनुप्रयोगों के लिए दो केन्द्रों से विकसित होने वाले गुण सूत्रों का पता और प्रमात्रा	आईएनएमएस-डीआरडीओ	डॉ. अनिल कुमार साव (प.अ.), डॉ. अर्णव भावसार (स.प.अ.)	संगणक एवं विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल	8,67,900	18 माह	2017-18
33	आईआईटीएम/डी एसटी/वीबी/195	आगामी समय में ऊर्जा भण्डारण उपकरणों के लिए विषम सूक्ष्म अधिसंधारित्र का मापनीय निर्माण	डीएसटी	डॉ. विश्वनाथ बालाकृष्णन (प.अ.), डॉ. सत्वशील पोवार (स.प.अ.)	अभियांत्रिकी स्कूल	68,60,600	3 वर्ष	2017-18
34	आईआईटीएम/एनएम एचएस/जेके आर/196	हिमालयी क्षेत्र के लिए धात्विकरण युक्त सस्ती त्वरित जल शुद्धिकरण प्रणाली का विकास	एनएमएचएस	डॉ. जसप्रीत कौर रन्धावा (प.अ.), डॉ. भरत सिंह राजपुरोहित, डॉ. समर अग्निहोत्री (स.प.अ.)	अभियांत्रिकी स्कूल और संगणक एवं विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल	40,66,000	3 वर्ष	2018-19
35	आईआईटीएम/एमओ ईएस/डीएस/197	छिद्रपूर्ण माध्यम से विलेय पारगमन मापदण्डों का अध्ययन	एमओईएस	डॉ. दीपक स्वामी (प.अ.), डॉ. डेरिक्स पी. शुक्ला (स.प.अ.)	अभियांत्रिकी स्कूल	44,59,325	3 वर्ष	2017-19
36	आईआईटीएम/डीएस टी/एकेपी/198	विज्ञान ज्योति- महिलाओं के लिए डीएसटी का नव उपक्रम	डीएसटी	डॉ. आरती कश्यप (प.अ.), स.प.अ.: डॉ. बिन्दु राधामनि, डॉ. अमित प्रसाद, डॉ. आदित्य निगम	संगणक एवं विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल और आधार विज्ञान स्कूल	16,57,900	1 वर्ष	2017-18

आंतरिक परियोजनाएं:

क्र. सं.	भा.प्रौ.सं.मण्डी सन्दर्भ संख्या /परियोजना संख्या	परियोजना शीर्षक	प्रायोजित संस्था	प.अ. एवं समन्वयक	विभाग /स्कूल	स्वीकृत धन (रु.)	योजना की अवधि	वित्तीय वर्ष
1	आईआईटीएम/आई एनटी/सीकेएन/ 12	छाती के कैंसर में स्थल विशेष दवा वितरण के लिए सूक्ष्म नैदानिक की नयी उत्पत्ति	आईआईटी मण्डी-बायोएक्स	डॉ. चयन के. नन्दी (भा.प्रौ.सं. मण्डी), डॉ. डी. मण्डल (भा.प्रौ.सं. रोपड़), डॉ. शालमोली (पीजीआई चण्डीगढ़) (स.प.अ.)	आधार विज्ञान स्कूल	250000	1 वर्ष	2017-18
2	आईआईटीएम/आई एनटी/पीएफएस / 13	अस्थि उत्तक अभियांत्रिकी अनुप्रयोग के लिए 3 डी कार्बन नैनो ट्यूब/पीवीए स्कैफोल्ड (मचानों) का कृत्रिम विकास और चरित्रण	आईआईटी मण्डी-बायोएक्स	भा.प्रौ.सं. मण्डी से डॉ. प्रेम फेलिक्स सिरिल (प.अ.), डॉ. नेहा गर्ग (स.प.अ.), भा.प्रौ.सं. रोपड़ से डॉ. प्रभात अग्निहोत्री (प.अ.), डॉ. नरेन्द्र सिंह (स.प.अ.), डॉ. प्रमोद अवति (पीजीआई चण्डीगढ़) (स. प.अ.)	आधार विज्ञान स्कूल	1000000	1 वर्ष	2017-18
3	आईआईटीएम/आई एनटी/टीपीएस/ 14	मौखिक जलीय कोशिका कार्सिनोमा की पूर्व जाँच में माइक्रो आरएनए आधारित गैर आक्रामक निदान विधि विकसित करने के लिए प्रायोगिक अध्ययन	आईआईटी मण्डी-बायोएक्स	डॉ. तुलिका पी. श्रीवास्तवा (भा. प्रौ.सं. मण्डी से प.अ.), डॉ. श्रीवास्तवा नायडु (भा.प्रौ.सं. रोपड़ से प.अ.), डॉ. नरेन्द्र सिंह (भा.प्रौ. सं. रोपड़) और डॉ. अर्णव पाल (पीजीआई चण्डीगढ़ से स.प.अ.)	आधार विज्ञान स्कूल	2200000	1 वर्ष	2017-18
4	आईआईटीएम/आई एनटी/एनजी/ 15	कार्बनिक-अकार्बनिक सूक्ष्म संकरों का रूपांकन, संश्लेषण, चरित्रण और इनविट्रो और इनविवो प्रणालियों का प्रयोग करते हुये कैंसर रोधी गतिविधियों का मूल्यांकन	आईआईटी मण्डी-बायोएक्स	डॉ. नेहा गर्ग (भा.प्रौ.सं. मण्डी से), डॉ. नरेन्द्र सिंह (भा.प्रौ.सं. रोपड़ से) और डॉ. चयन के. नन्दी (भा.प्रौ.सं. मण्डी), डॉ. अभिमन्यु धीर और डॉ. रमना ठाकुर (भा.प्रौ.सं. मण्डी से स.प. अ.)	आधार विज्ञान स्कूल	1000000	1 वर्ष	2017-18
5	आईआईटीएम/आई एनटी/जेकेआर/ 16	लक्षित फेफड़े के ट्यूमर वाहिका जनन के लिए लाइपिड अति सूक्ष्म कण युक्त एन्टि एन्जिओमिआर का विकास	आईआईटी मण्डी-बायोएक्स	डॉ. जसप्रीत कौर रन्धावा (भा.प्रौ. सं. से प.अ.), डॉ. दुबा पाल (भा. प्रौ.सं. रोपड़ से प.अ.) और प्रा. अनुराधा चक्रवर्ती (पीजीआई चण्डीगढ़), डॉ. नवनीत सिंह (पीजीआई चण्डीगढ़), डॉ. डी. बेहरा (पीजीआई चण्डीगढ़ से स.प.अ.)	आधार विज्ञान स्कूल	750000	1 वर्ष	2017-18
6	आईआईटीएम/आई एनटी/एसडी जी/ 17	पहाड़ी राज्यों में ई-ऑटो का पारगमन: मण्डी शहर में अध्ययन का मामला	आईआईटी मण्डी	डॉ. श्यामाश्री दाश गुप्त (भा.प्रौ. सं. मण्डी से प.अ.), डॉ. टी. नरसा रेड्डी (भा.प्रौ.सं. मण्डी से)	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान स्कूल और संगणक एवं विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल	1000000	1 वर्ष	2017-18
7	आईआईटीएम/आई एनटी/आरजी/ 18	विस्मृति रोग के लिए बहुविषयक दृष्टिकोण: लक्षित एमिलॉयड बीटा एकत्रीकरण	आईआईटी मण्डी-बायोएक्स	डॉ. रजनीश गिरि (भा.प्रौ.सं. मण्डी से प.अ.), डॉ. कैलाश चन्द्र (भा.प्रौ.सं. रोपड़ से प.अ.), डॉ. भा.प्रौ.सं. मण्डी से स.प.अ. के रूप में प्रेम फेलिक्स सिरिल, डॉ. सुब्रता घोष	आधार विज्ञान स्कूल	750000	1 वर्ष	2017-18

मूल अनुदान परियोजनाएं:

क्र. सं.	पंजिका संख्या	परियोजना शीर्षक	प्राध्यापक का नाम	विभाग/स्कूल	स्वीकृत धन (₹.)	योजना की अवधि	वित्तीय वर्ष
1	आईआईटीएम/एसजी/एसडीजी/57	वन पारिस्थितिक तंत्र सेवा का विस्तृत मूल्यांकन और मूल्य निर्माण विधि समझना: हिमाचल प्रदेश में अध्ययन का मामला	डॉ. श्यामाश्री दाश गुप्ता	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान स्कूल	500000	3 वर्ष	2017-18
2	आईआईटीएम/एसजी/एनआरटी/58	संकर ऊर्जा भण्डारण प्रणाली एसी-डीसी माइक्रोग्रिड परिप्रेक्ष्य में नियंत्रण के लिए सामग्री	डॉ. नरसा रेड्डी टुम्मरू (प.अ.), डॉ. ऋक् रानी कोडार	संगणक एवं विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल और अभियांत्रिकी स्कूल	1550000	3 वर्ष	2017-18
3	आईआईटीएम/एसजी/आरजी/59	मधुमेह और मधुमेह हीन रोगियों में अस्थि के अस्थि भंग गुणों का पता करना: प्रयोगात्मक और सांख्यिकीय अनुसंधान	डॉ. राजेश घोष (प.अ.), डॉ. अर्पण गुप्ता	अभियांत्रिकी स्कूल	1200000	3 वर्ष	2017-18
4	आईआईटीएम/एसजी/एसएसआर/60	अति सूक्ष्म रेशे का प्रयोग करते हुये पानी से भारी धातु उठाना	डॉ. सुमित सिन्हा रे (प.अ.)	अभियांत्रिकी स्कूल	1000000	3 वर्ष	2017-18
5	आईआईटीएम/एसजी/जीएसआर/61	विभिन्न आरएफ और माइक्रोवेव-अनुप्रयोग के लिए ब्रॉड बैंड विद्युत वाले लघु एन्टीने	डॉ. जी. श्रीकान्थ रेड्डी	संगणक एवं विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल	553675	3 वर्ष	2017-18
6	आईआईटीएम/एसजी/एसएस/62	सस्ते, मापनीय और लचीले कृषि इंटरनेट ढांचे का विकास करना	डॉ. श्रीकान्त श्रीनिवासन (प.अ.), डॉ. सिद्धार्थ शर्मा (स.प.अ.)	संगणक एवं विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल	1500000	3 वर्ष	2017-18
7	आईआईटीएम/एसजी/पीएस/63	हिमाचल प्रदेश में शाखाहीन बैंकिंग के माध्यम से वित्तीय समावेश और वित्तीय अधिकता	डॉ. पूरन सिंह	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान स्कूल	500000	2 वर्ष	2017-18

प्रयोजित शोधकार्य परामर्श सेवा

क्र. सं.	पंजिका संख्या	परियोजना शीर्षक	प्राध्यापक का नाम	अनुबन्ध हस्ताक्षरकर्ता	स्वीकृत धन (₹.)	योजना की अवधि	वित्तीय वर्ष
1	आईआईटीएम/सीओएनएस/टीएमएससी/आरएस/13	गुडगांव राज्य पीडब्ल्यूडी में जिला न्यायालय भवन के प्रमाण की जांच करना	डॉ. रजनीश शर्मा (प.अ.), डॉ. कौस्तव सरकार (स.प.अ.)	तरुण माथुर, संरचनात्मक सलाहकार, 764, सेक्टर-8 बी, चण्डीगढ़	3,45,000	02 माह	2017-18
2	आईआईटीएम/सीओएनएस/डीडीपीटी/केवीयू/14	एनएच-21 के लिए उधार मिट्टी परीक्षण	डॉ. के.वी. उदय	द्रुता डिजाइन्ज प्राईवेट लिमिटेड, रोड न0-10, बंजारा हिल्स, हैदराबाद	1,04,650	01 माह	2017-18
3	आईआईटीएम/सीओएनएस/आरआईसी/बीजे/15	17 मेगावाट सौर पीवी संयंत्र के लिए बैटरी ऊर्जा भण्डारण प्रणाली का मॉडल अनुकरण	डॉ. भक्ति जोशी	अम्बर अजिज, रिकेम आरपीजी (आरआईसी), हैलोल, वडोदरा, गुजरात	1,84,080	10 दिन	2017-18
4	आईआईटीएम/सीओएनएस/आरएक्सडीएसआई/वीडी/16	विरल रोग के खनन और विश्लेषण के लिए अनुप्रयोग तथा मरीजों की स्थितियों की भविष्यवाणी	डॉ. वरुण दत्त	आरएक्स डाटा साईंसइन्स, अमेरिका	13,54,197	17 माह	2017-18
5	आईआईटीएम/सीओएनएस/आईएसपीएल/जीएसआर/17	स्वतः प्रेरित एन्टीना रूपांकन समीक्षा	डॉ. गोपी श्रीकान्थ रेड्डी	इनेडा सिस्टम्स प्राईवेट लिमिटेड, ई-पार्क, साइबराबाद, हैदराबाद	1,07,380	6 माह	2017-18
6	आईआईटीएम/सीओएनएस/आरआईसी/एसकेएस/18	बांध की दीवार, सुरक्षा दीवार, प्रवेश और टैंक के चारों ओर सुरक्षित संरचना के प्रारूप और चित्रकला की समीक्षा	डॉ. सन्दीप कुमार साहा	रीजिलैण्ट इंजीनियरिंग कन्सल्टेंसी, फ्लैट न0 101, निधि एन्कलेव, केपीएचबी, हैदराबाद	30,680	12 दिन	2017-18

प्रारूप व्यवहार्य

भा.प्रौ.सं. मण्डी में बी.टैक. द्वितीय वर्ष के पाठ्यक्रम में 'प्रारूप व्यवहार्य' एक अनोखा पाठ्यक्रम है। छात्र इसके माध्यम से उत्पाद का प्रारूप, विकास, निर्माण और यहां तक कि विपणन कौशल भी सीखते हैं। उत्पाद के विचार प्रस्तावित करने के लिए विभिन्न विभागों से छ: छात्रों के बहु विषयक दल का यादृच्छिक चयन किया गया और इसके बाद कार्य करने वाले मूल नमूने बनाये। इन उत्पाद विचारों में अनेक विचार विशेषकर हिमाचल प्रदेश की सामाजिक आवश्यकताओं से लिए गए थे।

प्रारूप व्यवहार्य आम स्थल का आयोजन किया गया, जिसमें बाहरी निर्णायकों और आगंतुकों के लिए परियोजनाओं (कार्य करने वाले नमूने) को प्रदर्शित किया गया। इस परियोजना प्रदर्शनी को देखने के लिए अनेक स्कूली छात्र आये। इस वर्ष छात्रों ने 25 परियोजनाएं बनाईं, जिनमें से बाहरी कंकाल— सेना के लिए पावर सूट से लेकर स्वचालित तेल छलकाने वाला स्वच्छक, स्वतः संतुलित साईकिल, ध्रुव पर्वतारोही, सभी क्षेत्रों में सीढ़ी चढ़ने वाले घुमक्कड़ इत्यादि सम्मिलित हैं। इनकी सूची निम्नलिखित है:

टीम क्रमांक	परियोजना शीर्षक	टीम के सदस्य	अनुक्रमांक	सलाहकार
1	बाहरी कंकाल	गौरव कुमार	बी16057	डॉ. अर्पण गुप्ता
		नीलोत्पाल दत्ता	बी16106	
		गर्वित माथुर	बी16096	
		निखिल गुप्ता	बी16023	
		ऋत्विक साहा	बी16110	
		परिमल कुमार	बी16137	
2	फसल निगरानी तंत्र	हृतिक गुप्ता	बी16097	डॉ. आदित्य निगम
		विनायक कुथियाला	बी16039	
		अजय कुमावत	बी16043	
		अविनाश कुमार आर्यन	बी16049	
		अखिल अक्कापेली	बी16088	
		आनन्द रामराख्यानी	बी16124	
3	उन्नत सवारी	प्रत्यूष गौरव	बी16026	डॉ. सन्दीप साहा
		पियूष पाटिल	बी16109	
		नवीन कुमार	बी16105	
		हर्ष गर्ग	बी16132	
		रोहित बासुपाली	बी16093	
4	ध्रुव पर्वतारोही	विष्णु प्रिया जिन्दल	बी16041	डॉ. तिमोथी ए. गोन्सेल्वज
		सुजेथ रंगनाथ नेल्लुतला	बी16036	
		निशान्त राना	बी16107	
		रछित महेश्वरी	बी16071	डॉ. नरसा रेड्डी
		आशुतोष कुमार	बी16126	
		अमन रोहिल्ला	बी16008	

5	जीप्सी	मोहम्मद नदीम	बी16064	डॉ. तुषार जैन
		अभिज्ञान खाउंड	बी16082	
		भारत लोधी	बी16015	
		विजय कुमार	बी16149	
		कदारु साहिथ	बी16058	
		पैला केशवा राव	बी16108	
6	सहायक सुरक्षा ताला	शाश्वत गर्ग	बी16034	डॉ. सी.एस. यादव
		अंकित कुमार	बी16125	
		परम कश्यप	बी16098	
		करण कालरा	बी16020	
		विशाल मेहर	बी16150	
		जोहेन्स लियुके	ईबी1705	
7	ग्रे वाटर टु क्लीन वाटर	कुलदीप अंजना	बी16100	डॉ. अतुल धर
		देवाशीष सिंह	बी16055	
		प्रियांशु खाण्डेलवाल	बी16027	
		अंशुल गुप्ता	बी16012	
		हरदीप मलिक	बी16131	
		आदित्य सिंह	बी16085	
8	एडिसन (विद्युत स्केट बोर्ड)	विवेक शर्मा	बी16119	डॉ. श्रीकान्त श्रीनिवासन
		चिराग वशिष्ठ	बी16094	
		शुभम् चौधरी	बी16035	
		राजन बजाज	बी16072	
		भानु सिंह	बी16128	
		आकाश कुमार	बी16087	
9	मैनहोल सफाई प्रणाली	लोकेश कुमार	बी16061	डॉ. राजीव कुमार
		रक्षित राज	बी16074	
		अनमोल पासी	बी16092	
		चिराग सिंह	बी16129	डॉ. सतीश चन्द्र जैन
		स्कवैब रज़ा	बी16111	
		अनुभव चौधरी	बी16013	
10	सभी ऋतुओं के लिए जैकेट	रोहन अग्रवाल	बी16130	डॉ. शुभजित रॉय चौधरी
		अकुल गुप्ता	बी16006	
		गौरव मीना	बी16075	
		शुभम् कुमार	बी16146	
		मनिश शर्मा	बी16063	
		विकास कुमार मेहरदा	बी16118	

11	स्वचालित मुद्रांकन मशीन	विशाल आनन्द	बी16040	डॉ. दीपक स्वामी
		दिलिप चौहान	बी16018	
		सार्थक शेखावत	बी16033	
		अभय कुमार	बी16121	
		अजय कुमार	बी16086	
		शशि मोहन	बी16076	
		गगनदीप तोमर	बी16056	डॉ. अजय सोनी
12	मानवीय कैलोरी दमन द्वारा पैडल संचालित नदी जल उत्सर्जन प्रणाली	राम लखन	बी16138	डॉ. अमित प्रसाद
		हेमन्त कुमार	बी16019	
		अनन्त मिश्रा	बी16011	
		ऋजुल बथला	बी16140	डॉ. गौरव भूटानी
		कोका रोजेश	बी16059	
13	ऑटोकार्ट	सोनाली जग्रवाल	बी16079	डॉ. गौरव भूटानी
		भव्या भट्ट	बी16016	
		अमन जैन	बी16044	
		पुरवेष छाजेद	बी16070	
		रोहित कुमार	बी16142	
		शिशिर अस्थाना	बी16144	
14	पुस्तकालय सहायक बोट (लैब)	यश अग्रवाल	बी16120	डॉ. अर्णव भावसार
		आनन्द कुमार	बी16045	
		मोथी कैलाश	बी16102	
		शिवम् वर्मा	बी16077	डॉ. प्रसेनजीत मण्डल
		निधिका काडैला	बी16134	
		चाहक गोदारा	बी16051	
15	लाइब्ररी: संसार की सर्वोत्तम कुशल पुस्तकालय प्रणाली	अग्नेन्द्र सिंह	बी16010	डॉ. महेश रेड्डी गेड
		सजल बोरिस	बी16030	
		पारेश अग्रवाल	बी16042	
		तिरूपति मिश्रा	बी16080	
		अभिजीत राजपुत	बी16083	
		अजय कुमार	बी16122	
16	विद्युत के लिए ध्वनि और दबाव	सेल्विया मित्तल	बी16038	डॉ. रजनीश शर्मा
		किर्ती जोरवाल	बी16099	
		अभिनन्दन	बी16002	
		सुरेन्द्र कुमार	बी16148	
		अमुथ वर्षान	बी16089	
		सूर्य कान्त	बी16117	

17	सहायक पहिये	ध्रुवदीप बासुमातारी	बी16017	डॉ. अंकुश बाग
		अनुराग मौर्य	बी16046	
		कौस्तुभ वर्मा	बी16021	
		सिद्धार्थ सिंह	बी16147	
		मोहित गोनियाल	बी16133	
		स्टेनज़िन तसोगनिस	बी16116	
18	विद्युत सहायक साईकिल	निखिल टीआर	बी16066	डॉ. सिद्धार्थ शर्मा
		अर्पित बत्रा	बी16047	
		अभिषेक भास्कर	बी16084	
		अमित राजेन	बी16009	
		मुकुल जंगिद	बी16103	
		सौरभ कुमार	बी16143	
19	स्वचालित तेल छिड़कने वाला स्वच्छक	लक्ष्य अरोड़ा	बी16060	डॉ. कौस्तव सरकार
		रणधीर कुमार	बी16139	
		गगनदीप सिंह	बी16095	
		अनिरुद्ध प्रसाद निस्ताला	बी16091	
		वेदान्त	बी16081	
		योगेश	बी16151	
20	आई-गो	आयूष मेघवानी	बी16127	डॉ. श्याम कुमार मासाकपल्ली
		अभिनव दिक्षित	बी16003	
		रोहित कौशल	बी16028	
		समर्थ कापसी	बी16031	
		अमित रंजन	बी16090	
		रॉकी वर्मा	बी16141	
21	दुर्घटना मुक्त सड़क	अमन खण्डेलवाल	बी16007	डॉ. कला वेंकटा उदय
		अमुधान	बी16062	
		दक्ष सागर	बी16052	
		हरुषिकेश सुदाम सारोडी	बी16032	
		नमन चौधरी	बी16104	
		नवीन कुमार चौहान	बी16022	
22	तेज अनाज सुखाने वाला	आशीष कुमार	बी16001	डॉ. मोहम्मद तलहा
		कुमार अबिनाश मिश्रा	बी16101	
		नीरज यादव	बी16024	
		अज आर लाधा	बी16004	
		भवेश कुमार	बी16050	
		नियूष काथेरिया	बी16136	

23	स्पार्क	पलक गुप्ता	बी16067	डॉ. प्रदीप कुमार
		अखिलेश देवरायी	बी16005	
		प्रशान्त शेखर गुप्ता	बी16025	
		वेंकट राम	बी16078	
		पीयूष अग्रवाल	बी16068	
		शान्तनु कौशिक	बी16113	
24	पिज़ा हाउस—स्वचालित पिज़ा बनाने वाली मशीन	सूर्यवंशी विरेन्द्र सिंह	बी16037	डॉ. सतिन्द्र शर्मा
		प्रभाकर प्रसाद	बी16069	
		नवनीत शर्मा	बी16065	
		श्रेयष बापत	बी16145	
		दीपक जम्वाल	बी16054	
		शिवम् चौधरी	बी16115	
25	विकलांगों के लिए दोपाया मदद	हर्षषिककेश चौधरी	बी16029	डॉ. गोपी श्रीकान्थ रेड्डी
		सत्पाल मीना	बी16112	
		आशीष मीना	बी16048	
		आशुतोष जमादारी	बी16014	डॉ. बी.डी. चौधरी
		रक्षित मत्ता	बी16073	



‘एक्सोस्केल्टन’ एक बाहरी कंकाल है जो इन्सान की रक्षा करता है। इसका एक अनुप्रयोग सैनिक के गति, बल और धैर्य को बढ़ाने में है। सैनिक को पीठ पर भारी बोझ उठाकर दूर तक जाना होता है। ऐसी स्थिति में बाहरी कंकाल उन्हें उनके बोझ उठाने की क्षमता बढ़ाने और मांसपेशियों द्वारा ऊर्जा की खपत की दर कम करने में मदद करेगा। इसका मुख्य लक्ष्य भार उठाने की क्षमता बढ़ाना और भार उठाते समय कम ताकत लगाना है।

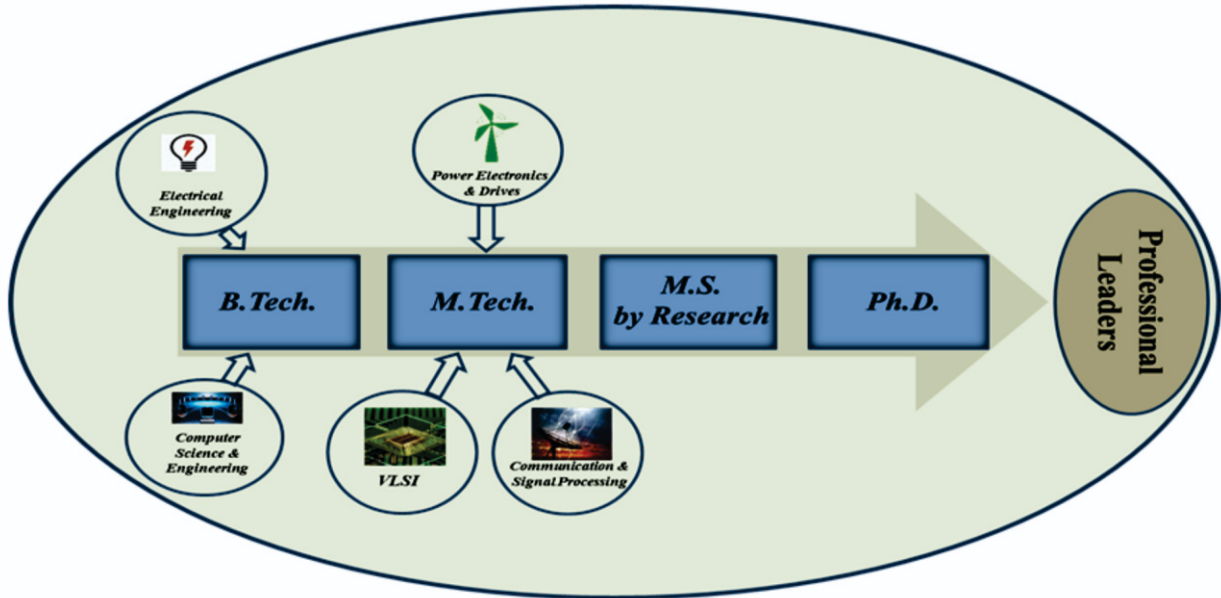
शैक्षणिक स्कूल

संगणक एवं विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल (एससीईई)

भा.प्रौ.सं. मण्डी के संगणक और विद्युत अभियांत्रिकी (एससीईई) स्कूल का लक्ष्य संगणक, संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स तथा विद्युत अभियांत्रिकी से सम्बन्धित प्रौद्योगिकी में अध्यापन और अनुसंधान की उत्कृष्टता बनाए रखना है।

संगणक और विद्युत अभियांत्रिकी (एससीईई) स्कूल में 33 प्राध्यापक, 7 स्टाफ के सदस्य, 65 पीएच.डी. छात्र, 56 स्नातक छात्र और 355 बी.टैक. छात्र हैं। इसके पाँच क्षेत्रों के नाम निम्नलिखित हैं— ऊर्जा इलेक्ट्रॉनिक्स और ड्राइव्स, नियंत्रण और संवेदक, वीएलएसआई, सांकेतिक प्रक्रम और संचार, संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी।

इस स्कूल में 'संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी' तथा 'विद्युत अभियांत्रिकी' में बी.टैक. नामक दो अवर स्नातक उपाधि कार्यक्रम हैं। यहां अनुसंधान द्वारा नियमित पी.एच.डी. और एम.एस. के अतिरिक्त 'ऊर्जा इलेक्ट्रॉनिक्स और ड्राइव्स', 'सांकेतिक प्रक्रम और संचार' तथा 'वीएलएसआई' नामक तीन एम.टैक. कार्यक्रम भी हैं।



एससीईई, भा.प्रौ.सं. मण्डी द्वारा प्रस्तावित उपाधि कार्यक्रम

संगणक और विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल में विभिन्न कार्यक्रमों का शुरुआती वर्ष और प्रवेश क्षमता

कार्यक्रम	शुरुआती वर्ष	प्रवेश क्षमता
बी.टैक. (संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी)	2009	40
बी.टैक. (विद्युत अभियांत्रिकी)	2009	40
एम.टैक. (वीएलएसआई)	2016	30
एम.टैक. (संचार और सांकेतिक प्रक्रम)	2017	30
एम.टैक. (पावर इलेक्ट्रॉनिक्स और ड्राइव्स)	2017	30
अनुसंधान द्वारा एम.एस	2010	अपेक्षा के अनुसार
पीएच.डी.	2010	

यह अनुसंधान क्षेत्र व्यापक रूप में सैद्धांतिक और अनुप्रयोग आधारित विषयों में स्मार्ट ग्रिड, अक्षय ऊर्जा, प्रभावशाली अर्ध चालक उपकरणों के लिए सामग्री, आगामी समय के लिए संचार और परस्पर कुशल मानव-संगणक संवाद आदि को समाविष्ट करता है।

हम छात्रों को अवर स्नातक स्तर पर संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी के सिद्धांत और प्रयोग की आधारभूत जानकारी प्रदान कर उन्हें प्रतिभावान बनाने पर बल देते हैं। हमने आधार विज्ञान स्कूल और मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान स्कूल में प्राध्यापकों की संयुक्त नियुक्ति भी की है। यह नियुक्ति समाज में छात्रों का महत्वपूर्ण योगदान दिलाने के उद्देश्य से उन्हें सामाजिक, नैतिक और उदार शिक्षा प्रदान करने के लिए की है।

प्रथम बी.टैक. छात्रों के बैच ने अपनी स्नातक की उपाधि ग्रहण कर ली है और उनका प्रवेश नवोत्पाद संसार में समर्थ अभियंता के रूप में है। हमारे प्राध्यापक स्नातकोत्तर स्तर पर छात्रों को संगणक विज्ञान और विद्युत अभियांत्रिकी में अनुसंधान और व्यावसायिक क्षमता के लिए आधारभूत गहन जानकारी प्रदान कर पारंगत करते हैं।

हमारे प्राध्यापक प्रायः सरकारी संस्थाओं, निजी उद्योग और गैर सरकारी संगठनों के साथ व्यावहारिक और सैद्धांतिक अनुसंधान में लिप्त हैं। प्राध्यापकों के मुख्य कार्यों में से राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय समन्वय एक है। इसका उद्देश्य हमारे शैक्षिक विषय में अधिक जानकारी प्राप्त करना और समाज में योगदान देना भी है।

वर्ष 2017-18 में बाहरी धनराशि 9.8 करोड़ रु. थी। इस वर्ष लगभग 37 पत्रिकाएं और 64 प्रमुख समीक्षात्मक सम्मेलन पत्र, 3 पुस्तकें/पुस्तक अध्याय तथा 7 पेटेंट दर्ज हैं।

अधिक जानकारी के लिए निम्न पता है:

वेबसाइट: <http://iitmandi.ac.in/schools/scee/index.php>

प्राध्यापक

डॉ. भरत सिंह राजपुरोहित

अध्यक्ष

सहयोगी प्राध्यापक

विशेषज्ञता: पावर इलैक्ट्रॉनिक्स एप्लीकेशन
भा.प्रौ.सं. कानपुर से वर्ष 2009 में पी.एचडी.

गृह नगर: जोधपुर, राजस्थान

दूरभाष: 01905-267046

ई-मेल: bsr

डॉ. आदित्य निगम

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: जैव मीतिय, संगणक दृश्य

बिम्ब प्रक्रम

भा.प्रौ.सं. कानपुर से पी.एचडी.

गृह नगर: कानपुर, उ.प्र.

दूरभाष: 01905-267152

ई-मेल: aditya

डॉ. अर्णव भावसार

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: बिम्ब विश्लेषण, संगणक आभास
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास, चेन्नई,

भारत से पी.एचडी. (2011)

गृह नगर: सूरत, गुजरात, भारत

दूरभाष: 01905-267049

ई-मेल: arnav

डॉ. एस्ट्रिड किह्न

अभ्यागत सहयोगी प्राध्यापिका

विशेषज्ञता: वितरित अलोगरिथम,

सत्यापन, सैद्धांतिक संगणक विज्ञान

टीयू म्यूनिख विश्वविद्यालय, जर्मनी से
पी.एचडी. (1989)

गृह नगर: हम्बर्ग, जर्मनी

दूरभाष: 01905-267053

ई-मेल: astrid

डॉ. भक्ति माधव जोशी

सहायक प्राध्यापिका

विशेषज्ञता: ए.सी. यंत्र और नियंत्रण

भा.प्रौ.सं. मुम्बई से 2014 में पी.एचडी.

गृह नगर: पुना (महाराष्ट्र)

दूरभाष: 01905-267051

ई-मेल: bhakti

डॉ. अनिल कुमार साव

सहयोगी प्राध्यापक

विशेषज्ञता: बिम्ब प्रक्रम

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास

चेन्नई से पी.एचडी.

गृह नगर: भिलाई, छत्तीसगढ़

दूरभाष: 01905-267066

ई-मेल: anil

डॉ. अंकुश बाग

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: अर्धचालक उपकरण,

एपिटेक्सी और यौगिक अर्धचालक

भा.प्रौ.सं. खड़गपुर से पी.एचडी. (2016)

गृह नगर: हाबड़ा, पश्चिमी बंगाल

दूरभाष: 01905-267276

ई-मेल: ankushbag

डॉ. आरती कश्यप

सहयोगी प्राध्यापिका (संयुक्त नियुक्ति)

विशेषज्ञता: चुम्बकत्व और चुम्बकीय सामग्री

भा.प्रौ.सं. रुड़की से पी.एचडी.

गृह नगर: मण्डी, हिमाचल प्रदेश

दूरभाष: 01905-267042

ई-मेल: arti

प्रा. बी.डी. चौधरी

ससम्मान सेवा निवृत्त प्राध्यापक

विशेषज्ञता: सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी

भा.प्रौ.सं. कानपुर से वर्ष 1979 में पी.एचडी.

गृह नगर: दरभंगा, बिहार

दूरभाष: 01905-267819

ई-मेल: bdchaudhary

प्रा. दीपक खेमानी

प्राध्यापक (भा.प्रौ.सं. मद्रास से प्रतिनियुक्ति पर)

विशेषज्ञता: कृत्रिम बुद्धिमत्ता

भा.प्रौ.सं. मुम्बई से पी.एचडी.

गृह नगर:

दूरभाष: 01905-267227

ई-मेल: khemani

डॉ. दिलीप ए.डी.

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: पैटर्न रीकॉगनिशन, कर्नल
मैथडज फॉर पैटर्न एनालाइसिस
मशीन लर्निंग, स्पीच टेक्नोलॉजी
कम्प्यूटर विज्ञान
भा.प्रौ.सं. मद्रास, चेन्नई से वर्ष 2013 में पी.एच.डी.
गृह नगर: उदुपि, कर्नाटक
दूरभाष: 01905-267047
ई-मेल: addileep

डॉ. हितेश श्रीमाली

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: एनालॉग एण्ड मिक्सड
सिग्नल वी.एल.एस.आई. डिज़ाइन,
एनालॉग-टु-डिजिटल कन्वर्टज, डिज़ाइन
एण्ड मौडलिंग ऑफ रेडीएशन हार्ड सर्कट्स
भा.प्रौ.सं. दिल्ली से पी.एच.डी.
गृह नगर: अहमदाबाद, गुजरात
दूरभाष: 01905-267259
ई-मेल: Hitesh

प्राध्यापक नरेन्द्र करमारकर

अभ्यागत विशिष्ट प्राध्यापक
विशेषज्ञता:
केलिफोर्निया विश्वविद्यालय से पीएच.डी.(1983)
गृह नगर:
ई-मेल: narendrakarmarkar

डॉ. पद्मनाभन राजन

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: भाषा संसाधन, वक्ता की पहचान
भा.प्रौ.सं. मद्रास से वर्ष 2012 में पी.एच.डी.
गृह नगर: कोचिन, केरल
दूरभाष: 01905-267049
ई-मेल: padman

डॉ. राहुल श्रेष्ठा

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: संकेतक प्रक्रम और बेतार सम्प्रेषण

डॉ. गोपी श्रीकान्थ रेड्डी

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: संचार व्यवस्था: एन्टीना और तरंग
संचरण, आरएफ और सूक्ष्म तरंग निष्क्रिय
घटक डिज़ाइन
भा.प्रौ.सं. मुम्बई से पी.एच.डी. (2015)
गृह नगर: जबलपुर, मध्य प्रदेश
(पैतृक नगर: तेलंगाना)
दूरभाष: 01905-267221
ई-मेल: gopishrikanth

डॉ. कुनाल घोष

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: सौर फोटोवॉल्टिक्स
अरीजोना राज्य विश्वविद्यालय से 2011
में पी.एच.डी.
गृह नगर: कलकत्ता
दूरभाष: 01905-267145
ई-मेल: kunal

डॉ. नरसा रेड्डी तुम्मरू

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: हाईब्रिड एनर्जी स्टोरेज
एप्लिकेशनज इन फ्यूचर माइक्रोग्रिड,
एफिसिएंट पावर इलैक्ट्रॉनिक इंटरफेसिस
इन रीन्युएबल एनर्जी एप्लीकेशनज एण्ड
समार्टग्रिड कम्प्यूनिकेशन नेटवर्कस
भा.प्रौ.सं. मद्रास से पीएच.डी. (2015)
गृह नगर: ज़िला कृष्णा, आन्ध्र प्रदेश
दूरभाष: 01905-267225
ई-मेल: tummuru

डॉ. रमेश ओरुगंति

ससम्मान सेवा निवृत्त प्राध्यापक
विशेषज्ञता: पावर इलैक्ट्रॉनिक्स, सोलर
फोटोवॉल्टिक एनर्जी सिस्टम्ज
वरजिना प्रौद्योगिकी, अमेरीका से पी.एच.डी.
दूरभाष: 01905-267123
ई-मेल: ramesho

डॉ. रेणु एम. रमेशन

सहायक प्राध्यापिका
विशेषज्ञता: बिम्ब संसाधन

के लिए वीएलएसआई डिज़ाइन और परिपथ तथा विधियां
भा.प्रौ.सं. गुवाहाटी से पीएच.डी. (2014)
गृह नगर: बंगलौर, कर्नाटक
(पैतृक: दार्जीलिंग, पश्चिमी बंगाल)
दूरभाष: 01905-267271
ई-मेल: rahul_shrestha

डॉ. समर अग्निहोत्री

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: सूचना सिद्धांत, संचार जटिलता, बेतार संचार
भारतीय प्रौद्योगिकी विज्ञान संस्थान, बंगलौर से वर्ष 2009 में पी.एच.डी.
गृह नगर: दिल्ली
दूरभाष: 01905-267107
ई-मेल: samar

डॉ. सत्यजित ठाकोर

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: सम्पर्क सिद्धांत, सूचना सिद्धांत नेटवर्क कोडिंग
दूर संचार अनुसंधान संस्थान दक्षिणी ऑस्ट्रेलिया विश्वविद्यालय से वर्ष 2012 में पी.एच.डी.
गृह नगर: आनन्द, गुजरात
दूरभाष: 01905-267150
ई-मेल: satyajit

डॉ. सिद्धार्थ शर्मा

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: बेतार नेटवर्क में संसाधन आबंधन, बेतार ऊर्जा सस्य कर्तन और समूह संवेदन
भारतीय विज्ञान संस्थान से पीएच.डी.
गृह नगर: अग्रतला, त्रिपुरा
दूरभाष: 01905-267116
ई-मेल: Siddhartha

डॉ. श्रीराम कैलासम्

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: वितरित प्रणालियां (क्लाउड कम्प्यूटिंग)
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास से पी.एच.डी. (2014)

भा.प्रौ.सं. मुम्बई से पी.एच.डी. (2013)
गृह नगर: त्रिवेन्द्रम, केरल
दूरभाष: 01905-267051
ई-मेल: renumr

डॉ. सतिन्द्र कुमार शर्मा

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: नैनोइलेक्ट्रॉनिक्स, सेन्सर्स, फोटोवोल्टिक और सेल्फ असेम्बली
कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से वर्ष 2007 में पी.एच.डी.
गृह नगर: मण्डी, हिमाचल प्रदेश
दूरभाष: 01905-267134
ई-मेल: satinder

डॉ. शुभजित रॉय चौधुरी

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: बायोमेडिकल एम्बेडिड सिस्टम्स नॉन इन्वेसिव डायग्नोस्टिक सिस्टम्स, नीयर इन्फ्रारेड स्पेक्ट्रोस्कोपी, वीएलएसआई आर्किटेक्चरज, जादवपुर विश्वविद्यालय से पी.एच.डी. (2010)
गृह नगर: कलकत्ता, पश्चिमी बंगाल
दूरभाष: 01905-267110
ई-मेल: src

डॉ. श्रीकान्त श्रीनिवासन

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: विस्तृत डेटा अर्जन और विश्लेषण, नैनो इलेक्ट्रॉनिक्स, स्पिंट्रॉनिक्स, पुर्बू विश्वविद्यालय-पश्चिमी लेफेट्टी, अमेरिका से पीएच.डी. (2012)
गृह नगर: हैदराबाद
दूरभाष: 01905-267222
ई-मेल: srikant

डॉ. तिमोथी ए. गोन्सेल्वज

निदेशक एवं प्राध्यापक
विशेषज्ञता: संगणक नेटवर्कस और वितरित सॉफ्टवेयर प्रणालियां
स्टैण्डफोर्ड विश्वविद्यालय से सन् 1986 में पी.एच.डी.
गृह नगर: ऊटी, तमिलनाडु

गृह नगर: मुम्बई, महाराष्ट्र
दूरभाष: 01905-267120
ई-मेल: sriamk

दूरभाष: 01905-267001, 7002
ई-मेल: tag

डॉ. तुषार जैन

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: नियंत्रण सिद्धांत, त्रुटि सहनशीलता
नियंत्रण, औद्योगिक प्रक्रिया नियंत्रण
यूनिवर्सिटी डे लोरीन, फ्रांस से पी.एचडी (2012)
गृह नगर: मेरठ, उत्तर प्रदेश
दूरभाष: 01905-267117
ई-मेल: tushar

डॉ. वरुण दत्त

सहायक प्राध्यापक (संयुक्त नियुक्ति)
विशेषज्ञता: कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मानव-
संगणक परस्पर संवाद, अनुमान और
निर्णय लेना, पर्यावरणीय निर्णय लेना
कार्नेज मीलोन विश्वविद्यालय (यू.एस.ए.)
से वर्ष 2011 में पी.एचडी.
गृह नगर: लखनऊ, उत्तर प्रदेश
दूरभाष: 01905-267041
ई-मेल: varun

डॉ. योवोनी डिट्रिच

संयुक्त प्राध्यापक
विशेषज्ञता:
हम्बर्ग विश्वविद्यालय से वर्ष 1997
में पी.एचडी.
गृह नगर: कोपेनहेगन
दूरभाष:
ई-मेल: ydi

डॉ. पूजा व्यवहार्य

डीएसटी इन्स्पायर प्राध्यापक सदस्य
विश्लेषण, अलोगरिथम डिज़ाइन
भा.प्रौ.सं. मुम्बई से पी.एचडी. (2016)
गृह नगर: इन्दौर, मध्य प्रदेश
दूरभाष: 267053
ई-मेल: pooja_vyavahare

परामर्शदाता प्राध्यापक

प्रा. ईनाक्षी भट्टाचार्य

परामर्शदाता प्राध्यापक
विशेषज्ञता: एमईएमएस प्रक्रम और संवेदक
टीआईएफआर, बॉम्बे से पी.एचडी.
ई-मेल: enakshi

प्रा. हेमा ए. मुर्थी

परामर्शदाता प्राध्यापिका
विशेषज्ञता: भाषण, सांकेतिक प्रक्रम,
संगणक नेटवर्क
भा.प्रौ.सं. मद्रास से सन् 1992 में पी.एचडी.
ई-मेल: hema

डॉ. संजीव मन्हास

परामर्शदाता सहायक प्राध्यापक
सन् 2003 में डी मॉटफोर्ट विश्वविद्यालय,
लीसेस्टर, यू.के. से इलैक्ट्रॉनिक्स और विद्युत
अभियांत्रिकी में सन् 2003 में पी.एचडी.
दूरभाष: +91-1332-28517
ई-मेल: samanfec

अनुसंधान परियोजनाएं

1. नयी परियोजनाएं

परियोजना अन्वेषक, सह परियोजना अन्वेषक, वित्त पोषित कम्पनियों के नाम और प्राप्त अनुदान तथा व्यय आदि बाह्य प्रायोजित परियोजनाएं

क्र.सं.	परियोजना का नाम	प्रायोजित कम्पनी	अन्वेषक	स्वीकृत धन	परियोजना की अवधि
1	आगामी विद्युत उत्पादन और संवेदक उपकरण आधारित गेलियम ऑक्साइड का विकास स्वीकृति की दिनांक: 28.09.17 समापन की दिनांक: 27.09.20	एसईआरबी	डॉ. अंकुश बाग	51,85,400	3 वर्ष
2	भू-स्खलन की जल्दी चेतावनी देने वाले सस्ते साधनों का निर्माण और विकास स्वीकृति की दिनांक: 06.10.17 समापन की दिनांक: 05.10.20	डीआरडीओ- डीटीआरएल	डॉ. वरुण दत्त (प.अ.), डॉ. वेंकटा उदय काला (स.प.अ.)	9,99,460	3 वर्ष
3	विभिन्न आरएफ और माइक्रोवेव अनुप्रयोगों के लिए ब्रॉड बैंड फ्रिक्वेंसी सीलेक्टिव सरफेस (एफएसएस) संरचनाओं का अध्ययन और प्रारूप स्वीकृति की दिनांक: 09.11.17 समापन की दिनांक: 08.11.20	एसईआरबी	डॉ. गोपी श्रीकान्ध रेड्डी	51,97,910	3 वर्ष
4	हिमाचल प्रदेश में फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशालाओं में अत्याधुनिक डिजिटल फोरेंसिक सुविधाओं का निर्माण और विकास स्वीकृति की दिनांक: 24.04.17 समापन की दिनांक: 23.04.19	रीजनल फोरेंसिक साईंस लैबोरेटोरी (आरएफएसएल)	डॉ. अर्णव भावसार (प.अ.)- आरएफएसएल से श्री राजेश वर्मा (प.अ.), डॉ.अनिल के. साव, डॉ. रेणु रमेशन, डॉ. पद्मनाभन राजन, डॉ. ए.डी. दिलीप, डॉ. आदित्य निगम (स. प.अ.)	12,00,000	2 वर्ष
5	भू-स्खलन की जल्दी चेतावनी देने वाले सस्ते साधनों का निर्माण और विकास स्वीकृति की दिनांक: 11.12.17 समापन की दिनांक: 10.12.19	एनएमडीए	डॉ. वरुण दत्त (प.अ.) और डॉ. वेंकटा उदय काला (स.प.अ.)	27,85,080	3 वर्ष
6	एजो रंजक को हटाने के लिए लागत प्रभावी मिश्रित प्रौद्योगिकी आधारित rGO-TiO ₂ का उपयोग करते हुए अपशिष्ट जल का फोटो उत्प्रेरक व्यवहार स्वीकृति की दिनांक: 06.01.18 समापन की दिनांक: 05.01.20	विज्ञान, तकनीकी और पर्यावरण के लिए हिमाचल प्रदेश राज्य परिषद् (एससीएसटीई)	डॉ. सतिन्द्र कुमार शर्मा (प.अ.), डॉ. वेंकटा कृष्णन (स.प.अ.)	5,88,000	2 वर्ष

7	ग्रामीण हिमाचल आवासीय अनुप्रयोग के लिए संकर विद्युत परावर्तन प्रणाली आधारित सस्ती उच्च दक्षता नवीकरणीय ऊर्जा स्वीकृति की दिनांक: 14.03.18 समापन की दिनांक: 13.03.20	विज्ञान, तकनीकी और पर्यावरण के लिए हिमाचल प्रदेश राज्य परिषद् (एससीएसटीई)	डॉ. नरसा रेड्डी टुम्मरू	6,50,000	2 वर्ष
8	स्मार्ट कृषि: फारमर जोन स्वीकृति की दिनांक: 23.03.18 समापन की दिनांक: 22.03.21	डीबीटी	भा.प्रौ.सं. मण्डी से डॉ. श्रीकान्त श्रीनिवासन (प.अ.), डॉ. रेणु एम.आर., डॉ. सिद्धार्थ शर्मा, डॉ. ए.डी. दिलीप, डॉ. श्याम कुमार मासाकपल्ली, डॉ. श्यामाश्री दाश गुप्ता (स.प.अ.) और सीपीसीआरआई शिमला से डॉ. एस.के. चक्रवर्ती (प.अ.), एनआईएबी (यूके) से डॉ. टिना बारस्वाई (प.अ.) और जीओडी एएन (अमेरिका) से लेप्रेरी (प. अ.) और पेन्सिलवेनिया विश्वविद्यालय से डेविड हघज़ (प.अ.)	9,47,76,400	3 वर्ष
9	लिये गये बिम्बों से ट्राइएज बायोडोसीमीट्री अनुप्रयोगों के लिए दो केन्द्रों से विकसित होने वाले गुण सूत्रों का पता और प्रमात्रा स्वीकृति की दिनांक: 07.02.18 समापन की दिनांक: 06.08.19	आईएनएमएएस-डी आरडीओ	डॉ. अनिल कुमार साव (प.अ.), डॉ. अर्णव भावसार (स.प.अ.)	8,67,900	18 माह
10	हिमालयी क्षेत्र के लिए धात्विकरण युक्त सस्ती त्वरित जल शुद्धिकरण प्रणाली का विकास स्वीकृति की दिनांक: 01.04.18 समापन की दिनांक: 31.03.21	एनएमएचएस	डॉ. जसप्रीत कौर रन्धावा (प.अ.), डॉ. भरत सिंह राजपुरोहित, डॉ. समर अग्निहोत्री (स.प.अ.)	40,66,000	3 वर्ष

मूल अनुदान परियोजनाएं

क्रमांक	परियोजना का नाम	पंजिका संख्या	अन्वेषक	स्वीकृत धन	परियोजना की अवधि
1	संकर ऊर्जा भण्डारण प्रणाली में नियंत्रण के लिए सामग्री एसी-डीसी माइक्रोग्रिड के सन्दर्भ में स्वीकृति की दिनांक: 28.10.16 समापन की दिनांक: 27.10.19	आईआईटीएम/एसजी/एनआरटी/58	डॉ. नरसा रेड्डी टुम्मरू	15,50,000	3 वर्ष
2	विभिन्न आरएफ और माइक्रोवेव-अनुप्रयोग के लिए ब्रॉड बैंड विद्युत वाले लघु एन्टीने स्वीकृति की दिनांक: 07.12.16 समापन की दिनांक: 06.12.19	आईआईटीएम/एसजी/जीएसआर/61	डॉ. गोपी श्रीकान्थ रेड्डी	5,53,675	3 वर्ष
3	सस्ते, मापनीय और लचीले कृषिक इंटरनेट ढांचे का विकास करना	आईआईटीएम/एसजी/एसएस/62	डॉ. श्रीकान्त श्री निवासन	15,00,000	3 वर्ष
4	ज्ञान सम्बन्धी रेडियो मोबाइल-ब्रॉडबैंड प्रणाली के लिए साइक्लोस्टेशनरी विशेषता की जांच पर आधारित हार्डवेयर-कुशल और निम्न-विद्युत वर्णक्रम संवेदक	आईआईटीएम/एसजी/आरएसएच/आरएसएच/64	डॉ. राहुल श्रेष्ठा	10,00,000	3 वर्ष

प्रायोजित अनुसंधान परामर्श परियोजनाएं

क्रमांक	प्रस्तावित नाम	प्राध्यापक का नाम	समझौता हस्ताक्षरित	स्वीकृत धन	परियोजना की अवधि
1	17 मेगावाट सौर पीवी संयंत्र के लिए बैटरी ऊर्जा भण्डारण प्रणाली का मेटलैब अनुकरण हस्ताक्षर की दिनांक-17.06.17 समापन की दिनांक-26.06.17	डॉ. भक्ति जोशी	एम्बर अज़िज, रेकैम आरपीजी (आरआईसी), हैलोल, वडोदरा, गुजरात	1,77,600	10 दिन
2	विरल रोग के खनन और विश्लेषण के लिए अनुप्रयोग तथा मरीजों की स्थितियों की भविष्यवाणी हस्ताक्षर की दिनांक-10.08.17 समापन की दिनांक-31.12.18	डॉ. वरुण दत्त	आरएस डाटा साईंस आईएनसी, अमेरिका	21,667.152 डॉलर	17 माह
3	स्वचालित एन्टीना रूपांकन की समीक्षा हस्ताक्षर की दिनांक-01.10.17 समापन की दिनांक-30.03.18	डॉ. गोपी श्रीकान्थ रेड्डी	इनीडा सिस्टम्स प्राईवेट लिमिटेड, ई-पार्क, साईबराबाद, हैदराबाद	1,07,380	4 माह

2. विकसित उत्पाद/प्रौद्योगिकी/आईएसटीपी/डीपी/एमटीपी परिणाम सहित मुख्य अनुसंधान उपलब्धियां:

1. प्रयुक्त ज्ञानात्मक प्रयोगशाला, एससीईई, भा.प्रौ.सं. मण्डी ने सामग्री निर्माण प्रयोगशाला, एसई, भा.प्रौ.सं. मण्डी के साथ मिलकर हाल ही में सस्ती सूक्ष्म विद्युत यांत्रिकी प्रणाली (एमईएमएस), भूस्खलन निगरानी और चेतावनी प्रणाली को विकसित किया है। यह प्रणाली हर 10 मिनट के अन्तराल पर भू-स्खलन की स्थानीय स्थल विशेष निगरानी के लिए कम लागत वाले माइक्रो इलैक्ट्रॉनिक तंत्र (एमईएमएस) आधारित संवेदक का

उपयोग करती है। आजकल कमान्द-कटौला मार्ग (भा.प्रौ.सं. मण्डी परिसर) में पहाड़ी पर सस्ती प्रणाली का प्रतिमान स्थापित किया है। यह तकनीक अन्त में भारत और संसार में दोहरायी जाएगी। यह परियोजना विज्ञान, तकनीकी और पर्यावरण हेतु राज्य परिषद्, हि.प्र. सरकार और डीटीआरएल, डीआरडीओ द्वारा वित्तपोषित है।



भा.प्रौ.सं. मण्डी के उत्तरी परिसर के सामने सालगी गांव में भू-स्खलन निगरानी स्टेशन पर टीम के सदस्यों के साथ



भा.प्रौ.सं. मण्डी के दक्षिणी परिसर में भू-स्खलन स्थल पर स्थापित तार के साथ संवेदक और सूक्ष्म नियंत्रक बक्सा

- 2 आईवीडी, वीआर और एआर नमूनों में दृश्य ज्ञानात्मक वृद्धि के लिए शारीरिक और संकेत प्रक्रम उपकरणों के माध्यम से मानव-कार्य निष्पादन प्रतिरूपण का विकास: प्रयुक्त ज्ञानात्मक प्रयोगशाला, एससीईई, भा.प्रौ.सं. मण्डी ने रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) के साथ मिलकर भारतीय सेना के लिए प्रशिक्षण और एसेसमेंट मॉड्यूल के रूप में आईवीडी, वीआर और एआर का उपयोग करते हुए ज्ञानात्मक वृद्धि के लिए एक मानव कार्य निष्पादन प्रतिरूपण का विकास किया है। यह मानव कार्य निष्पादन मॉडल आईवीडी, वीआर और एआर में कोग्निटिव-प्रोफाइलिंग और प्रशिक्षण मॉड्यूल युक्त होता है। अनुकरण आधारित प्रशिक्षण के दौरान कार्य प्रदर्शन में सुधार करने के उद्देश्य से ज्ञानात्मक प्रारूप और प्रशिक्षण मॉड्यूल तैयार किये गये थे। सेना की रूपरेखा और प्रशिक्षण के लिए उपयोग किए गये प्रतिरूपणों में मानव युक्त/मानव रहित विधियों (मानव रहित में सभी मानव कारक मुद्दों के साथ/मानव युक्त एकीकृत अंतराफलक), खोज (पूर्व परीक्षण), मारने (नष्ट करने) के साधनों, आसान/कठिन कार्य जटिलता विधियों (दुश्मन की कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर आधारित), लक्ष्यों की परिवर्तनीय गतिशीलता और विभिन्न तकनीकी अंतराफलक सम्मिलित थे। प्रदर्शन के विभिन्न मनोवैज्ञानिक, शारीरिक, व्यावहारिक, एर्गोनोमिक और न्यूरोलॉजिकल विवरणों के लिए कोग्निटिव प्रोफाइलिंग मॉड्यूल को जिम्मेदार माना जाता है।



3. प्रकाशन:

पेटेंट्स/पुस्तकें/पुस्तक अध्याय/राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय पत्र/पत्रिकाएं/सम्मेलन

1. एस. करमाकर घोष, वी. ठाकुर, एस. रॉय चौधुरी, "सस्ती चुम्बकीय क्षेत्र एमआरआई मशीन के लिए हेल्महोल्त्ज़ तार का गुच्छा और मैक्स वेल तार का गुच्छा", उन्नत सामग्री की कार्यवाही, प्रकाशन के लिए स्वीकृत।
2. एन. गोविल, आर. श्रेष्ठा, एस. रॉय चौधुरी, "पीजीएमए: बहु विकल्पात्मक हार्डवेयर सॉफ्टवेयर विभाजन के लिए एक कलन विधि दृष्टिकोण", माइक्रोप्रोसेसर और माइक्रोसिस्टम्स, भाग 54, पीपी 83–06, 2017।
3. पी. शर्मा, वी. अब्रोल, ए.डी. दिलीप और ए.के. साव, "भाषण इकाई वर्गीकरण के लिए विरल कोडिंग आधारित लक्षण", संगणक भाषण और भाषा, भाग 47 संस्करण सी, जनवरी 2018, पृष्ठ 333–350।
4. पी. शर्मा, वी. अब्रोल और ए.के. साव, "भाषण अभिज्ञान के लिए गहरे विरल प्रतिनिधित्व आधारित लक्षण", आईईईई ट्रान्स. श्रव्य भाषण और भाषा कार्यवाही 25 (11): 2162–2175 (2017)
5. एस. ठाकुर, टी. चैन, ए. ग्रांट, "सूचना सिद्धांत पर आईईईई कार्य सम्पादन में नेटवर्क के लिए सह सम्बन्धित स्रोतों के साथ क्षमता सीमाएं और उत्क्रम माप द्वारा वितरण का चरित्रण", भाग 63, न0 6, पीपी 3540–3553, जून 2017।
6. पी. कुमार, एस. ठाकुर, "अनुरूप नेटवर्क कोडिंग के साथ ओएफडीएम–एफएसओ सम्पर्क का निष्पादन", भाग 35, न0 2, पीपी 210–224, जून 2018।
7. एस. खारची, जी. श्रीकान्थ रेड्डी, आर. गुप्ता, जयंता मुखर्जी और क्वॉट; उपग्रह और मोबाइल के लिए चौड़े पट्टे वाला चक्राकार ध्रुवीकृत विविधता एन्टीना", आईईटी माइक्रोवेव, एन्टीना और एम्प, प्रसारण, भाग 11 पीपी 1861–1867, 2017।
8. जी. श्रीकान्थ रेड्डी, एस. खारची, "बहु बैंड निराकरण के लिए आयताकार विभाजित पाश अनुनादक (आरएसएलआर) के साथ भारित दीर्घ वृत्ताकार यूडब्ल्यूबी एन्टीना और अर्ध वृत्ताकार दरार, "एन्टीना नवोचार और आधुनिक प्रौद्योगिकी पर आईईई अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, बंगलौर, भारत (सर्वोत्तम पत्र)।
9. एस. खार्ची, जी. श्रीकान्थ रेड्डी, जे. मुखर्जी, आर.के. गुप्ता, "यूडब्ल्यूबी एमआईएमओ एन्टीना में अस्थिर लम्बाई एसआरआर जैसी संरचना का प्रयोग करते हुये पारस्परिक युग्मक कमी", एन्टीना और प्रसारण पर आईईईई एपी–एस सम्मेलन और यूआरएसआई सीएनसी / यूएसएनसी संयुक्त बैठक 2017।
10. संगर एस. दत्त, वी. और ठाकुर, आर. (2018), "आर्थिक बोझ, दरिद्रता और स्वास्थ्य पर किये गये खर्च के साथ सहनीय तंत्र: भारत में ग्रामीण शहरी अंतर का विश्लेषण", जन स्वास्थ्य पत्रिका, सिप्रंगर।
11. कुमार एम. और दत्त वी.(2017), "सूक्ष्म दुनिया की जलवायु का अनुभव: धरातल का प्रभाव और संरचना अधिगम, समस्या का संकट और स्टॉक प्रवाह गलत अवधारणाएं कम करने में निर्णायक सहायक उपकरण", मनोविज्ञान में सीमाएं (2018)
12. शर्मा एन. और दत्त वी. (2017), "अनुभव से मॉडलिंग निर्णय: संचित विकल्पों के लिए व्यक्तिगत विकल्पों का वर्णन करना पैरामीटर के एक सेट के साथ मॉडल जानना", गतिशील निर्णय लेने की पत्रिका, 3(3)।
13. शर्मा एन., देबनाथ एस. और दत्त वी. (प्रेस में), "सेट आकार के चयन पर अनुभव अन्तर का वर्णन निर्भर करता है: निवेश समस्याओं के साक्ष्य", संज्ञानात्मक विज्ञान में सीमाएं।
14. मुर्ति और राहुल श्रेष्ठा, "आगामी उत्पादन एलटीई–ए संज्ञानात्मक रेडियो बेतार नेटवर्क के लिए हार्डवेयर कार्यान्वयन और वर्णक्रम संवेदक का वीएलएसआई रूपांकन", आईईटी परिक्षेत्र, उपकरण और प्रणाली, ऑनलाइन उपलब्ध (10.1049/आईईटी–सीडीएस, 2017.0292), फरवरी–2018।
15. महेश एस. मूर्ति और राहुल श्रेष्ठा, "संज्ञानात्मक–रेडियो बेतार नेटवर्क के लिए विन्यास योग्य और स्मरण

- शक्ति कुशल साइक्लोस्टेशनरी वर्णक्रम संवेदक”, परिक्षेत्र और प्रणालियों पर आईईईई कार्य निष्पादन: एक्सप्रेस ब्रीफ्स, अर्ली एक्सेस (10.1109 / TCSII.2018.2790952), जनवरी-2018 ।
16. नमन गोविल, राहुल श्रेष्ठा और शुभजित रॉय चौधुरी, “पीजीएमए: बहु विकल्पात्मक हार्डवेयर सॉफ्टवेयर विभाजन के लिए एक कलन विधि दृष्टिकोण,” सूक्ष्म प्रक्रम और सूक्ष्म प्रणालियों की पत्रिका: सन्निहित हार्डवेयर डिजाइन-एलिसवर, भाग: 54, पीपी 83-96, अक्टूबर-2017 ।
 17. कुस्मैक, एस. श्रीनिवासन, डी. नेटलीटोन, पी.एस. सकनेबल (2017), “मक्का में समलक्षणी उपायों के लिए अलग आनुवंशिक वास्तुकला और नमनीयता,” नैट प्लांटस, 3 (9): 715-723 (ब्रुस वाल्श द्वारा विवरण के लिए रचित और पत्रिका सम्पादकों द्वारा चयनित)
<https://www.nature.com/articles/s41477-017-0012-x>;; मेज जीडीबी द्वारा सम्पादक की पसन्द के रूप में चयनित, 10 / 2017; गेज जेएल एट अल, (2017), मक्का में समलक्षणीक पर कृत्रिमता चयन का प्रभाव, नैट कम्मयुन, 8 (1):1348 ।
 18. सप्तार्षि घोष, सुभाशीष दास, सैयद मुकुलिका दिनारा, अंकुश बाग, अपूर्वा चक्रवर्ती, पार्थ मुखोपाध्याय, संजय कुमार जना और ध्रुबस बिस्वास, “AlGa_N/Ga_N HEMTs में ऑफ स्टेट लीकेज और करंट की गिरावट: विघटन द्वारा प्रभावित आभासी द्वार”, इलैक्ट्रॉन उपकरणों पर आईईईई कार्य निष्पादन, 65(2018) 1333-1339 ।
 19. अपूर्वा चक्रवर्ती, अंकुश बाग, पार्थ मुखोपाध्याय, सप्तार्षि घोष और ध्रुबस बिस्वास, धातु अधिमिश्रण वृद्धि तकनीक द्वारा InGa_N/Ga_N/AlN/ Ga_N हीटरोस्ट्रक्चर में वी आकार के गड्ढों का विलोपन”, अर्धचालक विज्ञान और प्रौद्योगिकी, 33 (2018) 036009 ।
 20. अपूर्वा चक्रवर्ती, सप्तार्षि घोष, पार्थ मुखोपाध्याय, सुभाशीष दास, अंकुश बाग और ध्रुबस बिस्वास, “तापमान आश्रित सीमा विद्युत दाब विश्लेषण द्वारा AlGa_N/Ga_N और AlGa_N/Ga_N/Ga_N हीटरोसंरचना में दबे हुये चार्ज का प्रभाव”, सुपरलेटिसिस और माइक्रोस्ट्रक्चर, 113(2018) 147-152 ।
 21. सुभाशीष दास, सप्तार्षि घोष, राहुल कुमार, अंकुश बाग और ध्रुबस बिस्वास, “हाइली सेंसिटिव एसीटोन सेंसर बेस्ड ऑन Pd/AlGa_N/Ga_N रीसिस्टिव डीवाइस ग्रोन बाई प्लाजमा एसिस्टिड मोलिक्यूलर बीम ऐपिटेक्सी”, इलैक्ट्रॉन उपकरणों पर आईईईई कार्य निष्पादन, 64, (2017) 4650-4656 ।
 22. सुभांकर मजुमदार, अंकुश बाग और ध्रुबस बिस्वास, “सिलिकोन / सैफायर सबस्ट्रेट पर AlGa_N/Ga_NHEMT के लिए प्राचल निष्कर्ष तकनीकों का तुलनात्मक विश्लेषण”, माइक्रोइलैक्ट्रॉनिक्स स्थायित्व, 78 (2017) 389-395 ।
 23. अंकुश बाग, सुभांकर मजुमदार, सुभाशीष दास और ध्रुबस बिस्वास, “प्रोबिंग InGa_Nइमिसिबिलिटी ऐट AlGa_N/InGa_N हीटरो इंटरफेस ऑन सिलिकॉन (111) थ्रो टू-स्टेप कैपेसिटेंस-वोल्टेज एण्ड कण्डक्टेंस-वोल्टेज प्रोफाइल्स”, सामग्री और रूपांकन, 133 (2017)176-185 ।
 24. एस. शर्मा, एस. दास, एच. श्रीमाली और एस.के. शर्मा, “ईलास्टोमर ग्रेटिंग्स द्वारा उच्च निष्पादन CSA-PANI आधारित कार्बनिक फोटोट्रांसमीटर”, कार्बनिक इलैक्ट्रॉनिक्स की एलस्विर पत्रिका में स्वीकृत ।
 25. यादव, एच. श्रीमाली, ए. एन्ड्रेजा, वी. लिबरालि, “उच्च ऊर्जा सिलिकोन अणु संसूचक का शोर और क्रॉसटॉक वोल्टेजिज के लिए विश्लेषणात्मक अभिव्यक्ति, यंत्रिकरण की पत्रिका, भौतिक विज्ञान संस्थान (आईओपी), भाग 13, जनवरी 2018, पीपी. सी01019 ।
 26. एस. शर्मा, आर. खोसला, डी. देवा, एच. श्रीमाली और एस.के. शर्मा, “फ्लोरिन क्लोरिन को-डोपड TiO₂/CSA डोपड पोलिएनिलिन बेस्ड हाई परफॉरमेंस इनऑर्गेनिक/ऑर्गेनिक हाइब्रिड हीटरोस्ट्रक्चर फॉर यूवी फोटोडीटेक्शन एप्लीकेशन्स”, एलस्विर सेंसर्स और एक्ट्यूएटर्स: ए. फिजीकल, भाग 261, जुलाई 2017, पीपी. 94-102 ।

27. ए. जोशी, एच. श्रीमाली और एस.के. शर्मा, आईईटी परिक्षेत्र, उपकरण और प्रणाली में "क्रॉस युग्मक संधारित्र सहित दूरबीन ओटीए के लाभ बढ़ाने के लिए व्यवस्थित रूपांकन दृष्टिकोण", भाग 11, संस्करण 3, जून, 2017, पीपी. 225-231।
28. ए. भारद्वाज और एस. अग्निहोत्री, "एनर्जी एण्ड स्पेक्ट्रल एफिसिएंसी ट्रेड ऑफ फौर डी2डी मल्टीकास्टस इन अंडरले शैलुलर नेटवर्क्स, टू अपीयर इन आईईईई वायरलेस कम्यून. पत्र. डीओआई: 10.1109/एलडब्ल्यूसी. 2018.2794353।
29. ए. भारद्वाज और एस. अग्निहोत्री, "चैनल अलोकेशन फॉर मल्टीपल डी2डी-मल्टीकास्टस इन अंडरले शैलुलर नेटवर्क्स यूजिंग आउटेज प्रोबेबिलिटी मिनिमाइजेशन", संचार पर राष्ट्रीय सम्मेलन (एनसीसी) 2018, हैदराबाद, भारत, फरवरी 2018।
30. जी.एस. ग्रेवाल और बी.एस. राजपुरोहित, "परिवर्तित नॉन-इन्ट्रुसिव वायु अन्तर विधि का प्रयोग करते हुये असंतुलित परिस्थितियों में प्रेरण यंत्र कार्य की पर्याप्तता का क्षेत्र संगणन", सीपीआरआई पत्रिका, भाग 12, संस्करण 1, 2017।
31. आर.के. चौहान, बी.एस. राजपुरोहित, एस.एन. सिंह, एफ.एम. गोजाल्ज-लॉगट और एल. वेंग, "बिजली के बिल को कम करने के लिए कुशल भवनों के लिए सही समय ऊर्जा प्रबन्धन प्रणाली, उभरती विद्युत शक्ति प्रणालियों की अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका, भाग 18, संस्करण 3, 2017।
32. चितरंजन फुरेलात्म और बी.एस. राजपुरोहित, "भारत में ग्रामीण और शहरी अनुप्रयोगों के लिए स्वायत्त डीसी माइक्रोग्रिड्स की योजना और औचित्य, "अक्षय ऊर्जा और स्थायी ऊर्जा समीक्षा की पत्रिका, एलस्विर, भाग 82, भाग 1, पीपी. 194-204।
33. जी.एस. ग्रेवाल और बी.एस. राजपुरोहित, "गुरुत्वाकर्षण खोज अनुकूलन मापन का उपयोग करते हुये कार्य में प्रेरण यंत्रों की कार्यक्षमता का निर्णय", मापन, अन्तर्राष्ट्रीय मापन महासंघ की पत्रिका, एलस्विर, भाग 118, 2018, पीपी. 156-163।
34. ए. शर्मा और बी.एस. राजपुरोहित, "शक्ति गुण के अर्थशास्त्र की समीक्षा: प्रभाव, मूल्यांकन और न्यूनीकरण", अक्षय ऊर्जा और स्थायी ऊर्जा समीक्षा की पत्रिका।
35. जी.एस. ग्रेवाल और बी.एस. राजपुरोहित, "प्रेरण यंत्रों के कार्य में कार्यक्षमता मूल्यांकन के लिए एक नयी संगणनात्मक कुशल तकनीक", मापक पत्रिका, एलस्विर, भाग 118, पीपी. 156-163, जनवरी 2018। आईएसएसएन: 0263-2241।
36. ए.के. मिश्रा, बी.एस. राजपुरोहित और आर. कुमार, "वर्द्धित टॉर्क प्रोफाइल के लिए प्रेरण यंत्र चालन रूपांकन", उद्योग अनुप्रयोगों पर आईईईई ट्रांजैक्सन्स, भाग 52, संस्करण 2, पीपी. 1283-1291, मार्च/अप्रैल 2018।

पेटेंट

1. दत्त वी. चतुर्वेदी, पी. अग्रवाल, के. अग्रवाल, एस. माली एन. और कला यू. (2017)। भू-स्खलन निगरानी और चेतावनी के लिए सस्ती संवेदक आधारित प्रणाली, पेटेंट आवेदन 201711045337, नई दिल्ली, पेटेन कार्यालय द्वारका नई दिल्ली 110078, 2017/12/18।
2. दत्त वी. चतुर्वेदी, पी. अग्रवाल, के. अग्रवाल, एस. माली एन. और कला यू. (2018), भू-स्खलन निगरानी और चेतावनी के लिए सस्ती संवेदक आधारित प्रणाली, पेटेंट आवेदन पीसीटी/आईएन 2018/050217-पीसीटी-वीडी-01। अन्तर्राष्ट्रीय ब्यूरो, वर्ल्ड इंटेलेक्चुअल प्रोपर्टी ऑर्गेनिजेशन 34, चेमिन डेस कोलोम्बेटेस, पी.ओ. बॉक्स 18, सीएच-1211 जीनेवा 20 स्वीट्जरलैण्ड, 2018/04/16 (अन्तर्राष्ट्रीय पेटेंट दर्ज)।
3. आदर्श नटराजन, हरिनारायण के., निर्मल, ए.के. साव, ए. भावसार, के. गुप्ता, एस. गौतम, "चिकित्सीय जांच के लिए विधि और उसकी प्रणाली", नस्ति संख्या 2599/सीएचई/2015।

प्रकाशित पुस्तक/पुस्तक अध्याय

1. एस. रॉय चौधुरी, जी. शर्मा, वाई अरोड़ा, एल.वी.आर. प्रसादराजु, एम. अनुमुकोंदा, एस. रामाश्याम, एस.सी. मुखोपाध्याय और टी. इस्लाम द्वारा रचित धारणीय संवेदक: अनुप्रयोग, प्रारूप और कार्यान्वयन नामक पुस्तक के अध्याय 3 में "धारणीय चिकित्सा संवेदकों की संकेत अवस्था के लिए स्मार्ट परिक्षेत्र", पीपी. 3.1-3.28, आईओपी प्रकाशन, 2017
2. यादव एस. कुमार, एस. चतुर्वेदी, पी. ठाकुर, के.के. माली एन., कला वी.यू. और दत्त वी. (2018), आईओटी भू-स्खलन: भूकम्प की भविष्यवाणी और जोखिम सम्प्रेषण के लिए वस्तुओं के ढांचे का सस्ता इंटरनेट। वस्तुओं की अवधारणा, प्रौद्योगिकियों, आवेदनों और कार्यान्वयन के इंटरनेट में। सीआरसी प्रैस।
3. जैन टी. यामे, जे.जे. और सौटर डी., 2018, सक्रिय त्रुटि सहिष्णु नियंत्रण प्रणाली: एक व्यावहारिक प्रणाली सैद्धांतिक के सन्दर्भ में (भाग 128), प्रणालियों, निर्णय और नियंत्रण का अध्ययन। स्प्रिंगर अन्तर्राष्ट्रीय प्रकाशन।

सम्मेलनों में उपस्थिति और प्रस्तुत पत्र

1. एस्ट्रिड किह ने भा.प्रौ.सं. कानपुर में एफएसटीटीसीएस 2017 (सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी और सैद्धांतिक संगणक विज्ञान की नींव) पर दिनांक 11-15 दिसम्बर, 2017 को आयोजित कार्यशाला में भाग लिया।
2. एस. घोष, वी. ठाकुर, एस. रॉय चौधुरी ने सिडनी में दिसम्बर 4 से 6, 2017 के दौरान संवेदक प्रौद्योगिकी पर आयोजित 11वें आईईईई अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "सस्ते कम चुम्बकीय क्षेत्र एमआरआई प्रणाली के प्रारूप" पर पत्र प्रस्तुत किया।
3. एन. भण्डारी, एस. रॉय चौधुरी ने रांची में नैनोइलेक्ट्रॉनिक्स, परिक्षेत्र और संचार प्रणाली में दिनांक 11 से 12 नवम्बर, 2017 तक आयोजित तीसरे अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "FPGA बेस्ड हाई परफोरमेंस एसीनक्रोनस फिनाइट स्टेट मशीन बेस्ड ऑन मोडिफाइड 4 फेज हैंडसेकिंग प्रोटोकॉल" पर पत्र प्रस्तुत किया।
4. एस. डगर, एस. रॉय चौधुरी, एस. बापि राजू, ए. दत्त, डी. रॉय ने संज्ञानात्मक विज्ञान पर चतुर्थ वार्षिक सम्मेलन, हैदराबाद विश्वविद्यालय में अक्टूबर 5 से 7, 2017 के दौरान "ए कम्प्यूटेशनल इन्वेस्टिगेशन ऑन यूजिंग द एक्साइटेशन-इन्हिबिशन (E/I बैलेंस) मकैनिज्म टु ऑप्टिमाइज tDCS प्रोटोकॉल" पर पत्र प्रस्तुत किया।
5. एन. गोविल, आर. श्रेष्ठा, एस. रॉय चौधुरी ने भा.प्रौ.सं. रूड़की में 29 जून से 2 जुलाई, 2017 के दौरान 21वें वीएलएसआई डिज़ाइन और टेस्ट सम्मेलन में "उच्च गति अनुप्रयोग के लिए एक नये बहु विकल्पात्मक हार्डवेयर-सॉफ्टवेयर विभाजन कलन विधिक दृष्टिकोण" पर पत्र प्रस्तुत किया।
6. एन. पारादकर, एस. रॉय चौधुरी ने जीजु महाद्वीप, दक्षिण कोरिया में 11 से 15 जुलाई, 2017 के दौरान दवा और जीव विज्ञान सोसाइटी में अभियांत्रिकी पर आयोजित 37वें आईईईई वार्षिक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "फोटोप्लेथीसोमोलॉजी का प्रयोग करते हुये कार्डिएक अरहेथमिया जांच" पर पत्र प्रस्तुत किया।
7. एन. पारादकर, एस. रॉय चौधुरी ने जीजु महाद्वीप, दक्षिण कोरिया में 11 से 15 जुलाई, 2017 के दौरान दवा और जीव विज्ञान सोसाइटी में अभियांत्रिकी पर 37वें आईईईई वार्षिक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "फोटोप्लेथीसोमोलॉजी का प्रयोग करते हुये कोरोनरी अर्टरी रोग मालूम करना" नामक पत्र प्रस्तुत किया।
8. एस. घोष, वी. ठाकुर, एस. रॉय चौधुरी ने यूरोपीयन संवेदक और एक्ट्यूएटर्ज सुमीत 2017, स्टॉकहोल्म में अगस्त 22-24, 2017 के दौरान "सस्ती और कम चुम्बकीय क्षेत्र एमआरआई प्रणाली के लिए हेल्महोल्टज़ का डिज़ाइन और सिमुलेशन" नामक पत्र प्रस्तुत किया।
9. देबादत्ता दाश, विनायक अब्रोल, अनिल कुमार साव, EVD एसिस्टिड आईसीए ऑफ ऑप्टिमली थ्रेसहोल्ड आरएस-एफएमआरआई, ब्रेन मोडज़, भारत, पीआईडी-19, पी 49, दिसम्बर 11-14, 2017, (विस्तृत सार)।

10. के. गुप्ता, ए. भावसार, ए.के. साव के "स्व प्रतिरक्षित विकारों के निदान के लिए सीएनएन आधारित समसूत्रण HEp-2शैलज की खोज" नामक पत्र को बायोइमेजिंग-2018 पर आयोजित 5वें अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में स्वीकृत किया गया।
11. के. गुप्ता, ए. भावसार, ए.के. साव ने थ्रैसहोल्ड-आधारित मूल्यांकन योजना का प्रयोग करते हुये HEp-2 नमूने के बिम्बों के लिए समसूत्रण खोज" नामक पत्र को एसपीआईई चिकित्सा बिम्ब विधान-2018 के लिए स्वीकृत किया गया।
12. एस. गौतम, ए. भावसार, ए.के. साव ने "सीएनएन बेस्ड सेगमेंटेशन ऑफ न्यूक्लाई इन पैप समीयर इमेजिज विद सीलेक्टिव प्री-प्रोसेसिंग" नामक पत्र को एसपीआईई चिकित्सा बिम्ब विधान 2018 के लिए स्वीकृत किया गया।
13. एस. गौतम, के. गुप्ता, ए. भावसार, ए.के. साव ने जुलाई 2017 में एडिनबर्ग, यूके. में चिकित्सा बिम्ब बोध और विश्लेषण(एमआईयूए 2017) की कार्रवाई में "अनुकूली गुच्छन के द्वारा ग्रीवा कोशिका नाभिकी का असुरक्षित विभाजन" नामक पत्र प्रस्तुत किया।
14. पी.कौर, एस. मण्डल और ए.के. साव ने माह जुलाई 11-13, 2017 में एडिनबर्ग, यूके. में "चिकित्सा बिम्ब बोध और विश्लेषण (एमआईयूए) की कार्रवाई में "विरल प्रतिनिधित्व आधारित सुपर रिजोल्यूशन में चुम्बकीय रेजोनेंस बिम्ब विवरण का महत्त्व" नामक पत्र प्रस्तुत किया।
15. एस. ठाकुर, टी. चैन, ए. ग्रांट ने सूचना सिद्धांत पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईएसआईटी) में "कार्यात्मक निर्भर संरचनाओं के लिए शैनोन-प्रकार की असमानताओं का न्यूनतम सेट" नामक पत्र प्रस्तुत किया। पीपी 679-683, आचेन जर्मनी, जून 2017।
16. अग्रवाल के., बावेजा वाई, द्विवेदी डी. साहा, आर. प्रसाद, पी. अग्रवाल एस., कपूर एस. ने यंत्र अधिगम और आंकड़ा विज्ञान पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "वास्तविक संसार में भूकम्प की भविष्यवाणी के लिए क्लास असंतुलित प्रौद्योगिकी की तुलना" नामक पत्र प्रस्तुत किया। दिसम्बर 2017 में प्रकाशन के लिए स्वीकृत।
17. कौशिक एस., चौधरी ए., विश्वनाथन के., चेल्लापा बी., नटराजन एस. पिकेट एल. और दत्त वी. ने यंत्र अधिगम और आंकड़ा विज्ञान पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "रोगी की दवाओं पर व्यय के लिए एलएसटीएम का प्रयोग करना" नामक पत्र दिसम्बर 2017 में प्रस्तुत किया। (प्रकाशन के लिए स्वीकृत)।
18. शर्मा एन. और दत्त वी., "मॉडलिंग चॉइस वेरीएशन इन सर्च स्ट्रेटीजिज विद मल्टी-आर्मड बैंडिट प्रॉब्लमज" नामक पत्र दिसम्बर 2017 में यंत्र अधिगम और आंकड़ा विज्ञान पर आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया। (प्रकाशन के लिए स्वीकृत)।
19. कौशल के., के. कौशिक, एस. चौधुरी, ए. विश्वनाथन, के. चेल्लापा बी., नटराजन एस. पिकेट एल और दत्त वी. ने यंत्र अधिगम और आंकड़ा विज्ञान पर आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "रोगी की परिस्थितियों को दिखाने वाला: रोगी की परिस्थितियों को दिखाने के लिए उपकरण" नामक पत्र दिसम्बर 2017 में प्रस्तुत किया (प्रकाशन के लिए स्वीकृत)।
20. सिंगरल एच., अग्रवाल पी. और दत्त वी. ने दिसम्बर 2017 में यंत्र अधिगम और आंकड़ा विज्ञान पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "मजबूत अधिगम का प्रयोग करते हुये खेलों में आदर्श निर्णय" पर पत्र प्रस्तुत किया। अधिगम 25,26 (प्रकाशन के लिए स्वीकृत)।
21. शर्मा जी., कौशल, वाई. चन्द्रा, एस. सिंह, वी मित्तल, ए.पी. और दत्त वी. (2017), "शुद्धिपत्र: इन्फ्लुअंस ऑफ लैण्डमाक्स ऑन वेफाईडिंग एण्ड ब्रेन कनेक्टिविटी इन इमर्सिव वर्चुअल रीयल्टी एन्वायरनमेंट" फ्रंटियर्स इन साइकोलोजी, 8,1514।
22. चौधरी ए., कौशिक एस. और दत्त वी. ने जुलाई 2017 में सामाजिक नेटवर्क विश्लेषण और खनन 2017 में प्रगति पर आईईई/एसीएम अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन-2017 की कार्रवाई में "दर्द की दवाओं के लिए सामाजिक नेटवर्क विश्लेषण: प्रभावशाली चिकित्सक अत्यधिक मात्रा में दवा लेने की सलाह न दें" नामक पत्र प्रस्तुत

- किया। (पीपी. 881–885). एसीएम।
23. शर्मा एन. और दत्त वी. ने संयुक्त राज्य में 2017 में कोग्निटिव मौडलिंग कोवेंटरी पर आयोजित 15वें अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में “अनुभव से निर्णय: खोज नीतियों में अनियमितता के कारण मौडलिंग विकल्प” नामक पत्र प्रस्तुत किया।
 24. शर्मा जी. कौशल, वाई चन्द्रा, एस. सिंह, वी. मित्तल, ए.पी. और दत्त वी. ने “इन्प्लुअंस ऑफ लैण्डमार्क्स ऑन वे फाइंडिंग एण्ड ब्रेन कनेक्टिविटी इन इमर्सिव वर्चुअल रीयलिटी एन्वायरनमेंट” पर पत्र प्रस्तुत किया। फ्रंटियर्स इन साइकोलोजी, 8,1220।
 25. अग्रवाल पी. गोन्जाल्ज सी. और दत्त वी. “मॉडलिंग द इफैक्ट्स ऑफ अमाउंट एण्ड टाइमिंग ऑफ डीसेप्शन इन सिमुलेटेड नेटवर्क सीनरिओस साइबर पारिस्थितिक जागरूकता”, आंकड़ा विश्लेषण और मूल्यांकन (साइबर एसए), 2017 अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, पीपी 1 से 7, आईईईई, 2017।
 26. महेश एस. मूर्ति और राहुल श्रेष्ठा ने वीएलएसआई डिज़ाइन पर 31वें आईईईईई अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन और एम्बिडिड सिस्टम्स (वीएलएसआईडी) पर 17वें अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में “संज्ञानात्मक-रेडियो बेतार नेटवर्क के लिए हार्डवेयर कुशल और चौड़े पट्टे वाले आवृत्ति-क्षेत्र ऊर्जा संसूचक” पर पत्र प्रस्तुत किया। पीपी 277–282, जनवरी–2018।
 27. दिनेश कुमार बी. सुमित पाण्डेय, पुनीत अरोड़ा और राहुल श्रेष्ठा ने एम्बिडिड कम्प्यूटिंग और सिस्टम डिज़ाइन (आईएसईडी) पर 7वें आईईईईई अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में “ए सेल्फ बैण्डविड्थ स्वीचिंग एण्ड एरिया एफिसिएंट पीएलएल यूजिंग मल्टीप्लेक्सर-कन्ट्रोल्ड फ्रिक्वेंसी सीलेक्टर” नामक पत्र प्रस्तुत किया। पीपी 1 से 5, दिसम्बर–2017।
 28. राहुल कुर्जीकार, हार्दिक अरोड़ा और राहुल श्रेष्ठा ने सूक्ष्म इलेक्ट्रॉनिक और सूचना प्रणाली पर आयोजित तीसरे आईईईईई अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में “एन्ड्रॉयड मोबाइल प्लेटफॉर्म में गैस की खोज और निगरानी प्रणाली के लिए एम्बिडिड हार्डवेयर प्रोटोटाइप” नामक पत्र प्रस्तुत किया। पीपी 6 से 10, दिसम्बर–2017।
 29. सुमंथ गुदापार्थी और राहुल श्रेष्ठा ने वीएलएसआई डिज़ाइन और टेस्ट (वीडीएटी) पर आयोजित 21वें आईईईईई अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में “ऐनर्जी-एफिसिएंट वीएलएसआई आर्किटेक्चर एण्ड इम्प्लिमेंटेशन ऑफ बाई मॉडल मल्टी-बैंकड रजिस्टर-फाईल ऑरगेनाइजेशन” नामक पत्र प्रस्तुत किया। पीपी 299–312, दिसम्बर–2017।
 30. नमन गोविल, राहुल श्रेष्ठा और शुभजित रॉय चौधुरी ने वीएलएसआई डिज़ाइन और टेस्ट (वीडीएटी) पर आयोजित 21वें आईईईईई अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में “उच्च गति अनुप्रयोगों के लिए एक नया बहु विकल्पात्मक हार्डवेयर सॉफ्टवेयर विभेदन कलन विधिक दृष्टिकोण” नामक पत्र प्रस्तुत किया। पीपी 62–68, दिसम्बर–2017।
 31. राहुल श्रेष्ठा ने वीएलएसआई डिज़ाइन, स्वचालन और परीक्षण पर आयोजित 21वें आईईईईई अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में “गलत काल्पनिक योजक के लिए उच्च गति और कम शक्ति वाली वीएलएसआई संरचना” नामक पत्र प्रस्तुत किया। पीपी 1–4, अप्रैल–2017, ताइवान (हसिंचु), वैब लिंक।
 32. एच. श्रीमाली, वी. शर्मा, जे. त्रिपाठी, आर. मालिक ने इलैक्ट्रॉनिक्स सर्कट्स और प्रणालियों पर आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीईसीएस) में “वोल्टीरा श्रेणियों का प्रयोग करते हुये बक कन्वर्टर की अरैखिक मॉडलिंग और विश्लेषण” नामक पत्र प्रस्तुत किया। बटौमी, जॉरजिया दिसम्बर 5–8, 2017।
 33. वी. शर्मा, जे. त्रिपाठी, एच. श्रीमाली, आर. मालिक ने हांगजोयु, चीन में दिसम्बर 14–17, 2017 के दौरान आयोजित आईईईईई अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में उन्नत विद्युतीय डिज़ाइन पैकेजिंग और प्रणाली (ईडीएपीएस) पर आयोजित सेमिनार में “पावर वितरण नेटवर्क के माध्यम से डीसी-डीसी बक का हारमोनिक्स प्रभाव अध्ययन” नामक पत्र प्रस्तुत किया।

34. दिनेश कुमार बी., एच. श्रीमाली और आर. मालिक ने आईईईईई टेंकोन, पीनांग, मलेशिया में नवम्बर 5 से 8, 2017 के दौरान "कम ऊर्जा और कम प्रावस्था रव करंट पुनः प्रयुक्त वीसीओ का उपयोग करते हुये 520 μ W,-141 डीबीसी/हर्टज और 450 मेगाहर्टज फ्रीक्वेंसी विश्लेषक का डिज़ाइन" नामक पत्र प्रस्तुत किया।
35. वी. शर्मा, एच. श्रीमाली, जे. त्रिपाठी, आर. मालिक ने नवम्बर 5 से 8, 2017 के दौरान सीयोल कोरिया में आयोजित इंटरनेशनल SoC डिज़ाइन कॉन्फ्रेंस (आईएसओसीसी) में "डीसी-बीसी बक कन्वर्टर के लिए विकृति विश्लेषण" नामक पत्र प्रस्तुत किया। (आईएसओसीसी में सर्वोत्तम पत्र सम्मान)
36. एच. श्रीमाली, ए. जोशी, ई. रूसिनो, आई यादव, एस.के. शर्मा, ए. एन्ड्रीज़ा, वी. लिबरेली ने विकिरण बिम्ब विधान संसूचकों (आईडब्ल्यूओआरआईडी) पर आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला क्राकोव, पोलैण्ड में जुलाई 2 से 6, 2017 के दौरान "बीसीडी 180 नैनोमीटर प्रौद्योगिकी में कण जांच अनुप्रयोग के लिए चार्ज संवेदनशील प्रवर्धकका डिज़ाइन" नामक पत्र प्रस्तुत किया।
37. ए. यादव, एच. श्रीमाली, ए. एन्ड्रीज़ा, वी. लिबेरालि ने विकिरण बिम्ब विधान संसूचकों (आईडब्ल्यूओआरआईडी) पर आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला क्राकोव, पोलैण्ड में जुलाई 2 से 6, 2017 के दौरान "रव और उच्च ऊर्जा सिलिकोन कण संसूचक के क्रॉसटॉक वोल्टेजिज के लिए विश्लेषणात्मक अभिव्यक्ति" नामक पत्र प्रस्तुत किया।
38. एस. गौतम, ए. भावसार, ए. साव, के. हरिनारायण ने "चयनित पूर्व प्रक्रम के साथ पैप स्मीयर बिम्बों में नाभिकी का सीएनएन आधारित वर्गीकरण" पर पत्र प्रस्तुत किया। एसपीआईई चिकित्सा बिम्ब विधान (डिजिटल पैथोलॉजी), 2018।
39. के. गुप्ता, ए. भावसार, ए. साव. ने "माइटोटिक शैलज डिटेक्शन फॉर HEp-2 स्पीशीमन इमेजिज यूजिंग थ्रैस्होल्ड बेस्ड इवैल्यूशन स्कीम" पर पत्र प्रस्तुत किया। एसपीआईई चिकित्सा बिम्ब विधान (डिजिटल पैथोलॉजी), 2018।
40. के. गुप्ता, ए. भावसार, ए. साव ने "सीएनएन आधारित माइटोटिक HEp-2 शैल बिम्ब खोज" नामक पत्र प्रस्तुत किया। जैव बिम्ब विधान-2018।
41. के. गुप्ता, ए. भावसार, ए. साव ने सीएडी आधारित स्वतः प्रतिरक्षित अव्यवस्था खोज के लिए माइटोटिक वर्सिज नॉन माइटोटिक HEp-2 शैल वर्गीकरण: सीएनएन के प्रयोग से अध्ययन। सीओडीएस-सीओएमएडी, 2018।
42. ए. बालुरे, ए. भावसार, आर. किनी ने "जीएमएम आधारित एकल चौड़ा बिम्ब सुपर-रिजोल्यूशन" नामक पत्र प्रस्तुत किया। एनसीवीपीआरआईपीजी 2017।
43. एस. कुमारी, एस. मण्डल, ए. भावसारने "पैच सिमीलेरिटी इन ट्रांसफोरम डुमेन फॉर इन्टेनिसिटी रेंज इमेज डीनॉयजिंग विद ऐज प्रजर्वेशन" पर पत्र प्रस्तुत किया। एनसीवीपीआरआईपीजी 2017।
44. वी. गुप्ता, ए. सिंह, के. शर्मा, ए. भावसार ने "छाती कैंसर उत्तक विकृति विज्ञान बिम्बों के लिए स्वचालित वर्गीकरण: क्या तनाव साधारणीकरण महत्त्वपूर्ण है?" नामक पत्र प्रस्तुत किया। चिकित्सा बिम्ब संकलन और संगणक युक्त व्यवधान, सीएलआईपी कार्यशाला (एमआईसीसीएआईडब्ल्यू 2017), 2017।
45. आर. कुमार, ए. कुमार, ए. भावसार ने संगणक विज्ञान और इमेज प्रोसेसिंग पर आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 2017 में "बर्ड रीजन डिटेक्शन इन इमेजिज विद मल्टी स्केल एचओजी फीचर्ज एण्ड एसवीएम स्कोरिंग" नामक पत्र प्रस्तुत किया।
46. एस. जफर, पी. सिंह, ए. भावसार ने संगणक विज्ञान और इमेज प्रोसेसिंग पर आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन (सीवीआईपी 2017), 2017 में "संयुक्त कोण भिन्नता लक्षणों का प्रयोग करते हुये गहरे कैमरे के लिए अस्थिर गतिविधि वर्गीकरण" नामक पत्र प्रस्तुत किया।

47. वी. गुप्ता, ए. भावसार ने बिम्बों के संगणक विश्लेषण और पैटर्न पर आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "ऐन इन्टीग्रेटेड मल्टी-स्केल मॉडल फॉर ब्रेस्ट कैंसर हिस्टोपैथोलॉजिकल इमेज क्लासीफिकेशन विद जॉइण्ट कलर-टेक्स्टर फीचर्ज" नामक पत्र प्रस्तुत किया। (सीएआईपी-2017), 2017
 48. वी. गुप्ता, ए. भावसार ने संगणक विज्ञान और पैटर्न पहचान पर आयोजित आईईईई सम्मेलन में, सीवीएमआई कार्यशाला (सीवीपीआरडब्ल्यू 2017), 2017 में "ब्रेस्ट कैंसर हिस्टोपैथोलॉजिकल इमेज क्लासिफिकेशन: ईज मैग्नीच्यूड इम्पोर्टैण्ट?" पर पत्र प्रस्तुत किया।
 49. वी. गुप्ता, ए. भावसार ने चिकित्सा बिम्ब बोध और विश्लेषण पर आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन (एमआईयूए 2017), 2017 में HEp-2 शैल बिम्ब वर्गीकरण के लिए यादृच्छिक वन आधारित लक्षण महत्त्व" नामक पत्र प्रस्तुत किया।
 50. एस. गौतम, के. गुप्ता, ए. भावसार, ए.के. साव ने चिकित्सा बिम्ब बोध और विश्लेषण पर आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन-2017 (एमआईयूए-2017) में "अनुकूलित गुच्छन के माध्यम से ग्रीवा कोशिका का असुरक्षित विभाजन" नामक पत्र प्रस्तुत किया।
 51. आर. एम. पिंदोरिया, ए. उस्मान, बी.एस. राजपुरोहित और आर. कुमार ने माह दिसम्बर 21 से 23, 2017 के दौरान आईईईई आईसीपीएस 2017, अभियांत्रिकी महाविद्यालय, पूना, भारत में "पीएमएसजी आधारित वायु ऊर्जा उत्पादन प्रणाली: ऊर्जा का आधिक्य और इसके नियंत्रण" नामक पत्र प्रस्तुत किया। पीपी. 1-6, 2017।
 52. ए. शर्मा, ए.के. मिश्रा, बी.एस. राजपुरोहित और के.एन. श्रीवास्तवा ने माह दिसम्बर 21 से 23, 2017 के दौरान आईईईई आईसीपीएस 2017, अभियांत्रिकी महाविद्यालय, पूना, भारत में "पीएमएसजी आधारित समायोज्य गति चालन भार के लिए पीसीसी पर ऊर्जा गुणवत्ता वृद्धि" नामक पत्र प्रस्तुत किया। पीपी. 1-6, 2017।
 53. ए. उस्मान, बी.एम. जोशी और बी.एस. राजपुरोहित ने विद्युतीय मशीनों, पावर इलैक्ट्रॉनिक्स और ड्राइव्स (एसडीईएमपीईडी) में निदान पर आयोजित आईईईई 11वें अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, टिनोस, 2017 में "स्थायी चुम्बक समकालिक मोटर्ज और उनकी तुलना के लिए त्रुटि मॉडलिंग विधियों की समीक्षा" नामक पत्र प्रस्तुत किया। पीपी. 141-146।
 54. आर.एम. पिंदोरिया, बी.एस. राजपुरोहित, आर. कुमार और के.एन. श्रीवास्तवा ने दिनांक 13 से 14 मार्च, 2018 के दौरान ग्रेटर नोयडा, दिल्ली, भारत में आईईईई अभियंता अपरिमित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "विद्युत और हाइब्रिड इलैक्ट्रिक वाहनों के लिए स्थायी चुम्बक मोटर और स्वीचड रीलक्टेंस मोटर्ज की क्षमता" नामक पत्र प्रस्तुत किया।
 55. एम. शर्मा और बी.एस. राजपुरोहित दिनांक 13 से 14 मार्च, 2018 के दौरान ग्रेटर नोयडा, दिल्ली, भारत में आईईईई अभियंता अपरिमित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "एमआईएलपी के प्रयोग से उपभोक्ताओं के बिजली के बिल के मूल्य का न्यूनतमीकरण" नामक पत्र प्रस्तुत किया।
 56. ए. उस्मान, बी.एस. राजपुरोहित ने माह अगस्त 05 से 10, 2018 के दौरान पोर्ट लैण्ड, अमेरिका में "स्थायी चुम्बक प्रत्यक्ष करंट मोटर्ज में चुम्बक रहित त्रुटि की सीमित अवयव मॉडलिंग पर पत्र प्रस्तुत किया (स्वीकृत)।
- 4. लोक सम्पर्क कार्यक्रम/आयोजित अनवरत शिक्षा गतिविधियां: (कार्यशाला/सम्मेलन आदि, हाई रेजोल्यूशन फोटो के साथ विवरण)**
1. भा.प्रौ.सं. दिल्ली, एमआईटी, अमेरिका और एशियायी बिजनेस स्कूल कोआला लुम्पर के सहयोग से दिनांक 22 जून, 2017 से दिनांक 04 जुलाई, 2017 के दौरान नवोचार प्रौद्योगिकी पर 12 दिन के एमआईटी आईआईटी बूट कैम्प का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में 55 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें से

अमेरिका, मलेशिया और आस्ट्रेलिया से 25 प्रतिभागी सम्मिलित थे। यह कार्यशाला मानव संसाधन विकास मंत्रालय के सहयोग से डिज़ाइन और नवोचार केन्द्र के माध्यम से आयोजित की गई। (चित्र संलग्न)



2. यंत्र अधिगम और चिकित्सा बिम्ब विश्लेषण. डब्ल्यूएमएलएमआईए-17, जून 17 से 22

समन्वयक: डॉ. अनिल कुमार साव, सह समन्वयक: डॉ. पद्मनाभन राजन

संगणक और विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल के मल्टी मीडिया एनालिटिक्स और सिस्टम ग्रुप ने भा.प्रौ.सं. मण्डी में चिकित्सा बिम्ब विश्लेषण (डब्ल्यूएमएलएमआईए 2017) के लिए यंत्र अधिगम पर तीसरी कार्यशाला का आयोजन किया। पाँच दिवसीय कार्यशाला के आयोजन का ध्येय सूक्ष्मदर्शी बिम्बों के विश्लेषण के लिए यंत्र अधिगम के प्रयोग पर केन्द्रित था। यह कार्यशाला कमान्द परिसर, भा.प्रौ.सं. मण्डी में माह जून 17– 21, 2017 के मध्य आयोजित की गई। यंत्र अधिगम एक सक्रिय अनुसंधान क्षेत्र है, जहां संगणक एलोगरिथम “लर्न” में व्यक्ति जैसी विधि से सीखा जाता है। अनेक अनुसंधान समूह दुनिया भर में शिक्षा और उद्योग के क्षेत्र में चिकित्सा बिम्बों के विश्लेषण को स्वचालित करने के लिए यंत्र अधिगम की नयी और प्रभावी विधियों पर अध्ययन कर रहे हैं। इसके अनेक अनुप्रयोग हैं, जिनमें चिकित्सा बिम्ब आंकड़ों की बड़ी संख्या में तेजी से निदान सम्मिलित है। अतः चिकित्सकों को अधिकतर तेजी से और अधिक सटीकता से निदान करने में सहायता मिल रही है। आधुनिक दवा में सूक्ष्मदर्शिकी विश्लेषण महत्त्वपूर्ण साधन हैं, जो कि मलेरिया और ग्रीवा कैंसर सहित कई रोगों में लाभदायक हैं। रोग विज्ञानी, चिकित्सकों और अभियंताओं सहित सात वक्ताओं ने व्याख्यान दिये। अखिल भारतीय चिकित्सा विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली के रोग विज्ञानी डॉ. आर. माथुर ने महत्त्वपूर्ण वार्ता की। भा.प्रौ.सं. दिल्ली के भौतिक विज्ञान विभाग से डॉ. केदार खरे ने उनके अनुसंधान समूह द्वारा बनाये गये फेज़-माइक्रोस्कोप के बारे में बताया। भा.प्रौ.सं. दिल्ली की डॉ. सरिता अहलावत ने भी उपर्युक्त माइक्रोस्कोप के व्यवसायीकरण के प्रयास और ग्रैवेयक कैंसर की जाँच में इसके अनुप्रयोग के बारे में बताया। भारतीय अंतरिक्ष और प्रौद्योगिकी संस्थान थिरुवनन्तपुरम के डॉ.साई सुब्रमयण्ण गोरथी ने सूक्ष्मदर्शी बिम्बों के विश्लेषण में गहन अध्ययन के उपयोग में आधुनिक अनुसंधान के बारे में कहा। आर.वी. मेट्रोपोलिस, बंगलौर के रोग विज्ञानी, डॉ. वाणि रवि कुमार ने विभिन्न चिकित्सा पहलुओं के बारे में चर्चा की और बताया कि निदान में स्वचालन कैसे लाभदायक रहेगा। अइन्द्रा सिस्टम्ज़, बंगलौर के श्री के.सी. भूषण ने कम्पनी की विकास यात्रा और स्वचालित ग्रैवेयक कैंसर जांच के वाणिज्यिकरण के बारे में कहा। मैथवर्क्स भारत के डॉ. अमोद आनन्द कुमार ने बिम्बों के यंत्र अधिगम के लिए मैटलैब (टीएम) संगणन वातावरण में उपलब्ध विभिन्न उपकरणों को दिखाया। अन्य वक्ताओं ने यंत्र अधिगम के बुनियादी ज्ञान, यंत्र अधिगम में व्यावहारिक सत्रों से अनुप्रयोग तक के अनेक विषयों को समाविष्ट किया। इस कार्यशाला में भारत

के छात्रों, अनुसंधान विद्वानों और प्राध्यापकों सहित 50 प्रतिभागियों ने भाग लिया।



एनसीवीपीआरआईजी-2017

3. क्यूईईई और आईईईई टी इलाहाबाद के लिए कार्यक्रम प्रस्तावित किये गये। इन कार्यक्रमों के नाम निम्नलिखित हैं: – “डिज़ाइन विद ओपाम्प” (17 अक्टूबर) और “बीजेटी/एमओएसएफईटी एम्प्लिफायरस” (18 फरवरी)। यह कार्यक्रम आईईईईटी में “कार्यात्मक एम्प्लिफायरस का उच्च निष्पादन डिज़ाइन” सिखाता है (18 मार्च)।
4. हि.प्र. के उच्च विद्यालय के छात्रों के लिए माह जून, 2017 में स्टैप कार्यक्रम में व्यावहारिक अनुभव सहित आईओटी सत्र का आयोजन किया गया।



5. आपदा प्रबन्धन पर निर्माण सामग्री प्रयोगशाला द्वारा एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें राज्य सरकार के कर्मचारियों के साथ कार्यरत अन्य विशेषज्ञों ने विभिन्न भू-तकनीकी प्रबन्धन तकनीकों पर चर्चा की। भूकम्प और वन कटाई द्वारा और अन्य आपदाओं से निपटने के लिए, मानव सतर्कता गेबियन दीवार इत्यादि के लिए विविध विधियों से परिचित कराया। इसके अतिरिक्त लोगों को सचेत करने वाली नियंत्रण तकनीकों से भी अवगत कराया। इसमें हमने निकट भू-स्खलन के बारे में अनुवीक्षण और लोगों को सचेत करने के लिए अपने एमईएमएस आधारित संवेदकों को दिखाया, जिससे कि मानव और आर्थिकी संकट को रोका जा सके।
6. उद्यमिता विकास हेतु हिमाचल प्रदेश केन्द्र द्वारा आयोजित “स्टार्ट-अप हिमाचल विशेष कार्यक्रम” में सस्ती एमईएमएस आधारित भू-स्खलन नियंत्रण प्रणाली प्रस्तुत की गई। यह कार्यक्रम मेजबान संस्थानों को

वित्तीय सहायता देने के लिए था, ताकि वे जन सेवा के लिए नये इरादों वाले सुदृढ़ उद्यमों/स्टार्टअप्स को अनिवार्य सहायता और समर्थन प्रदान करने के योग्य बने।

7. स्कूल ने क्षेत्रीय फोरेंसिक लैब, मण्डी के लिए श्रव्य फोरेंसिक्स पर आधे दिन की कार्यशाला का आयोजन किया।
8. स्कूल ने एमएमयू में पाँच दिवसीय गहन अधिगम (सिद्धांत और शिक्षण) वाली कार्यशाला का आयोजन किया। एनसीवीपीआरआईपीजी 2017 में "शैलो टु डीप लर्निंग" (सिद्धांत और शिक्षण) पर पूर्ण दिवस शिक्षण का आयोजन किया।
9. एससीईई ने कमान्द में अपने परिसर में औपचारिक विधियोंकी अद्यतन बैठक – 2017 की मेजबानी दिनांक 17 जुलाई से 18 तक की। संगणक विज्ञान में अनुसंधान हेतु भारतीय संघ (आईएआरसीएस) के इस वार्षिक विशेष कार्यक्रम में प्रारूप और सत्यापन प्रणाली में औपचारिक विधियों पर कार्यरत भारतीय वैज्ञानिकों और अनुसंधानदाताओं को एकत्रित किया। इस साल सम्पूर्ण भारत (टीसीएस अनुसंधान, टीआईएफआर, सीएमआई, आईएमएससी, आईआईएससी, आईआईटी गान्धीनगर, आईआईटी हैदराबाद, पंजाबी विश्वविद्यालय पटियाला और अन्य) से 23 अनुसंधानदाताओं ने भाग लिया और अपने क्षेत्र में सामयिक विकास पर चर्चा की। टीसीएस और एससीईई द्वारा समर्थित इस कार्यक्रम की स्थानीय संगठन समिति में डॉ. एस्ट्रिड किह्न और डॉ. समर अग्निहोत्री सम्मिलित थे।



10. नियंत्रण प्रणाली अभियांत्रिकी के प्रमुख विषयों पर क्यूईईईई व्याख्यान दिये गये।
- 5. सम्मेलन/कार्यशालाएं/अन्य संस्थान/उद्योग दौरे (भारत और विदेश) और आमंत्रित व्याख्यान प्रस्तुति**

डॉ. शुभजित रॉय चौधुरी

सम्मेलन यात्रा:

1. वे दिनांक 30 जून से 2 जुलाई, 2017 के दौरान आईईईई वीएलएसआई और टैस्ट सिम्पोजियम, आईआईटी रुड़की गये।
2. वे अगस्त 22 से 24, 2017 के दौरान यूरोपीयन सेंसर्ज और एक्टूएटर्ज सुमित-2017, स्टॉकहोल्म, स्वीडन गये।

आमंत्रित व्याख्यान प्रस्तुति:

1. उन्होंने जवाहर लाल नेहरू सरकारी अभियांत्रिकी महाविद्यालय, सुन्दरनगर द्वारा दिनांक 14 मार्च, 2018 को नई खोज पर आयोजित कार्यशाला में "देखभाल परीक्षण चिकित्सा उपकरणों के बिन्दु में नई खोज" पर

व्याख्यान दिया।

2. उन्होंने सीडीएसी मोहाली द्वारा दिनांक 07 मार्च, 2018 को आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय टेलिमेडिसीन कार्यशाला में "रोगी की सुरक्षा के परीक्षण बिन्दु: अस्पताल से घर तक स्वास्थ्य सुरक्षा पहुंचाना" पर व्याख्यान दिया।
3. उन्होंने दिनांक 30 जनवरी, 2018 को हरित ऊर्जा और संवेदन प्रणाली हेतु केन्द्र, भारतीय अभियांत्रिकी संस्थान, विज्ञान और प्रौद्योगिकी शिबपुर में "तंत्रिका नेटवर्कस: जीव विज्ञान से संगणन, संगणन से जीव विज्ञान तक की यात्रा" पर व्याख्यान दिया।
4. उन्होंने दिनांक 29 जनवरी, 2018 को टीसीएस नवोन्मेष प्रयोगशाला कलकत्ता में "अस्पताल से घर तक स्वास्थ्य सेवा पहुंचाना" नामक व्याख्यान दिया।
5. उन्होंने माह अप्रैल 14 से 15, 2017 में भारतीय स्पर्श कार्यशाला, बंगलौर द्वारा प्रायोजित टीसीएस नवोन्मेष प्रयोगशाला कलकत्ता में "आघात निदान के लिए सस्ते हार्डवेयर सुरक्षा परीक्षण के बिन्दु" पर व्याख्यान दिया।
6. उन्होंने दिनांक 6 अप्रैल, 2017 को इन्द्रप्रस्थ सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली में "रोगी की सुरक्षा के लिए गैर आक्रामक निदान: अस्पताल से घर तक" पर व्याख्यान दिया।

डॉ. सत्यजित ठाकोर

1. वे सूचना सिद्धांत पर आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईएसआईटी), आचेन, जर्मनी गये।
2. वे दूर संचार अनुसंधान हेतु संस्थान, दक्षिणी ऑस्ट्रेलिया विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया गये।

डॉ. श्रीराम कैलासम्

उन्होंने 24 फरवरी, 2018 को ऊर्जा, कृषि और स्वास्थ्य सूचना विज्ञान (एसएसआरईएसीएच-18) में अनुसंधान के लिए तीव्र समाधानों पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में "तीव्र अनुप्रयोगों के लिए मेघ आधारित संरचना" पर प्रमुख व्याख्यान दिया।

डॉ. जी. श्रीकांथ रेड्डी (एससीईई)

1. उन्होंने एन्टीना इनोवेशन्ज़ और आधुनिक प्रौद्योगिकियों पर बंगलौर में आयोजित आईईईई-अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईएआईएम-2017) में भाग लिया।
2. उन्होंने ईएम अनुसंधान हेतु राष्ट्रीय अंतरिक्ष प्रयोगशाला केन्द्र, बंगलौर का दौरा किया।

डॉ. हितेश श्रीमाली

वे माह जून से अगस्त, 2017के दौरान टीयू बर्लिन गये। इसके अन्तर्गत "करंट ट्रैन्ड्स इन एनालॉग सर्कट डिज़ाइनिंग पर एक बीबीएमबीएफ वित्त पोषित कार्यशाला का आयोजन किया गया।

टीयू9-भा.प्रौ.सं. मण्डी अदली-बदली कार्यक्रम के अन्तर्गत, भा.प्रौ.सं. मण्डी और टीयू बर्लिन ने माह सितम्बर 25 से 26, 2017 तक "करंट ट्रैन्ड्स इन एनालॉग सर्कट डिज़ाइनिंग पर एक बीबीएमबीएफ वित्त पोषित कार्यशाला का आयोजन किया। इसका आयोजन भा.प्रौ.सं. मण्डी के डॉ. हितेश श्रीमाली और टीयू बर्लिन के प्राध्यापक फ्रिडल जर्फर्ज ने किया।

इस कार्यशाला में एसटी माइक्रोइलैक्ट्रॉनिक्स, सिनोपसिस और वेस्टर्न डिजिटल (सेनडिस्क) जैसे अर्धचालक उद्योगों के विशेषज्ञ सम्मिलित थे। प्राध्यापक फ्रिडल जर्फर्ज ने उच्च निष्पादन, उच्च परिशुद्धता, ऊर्जा प्रभावी सिग्मा-डेल्टा डाटा रूपान्तरण तकनीकों से अवगत कराया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने अपने पी.एचडी. छात्र मार्सल रंजी के साथ अपने वर्तमान आईईईई प्रकाशन के मापक परिणामों की जानकारी दी। डॉ. जय नारायण त्रिपाठी (तकनीकी नेता, एसटी माइक्रोइलैक्ट्रॉनिक्स) ने ज़िटर मापक तकनीकों पर व्याख्यान दिया। उन्होंने सीएमओएस और एफडी-एसओआई प्रौद्योगिकियों पर मापक परिणामों सहित वर्तमान प्रकाशन प्रस्तुत किये। श्री तापस नन्दी (निदेशक, सिनोपसिस प्राइवेट लिमिटेड) ने उच्च गति प्रसारण सम्पर्क, पीएलएल, सीडीआर और दोलन परिक्षेत्रों

पर ध्यान केन्द्रित कर उच्च गति बेतार संचार सम्पर्कों पर विशेष वार्ता की। श्री नितिन गुप्ता (निदेशक, वेस्टर्न डिजिटल) ने चिप्स पर उच्च कार्य निष्पादन प्रणाली में समानता की दुनिया को प्रस्तुत किया। श्री अतुल भार्गव ने अत्याधुनिक समानता परिक्षेत्रों के लिए प्रारूप विधियां प्रदर्शित की।

यह विशेष कार्यक्रम छात्र सह समन्वयक विजेन्द्र कुमार शर्मा, कुमार सम्भव पाण्डेय, सुमित कुमार पाण्डेय, पुनीत अरोड़ा, आशीष जोशी, दिनेश कुमार बी., इन्दु यादव, शिवानी शर्मा और अंकिता देवो द्वारा समन्वित था।

इस कार्यशाला की गतिविधियों का विस्तृत विवरण निम्नलिखित सम्पर्क पर देखा जा सकेगा:

<http://iitmandi.ac.in/workshop/ctacd/>

डॉ. अंकुश बाग

उन्होंने अर्धचालकों के भौतिक विज्ञान पर कार्यशाला (आईडब्ल्यूपीएसडी 2017), भा.प्रौ.सं. दिल्ली में भाग लिया।

डॉ. श्रीकान्त श्रीनिवासन

इन्होंने आईएचबीटी पालमपुर में दिनांक 17 मई को कृषि के लिए आईओटी पर आमंत्रित व्याख्यान (चित्र संलग्न) दिया।



स्पिन इलैक्ट्रॉनिक्स पर ग्लोबल फाउण्डरिज बंगलौर में अतिथि व्याख्यान

राहुल श्रेष्ठा

राहुल श्रेष्ठा माह अप्रैल 2017 में वीएलएसआई-डीएटी सम्मेलन में अपना अनुसंधान पत्र प्रस्तुत करने के लिए ताईवान गये।

डॉ. वरुण दत्त

1. डॉ. वरुण दत्त ने माह जून, 2017 में लन्दन दक्षिणी बैंक विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य में "परस्पर क्रियात्मक भू-स्खलन अनुकारक" पर अपना कार्य प्रदर्शित किया।
2. डॉ. वरुण दत्त ने दिनांक 21 अक्टूबर, 2017 को भा.प्रौ.सं. कानपुर में डीएसटी आईसीपीएस-2017 कार्यशाला में प्रस्तुति दी।
3. डॉ. वरुण दत्त ने दिनांक 13 मार्च, 2018 को भा.प्रौ.सं. दिल्ली में डीएसटी आईसीपीएस कार्यशाला-2018 में प्रस्तुति दी।
4. डॉ. वरुण दत्त ने दिनांक 11 अक्टूबर, 2017 को भा.प्रौ.सं. मण्डी में वर्षा प्रभावित भू-स्खलन: मानचित्रण, घटाव और नियंत्रण पर एसडीएमए कार्यशाला में प्रस्तुति दी।
5. डॉ. वरुण दत्त ने दिनांक 9 जुलाई से 15 जुलाई 2017 के दौरान क्यूआईपी-सीईपी, भा.प्रौ.सं. दिल्ली में भाषा विज्ञान में प्रयोगात्मक और आनुभविक विधियों पर आयोजित कार्यशाला में "संज्ञानात्मक मॉडलिंग" पर व्याख्यान दिया।

डॉ. पद्मनाभन राजन

डॉ. पद्मनाभन राजन ने टोक्यो, जापान में एमएलएसपी 2017 में प्रस्तुति दी।

डॉ. अर्णव भावसार

1. डॉ. अर्णव भावसार ने संगणक आभास, पैटर्न पहचान, बिम्ब प्रक्रम, चित्रालेख एम पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन (डब्ल्यूएमएलएमआईए-2017) (दिसम्बर 2017) में भाग लिया।
2. डॉ. अर्णव भावसार ने चिकित्सा बिम्ब विश्लेषण के लिए यंत्र अधिगम पर जून 2017 में आयोजित कार्यशाला (डब्ल्यूएमएलएमआईए-2017) में भाग लिया।

डॉ. आदित्य निगम

डॉ. आदित्य निगम ने एनआईटीटीटीआर कलकत्ता में विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। उन्होंने भा.प्रौ.सं. बी.एच.यू. में भी विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।

डॉ. एस्ट्रिड किह

भा.प्रौ.सं. मण्डी, भारत में दिनांक 21 से 23 दिसम्बर, 2017 के दौरान "भारतीय परिदृश्य के लिए बहु-कार्यात्मक माइक्रोग्रिड्स की विश्वसनीयता और आर्थिक कार्य निष्पादन" पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में डॉ. एस्ट्रिड किह अतिथि वक्ता थीं।

डॉ. तुषार जैन

भा.प्रौ.सं. मण्डी, भारत में दिनांक 21 से 23 दिसम्बर, 2017 के दौरान "भारतीय परिदृश्य के लिए बहु-कार्यात्मक माइक्रोग्रिड्स की विश्वसनीयता और आर्थिक कार्य निष्पादन" पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में डॉ. तुषार जैन अतिथि वक्ता थे।

6. सुप्रसिद्ध अतिथियों / विद्वानों / छात्रों / प्रशिक्षुओं का सत्कार: (गतिविधियां / वार्ता इत्यादि के विवरण के साथ संलग्न)

1. सीएसआईआर-राष्ट्रीय अंतरिक्ष प्रयोगशाला, बंगलौर के वरिष्ठ वैज्ञानिक, डॉ. शिव नारायण ने "चयनात्मक तल और अंतरिक्ष उद्योग में इसके अनुप्रयोग" पर वार्ता की।
2. वक्ताओं को बीएमबीएफ वित्तपोषित कार्यशाला के भाग स्वरूप बुलाया गया था। उनके नाम निम्नलिखित थे-टीयू बर्लिन से प्रा. फ्रिडल जर्फर्ज, श्री तापस नन्दी (निदेशक, सिनोपसिस प्राईवेट लिमिटेड), श्री नितिन गुप्ता (निदेशक, वेस्टर्न डिजिटल), डॉ. जयनारायण त्रिपाठी (तकनीकी लीड, एसटी माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स प्राईवेट लिमिटेड) और अतुल भार्गवा (तकनीकी लीड, एसटी माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स प्राईवेट लिमिटेड)।
3. डॉ. मेरिकी वेन वुग्ट (यूनिवर्सिटी ऑफ ग्रोनिंजन) ने संगणनात्मक मॉडलों और दोलनी तुल्यकालन से जुड़े चेंसिंग कोगनिटिव तंत्र पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

एनआईटी जालन्धर के आगंतुक

उद्देश्य: अनुसंधान समन्वय बैठक

यात्रा की दिनांक: 13-16 सितम्बर, 2017

एनआईटी जालन्धर और भा.प्रौ.सं. मण्डी के प्राध्यापकों और अनुसंधान विद्वानों की बैठक दिनांक 15 सितम्बर, 2017 को हुई। इस बैठक का उद्देश्य संकेत और बिम्ब प्रक्रम के क्षेत्र में अनुसंधान समन्वय की सम्भावना को बढ़ाना था। निम्नलिखित समन्वय के सूचित क्षेत्रों में सम्मिलित थे:

- यंत्र अधिगम और इसके अनुप्रयोग
- गहन अधिगम और संगणक आभास में इसके अनुप्रयोग
- गहन अधिगम और जैव मैट्रिक्स में इसके अनुप्रयोग
- बिम्ब प्रक्रम

प्रा. एम. मनिवानन

उद्देश्य: वार्ता और सेमिनार

यात्रा की दिनांक: 26 अक्टूबर, 2017

प्रा. एम. मनिवानन प्रयुक्त यांत्रिकी, भा.प्रौ.सं. मद्रास से हैं और उन्होंने दिनांक 26 सितम्बर से 01 अक्टूबर, 2017 तक भा.प्रौ.सं. मण्डी का दौरा किया। उन्होंने "आयुर्वेद से आधुनिक स्वास्थ्य नियंत्रण उपकरण" पर वार्ता की।



डॉ. शिव नारायण

उद्देश्य: अध्यापन और सेमिनार

यात्रा की दिनांक: 10 से 13 अक्टूबर, 2017

डॉ. शिव नारायण, वरिष्ठ वैज्ञानिक, राष्ट्रीय अंतरिक्ष प्रयोगशाला (एनएएल-सीएसआईआर) बंगलौर ने व्याख्यान और विचार-विमर्श सत्र का आयोजन किया।

- डॉ. शिव नारायण ने दिनांक 11 अक्टूबर, 2017 को भा.प्रौ.सं. मण्डी के आधाभूत ढांचे और शैक्षिक विकास के बारे में अनौपचारिक चर्चा की।
- उन्होंने चयनात्मक धरातलों की नींव पर व्याख्यान दिया।



प्रा. मिलिन्द डी. ऐत्रेय

उद्देश्य: वार्ता और सेमिनार

यात्रा की दिनांक: 16 से 22 मई, 2017

- वह यांत्रिकी अभियांत्रिकी विभाग, भा.प्रौ.सं. बम्बई में रेफरीजीरेशन और क्रायोजेनिक्स प्रयोगशाला के प्रभारी प्राध्यापक हैं।
- प्रा. मिलिन्द ऐत्रेय एससीईई के प्राध्यापकों और छात्रों से बातचीत करने तथा नव अनुसंधान की दिशाओं को प्रोत्साहित करने हेतु समन्वय क्षेत्रों पर चर्चा करने के लिए भा.प्रौ.सं. मण्डी आये थे।



प्रो. यावोने डिट्रिच

उद्देश्य: अध्यापन और सेमिनार

यात्रा की दिनांक: 11 से 18 नवम्बर, 2017

उन्होंने "द इण्डियन स्टैक और वित्तीय समावेश— वहां अनुसंधान के लिए क्या है?" पर आईईईईई सेमिनार किया। मैंने बंगलौर और मुंबई की ट्रिप से जो कुछ सीखा उसे पेश करना चाहता हूँ और सभी डिजिटल भुगतानों के आधुनिक विकास में अनुसंधान समर्थन की आवश्यकता पर चर्चा करना चाहता हूँ। मैं सॉफ्ट इंजीनियरिंग, कृत्रिम बुद्धिमता और सुरक्षा से आरम्भ करूंगा।



आगंतुक रॉबर्ट बोस्च

डॉ. जोनाथन नियूडोरफर, डॉ. फरहाद अमिराली मर्चेट, डॉ. बिरूपक्ष पाल, डॉ. कौस्तव नियोगी

रोबर्ट बोस्च रिसर्च सेंटर और प्रौद्योगिकी केन्द्र, भारत में सही समय अनुकारक पर आईईईईई उद्योग परस्पर चर्चा

उद्देश्य: वार्ता और सेमिनार

यात्रा की दिनांक: 08 से 09 नवम्बर, 2017

भा.प्रौ.सं. मण्डी, आईईईईई पीईएस—आईएस चैप्टर और आईईईईई पीईएलएस—आईएस द्वारा रोबर्ट बोस्च अनुसंधान और प्रौद्योगिकी केन्द्र, बंगलौर की टीम के साथ वार्ता के लिए निम्नलिखित कार्यक्रम के अनुसार चर्चा का आयोजन किया गया है:

वार्ता का शीर्षक: रोबर्ट बोस्च अनुसंधान और प्रौद्योगिकी केन्द्र भारत में सही समय अनुकारक



प्रा. बी. येगनानारायणा

एएनएन के विकास पर आईईईई पीईएस-आईएएस व्याख्यान, वास्तुकला : अधिगम से गहन अधिगम तक
उद्देश्य: अध्यापन और सेमिनार

यात्रा की दिनांक: 25 अक्टूबर, 2017

नाम: एएनएन का विकास, वास्तुकला: अधिगम से गहन अधिगम तक



प्रा. रविन्द्र अरोड़ा, भा.प्रौ.सं. कानपुर

उद्देश्य: अध्यापन और सेमिनार

यात्रा की दिनांक: 08 दिसम्बर, 2017

उच्च विद्युत दाब अभियांत्रिकी और लाइटनिंग फीनोमीननके परिचय पर आईईईई पीईएस-आईएएस वार्ता। निम्नलिखित विवरण के अनुसार आईईईई पीईएस-आईएएस और पीईएलएस-आईईएस दिल्ली द्वारा एक तकनीकी वार्ता का आयोजन किया जा रहा है:

विषय: उच्च विद्युत दाब अभियांत्रिकी और लाइटनिंग फीनोमीनन का परिचय



डॉ. एन.एम. पिन्दोरिया भा.प्रौ.सं. गान्धीनगर

उद्देश्य: वार्ता और सेमिनार

यात्रा की दिनांक: 09-10 जून, 2017

वितरित नेटवर्क में एकीकृत वितरित नवीकरणीय और ऊर्जा भण्डारण पर आईईईई पीईएस-आईएएस और पीईएलएस-आईईएस तकनीकी सेमिनार

भारत में स्मार्ट ग्रिड विकास पर आईईईई पीईएस-आईएएस और पीईएलएस-आईईएस तकनीकी सेमिनार: प्रभावी और पर्यावरणीय धारणीय विद्युत पहुंच की ओर मार्ग

विषय: भारत में स्मार्ट ग्रिड विकास: प्रभावी और पर्यावरणीय धारणीय विद्युत पहुंच की ओर मार्ग



डॉ. महिमा अर्वाटिया, भा.प्रौ.सं. गुवाहाटी

कार्यशाला / उत्पाद प्रदर्शन व्याख्यान: कीसाइट टेक्नोलॉजीज और कास्केड टेक्नोलॉजीज
वार्ता का विषय: संचार, अर्द्धचालक उपकरणों और आईओटी अनुप्रयोग से सम्बन्धित मापन और परीक्षण

डॉ. मारीकी वैन वुग्ट (ग्रोनिंजन यूनिवर्सिटी)

उद्देश्य: अध्यापन और सेमिनार

यात्रा की दिनांक: 02 से 04 सितम्बर, 2017

विषय: संगणनात्मक मॉडलों और दोलनी तुल्यकालन से जुड़ा चेंसिंग कोगनिटिव तंत्र

प्रा. एस.एन. सिंह, भा.प्रौ.सं. कानपुर

उद्देश्य: वार्ता और सेमिनार

यात्रा की दिनांक: 09 से 10 जून, 2017

विद्युत प्रणाली में भविष्य कथन की भूमिका पर आईईईई पीईएस-आईएस और पीईएस-आईईएस तकनीकी
सेमिनार

संचालन विषय: विद्युत प्रणाली संचालन में भविष्य कथन की भूमिका

स्मार्ट मल्टी-टर्मिनल डीसी μ -ग्रिड नियंत्रण और संचालन पर आईईईई पीईएस-आईएस और
पीईएस-आईईएस तकनीकी सेमिनार

विषय: स्मार्ट मल्टी-टर्मिनल डीसी μ -ग्रिड नियंत्रण और संचालन



प्रा. के.एन. श्रीवास्तवा

उद्देश्य: अध्यापन और सेमिनार

यात्रा की दिनांक: 1 समैस्टर के लिए 13 फरवरी, 2017

आगामी विद्युत प्रणालियों पर आईईईई पीईएस-आईएस और पीईएलएस-आईएस तकनीकी सेमिनार: आगामी चुनौतियों के लिए अनुकूल बनाना

विषय: आगामी विद्युत प्रणालियां: आगामी चुनौतियों को अनुकूल बनाना
प्रदर्शन की दिनांक: 8 जून, 2017



प्रा. के.एन. श्रीवास्तवा

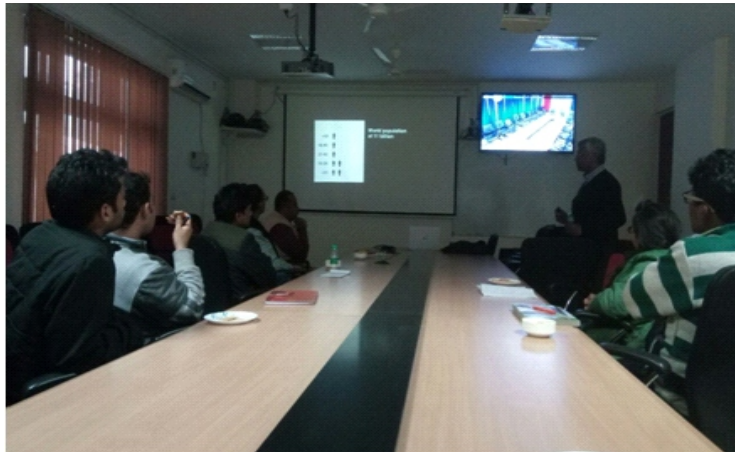
उद्देश्य: अध्यापन और सेमिनार

यात्रा की दिनांक: 1 समैस्टर के लिए 13 फरवरी, 2017

आईईईई पीईएस-आईएस वार्ता: प्रस्तुति का मामला क्यों है?

विषय: प्रस्तुति का मामला क्यों है?

प्रस्तुति की दिनांक: 17 मई, 2017



श्री बी.आर. भारथ

उद्देश्य: वार्ता और सेमिनार

यात्रा की दिनांक:

विषय: परियोजनाओं और सम्बन्धित क्षेत्रों में सामान्य चर्चा के लिए विभिन्न विद्युत दाब स्तरों, अनुप्रयोग

अभियांत्रिकी पर विद्युत वितरण उपकरण के उत्पाद का निर्माण करना



7. व्यावसायिक उपलब्धियां/आदर एवं सम्मान/व्यावसायिक समितियों की सदस्यता

डॉ. शुभजित रॉय चौधुरी

1. उन्हें वर्ष 2018 में आईईईई द्वारा आईईईई एक्सेस जर्नल के एसोसिएट एडिटर चयनित किया गया।
2. उन्हें वर्ष 2018 में धारणीय प्रौद्योगिकियों और संस्थानों के लिए अनुसंधान और उपक्रम हेतु सोसाइटी द्वारा स्वास्थ्य सुरक्षा उपकरणों के क्षेत्र में गान्धीयन यंग टेक्नोलॉजिकल इन्नोवेशन अवार्ड (जीवाईटीआई) कमेटी का सदस्य चुना गया।
3. उन्हें स्टॉकहोल्म, स्वीडन में यूरोपीय सेंसर्ज और एक्टूएटर्ज सुमित-2017 में आईएएम वैज्ञानिक पदक मिला।

डॉ. जी. श्रीकान्थ रेड्डी (एससीईई)

सर्वोत्तम पत्र सम्मान (सत्र टी-7) आईईईई- एन्टीना नवोचार और आधुनिक प्रौद्योगिकियों पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईएआईएम-2017), बंगलौर।

डॉ. हितेश श्रीमाली

1. भूतपूर्व छात्र सम्मान-2017 (यंत्रिकरण और नियंत्रण अभियांत्रिकी विभाग, निरमा यूनिवर्सिटी)।
2. भा.प्रौ.सं. मण्डी में (2017) शैक्षिक और अनुसंधान गतिविधियों के कार्यान्वयन के लिए बहुमुखी योगदान सम्मान।
3. आईईईई व्यावसायिक सदस्य और एनपीएस, सीएस, आईएस और एसएससीएस के लिए सोसाइटियों के सदस्य।

डॉ. श्रीकान्त श्रीनिवासन

- दिसम्बर 2017 में री-एन्ट्री फेलोशिप से सम्मानित और आईईईई और एसीएम की सदस्यता प्राप्त।

डॉ. वरुण दत्त

1. उनको जनवरी, 2018 में आरएक्स डाटा साइंस के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स नियुक्त किया गया।
2. उनको आईईईई वरिष्ठता सदस्यता, 2017 प्राप्त है।
3. वे भू-स्खलन अनुसंधान, अध्ययन और प्रबन्धन (सीएलआरएसएम), 2017 हेतु केन्द्र निर्माण समिति के सदस्य हैं।

8. नये सूत्रपात/नयी सृजित अनुसंधान सुविधाएं/स्थापित उपकरण/स्थापित प्रयोगशालाएं

डॉ. शुभजित रॉय चौधुरी

1. डॉ. शुभजित रॉय चौधुरी ने प्रारूप और नवोत्थान केन्द्र, भा.प्रौ.सं. मण्डी में दो तरफा शुष्क पीसीबी निर्माण सुविधा विकसित की है।
2. उन्होंने छात्रों के लिए प्रारूप और नवोत्थान केन्द्र में टिंकरिंग प्रयोगशाला विकसित की है।

डॉ. सत्यजित ठाकोर

- डॉ. सत्यजित ठाकोर ने अनुसंधान के लिए बाहरी परियोजना निधि से मैथेमेटि का सॉफ्टवेयर खरीदा है।

डॉ. जी. श्रीकान्थ रेड्डी (एससीईई)

उन्होंने वीएनए, वहनीय अप्रतिध्वनिक कक्ष, दूरवर्ती/निकटवर्ती क्षेत्र विकिरण मापन सुविधा, सामग्री चरित्रण सुविधा विकसित की है।

डॉ. हितेश श्रीमाली

1. डेटी द्वारा वित्तपोषित चिप से तंत्र प्रारूप तक विशेष जन-श्रम विकास परियोजना के भाग स्वरूप वीएलएसआई प्रारूप प्रयोगशाला (एसएमडीपी-सी2एसडी) की स्थापना की है। इस प्रयोगशाला में केडेंस, मेंटर ग्राफिक्स, सिनोपसिस रिसर्च सूट और स्पार्टन एफपीजीए बोर्डों जैसे सभी उद्योग मानक चिप-रूपांकन उपकरण हैं।
2. इस प्रयोगशाला में 28 नैनोमीटर से 180 नैनोमीटर सीएमओएस प्रौद्योगिकियों तक अत्याधुनिक प्रक्रम डिज़ाइन किट प्रौद्योगिकियां (पीडीके) हैं। अनिवार्य एनडीएज हस्ताक्षर द्वारा यूरोप्रेक्टिस से पीडीकेज प्राप्त किये गये हैं। 'यूरोप्रेक्टिस' आईएमईसी बेलजियम, एसटीएफसी यूके और फ्रॉनहोफर आईआईएस जर्मनी का एक संघ है। ये तकनीकें यूजी और पीजी छात्रों को विभिन्न विषय समझने में उपयोग की जा रही हैं।

डॉ. श्रीकान्त श्रीनिवासन

उन्होंने भा.प्रौ.सं. मण्डी परिसर में एक बहु विषयक आईओटी प्रयोगशाला स्थापित करने की पहल की है। यह आजकल अंतरिक्ष से संचालित है।

डॉ. वरुण दत्त

प्रयुक्त संज्ञानात्मक विज्ञान प्रयोगशाला में स्थापित कार्य स्थल : जीफोर्स जीटीएक्स 1080टीआई (12 जीबी मैमोरी) सहित 32 जीबी इंटेल कोर आई5 (2.8 गीगा हर्टज़), उबंतु

डॉ. अर्णव भावसार

डॉ. अर्णव भावसार ने मानस प्रयोगशाला के लिए 2 ड्रोन और 2 गहरे कैमरे लिये हैं।

डॉ. आदित्य निगम

हमने स्कूल निधि से 6 सीपीयू कार्ड खरीदे हैं। संस्थान और स्कूल निधि से एचपीसी में 24 जीपीयू नोड खरीदे हैं। हमने इरिस स्कैनर, 4-स्लैप स्कैनर, सिग्नेचर पैड, ड्रोन, गहरे संवेदक जैसे विभिन्न संवेदक स्कूल निधि से खरीदे हैं।

डॉ. तुषार जैन

1. विंड टरबाइन इमुलेटर-नियंत्रित विधि के अन्तर्गत वास्तविक वायु टरबाइन के व्यवहार की नकल वायु टरबाइन इमुलेटर करता है। यह वायु टरबाइन के गतिक और स्थिर अवस्था व्यवहार का लचीला परीक्षण प्लेटफॉर्म प्रदान करता है। यह जनरेटर, अन्य पावर इलैक्ट्रॉनिक्स परिक्षेत्रों और ग्रिड से भी जुड़ा है। अतः यह पर्यावरणात्मक परिस्थितियों पर निर्भर नहीं है, जो कि कुछ वांछित संचालन बिन्दुओं पर वायु टरबाइन इमुलेटर चलाने के लिए उचित हैं।
2. तीन टैंक प्रणाली: यह बहुटैंक प्रणाली आम तौर पर औद्योगिक भण्डारण टैंकों में द्रव नियंत्रित समस्याओं से सम्बन्धित है। उदाहरण के लिए संसार की स्टील उत्पादन कम्पनियों ने बार-बार पुष्टि की है कि निरन्तर पृष्ठ निक्षेप ढलाई में उचित सांचा-स्तर नियंत्रण से बहुत अधिक लाभ प्राप्त हैं। आकार का स्तर दोलन

बाहरी अणुओं और पाउडर प्रवाह को गलित धातुओं में विलोडन का प्रयास करते हैं, परिणामस्वरूप अंतिम उत्पाद में धरातल अवगुण होते हैं। बहुतेक प्रणाली प्रारूप का लक्ष्य रेखीय और अरेखीय नियंत्रण विधियों में व्यवहार का अध्ययन और सत्यापन करना है। नियंत्रण का सामान्य उद्देश्य पम्प संचालन और वल्व सैटिंग के समायोजन द्वारा टैंक में पहुंचना और स्तर स्थिर करना है।

एससीईई प्रयोगशालाओं में लाये गये प्रमुख उपकरण:

क्र.सं.	उपकरण का नाम	मात्रा
1	स्पार्टन 6 एफपीजीए किट (एक्सीलिंकस)	1
2	एनवीडीआईए जेटसन टीके1 डेवलपमेण्ट किट	1
3	एनवीडीआईए जेटसन टीएक्स2 एसओएम	1
4	डेवलपमेण्ट किट (ईआईसी-क्यू820-210)	1
5	डिजिटल मल्टीमीटर मॉडल 17बी	1
6	अर्बिट्रेरी फंक्शन जनरेटर	1
7	आईसी टेस्टर (एनालॉग)	17
8	आईसी टेस्टर (डिजिटल)	1
9	डिजिटल मल्टीमीटर मॉडल 115 फ्ल्यूक	5
10	डिजिटल मल्टीमीटर मॉडल 17बी+फ्ल्यूक	10
11	डेस्कटॉप	1
12	एलसीआर मीटर	3
13	डीसी पावर सपलाई (0-30वी)/5ए	2
14	डीसी पावर सपलाई (0-25वी)/7ए, (0-50वी)/4ए	1
15	मिक्सड डुमेन ओस्सीलास्कोप	1
16	करंट प्रोबस	3
17	डिफरेंशियल प्रोबस	3
18	डेस्कटॉप	14

1. छात्र गतिविधियां/उपलब्धियां:

- छात्रा सुश्री यशिका अरोड़ा को कार्नेज मीलोन यूनिवर्सिटी, अमेरिका में एनआईआरएस आधारित नियुरोडायग्नोसिस के क्षेत्र में इन्टर्नशिप के लिए चयनित किया गया।
- अभिषेक पाण्डेय ने "मापनीय जटिल इवेंट प्रक्रम संरचना का रूपांकन और कार्यान्वयन" के लिए सर्वोत्तम एमटीपी शोध प्रबन्ध सम्मान जीता।
- आयूष कुमार यादव ने "इवेल्युटिंग डाटा मॉडलज फॉर एस्ट्रोनोमिकल डाटा" के लिए सर्वोत्तम एमटीपी शोध प्रबन्ध सम्मान जीता।
- दीपांशु सप्रा और दीपांशु गुप्ता ने "ए डिस्ट्रिब्युटिड फ्रेमवर्क फॉर रियल -टाइम कम्प्यूटेशन ऑफ फॉर्मल कन्सेप्टस एण्ड कन्सेप्ट लैटिस" के लिए द्वितीय एमटीपी शोध प्रबन्ध सम्मान जीता।
- मैक्स प्लैंक इन्स्टिट्यूट फॉर ह्यूमन डेवलपमेण्ट, जर्मनी के साथ समन्वय में एपीएमआई- एमपीआईबी- एसओटीओएन विंटर स्कूल में आयोजित बाउंडिड राशनेलिटी -2018 के लिए एससीईई, भा.प्रौ.सं. मण्डी की पोस्ट डॉक्टरल फेलो डॉ. देवारति बनर्जी चयनित की गई।
- एससीईई, भा.प्रौ.सं. मण्डी की पी.एचडी. छात्रा सुश्री पलवी अग्रवाल ने कार्नेज मीलोन यूनिवर्सिटी, अमेरिका से पोस्टडॉक्टरल फेलोशिप प्रस्ताव प्राप्त किया।
- श्री ज़ाहिद मकबूल, एससीईई, भा.प्रौ.सं. मण्डी के पी.एचडी. छात्र सरकारी डुरु महाविद्यालय, जम्मू और कश्मीर में सहायक प्राध्यापक बने।

- सुश्री श्रुति कौशिक पीएच.डी. छात्रा,एससीआई, भा.प्रौ.सं. मण्डी को इकोल पोलिटेक्नीक, पेरिस, फ्रांस में प्रथम डाटा साईस समर स्कूल में जाने के लिए चयनित किया गया ।
- भा.प्रौ.सं. मण्डी में वर्ष 2018 में आयोजित अनुसंधान (वार्षिक भा.प्रौ.सं. मण्डी अनुसंधान मेला) में श्री आकाश राओ, पी.एचडी. छात्र, एससीआई, भा.प्रौ.सं. मण्डी ने सर्वोत्तम पोस्टर सम्मान जीता ।
- श्रीमती अवंतिका सिंह, पीएचडी. छात्रा के अनुसंधान कार्य को उटाह अमेरिका WiCV@CVPR 2018 में प्रदर्शन के लिए स्वीकृत किया गया और उन्हें इसकी पूर्ण निधि प्राप्त हुई ।
- व्योम सिंह ने रोबर्ट बोस्च इंजीनियरिंग एण्ड बिजनेस सोल्युशन्स प्राईवेट लिमिटेड, बंगलौर में दिनांक 4 सितम्बर, 2017 से 28 नवम्बर, 2017 तक "ऑन लाइन केलीबरेशन विषय पर इंटर्नशिप" पूरी की है ।
- मेना सुब्रमण्यन ए, व्योमा सिंह और अविनाश कुमार ने ईईसीआई से इस कार्यालय के लिए अनुदान प्राप्त किया है: यूरोपीयन एम्बिडिड कण्ट्रोल इन्स्टिच्यूट (ईईसीआई)-आईजीएससी (एम08-मद्रास, भारत) 13/03/2017 नॉनलाइनियर मॉडल प्रीडिक्टिव कण्ट्रोल फ्रैंक अलोगोवर एण्ड मेथिअस ए. मुलर, यूनिवर्सिटी ऑफ स्टुटगर्ट, जर्मनी ।
- श्री दाउद सलीम ने गरहार्ड क्रेमर के जीआईएएन कार्यक्रम में भाग लिया, जो कि म्यूनिख (टीयूएम) जर्मनी में तकनीकी विश्वविद्यालय में एलेकजेंडी वोन हम्बोल्डट प्राध्यापक और संचार अभियांत्रिकी के अध्यक्ष हैं । उन्होंने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर (भा.प्रौ.सं. कानपुर) में दिनांक 15 मार्च से 24, 2018 के दौरान "नेटवर्क सूचना सिद्धांत" पर व्याख्यान दिया ।



- भा.प्रौ.सं. मण्डी में दिनांक 11 जून, 2018 को आयोजित बायो एक्स अनुसंधान मेले में क्लासिफिकेशन ऑफ HEP-2 होल स्लाइड्स इमेजिज फॉर ऑटोइम्युन डिस्ऑर्डर डीटेक्शन" नामक अनुसंधान कार्य प्रस्तुत किया ।



श्रीमती क्राति गुप्ता ने सीओडीएस-सीओएमएडी 2018 और एसपीआई-एमआई 2018 टेक्साज, यूएसए में अपना कार्य प्रस्तुत किया ।

10. समाचार पत्रों और टीवी में मीडिया कवरेज / प्रमुख चित्र / एलबम

डॉ. शुभजित रॉय चौधुरी

'द ट्रिब्यून' में एमआईटी आईआईटी बूट कैम्प का समाचार कवर किया गया।

डॉ. हितेश श्रीमाली

'आविष्कार' नामक विशेष कार्यक्रम को स्थानीय मीडिया में और विभिन्न हिमाचली समाचार पत्रों में कवर किया गया।

डॉ. वरुण दत्त

डॉ. वरुण दत्त के लेख समाचार पत्रों में छपे।



समाचार पत्र: अमर उजाला, दिनांक 26 मार्च, 2018

अन्य समाचार पत्रों की कटिंग

11. वार्षिक प्रतिवेदन में सम्मिलित अन्य सूचना:

- हमारी प्रयोगशाला में सरकारी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पण्डोह, जिला मण्डी के छात्रों का एक समूह दिनांक 29 जनवरी, 2018 को घूमने आया।



हमारी प्रयोगशाला में साई विश्वविद्यालय के छात्रों का एक समूह आया। छात्र बी.टैक. द्वितीय वर्ष, विद्युत और इलैक्ट्रॉनिक्स विभाग से थे। यह दौरा आईईईई के समन्वय से भी था।



- सरकारी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पण्डोह, जिला मण्डी के छात्रों का एक वर्ग 'नियंत्रण प्रणाली प्रयोगशाला' में दिनांक 29 जनवरी, 2018 को आया। हमने उन्हें सभी आधारभूत उपकरण दिखाये, जैसे कि रोबोटिक आर्म, स्वतः संतुलित रोबोट इत्यादि।



- श्री साई विश्वविद्यालय, पालमपुर, हिमाचल प्रदेश के विद्युत, इलैक्ट्रॉनिक्स विभाग में प्रौद्योगिकी स्नातक के लगभग 35 छात्र और तीन प्राध्यापक दिनांक 26 मार्च, 2018 को आये। हमने उन्हें नियंत्रण प्रणाली प्रयोगशाला के सभी उपकरण और लैब में उपलब्ध सॉफ्टवेयर के आधार दिखाये।



अभियांत्रिकी स्कूल (एसई)

अभियांत्रिकी स्कूल संस्थान की दूरदर्शिता की ओर प्रगति कर रहा है। यह उत्कृष्ट अध्यापन, अभिनव पाठ्यक्रमों और अनुसंधान वातावरण के माध्यम से उच्च स्तरीय अभियांत्रिकी शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस स्कूल में प्रारूप व्यवहार्य, विपरीत अभियांत्रिकी, प्रारूप के लिए आरेखीय, सामग्री विज्ञान, वास्तविक उत्पाद प्रौद्योगिकी, मजबूत ढांचों की यांत्रिकी, यांत्रिकी और नागरिक विषयों के मूल पाठ्यक्रमों के साथ अबाध यांत्रिकी और ऊष्मा गतिकी अभियांत्रिकी जैसे सामान्य विषयों में बी.टैक. होती है। यहां वर्तमान में 34 प्राध्यापक हैं, जिनमें 2 एसोसिएट प्राध्यापक, 26 सहायक प्राध्यापक, 1 अभ्यागत प्राध्यापक, 1 एमिरेटस प्राध्यापक, 1 विख्यात अभ्यागत प्राध्यापक और 1 संयुक्त प्राध्यापक तथा 2 परामर्शदाता प्राध्यापक हैं। इस स्कूल में 72 पी.एचडी. 27 एम.एस. और 78 एम.टैक. तथा 268 बी.टैक. छात्र हैं। अनुसंधान के मुख्य क्षेत्रों में विस्तृत रूप से वर्गीकृत विषयों में सामग्री और प्रारूप, तापीय-द्रव अभियांत्रिकी, ऊर्जा और धारणीय हिमालयी अवसंरचना हैं। यह सामग्री और प्रारूप के क्षेत्र में संवेदक, उत्प्रेरक एवं ऊर्जा उत्सर्जन अनुप्रयोगों, कुशल संरचनाओं और प्रणाली विश्लेषण के विकास की ओर उन्मुख है। प्राध्यापक तापीय-द्रव अभियांत्रिकी में विकिरण ऊष्मा स्थानांतरण, सूक्ष्म-मापीय ऊष्मा स्थानांतरण, प्रवाह विश्लेषण और आईसी ईंजन के ऊष्मा स्थानांतरण विश्लेषण में अनुसंधान कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त स्कूल में तरल धातु/मिश्रणों का भी पता लगाया जा रहा है। भा.प्रौ.सं. मण्डी में ऊर्जा क्षमता बढ़ाने के लिए जलवायु परिवर्तन, ऊर्जा सक्षम भवनों हेतु प्रावस्था परिवर्तन सामग्री अनुप्रयोग और अपरम्परागत ऊर्जा स्रोतों के प्रयोग के अध्ययन को ऊर्जा सक्षम प्रणालियां समाहित करती हैं। धारणीय हिमालयी आधारभूत सुविधाओं में ढलान स्थिरता, भू-संकट क्षेत्र, रद्दी प्रबन्धन और निष्पादन आधारित रूपांकन शामिल हैं। अब तक एसईआरबी, डीआरडीओ, आईएसआरओ, एनआरडीएमएस, डीएलआर (जर्मन एरो स्पेस सेंटर), एआरडीबी, भील इत्यादि कम्पनियों द्वारा अनेक प्रायोजित परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं। स्कूल में अनेक यूजी प्रयोगशालाएं (डिज़ाइन प्रयोगशाला, ऊष्मा-द्रव प्रयोगशाला, यांत्रिकी कार्यशाला, सर्वेक्षण प्रयोगशाला, निर्माण सामग्री प्रयोगशाला और पर्यावरण विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला) हैं। पीजी (ऊर्जा अभियांत्रिकी प्रयोगशाला) और अनेक अनुसंधान प्रयोगशाला (नवीकरणीय आईसी ईंजन प्रयोगशाला), कुशल सामग्री और संरचना प्रयोगशाला, जैव यांत्रिकी प्रयोगशाला, ध्वनि विज्ञान तरंग प्रयोगशाला, सूक्ष्म सामग्री प्रयोगशाला आदि हैं।

प्राध्यापक

डॉ. राजीव कुमार

अध्यक्ष एवं सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: ठोस यांत्रिकी, तरंग,
एफईएम, प्रकाशीय
भा.प्रौ.सं. रुड़की से सन् 2008 में पी.एचडी.
गृह नगर: जसपुर, उत्तराखण्ड
दूरभाष: 01905-267148
ई-मेल: rajeev@iitmandi.ac.in

डॉ. अर्पण गुप्ता

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: ध्वनिक, कम्पन्, जैव यांत्रिकी
संगणनात्मक विधियां-एफईएम, सीएफडी,
लेटिस बोल्टजमन विधि
राष्ट्रीय विश्वविद्यालय सिंगापूर से सन् 2012
में पी.एचडी.
गृह नगर: इन्दौर, म.प्र.
दूरभाष: 01905-267135
ई-मेल: agupta@iitmandi.ac.in

प्रा. अजित पी. अन्नछत्रे

अभ्यागत प्राध्यापक
विशेषज्ञता: पर्यावरणात्मक अभियांत्रिकी
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मुंबई से
पी.एचडी. (1987)
गृह नगर: पुना, महाराष्ट्र
दूरभाष: 01905-267143
ई-मेल: agit@iitmandi.ac.in

डॉ. अतुल धर

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: आई.सी. इंजन,
विकल्पी ईंधन, उत्सर्जन नियंत्रण
भा.प्रौ.सं. कानपुर से वर्ष 2013 में पी.एचडी.
गृह नगर: सुल्तानपुर, उत्तर प्रदेश
दूरभाष: 01905-267143
ई-मेल: atul@iitmandi.ac.in

डॉ. दीपक स्वामी

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: भूमिगत जल प्रवाह और
परिवहन मॉडलिंग, जल संसाधनों का
विकास और प्रबन्ध, त्रासदी शमन
विशेषकर बाढ़ और आकस्मिक बाढ़
भा.प्रौ.सं. रूड़की से वर्ष 2014 में पी.एच.डी.
दूरभाष: 01905-267269
ई-मेल: deepak@iitmandi.ac.in

डॉ. गौरव भूटानी

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: द्रव प्रवाह मॉडलिंग
इम्पीरियल महाविद्यालय लंदन से
पीएच.डी. (2016)
दूरभाष: 01905-267108
ई-मेल: gaurav@iitmandi.ac.in

प्रा. ईग. बल्थासार नोवेक

संयुक्त प्राध्यापक
विशेषज्ञता: जनपद अभियांत्रिकी
तकनीकी विश्वविद्यालय दर्मस्टैड से
पी.एच.डी. (1995)
दूरभाष:
ई-मेल: balthasar.novak@iitmandi.ac.in

डॉ. कौस्तव सरकार

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: कंकर के स्थायित्व का प्रारूप,
धारणीय कंक्रीट उत्पादन, सीमित तत्व विश्लेषण,
सॉफ्ट संगणना
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली से पीएच.डी. (2014)
दूरभाष: 01905-267079
ई-मेल: kasiviswanathan@iitmandi.ac.in

डॉ. महेश रेड्डी गोड्ड

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: भूकम्प अभियांत्रिकी और
भूकम्प विज्ञान
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास से
पीएच.डी. (2016)
दूरभाष: 01905-267223
ई-मेल: maheshreddy@iitmandi.ac.in

डॉ. डेरिक्स प्रेज शुक्ला

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: नियन्त्रक संवेदना एवं
जीआईएस, हाईड्रो-जीओ-कैमेट्री, वाटर
कन्टैमिनेशन मोस्टली एज एण्ड अदर हैवी
मेटलज, नेचुरल हैजार्डज असैसमेंट एण्ड मैपिंग
दिल्ली विश्वविद्यालय से वर्ष 2012 में पी.एच.डी.
दूरभाष: 01905-267147
ई-मेल: derricks@iitmandi.ac.in

डॉ. हिमांशु पाठक

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: संगणनात्मक ठोस यांत्रिकी
भंजन यांत्रिकी, कार्यात्मक ग्रेडिड सामग्री
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान पटना से
पीएच.डी. (2015)
दूरभाष: 01905-267224
ई-मेल: himanshu@iitmandi.ac.in

डॉ. जसप्रीत कौर रन्धावा

सहायक प्राध्यापिका
विशेषज्ञता: सूक्ष्म सामग्री
गोरखपुर विश्वविद्यालय से पी.एच.डी. (2000)
गृह नगर: मोहाली, चण्डीगढ़
दूरभाष: 01905-267056
ई-मेल: jaspreet@iitmandi.ac.in

डॉ. के.एस. काशीविश्वनाथन

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: द्रव विज्ञान और जल संसाधन,
अभियांत्रिकी, भू-स्खलन अभियांत्रिकी
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास से
पी.एच.डी. (2016)
दूरभाष: 01905-267145
गृह नगर: कलकत्ता
ई-मेल: srkr@iitmandi.ac.in

डॉ. मौसमी मुखर्जी

सहायक प्राध्यापिका
विशेषज्ञता: भू-तकनीकी अभियांत्रिकी
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर से
पी.एच.डी. (2016)
गृह नगर: पश्चिमी बंगाल
दूरभाष: 01905-267111
ई-मेल: mousumi@iitmandi.ac.in

डॉ. मोहम्मद तलहा

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: ठोस यांत्रिकी, मिश्रित संरचनाएं
कार्यात्मक क्रमिक सामग्रियां, संरचनात्मक
यांत्रिकी और मिश्रणों में मात्रा की अनिश्चितता
तथा दोष संवेदनशीलता
भा.प्रौ.सं. खड़गपुर से वर्ष 2012 में पी.एचडी.
गृह नगर: पटना, बिहार
दूरभाष: 01905-267152
ई-मेल: talha@iitmandi.ac.in

डॉ. प्रदीप कुमार

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: द्रव और तापीय विज्ञान
भा.प्रौ.सं. कानपुर से सन् 2009 में पी.एचडी.
गृह नगर: जौनपुर, उत्तर प्रदेश
दूरभाष: 01905-267112
ई-मेल: pradeepkumar@iitmandi.ac.in

डॉ. राजेश घोष

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: ठोस यांत्रिकी, जैव यांत्रिकी,
परिमित तत्व विश्लेषण
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर से
पी.एचडी. (2013)
दूरभाष: 01905-267151
ई-मेल: rajesh@iitmandi.ac.in

डॉ. ऋक् रानी कोडार

सहायक प्राध्यापिका
विशेषज्ञता: संकर सामग्री
भा.प्रौ.सं. गुवाहाटी से पीएच.डी.
दूरभाष: 01905-267220
ई-मेल: rik@iitmandi.ac.in

डॉ. सतीश चन्द्र जैन

एमेरिटस प्राध्यापक
विशेषज्ञता: यांत्रिकी अभियांत्रिकी
यंत्र प्रारूप, ट्रिबोलॉजी, तरंग और रव

डॉ. पी. अनिल किशन

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: परिकल्पनात्मक द्रव गतिकी
भा.प्रौ.सं. खड़गपुर से सन् 2009 में पी.एचडी.
गृह नगर: तिरुपति, आन्ध्र प्रदेश
दूरभाष: 01905-267141
ई-मेल: kishan@iitmandi.ac.in

डॉ. राहुल वैश

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: कांच और कांच-मिट्टी के बर्तन
भारतीय विज्ञान संस्थान बंगलौर से सन् 2010 में
पी.एचडी. (अभि.)
गृह नगर: बदौन, उत्तर प्रदेश
दूरभाष: 01905-267139
ई-मेल: rahul@iitmandi.ac.in

डॉ. रजनीश शर्मा

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: बिम्ब आधारित सीमित तत्त्व विधियां,
संसंजक जोन मॉडलिंग, अव्यवस्थित प्रक्रियाओं
का विश्लेषण, समांगीकरण और मल्टीस्केल
मॉडलिंग, अत्यधिक अपभारित वातावरणों में
मिश्रणों का विश्लेषण और प्रारूप
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली से पी.एचडी.
गृह नगर: हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश
दूरभाष: 01905-267144
ई-मेल: rajnishsharma@iitmandi.ac.in

डॉ. सन्दीप कुमार साहा

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: भूकम्प अभियांत्रिकी
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली
से पीएच.डी. (2014)
दूरभाष: 01905-267264
ई-मेल: sandip_saha@iitmandi.ac.in

डॉ. सत्वशील रमेश पोवार

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: रंजन संवेदित सौर सेल,
पेरोवस्काइट सौर सेल

संगणक युक्त प्रारूप
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की से पी.एचडी.
(भूतपूर्व विश्वविद्यालय रुड़की) (1983)
गृह नगर: पतपरगंज, नई दिल्ली
दूरभाष: 01905-267278
ई-मेल: satish@iitmandi.ac.in

प्रो. सुब्रता रे

अभ्यागत विशिष्ट प्राध्यापक
विशेषज्ञता: भौतिक धातु विज्ञान, मिश्रण और
ट्राइबोलॉजी
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर से
पी.एचडी. (1976)
दूरभाष: 01905-267069
ई-मेल: sray@iitmandi.ac.in

डॉ. सुधीर कुमार पाण्डेय

अभ्यागत सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: संघनित पदार्थ भौतिकी और सामग्री विज्ञान
वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए यूजीसी-डीएई
संघ, इन्दौर से सन् 2007 में पी.एचडी.
गृह नगर: गरहवा, झारखण्ड
दूरभाष: 01905-267066
ई-मेल: sudhir@iitmandi.ac.in

डॉ. सुमित सिन्हा रे

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: यांत्रिकी अभियांत्रिकी में इल्लिनोइस,
शिकागो से पीएच.डी.
गृह नगर: कलकत्ता, पश्चिमी बंगाल
दूरभाष: 01905-267265
ई-मेल: sumitsinha@iitmandi.ac.in

डॉ. विश्वनाथ बालाकृष्णन

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: कार्यात्मक सामग्रियों / पतली
झिल्लियों, इलैक्ट्रॉन सूक्ष्मदर्शिका और
संरचना-गुण सम्बन्धों की यथास्थान खोज
भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलौर से सन् 2008
में पी.एचडी. (सामग्री विज्ञान)
गृह नगर: चिदम्बरम, तमिल नाडु
दूरभाष: 01905-267142
ई-मेल: viswa@iitmandi.ac.in

मोनाश विश्वविद्यालय, आस्ट्रेलिया से
पी.एचडी. (2013)
गृह नगर: कोल्हापुर, महाराष्ट्र
दूरभाष: 01905-267136
ई-मेल: satvasheel@iitmandi.ac.in

डॉ. शुभमय सेन

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: संरचनात्मक अभियांत्रिकी
भा.प्रौ.सं. खड़गपुर से पी.एचडी. (2016)
दूरभाष: 01905-267261
ई-मेल: subhamoy@iitmandi.ac.in

डॉ. सन्नी ज़फर

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: निर्माण अभियांत्रिकी
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की से
पीएच.डी. (2016)
गृह नगर: चण्डीगढ़
दूरभाष: 01905-267268
ई-मेल: sunnyzafar@iitmandi.ac.in

डॉ. विशाल सिंह चौहान

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: धातुओं और मिश्रणों
के विरूपण के दौरान विद्युत चुम्बकीय विकिरण,
ठोस यांत्रिकी, एफ.ई.एम.
बी.आई.टी. मिसरा, रांची से सन् 2009 में पी.एचडी.
गृह नगर: सनवाद, मध्य प्रदेश
दूरभाष: 01905-267044
ई-मेल: vsc@iitmandi.ac.in

डॉ. वेंकटा उदय कला

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: भू-तकनीकी अभियांत्रिकी
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मुम्बई से पी.एचडी.
गृह नगर: हैदराबाद
दूरभाष: 01905-267149
ई-मेल: uday@iitmandi.ac.in

परामर्शदाता प्राध्यापक

डॉ. बी.के. मिश्रा

परामर्शदाता प्राध्यापक

विशेषज्ञता: मिश्रित सामग्री, फ्रैक्चर यांत्रिकी

लहर संचरण

आई.टी.-बी.एच.यू. से पी.एचडी. (1989)

दूरभाष: +91-1332-285679

ई-मेल: bhanufme@iitr.ac.in

डॉ. सुनील आर. काले

(भा.प्रौ.सं. दिल्ली, यांत्रिकी अभियांत्रिकी विभाग)

परामर्शदाता प्राध्यापक

विशेषज्ञता: ताप स्थानांतरण, प्रवाह

यांत्रिकी, कण युक्त प्रवाह, ज्वलन और शक्ति परिवर्तन

गृह नगर: पुना, महाराष्ट्र

दूरभाष: +91-11-2659 1127,1709

ई-मेल: s.r.kalemech.iitd.ac.in

बाह्य प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाएं

क्रमांक	परियोजना	प्रायोजित कम्पनी	अन्वेषक	परियोजना लागत (रु.)	परियोजना की अवधि
1	ऊर्जा प्रणाली का प्रारूप, निर्माण और परीक्षण	डीएसटी-एफआईएसटी	डॉ. राजीव कुमार (प.अ.) और डॉ. हिमांशु पाठक (स.प.अ.)	2,42,0000	3 वर्ष
2	उच्च तापमान ताप-विद्युत अनुप्रयोगों के लिए नये अर्धचालक हाइसलर मिश्रधातुओं की खोज करना	एसईआरबी	डॉ. सुधीर कुमार पाण्डेय	19,08,940	3 वर्ष
3	पराध्वनिक उड़ने वाले अल्ट्राफाइन पीवीडीएफ नैनोफाइबर का उपयोग करते हुये जल/वायु से अधिकतम तीक्ष्ण कणों का प्रभावी निष्कासन	डीएसटी-एसईआरबी (अनुमोदित, अन्तिम स्वीकृति की प्रतीक्षा में)	सुमित सिन्हा रे	54.41 लाख	3 वर्ष
4	हाइड्रो टरबाइन में दलदल अपरदन को कम करने के लिए अति सूक्ष्म संरचित अवरोधक माइक्रोवेव क्लेड का विकास	एसईआरबी, डीएसटी भारत सरकार	डॉ. सन्नी ज़फर	53,30,750	3 वर्ष
5	माइक्रोवेव सुरक्षित कार्बन फाइबर बहुलक मिश्रणों के प्रभाव और ऊष्मा यांत्रिकीय परिश्रम व्यवहार की सांख्यिकीय और प्रयोगात्मक जांच	वैमानिक अनुसंधान और विकास मण्डल, भारत सरकार	डॉ. सन्नी ज़फर (प.अ.) और डॉ. हिमांशु पाठक (स.प.अ.)	39,00,000	3 वर्ष

6	हिमालयी क्षेत्र के लिए खनिजीकरण युक्त सस्ती त्वरित जल शुद्धिकरण प्रणालियों का विकास	हिमालयी अध्ययन पर राष्ट्रीय मिशन (एनएमएचएस)	डॉ. जसप्रीत कौर रन्धावा (एसई), डॉ. भरत सिंह राजपुरोहित (एससीई), डॉ. समर अग्निहोत्री (एससीईई)	40,00,000	3 वर्ष
7	युग्मित एफई मेशफ्री विधि द्वारा कार्यात्मक ग्रेड युक्त सामग्री (एफजीएमएस) का भंजन विश्लेषण	एसईआरबी (डीएसटी), भारत सरकार	डॉ. हिमांशु पाठक (प.अ.)	16,78,000	3 वर्ष
8	ग्रामीण क्षेत्रों में उपयोग किये जाने वाले रज्जु मार्ग में सुधार	एसटीडी मण्डी (डीएसटी प्रायोजित)	डॉ. रजनीश शर्मा	1.5 लाख	3 वर्ष
9	शक्ति विहार पटियाला PB में PSPCL बहुमंजिला इंटीग्रेटेड कॉरपोरेट ऑफिस कम्प्लैक्स के लिए संरचनात्मक पुनरीक्षण और सत्यापन	योजनाकारों का समूह (पीडब्ल्यूडी पंजाब)	डॉ. रजनीश शर्मा	3.7864 लाख	6 माह
10	अस्पताल चौक मण्डी, हि.प्र. के समीप पुल का संरचनात्मक विश्लेषण और डिजाइन	पीडब्ल्यूडी मण्डी हि.प्र.	डॉ. रजनीश शर्मा	1.495 लाख	6 माह
11	गुडगांव, हरियाणा में जिला न्यायालय भवन के लिए संरचनात्मक पुनरीक्षण और सत्यापन	तरुण माथुर (पीडब्ल्यूडी गुडगांव)	डॉ. रजनीश शर्मा	3.45 लाख	2 माह
12	पालवाल एचआर में हवाई पुल का संरचनात्मक पुनरीक्षण और सत्यापन	तरुण माथुर (पीडब्ल्यूडी) हरियाणा	डॉ. रजनीश शर्मा	1.77 लाख	3 माह
13	आगामी उत्पादन ऊर्जा भण्डारण उपकरणों के लिए विषम माइक्रो अधि संधारित्र का मापनीय निर्माण	डीएसटी	डॉ. विश्वनाथ बालाकृष्णन और डॉ. सत्वशील रमेश पोवार	68,60,600	3 वर्ष
14	विषमांग छिद्रपूर्ण माध्यमों से प्रतिक्रियात्मक विलेय पारगमन के लिए उच्चतर मॉडलिंग दृष्टिकोण की उपयुक्तता: प्रयोगात्मक और सांख्यिकीय अध्ययन	एसईआरबी	डॉ. दीपक स्वामी	42,74,600	3 वर्ष

15	संरन्ध्र मीडिया के माध्यम से विलेय परिवहन मापकों का अध्ययन	एमओईएस	डॉ. दीपक स्वामी और डॉ. डी.पी. शुक्ला	44,59,325	3 वर्ष
16	उच्च तनाव दर अवरोधक कवच अनुप्रयोग के लिए प्रावस्था परिवर्तन वाले सूक्ष्म यौगिकों की जांच	डीआरडीओ	डॉ. विश्वनाथ बालाकृष्णन (प.अ.), डॉ. मोहम्मद तल्हा (स.प.अ.)	26.86 लाख	3 वर्ष
17	जैव फोटोइलेक्ट्रो उत्प्रेरण और जैव ईंधन उत्पादन के माध्यम से धारणीय अपशिष्ट जल उपाय	इम्प्रिंट- एमएचआरडी	अतुल धर, राहुल वैश, श्याम मासाकपल्ली, तुलिका पी श्रीवास्तवा, अदिति हल्दर, सत्वशील रमेश पोवार, ऋक् रानी कोडार, आईआईसीटी हैदराबाद से वेंकटा मोहन	3,84,000.00	3 वर्ष
18	एमडीइएल माइक्रो-पाईल्ज की रोधकता दूर करने के लिए प्राचलिक अध्ययन	डीआरडीओ	डॉ. कला वेंकटा उदय (प. अ.), डॉ. कौस्तव सरकार (स.प.अ.)	9,95,900	3 वर्ष
19	सस्ते भू-स्खलन पूर्व चेतावनी समाधानों का विकास और मूल्यांकन	डीआरडीओ- डीटीआरएल	डॉ. वरुण दत्त (प.अ.), डॉ. वेंकटा उदय काला (स.प.अ.)	9,99,460	3 वर्ष
20	सस्ते भू-स्खलन निगरानी समाधानों का विकास और मूल्यांकन	एनएमडीए	डॉ. वरुण दत्त (प.अ.), और डॉ. वेंकटा उदय काला (स.प.अ.)	2785080	3 वर्ष
21	ऊर्जा भण्डारण अनुप्रयोग के लिए आशाजनक विद्युत सक्रिय वर्ग के रूप में नये धातु जैविक नेटवर्क: सामग्री विकास से प्रोटोटाइप निर्माण तक	एसईआरबी	डॉ. ऋक् रानी कोडार	30,51,000	3 वर्ष
22	जल और ऊर्जा प्रभावी विश्वसनीय सिंचाई प्रणाली (वाटर-ईआरआईएस): स्वचलित सिंचाई प्रणाली के लिए सौर ऊर्जा और क्लाउड आधारित निर्णय सहायक प्रणालियां	इम्प्रिंट-2, डीएसटी	डॉ. काशी विश्वनाथन, डॉ. शुभमय सेन, डॉ. नरसा रेड्डी, डॉ. सौन्दर्याजन, अमृता विश्वविद्यालय	95,00,000	3 वर्ष
23	सौर युक्त नालीदार सुखाने वाले कुशल बक्से का प्रारूप और विकास	विज्ञान, तकनीकी और पर्यावरण हेतु हिमाचल प्रदेश राज्य परिषद्	डॉ. सत्वशील पोवार	8,17,000	2 वर्ष

24	एचएचआरडी- उन्नत भारत अभियान योजना	एमएचआरडी	डॉ. सत्वशील पोवार (प.अ.), डॉ. सूर्य प्रकाश उपाध्याय, डॉ. डेरिक्स पी. शक्ला, डॉ. अतुल धर (स.प.अ.)	35,0000	1 वर्ष
25	कार्यात्मक रूप से ग्रेडिड पाइजोइलेक्ट्रिक सामग्री का उपयोग करते हुए कार्यात्मक रूप से ग्रेडिड संरचना का अरैखिक सक्रिय ढाँचा और कम्पन्न नियंत्रण	डीआरडीओ	डॉ. राजीव कुमार (प.अ.), डॉ. मोहम्मद तलहा (स.प.अ.)	18,03,000	3 वर्ष
26	भू-स्थानिक (एवीआईआरआईएस-एनजी) और क्षेत्रीय आंकड़े से बर्फ मानचित्रण और इसके मापकों का आकलन	एसएसी-इसरो	डॉ. डेरिक्स पी. शुकला	1,00,000	1 वर्ष
27	मण्डी, कुल्लू और हमीरपुर में यूरेनियम और सहायक जल गुणवत्ता मापकों का स्थानीय वितरण	डीएई-बीआरएन एस	डॉ. डेरिक्स पी. शुकला (प.अ.), डॉ. अदिति हल्दर (स.प.अ.)	2751800	02 वर्ष
28	गुडगांव राज्य पीडब्ल्यूडी में ज़िला न्यायालय भवन के प्रमाण को चैक करना	तरुण माथुर संरचनात्मक परामर्शदाता, 764, सैक्टर 8 बी, चण्डीगढ़	डॉ. रजनीश शर्मा (प.अ.), डॉ. कौस्तव सरकार (स.प.अ.)	345000	02 माह
29	एनएच-21 के लिए उधार भूमि परीक्षण	द्रुत डिज़ाइन प्राइवेट लिमिटेड, रोड न0-10, बंजारा हिल्स, हैदराबाद	डॉ. के.वी उदय	104650	01 माह
30	बांध की दीवार, सुरक्षा दीवार, प्रवेश और टैंक के चारों ओर सुरक्षित संरचना के प्रारूप और चित्रकला की समीक्षा	रीज़िलाइन्ट इंजीनियरिंग कन्सलटेंसी, फ्लैट न. 101, निधि एन्कलैव, केपीएचबी, हैदराबाद	डॉ. सन्दीप कुमार साहा	30,680	12 दिन

मूल अनुदान परियोजनाएं

क्रमांक	परियोजना का नाम	पंजिका संख्या	अन्वेषक	स्वीकृत धन (रु.)	परियोजना की अवधि
1	नैनोफाइबर निस्पंदन झिल्ली का प्रयोग करते हुये जल से भारी धातु उठाना	भा.प्रौ.सं. मण्डी-मूल अनुदान	सुमित सिन्हा रे	10,00,000	3 वर्ष
2	जैव चिकित्सीय अनुप्रयोगों के लिए माइक्रोवेव सुरक्षित छिद्रयुक्त यौगिकों का विकास, चरित्रण और गणितीय प्रतिरूपण	आईआईटीएम/एस जी/एसजे/56	डॉ. सन्नी ज़फ़र (प. अ.) और डॉ. मोहम्मद तलहा (स.प.अ.)	14,50,000	3 वर्ष
3	संरचनात्मक अभियांत्रिकी अनुप्रयोगों में कोमल दरार वृद्धि के लिए वर्द्धित सीमित अवयव (एक्सएफईएम) का विकास और कार्यान्वयन	भा.प्रौ.सं. मण्डी	डॉ. हिमांशु पाठक (प.अ.)	5,12,000	3 वर्ष
4	मधुमेह वाले और मधुमेह रहित मरीजों के लिए अस्थि के भंजन गुणों का निर्धारण	भा.प्रौ.सं. मण्डी	डॉ. राजेश घोष और डॉ. अर्पण गुप्ता	12,00,000	3 वर्ष
5	बांध की दीवार, सुरक्षा दीवार, प्रवेश और टैंक के चारों ओर सुरक्षित संरचना के प्रारूप और चित्रकला की समीक्षा	रीजीलाइन्ट इंजीनियरिंग कन्सलटेंसी, फ्लैट न. 101, निधि एन्कलैव, केपीएचबी, हैदराबाद	डॉ. सन्दीप कुमार साहा	30,680	12 दिन

अनुसंधान परियोजनाओं की प्रगति:

पीआई (परियोजना अन्वेषक) : डॉ. राजीव कुमार

• ऊर्जा प्रणाली का प्रारूप, निर्माण और परीक्षण:

इस परियोजना में विभिन्न प्रकार के ऊर्जा उत्सर्जनों और ऊर्जा भण्डारण उपकरणों के लिए परियोजना, डिज़ाइन, निर्माण और परीक्षण सुविधाएं विकसित की जाएंगी। लेज़र यंत्रिकरण सुविधा का क्रय, कोल्ड वेल्डिंग सुविधा और प्लाज़मा सिंटरिंग स्थापना का कार्य प्रगति पर है।

• कार्यात्मक रूप से ग्रेडिड पाइजोइलैक्ट्रिक सामग्री का उपयोग करते हुये अरैखिक सक्रिय आकार और कम्पन्न नियंत्रण

इस परियोजना में एक कार्यात्मक रूप से ग्रेडिड पाइजोविद्युत सामग्री का उपयोग करते हुये कार्यात्मक रूप से ग्रेडिड संरचना के आकार नियंत्रण के लिए सीमित अवयव मॉडल का विकास किया गया था। इस मॉडल के आधार पर मेलैब कोड भी विकसित किया गया था। यह कोड वर्तमान प्रकाशन परिणामों में मान्य था।

पीआई: डॉ. सन्नी ज़फर

- हाइड्रो टरबाइन में दलदल अपरदन को कम करने के लिए अति सूक्ष्म संरचित अवरोधक माइक्रोवेव क्लेड का विकास सामग्री चयन किया गया
- सूक्ष्म संरचित क्लेड का निर्माण किया गया
- क्लेड के अपरदन परीक्षण का कार्य प्रगति पर
- माइक्रोवेव सुरक्षित कार्बन फाइबर बहुलक मिश्रणों के ऊष्मा यांत्रिकीय श्रम व्यवहार पर सांख्यिकीय और प्रयोगात्मक अन्वेषण का प्रभाव परियोजना की समीक्षा चल रही है।
- **जैव चिकित्सीय अनुप्रयोगों के लिए माइक्रोवेव सुरक्षित छिद्रयुक्त यौगिकों का विकास, चरित्रण और गणितीय प्रतिरूपण**
 - क. छिद्रयुक्त यौगिक विकसित
 - ख. छिद्रयुक्त यौगिकों के चरित्रण में प्रगति
 - ग. गणितीय मॉडलिंग की प्रगति

पीआई—डॉ. डेरिक्स पी. शुक्ला

- **मण्डी, कुल्लू और हमीरपुर (हिमाचल प्रदेश के तीन ज़िलों) में यूरेनियम और सहायक जल गुणवत्ता मापकों का स्थानीय वितरण**

इसी को देखते हुये वर्तमान परियोजना हिमाचल प्रदेश के मण्डी, कुल्लू और हमीरपुर ज़िले में यूरेनियम सकेन्द्रित और भूमिगत जल में सहायक जल गुणवत्ता के मापकों का अध्ययन करने के लिए तैयार की गई है। इसमें बारक मानक प्रोटोकॉल के अनुसार पीएच, टीडीएस, ईसी, डीओ, ओआरपी, तापमान, लवणता, कठोरता, क्षारता, सल्फेट, फ्लुराइड, क्लोराइड, नाइट्रेट, फॉस्फेट, कार्बोनेट और बाइकार्बोनेट जैसे जल गुणवत्ता मापकों का विश्लेषण किया जाएगा। ज़िलावार ग्रिड नमूने के मानचित्र का अनुपालन किया जाएगा और नमूने को तैयार करने से पहले बीआरएनएस का अनुमोदन लिया जाएगा। सैम्पलिंग मानसून से पहले और मानसून के बाद कार्यान्वित होगी। अध्ययन क्षेत्र प्राकृतिक रूप से मौजूद यूरेनियम स्तर और सहायक जल गुणवत्ता मापकों के अध्ययन पर मूलाधार आंकड़े को स्थापित करने के लिए किया जाएगा।
- **भू-स्थानिक (एवीआईआरआईएस-एनजी) और क्षेत्रीय आंकड़े से बर्फ मानचित्रण और इसके मापकों का आकलन**

विषमांगी संवेदक विद्युत चुम्बकीय स्पेक्ट्रम के सन्निहित संकीर्ण बैंड में जानकारी ग्रहण करते हैं और पूरे वर्णक्रमीय वर्णों को व्यक्तिगत अवशोषण सुविधाओं के साथ दर्ज करने की अनुमति देते हैं। अतः विषमांगी रीमोट संवेदन सतह सामग्री से सम्बन्धित जानकारी प्रदान करते हैं, जिसका उपयोग लाभ के लक्ष्यों का पता लगाने, निर्धारित करने और स्वचालित पहचान करने के लिए किया जा सकता है। भारत में 57 स्थानों में 5 एनएम बैंड अंतराल पर 4 से 8 मीटर पिक्सल रीजोल्यूशन एवीआईआरआईएस-एनजी हाईपर स्पेक्ट्रल डाटा एक निरंतर इलेक्ट्रोमैग्नेटिक स्पेक्ट्रम 380–2510 नैनोमीटर तक फैला हुआ है और हि.प्र. में 1–2 में बर्फ और हिमनदी अध्ययन के लिए इसकी उपलब्धता बहुत अधिक है। विशेष रूप से बर्फ और ग्लेशियर

अध्ययन के क्षेत्र में बर्फ के प्रकार के मानचित्रण के साथ-साथ बर्फ के दाने के आकार का अनुमान आवश्यक है। हिमस्खलन की आरम्भिक चेतावनी प्रणाली के विकास के लिए हिम प्रकार के मानचित्रण की आवश्यकता होती है। अतः बर्फ के प्रकार के मानचित्रों को तैयार करने के लिए हाईपरस्पेक्ट्रल उपग्रह चित्रों का उपयोग किया जा सकता है। भारतीय सन्दर्भ में बर्फ / ग्लेशियर मानकों और विशेषताओं का अध्ययन करने के लिए हाईपर स्पेक्ट्रल एवीआईआरआईएस संवेदक का पता नहीं लगाया गया है, इसलिए ऐसा करने का एक अच्छा अवसर होगा।

- **सुगम, ग्राफीन / जीओलाइट यौगिकों का संश्लेषण और पानी से भारी धातु उठाने में उनका अनुप्रयोग**

अनुसंधान प्रस्ताव का लक्ष्य सुगम, सस्ते ग्राफीन जीओलाइट यौगिक का विकास करना है और पानी से भारी धातु उठाने के लिए इसके प्रदर्शन का मूल्यांकन करना है। परिवर्तित हमरज विधि में सोनिकेशन और धुलाई के बाद ग्रेफाइट और ऑक्सीजन युक्त यौगिकों के मध्य प्रतिक्रिया सम्मिलित है, का प्रयोग कर जीओ को संश्लेषित किया जाएगा। एक बर्तन, हरा, फोटोकैटालिटिक अप्रोच के आधार पर जीओ न्यूनीकरण संचालित होगा। जलतापीय प्रक्रिया द्वारा बेन्टोनाइट का प्रयोग कर ज़ियोलाइट का निष्पादन किया जाएगा। बेन्टोनाइट ने हाल ही के वर्षों में कम लागत पर अपनी उपलब्धता के कारण ज़ियोलाइट संश्लेषण के लिए ध्यान आकर्षित किया है और भविष्य में रासायनिक रूप से बेन्टोनाइट संसाधनों का उपयोग करने का सबसे अच्छा तरीका हो सकता है।

- **उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में भू-स्खलन का मल्टी इमेज 3 डी पुनः निर्माण**

इन दिनों मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी) और ड्रोन बहुत कम लागत पर आसानी से उपलब्ध हैं, जो विभिन्न स्तरों पर बहुत अधिक रिजॉल्यूशन वाली छवियां प्रदान करते हैं। यह स्वचालित हवाई और क्लोज-रेंज डिजिटल फोटोग्रामेट्री 3 डी स्थलाकृतिक मॉडलिंग के लिए एक शक्तिशाली और व्यापक रूप से उपयोग किया जाने वाला उपकरण बन गया है। स्वतंत्र रूप से उपलब्ध ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर का उपयोग ड्रोन से छवियों के अधिग्रहण की प्रारंभिक अवस्थाओं से अंतिम उत्पादन तक किया जा सकता है। अंत में पुनर्गठित सतह की चौड़ाई (लम्बाई), ऊंचाई और परिधि को माप कर भूस्खलन की पुनर्निर्मित 3 डी सतह का आकलन और सत्यापन किया जा सकता है। इन मूल्यों को कुल स्टेशन उपकरण का उपयोग करके क्षेत्र में मापा जा सकता है। इन मापित मात्राओं का तुलनात्मक मूल्यांकन टीएस द्वारा संदर्भित मूल्यों के सन्दर्भ में रखते हुए किया जाएगा।

- **यंत्र अधिगम तकनीकों के उपयोग से एलएसजेड की तैयारी के लिए अर्ध-स्वचालित संरचना**

इस अनुसंधान जांच का ध्येय भू-स्खलन में मापदण्डों का संग्रह और जीआईएस पर्यावरण में उनके प्रभाव, मॉडलिंग में योगदान देने वाले, विभिन्न परतों के लिए महत्त्व और भाव के कार्य के लिए कुशल मॉडल का विकास और तेज, सटीक तथा लागत प्रभावी मार्ग से उपग्रह डाटा और यंत्र अधिगम विधियों का प्रयोग कर एलएसजेड मानचित्रों के विकास के लिए एक अर्ध-स्वचालित प्रणाली का विकास करना होगा। भू-अस्थायी अध्ययन भू-स्खलन की दिशा में योगदान करने वाले मापदण्डों के संग्रह के समान है और जीआईएस पर्यावरण में उनके प्रभाव मॉडलिंग प्रमुख मुद्दे होंगे। यह परियोजना गढ़वाल हिमालय के अलकनंदा नदी घाटी में नदी के उद्गम से रूद्र प्रयाग तक संचालित होगी। इस खण्ड में नदी की लम्बाई लगभग 168 किलोमीटर है। इस क्षेत्र ने अतीत में अनेक भूस्खलन देखे हैं। इस अध्ययन के लिए नदी के दोनों किनारों पर 10 किलोमीटर (बफर को हरे रंग में दिखाया गया है) का बफर माना जाएगा। इस बफर का क्षेत्रफल गढ़वाल क्षेत्र का लगभग 2700 वर्गमीटर है। ऊंचाई के नक्शे में लाल और नीला रंग क्रमशः उच्च और निम्न ऊंचाई दर्शाता है। भारत के उत्तराखण्ड राज्य में सभी उपघाटियों को भी मानचित्र में दिखाया गया है। ये एलएसजेड मानचित्र एलएसजेड के जोखिम मूल्यांकन को तैयार करने के लिए एक महत्वपूर्ण इनपुट भी होंगे।

पीआई – डॉ. कौस्तव सरकार

संस्कारण जोखिम का आकलन करने के लिए कंक्रीट में नमी परिवहन के एफई सिमुलेशन में जलीय विचलन और इसके अनुप्रयोग की मॉडलिंग

सभी उपकरण खरीद लिए गए हैं। छिद्रयुक्त निर्माण सामग्री में एक आयामी जल अवशोषण परिच्छेदिका का अनुकरण करने के लिए एक परिमित अंतर कोड विकसित किया गया है। नमी वितरण परिच्छेदिका की मॉडलिंग के लिए विभिन्न तकनीकों को क्रॉस सत्यापन अभ्यास के माध्यम से हाइड्रोलिक विभेदन में मॉडलिंग में उनकी मजबूती के लिए परीक्षण किया जा रहा है। विभिन्न मॉडलों की ताकत पर प्राप्त करने के लिए मॉडलिंग से जुड़ी तकनीकों के अनुप्रयोग में प्रगति हो रही है। प्रयोगों की योजना और निष्पादन प्रारंभिक चरण में है।

पीआई – डॉ. अर्पण गुप्ता

• सोनिक क्रिस्टल का उपयोग करते हुए शांत हार्ड डिस्क और ऑप्टिकल डिज़ाइन

परियोजना अपने अंतिम चरण में है। सोनिक क्रिस्टल का उपयोग करके डिज़ाइन की गई प्रणाली का प्रयोगात्मक रूप से परीक्षण किया गया है। यह शोर में ~ 8 - 9 dB की कमी प्रदान करता है। प्रस्तावित नया प्रारूप भारतीय पेटेंट के लिए लागू किया गया है। इसके अतिरिक्त विभाजन और पैनल अध्ययन के साथ ध्वनिक क्रिस्टल का अध्ययन जारी है।

पीआई – डॉ. सुमित सिन्हा रे

• कुशल भारी धातु हटाने के लिए जैव बहुलक छननी झिल्ली का विकास

यह काम पानी से भारी धातु, जैसे—Pb, As, Cr, Cd आदि के कुशल निष्कासन के लिए नॉन वॉवन फिल्टर माध्यम में जैव बहुलक/कृषि अपशिष्ट निगमन के उपयोग पर केंद्रित है। इस बुनाई रहित माध्यम के उत्पादन के लिए नियोजित की जाने वाली विधि को “सॉल्यूशन ब्लोइंग” विधि कहा जाता है, जिसे पहली बार भारत में प्रस्तुत किया जाएगा।

पीआई – डॉ. सुमित सिन्हा रे और डॉ. ऋक् रानी कोडार

• ऊर्जा रूपांतरण अनुप्रयोग के लिए संक्रमण/बाद के संक्रमण धातु ऑक्साइड

इस कार्य के लिए हम संक्रमण धातु ऑक्साइड जैसे कि Mn, Fe, Ni आदि और बिना किसी डोपेंट सामग्री के बाद के संक्रमण धातु ऑक्साइड जैसे कि Ga से ईंधन शैल अध्ययन के लिए झरझरा स्पंजी HER, OER और ORR सक्रिय वास्तुशिल्प का विकास कर रहे हैं। छिद्रयुक्त आकृति विज्ञान के साथ अब तक Ga₂O₃ नैनोफाइबर द्वि कार्यात्मक उत्प्रेरक साबित हुए हैं, जो कि इस तरह के डोमेन के साथ पीआई के सर्वोत्तम ज्ञान के अनुसार पहला काम भी है।

पीआई – डॉ. राजेश घोष

• सीमेंटित एसीटेबुलर प्रोस्थिसिस का प्रारूप और असफल विश्लेषण

गठिया और दर्दनाक चोटों से पीड़ित रोगियों के लिए कुल हिप अथ्रोप्लास्टी (टीएचए) और हिप रिसर्फेसिंग अथ्रोप्लास्टी (एचआरए) अनिवार्य है। इस प्रक्रिया में, फीमर को कृत्रिम और्विक घटक और पैल्विक हड्डी के सॉकेट को एसिटाबुलर प्रोस्थिसिस से बदल दिया जाता है। नैदानिक अध्ययनों ने बताया कि और्विक की तुलना में एसिटाबुलर प्रोस्थिसिस का ढीला करना 2 से 3 गुणा अधिक है। परियोजना के प्रस्ताव का प्राथमिक लक्ष्य एक नए सीमेंटित एसिटाबुलर का विकास और प्रारूप करना है जो विफलता को कम कर सकता है।

पीआई – डॉ. मोहम्मद तलहा

- **सामग्री अनिश्चितता के साथ ज्योमीतीय रूप से अपूर्ण कार्यात्मक रूप से वर्गीकृत वक्र पैनेलों का अरैखिक थर्मो-इलैक्ट्रो लचकता विश्लेषण**

कार्यात्मक रूप से वर्गीकृत पदार्थ (एफजीएम) नये हैं, सूक्ष्म रूप से असंगत यौगिक हैं, जिसमें यांत्रिक गुण सुगमता से और लगातार विशेषीकृत दिशा में परिवर्तित होते रहते हैं। विनिर्माण प्रक्रिया की जटिलता के कारण ज्योमितीय दोष, सामग्री गुणों में सूक्ष्म संरचनात्मक दोष और यादृच्छिकता अनिवार्य है, जो संरचनात्मक प्रतिक्रिया पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालते हैं। एफजीएम संरचनाएं अत्यधिक लचीली हैं, जो अक्सर सामान्य संचालन भारण और पर्यावरण परिस्थितियों में प्लास्टिक विरूपण के बिना बड़े विस्थापन और घुमाव और/या बकलिंग का अनुभव करती हैं। अतः जीवन संचालन के दौरान संरचनाओं की भयावह विफलता से बचने के लिए थर्मो-इलैक्ट्रो-लचकता के साथ ज्यामितीय अपूर्णता और भौतिक अनिश्चितताओं के संयुक्त प्रभाव की विस्तृत जांच आवश्यक है।

- **कार्यात्मक रूप से वर्गीकृत संरचनाओं के पैरामीटर अनिश्चितताओं की अपूर्ण संवेदनशीलता का विश्लेषण**

यह अध्ययन सामग्री अनिश्चितताओं के साथ अपूर्णता संवेदनशील कतरनी विकृतिपूर्ण कार्यात्मक वर्गीकृत प्लेटों के ज्यामितीय अरैखिक संरचनात्मक व्यवहार (अर्थात् झुकाव, कम्पन्न मुक्त, बकलिंग) के साथ सम्बन्धित है और संरचनात्मक प्रतिक्रिया और विश्वसनीयता की वास्तविक भविष्यवाणी की पूर्ति करने के लिए एक समान तापमान वृद्धि करता है। यंग के मोडुलि, पाईसन के अनुपात और आयतन अंश सूचकांक जैसे भौतिक गुणों को प्रणाली में अनिश्चितता की विशेषता वाले यादृच्छिक प्रणाली मापदण्ड माना जाता है। एक सामान्य कार्य (अर्थात् त्रिकोणमितीय और अतिशयोक्तिपूर्ण कार्य के उत्पाद) का उपयोग विभिन्न प्रकार की अपूर्णता जैसे साइन प्रकार, वैश्विक प्रकार और स्थानीय प्रकार को शामिल करना है। वोन-कर्मन प्रकार ज्यामितीय अरैखिकता के साथ रेड्डी के उच्च आदेश कतरनी विरूपण सिद्धांत के आधार पर सूत्रीकरण हैं। प्रथम आदेश गड़बड़ी तकनीक (एफओपीटी) के साथ संयोजन में सीमित अवयव विधि (एफईएम) का उपयोग करते हुए स्टोकेस्टिक रूप से सांख्यिकीय परिणाम प्राप्त किये जाते हैं।

पीआई – डॉ. हिमांशु पाठक

- **युग्मित एफई मेशफ्री विधि द्वारा कार्यात्मक वर्गीकृत सामग्री (एफजीएम) की भंजन विश्लेषण विधि**

इस प्रस्तावित कार्य का उद्देश्य तापीय यांत्रिक भारण में एफजीएम संरचना के लिए युग्मक मेशफ्री अवयव विधि (एफईईएफजी) का विकास करना है। इसमें एफजीएम घटकों जैसे कि तापीय बैरियर कोटिंग जो अंतरिक्ष संरचना/नाभिकीय रिएक्टर में प्रयोग होती है, के लिए एसआईएफ और जे-इंटीग्रल का विकास सम्मिलित है। यद्यपि इलासो-प्लास्टिक समस्या से निपटने से पहले एफजीएम के लिए रेखिय इलास्टिक भंजन यांत्रिकी का उपयोग कर एक कोड विकसित किया जाएगा। एफजीएम सम्मिश्र भंजन यांत्रिकी की मानक प्लेन 2-डी समस्याओं का विश्लेषण एफई-ईएफजी विधि का उपयोग कर किया जाएगा। विकसित कोड को साहित्य में उपलब्ध विश्लेषणात्मक सांख्यिकीय और प्रयोगात्मक परिणामों के साथ प्रमाणित किया जाएगा।

अगले चरण में थर्मल स्ट्रेन, ग्रेडिड एक्सपोनेंट जैसे विभिन्न प्रारूप मुद्दों का विश्लेषण किया जाएगा। विकसित जाली रहित कोड का उपयोग अंतरिक्ष और परमाणु रिएक्टर संरचना में किया जा सकता है, जहां थर्मल बैरियर कोटिंग एक बड़ा मुद्दा है। इन कोडों का उपयोग समुद्री संरचना में लागू संश्लेषक प्रतिरोध

कोटिंग के उचित विश्लेषण के लिए भी किया जा सकता है।

- **संरचनात्मक अभियांत्रिकी अनुप्रयोगों में कोमल दरार वृद्धि के लिए वर्द्धित सीमित अवयव का विकास और कार्यान्वयन**

इस परियोजना का उद्देश्य ऊष्मा यांत्रिकीय भारण में कोमल संरचना के लिए बड़ी सीमित अवयव विधि (एक्सएफईएम) कोड का विकास करना है। अंतरिक्ष संरचना, स्वतः चालित संरचना और नाभिकीय रिएक्टर जैसे आमतौर पर प्रयोग होने वाले कोमल सामग्री घटकों के लिए जे- इंटिग्रल और जे-आर कर्व आधारित भंजन सृजन का मूल्यांकन शामिल है।

पीआई- डॉ. दीपक स्वामी

- **विषमांगी झरझरा साधन के माध्यम से प्रतिक्रियाशील विलेय परिवहन के लिए उच्च मॉडलिंग दृष्टिकोण का स्थायित्व**

अधिकतर प्रयोगात्मक सेट अप और परियोजना के उपकरण खरीदे गए हैं, प्रयोगों के लिए कोड विकसित किया गया है। विभिन्न अभिकर्मक विलेय के साथ प्रयोग प्रक्रिया जल्द ही शुरू होगी। कार्य का मुख्य उद्देश्य पैरामीटर आकलन के लिए सबसे उपयुक्त दृष्टिकोण की पहचान करना और विषम छिद्रयुक्त माध्यम से सफलतम मॉडलिंग करना है।

- **छिद्रयुक्त माध्यम से विलेय परिवहन मापदण्डों का अध्ययन**

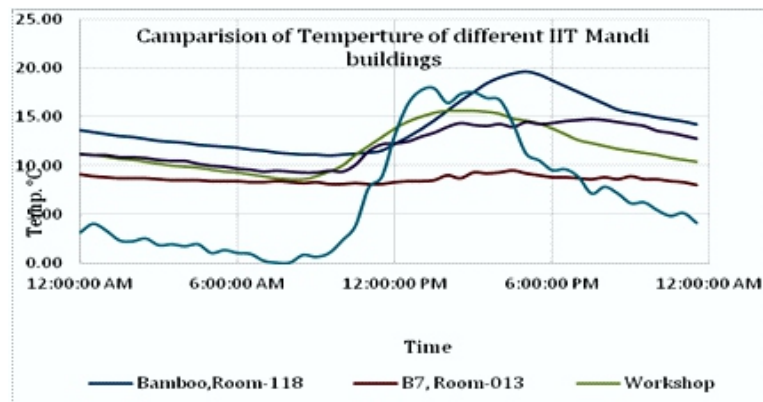
परियोजना पर काम शुरू हो गया है। इसके लिए पीएचडी छात्रों की भर्ती की जा चुकी है। यह परियोजना विभिन्न रसायनों के परिवहन मापदण्डों और छिद्रपूर्ण माध्यमों में प्रसार की प्रक्रियाओं का अध्ययन है। परियोजना जल भृत सफाई के पहलू पर भी केन्द्रित है।

पीआई – डॉ. अनिल किषन

- **स्थान तापन अनुप्रयोग के लिए परिवर्तन पदार्थ का प्रयोग करके सौर ऊर्जा भण्डारण**

जलवायु के आंकड़ों को 1 दिसम्बर 2017 से 15 फरवरी, 2018 तक की अवधि के लिए रिकॉर्ड किया गया। भा.प्रौ.सं. मण्डी के विभिन्न भवनों का न्यूनतम और अधिकतम तापमान डाटा लॉगर के माध्यम से रिकॉर्ड किया गया।

संस्थान में दिनांक 8 जनवरी, 2018 को सभी चार भवनों (जी1 विद्युत रोधी जिप्सम बोर्डों से निर्मित), नाको छात्रावास (कंकर संरचना), यांत्रिकी कार्यशाला (धातु की छत के साथ कंकर/ ईंट की दीवारें) और बांस की झोंपड़ी (पूर्व निर्मित बांस) के सामान्य तापमान प्रोफाइल की तुलना नीचे दिखायी गई है:



चित्र: 1 विभिन्न भवनों का सामान्य तापमान प्रोफाइल

इससे निम्नलिखित परिणाम निकले हैं:

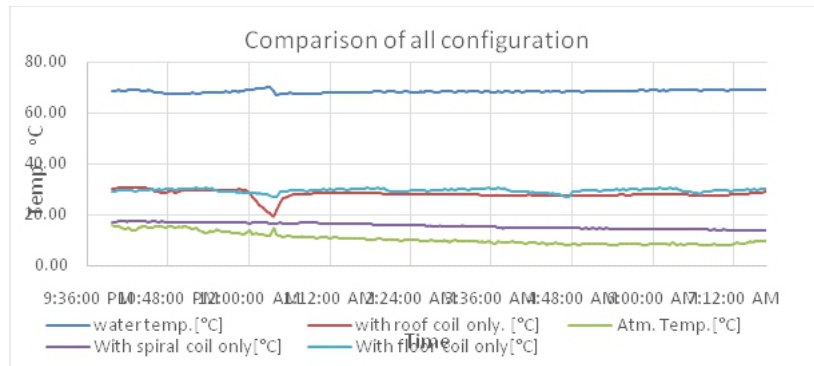
- प्रातः 5 बजे से 7 बजे के दौरान अधिकतम गर्मी की जरूरत होती है।
- ताप भारण गणना के आधार पर गर्मी की आपूर्ति को आवश्यकता के अनुसार नियंत्रित किया जाना चाहिए।
- गर्मी की आवश्यकता निर्माण सामग्री के प्रकार पर निर्भर करती है।
- बांस की झोंपड़ी में 24 घण्टों में अधिकतम तापमान का अंतर होता है। इसीलिए बांस की झोंपड़ी के लिए बड़े ताप भारण की आवश्यकता होती है।

स्थानीय ताप सेटअप प्रदर्शन

- स्थानीय तापन केवल उस स्थान को गर्म करने का एक विचार है, जो वांछित है। यह गर्मी की कुल आवश्यकता को कम करेगा, इसीलिए यह भण्डारण इकाई के आकार और पीसीएम की मात्रा को कम कर देगा, ताकि तंत्र चल पड़े। यह प्रभावी प्रारूप बनाने के लिए वर्तमान प्रणाली के प्रारूप में सुधार करेगा। कुछ स्थानीय ताप व्यवस्था करने के लिए निम्नलिखित प्रणाली निर्मित की गई है:

- अलग ताम्बे के तार विन्यास के साथ बिस्तर पर गुंबद।
- छत पर दो सर्पिल तार के गुच्छे
- फर्श में तार
- छत पर लिपटी तार
- वहनीय तापन रेडिएटर

दिनांक 8 जनवरी, 2018 को 24 घण्टों के लिए कमरे का तापमान माप अलग-अलग विन्यासों के साथ दिखाया गया है। गर्म पानी को चैम्बर के माध्यम से ताम्बे के तार का उपयोग करके एक सायोज्य हीटर के साथ 70 डिग्री सेल्सियस के तापमान पर प्रसारित किया जाता है। प्रयोग के दौरान कमरे का तापमान 9 से 15 डिग्री सेल्सियस के बीच बदलता रहता है। सर्पिल तार के साथ सेटअप केवल 15 से 17 डिग्री सेल्सियस पर सेटअप के अंदर पर्यावरण के तापमान को बनाए रखता है। छत के तार और फर्श तार के साथ चैम्बर के मामले में चैम्बर का तापमान 30 डिग्री सेल्सियस के करीब रखा जा सकता है। हालांकि सभी विन्यासों से ऊपर फर्श तार के साथ प्रदर्शन सबसे प्रभावी है।



चित्र: 2 ताप व्यवस्था के विभिन्न विन्यासों के साथ परीक्षण स्थल के तापमान की भिन्नता

पीआई – डॉ. ऋक् रानी कोडार

- ऊर्जा भण्डारण अनुप्रयोग के लिए विद्युत-सक्रिय प्रजातियों के रूप में नए धातु-कार्बनिक नेटवर्क: सामग्री विकास से प्रोटोटाइप निर्माण तक

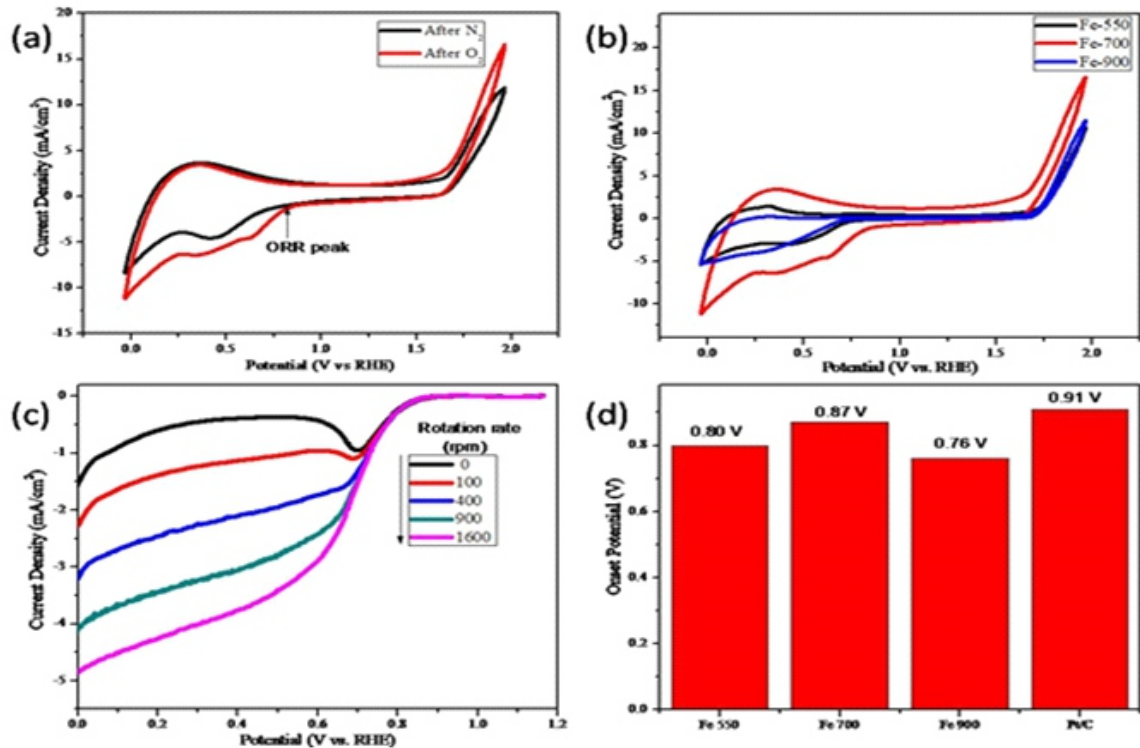
प्रस्ताव के अनुमोदित उद्देश्य: इस प्रस्ताव का उद्देश्य उच्च दक्षता के साथ अधिसंधारित्र के लिए इलैक्ट्रोड

सामग्री विकसित करना है। इलेक्ट्रोड सामग्री में विद्युत सक्रिय धातु ऑक्साइड के साथ सजाए गए उच्च सतह क्षेत्र कार्बन युक्त सामग्री सम्मिलित होगी।

- नये धातु-कार्बनिक जेल (एमओजी) का विकास।
- बेहतर दक्षता के साथ बेहतर ऊर्जा घनत्व के लिए एमओजी को अधिसंधारित्र के इलेक्ट्रोड सामग्रियों के रूप में प्रस्तुत करता है।
- उच्च धारण क्षमता गुण वाली सामग्रियों के रूप में प्रवाहकीय संकर धातु-कार्बनिक जेल का विकास।
- स्थिर अधिसंधारित्र के लिए पूरे इलेक्ट्रोड सामग्री के रूप में नये प्रवाहकीय धातु-कार्बनिक संरचना (एमओएफएस) का विकास।
- अंत में प्रस्तावित सामग्रियों का उपयोग करके एमओएफ/एमओजी आधारित अधिसंधारित्र का विकास।
- अक्षय ऊर्जा आधारित स्मार्ट ग्रिड में प्रस्तावित अधिसंधारित्र पैक का नियोजन और अन्य सहायक इकाईयों में जैसे कि आवृत्ति नियमन, वोल्टेज समर्थन के लिए उपयोग।

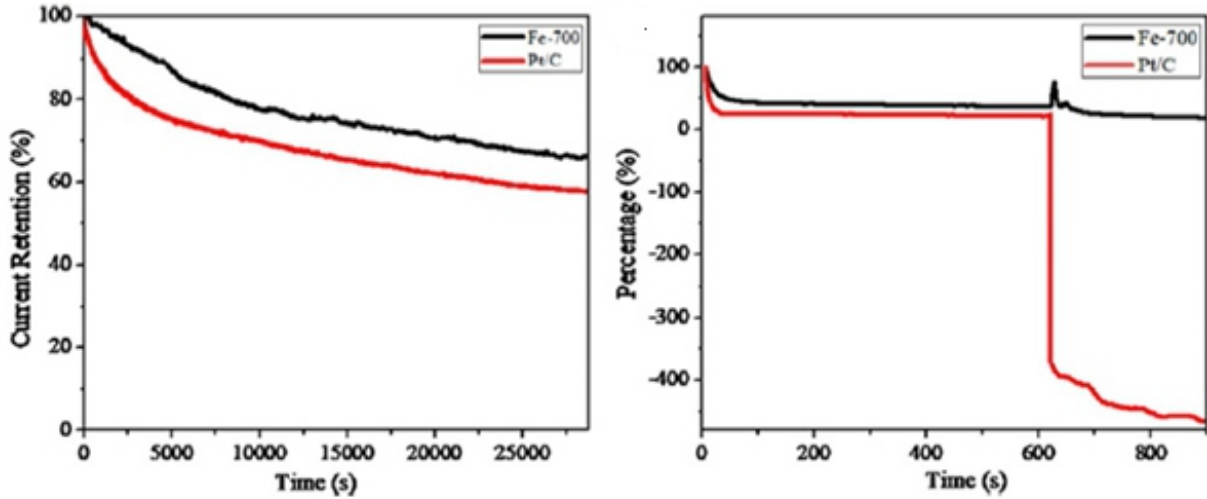
ऑक्सीजन न्यूनीकरण प्रतिक्रिया और अधिसंधारित्र अनुप्रयोग में कुशल इलेक्ट्रोड सामग्री के रूप में पोलिकार्बोक्साइल-डेकोरेटिड आधारित एक्सीरोजेल-डिराइड बहुकार्यात्मक सम्मिश्र (Fe₃O₄/Fe/C):

हम एक नया पोलिकार्बोक्स-कार्यपरक FeIII आधारित जेल सामग्री प्रदर्शित करते हैं, जिसका संश्लेषण निम्नलिखित है-सोल्वोथर्मल विधि और अनुकूलित तापमान पर एनीलिंग द्वारा इसके सम्मिश्र का विकास। यह विकसित सम्मिश्र 0.87वी (आरएचई) की शुरुआत क्षमता और-5 एमए सीएम-2 (चित्र-1) के वर्तमान घनत्व मान के साथ ऑक्सीजन न्यूनीकरण प्रतिक्रिया के लिए विद्युत उत्प्रेरक गतिविधि का प्रदर्शन करता है। इसके अतिरिक्त, सबसे वांछित गुण यह है कि सम्मिश्र एक बेहतर मेथेनोल प्रदर्शित करता है, जिसमें वाणिज्यिक Pt/C से 20 भार प्रतिशत सहिष्णुता और Pt/C की तुलना में अधिकतर स्थिरता (चित्र-2) है। अधिसंधारित्रों के लिए ऊर्जा भण्डारण सामग्री के रूप में इसी के समान सामग्री विकसित की है, जिसने विशेष दिखाया-

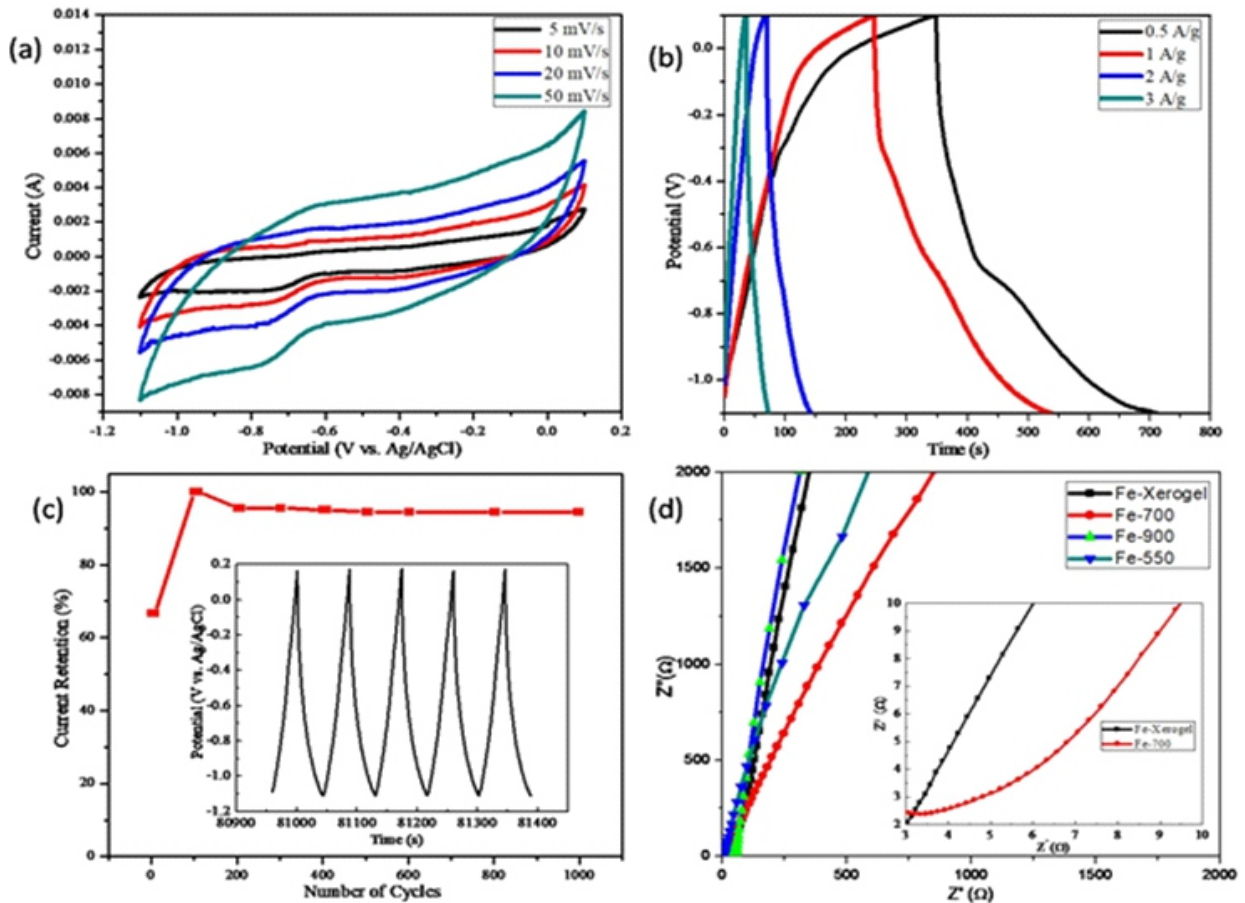


चित्र -11Ag-1 में वर्तमान घनत्व पर (चित्र 3)

चित्र 2: (क) N₂ में Fe-700 का सीवी डाटा और 20mV/s पर O₂ संतृप्त 0.1MKOH (ख) O₂ संतृप्त 0.1 MKOH में 20mV/s पर Fe-550, Fe-700 और Fe-900 का तुलनात्मक सीवी डाटा (ग) Fe-700 के लिए ओआरआर डाटा और (घ) ओआरआर गतिविधि की तुलना करते हुये बार ग्राफ



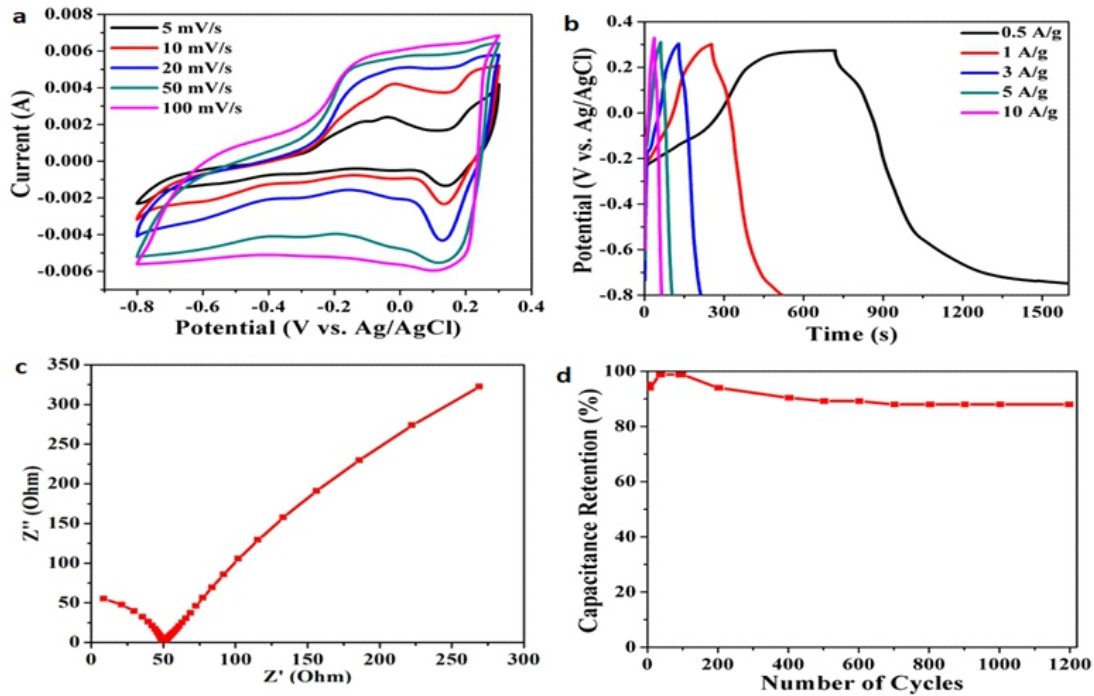
मान समय (आई-टी) 0.73वी बनाम आरएचई पर 800 आरपीएम आवर्तन दर के साथ O₂ संतृप्त 0.1 MKOH में Fe-700 और वाणिज्यिक 20 प्रतिशत भार Pt/C की क्रोनोएम्पीरोमीट्रिक प्रतिक्रिया और (ख) 0.73वी बनाम आरएचई की क्षमता पर 800 आरपीएम आवर्तन दर के साथ Fe-700 और वाणिज्यिक 20 भार प्रतिशत Pt/C के लिए लगभग 620 सैकण्ड पर मिथेनोल के मिलाने पर समय के साथ वर्तमान प्रतिक्रिया



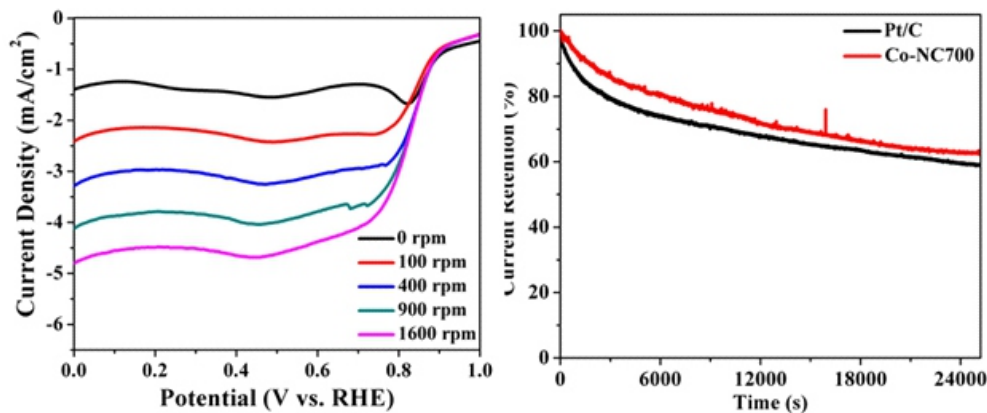
चित्र 4 : (क) विभिन्न स्कैन दरों पर 5 mV/s से 50 mV/s की रेंज से Fe-700 का सीवी डाटा (ख) 6 MKOH इलैक्ट्रोलाइट में 0.5 mV/s से 3Ag तक विभिन्न वर्तमान घनत्वों पर गेलवेनोस्टेटिक चार्ज-डिस्चार्ज डाटा (ग) 3Ag पर 1000 चक्रों के लिए Fe-700 की चक्रीय स्थिरता और इनसेट अंतिम पाँच चक्र दिखाता है (घ) Fe-एक्सरोजेल और पानी चढ़ाये हुये नमूनों (Fe-550, Fe-700 और Fe-900) के नाइकिस्ट प्लॉट; इनसेट अंत में प्लॉट में उच्च आवृत्ति दिखाता है।

2. धातु कार्बनिक संरचना व्युत्पन्न कोबाल्ट युक्त हीटरोएटम्स को ऊर्जा भण्डारण और रूपांतरण के लिए कार्बन मैट्रिक्स डोप किया गया:

कोबाल्ट युक्त हीटरोएटम डोप्ड कार्बन मैट्रिक्स विकसित किया गया था, जोकि 1 Ag-1 (चित्र 5) के वर्तमान घनत्व पर अधिसंधारित्र के लिए 404 (चित्र 1) की विशेष क्षमता के साथ एक ऊर्जा भण्डारण पदार्थ के रूप में प्रदर्शित किया था। इसके इलावा, विकसित सम्मिश्र ऑक्सीजन न्यूनीकरण प्रतिक्रिया के लिए 0.9वी (बनाम आरएचई) की शुरुआत के साथ बहुत अच्छी विद्युत उत्प्रेरक गतिविधि करता है, जो कि वाणिज्यिक 20भार प्रतिशत Pt/C के साथ तुलनीय (चित्र 6) है।

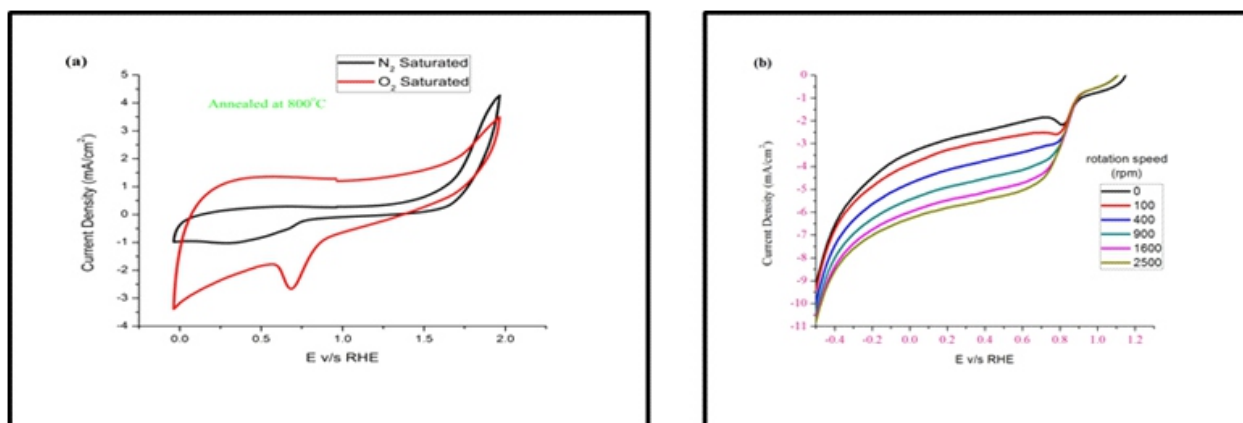


चित्र 5: (क) विभिन्न स्कैन दरों पर 5 mV/s से 50 mV/s की रेंज से Co-700 का सीवी डाटा (ख) 6 M KOH इलैक्ट्रोलाइट में 0.5 mA/g से 10Ag तक विभिन्न वर्तमान घनत्वों पर गेलवेनोस्टेटिक चार्ज-डिस्चार्ज डाटा (ग) Co-700 का नाइकिस्ट प्लॉट (घ) 3Ag पर 1000 चक्रों के लिए Co-700 की चक्रीय स्थिरता



चित्र 6 : (क) Co-700 का ओआरआर डाटा (ख) 800 आरपीएम की आवर्तन दर के साथ 0.73वी बनाम आरएचई की क्षमता पर O₂ संतृप्त 0.1 MKOH में Co-700 और वाणिज्यिक 20 भार प्रतिशत Pt/C की वर्तमान समय (आई-टी) क्रोनोएम्पीरोमीट्रिक प्रतिक्रिया

3. **ऊर्जा भण्डारण और रूपांतरण के लिए Zn(II) आधारित बहु कार्बोक्सील सुसज्जित धातु कार्बनिक संरचना:** टैट्राकार्बोक्सील आधारित जैविक लिंकर का उपयोग करके Zn(II) समन्वित धातु जैविक संरचना को विकसित किया गया। इसके बाद दोनों ऊर्जा भण्डारण और रूपांतरण अध्ययन के लिए विभिन्न तापमान पर हीटरोएटम डोपड कार्बन मैट्रिक्स में उचित इलेक्ट्रोड सामग्री के लिए MOF को एनील्ड किया गया। यह उल्लेखनीय है कि विकसित कार्बन सामग्री ऑक्सीजन न्यूनीकरण प्रतिक्रिया में -0.91वी की शुरुआती क्षमता रखती है, जो कि वास्तव में वाणिज्यिक रूप से उपलब्ध Pt उत्प्रेरक के साथ मेल करती है।



चित्र 7: (क) 20 mVs⁻¹ पर N₂-और O₂- संतृप्त 0.1 MKOH विलेय में Zn MOF-800 की चक्रीय वोल्टोमीट्री (ख) Zn MOF-800 के लिए ओआरआर डाटा

पेटेंट:

1. **डॉ. सुधीर कुमार पाण्डेय और श्री आशुतोष पटेल** ने भारत पेटेंट कार्यालय में "हाई टेम्परेचर फिगर ऑफ मेरिट मयरमेण्ट सेट अप" नामक पेटेंट फाइल किया। पेटेंट आवेदन संख्या: 201711027766।
2. **कपिल अग्रवाल, शुभम् अग्रवाल, प्रतीक चतुर्वेदी, नरेश माली, के.वी. उदय और वरुण दत्त** ने भारत पेटेंट कार्यालय में "भू-स्खलन निगरानी और चेतावनी के लिए सस्ती संवेदक आधारित प्रणाली" नामक पेटेंट फाइल किया। पेटेंट आवेदन संख्या: 201711045337।

दिनांक 01.04.2017 से दिनांक 31.03.2018 के दौरान आयोजित अंशकालिक कार्यक्रम / कार्यशाला

1. भा.प्रौ.सं. मण्डी और सीएसआईआर, एचआरडीजी, भारत सरकार ने दिनांक 15 से 19 जनवरी, 2018 के दौरान "अभियांत्रिकी अनुप्रयोगों में सम्मिश्र पदार्थ: प्रारूप और निर्माण के सम्बन्ध में" आंशिक रूप से प्रायोजित 5 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। **(समन्वयक: डॉ. हिमांशु पाठक और डॉ. सन्नी ज़फर)**।
2. माह सितम्बर 20 से 23, 2017 के दौरान अडेप्ट्रोनिक्स (सक्रिय आकार नियंत्रण, सक्रिय तरंग नियंत्रण, सक्रिय रव में कमी और संरचनात्मक स्वास्थ्य नियंत्रण) पर अंशकालिक कार्यक्रम और कार्यशाला का आयोजन किया। इसमें वक्ता प्रा. डॉ. ईग माइकेल सिनापियुस, इनस्टिट्यूट ऑफ अडेप्ट्रोनिक्स एण्ड फंक्शनल इंटीग्रेशन, ब्रोनचविग तकनीकी विश्वविद्यालय, जर्मनी थे। इसमें 8 व्याख्यान, 6 प्रयोगशाला सत्र और एक दिवसीय कार्यशाला थी। **(समन्वयक: डॉ. विशाल सिंह चौहान और प्रा. डॉ. ईग माइकेल सिनापियुस)**।

3. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी में “अभियांत्रिकी अनुप्रयोग-2017 के लिए सीमित अवयव विधि का उपयोग करते हुये रूपांकन और अनुकार” नामक अंशकालिक कार्यक्रम का आयोजन माह जून 19 से 23, 2017 तक किया गया। (भा.प्रौ.सं. द्वारा अंशतः प्रायोजित) (समन्वयक: डॉ. राजीव कुमार, हिमांशु पाठक और डॉ. विशाल एस. चौहान)।
4. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी में “रज्जु-मार्ग प्रणाली के रूपांकन की अवधारणा पर एक दिवसीय कार्यशाला दिनांक 3 जुलाई, 2017 को आयोजित की गई। (समन्वयक: डॉ. रजनीश शर्मा)
5. भा.प्रौ.सं. मण्डी में एसडीएमए द्वारा प्रायोजित “वर्षा प्रभावित भूस्खलन: मानचित्रण, घटाव और अनुवीक्षण” पर दिनांक 11 अक्टूबर, 2017 को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। (समन्वयक: डॉ. के.वी. उदय)
6. भारतीय विज्ञान संस्थान बंगलौर में दिनांक 29 दिसम्बर, 2017 से 3 जनवरी, 2018 तक धारणीय ऊर्जा और पर्यावरणात्मक चुनौतियों पर अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। (सम्मेलन समन्वयक: डॉ. अतुल धर)।

सम्मेलन / कार्यशाला / दौरे में वार्ता

1. डॉ. सन्नी ज़फर* ने भा.प्रौ.सं. हैदराबाद, हैदराबाद, भारत में माइक्रोवेव ऊर्जा के माध्यम से हरित बहुलक सम्मिश्र का विकास, सम्मिश्र सामग्री और संरचनाओं पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीसीएमएस 2017) की कार्यवाही में चर्चा की।
2. डॉ. सुमित सिन्हा रे* ने सीआईपीईटी, भुवनेश्वर में “बहुलीय सामग्री में प्रगति” पर आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन (एपीएम 2018)(फरवरी 02-04) में भाग लिया।
3. डॉ. हिमांशु पाठक, एस. ज़फर, एन. पुन्धीर ने सम्मिश्र सामग्री और संरचना पर आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीसीएमएस 2017, 27 से 29 दिसम्बर 2017) में कार्यात्मक रूप से ग्रेडिड सामग्री में दरारों के संगणनात्मक अध्ययन पर वार्ता की। (हिमांशु पाठक द्वारा प्रस्तुत)
4. डॉ. हिमांशु पाठक, ए. सिंह, आई. वी. सिंह, एस. ज़फर ने नवम्बर 3 से 9, 2017 में एक्सएफईएम, एएसएमई के अन्तर्राष्ट्रीय यांत्रिकी अभियांत्रिकी सम्मेलन और प्रदर्शनी में ताम्पा सम्मेलन केन्द्र, ताम्पा, फ्लोरिडा, अमेरिका में भाग लिया। (हिमांशु पाठक द्वारा प्रस्तुत)
5. डॉ. सुधीर कुमार पाण्डेय ने आईआईएसईआर भोपाल में दिनांक 27 से 29 दिसम्बर, 2017 के दौरान इलैक्ट्रॉन संरचना पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में अतिथि वार्ता की।
6. डॉ. सुधीर कुमार पाण्डेय ने भाबा परमाण्विक अनुसंधान केन्द्र, मुम्बई में दिनांक 26 दिसम्बर से 30, 2017 के दौरान आयोजित 62वें डीईई ठोस अवस्था भौतिक विज्ञान सम्मेलन में भाग लिया।
7. डॉ. हिमांशु पाठक ने वीआईटी वेल्लोर (17 से 18 मार्च, 2018) में आयोजित एफईएम कार्यशाला में आमंत्रित व्याख्यान दिया।
8. डॉ. अतुल धर ने भा.प्रौ.सं. मण्डी में दिनांक 23 जनवरी, 2018 को बीईसीएआर-2018 में भारतीय शान्त स्थल में विकल्पी ईंधन के रूप में जैव डीज़ल की सम्भावना और चुनौतियों पर अतिथि वार्ता की।
9. डॉ. अतुल धर ने भारतीय विज्ञान संस्थान बंगलौर में एसईसी-2018 में दिनांक 29 दिसम्बर, 2017 से 3 जनवरी, 2018 तक “आंतरिक दहन ईंजन में हाइड्रोजन के तालमेल अनुप्रयोग” पर प्रमुख वार्ता की।
10. डॉ. मोहम्मद तलहा ने भा.प्रौ.सं. कानपुर में सैद्धांतिक, प्रयुक्त, संगणनात्मक और प्रयोगात्मक यांत्रिकी पर आयोजित सातवें अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीटीएसीईएम 2017) में भाग लिया।
11. डॉ. प्रदीप कुमार ने भा.प्रौ.सं. मद्रास में संगणनात्मक ताप स्थानान्तरण और द्रव प्रवाह (एसीएचटी 2017) पर दिनांक 10 दिसम्बर से 13, 2017 तक आयोजित एशियायी सम्मेलन में भाग लिया।
12. डॉ. प्रदीप कुमार ने अमृता विशवा विद्यापीठन कोल्लम केरला में दिनांक 14 से 16 दिसम्बर 2017 को आयोजित ‘द्रव यांत्रिकी और द्रव ऊर्जा (एफएमएफपी 2017)’ नामक कार्यशाला में भाग लिया।
13. डॉ. प्रदीप कुमार ने दिनांक 27 से 30 दिसम्बर 2017 को आयोजित बिट्स पिलानी हैदराबाद परिसर में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय ताप और भार स्थानांतरण सम्मेलन में भाग लिया।

14. डॉ. प्रदीप कुमार ने धारणीय ऊर्जा और पर्यावरणात्मक चुनौतियों पर दिनांक 31 दिसम्बर से 3 जनवरी, 2018 को आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

उपलब्धियां/सम्मान

1. प्रा. बालथासार नोवेक ने निदेशक और डीन (आई और एस, संकाय और शैक्षिक) की उपस्थिति में दिनांक 25 मई, 2018 को निर्माण सामग्री प्रयोगशाला का उद्घाटन किया। इस प्रयोगशाला में सामग्री और तत्व निर्माण के चरित्रण और गुणवत्ता नियंत्रण के लिए कई अत्याधुनिक उपकरण विद्यमान हैं।
2. डॉ. सुमित सिन्हा रे को शिकागो में इल्लिनोइस विश्वविद्यालय में यांत्रिकीय और औद्योगिक अभियांत्रिकी विभाग में संयुक्त सहायक प्राध्यापक की मान्यता मिली है।
3. डॉ. सत्व शील पोवार को 3 माह के लिए लॉरेंस बर्कली राष्ट्रीय प्रयोगशाला, केलिफोर्निया बर्कली यूनिवर्सिटी, अमेरिका जाने के लिए भारत अमेरिका विज्ञान और प्रौद्योगिकी फोरम 2017 से भास्कर उन्नत सौर ऊर्जा (बीएएसई) फेलोशिप-2017 प्राप्त हुई है।
4. डॉ. के. सरकार को भा.प्रौ.सं. मण्डी में अध्यापन, अनुसंधान और संस्थान की सेवा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए विशिष्ट नव प्राध्यापक सम्मान से सम्मानित हैं।
5. डॉ. वेंकटा उदय कलाको अभियांत्रिकी व्यवहार में ढलान की स्थिरता पर अन्तर्राष्ट्रीय तकनीकी समिति आईसी-208 के वर्तमान सदस्य के रूप में भारतीय भू-तकनीकी सोसाइटी का प्रतिनिधित्व करने के लिए चयनित किया है।
6. डॉ. वी. बालाकृष्णन को अध्यापक दिवस-2017 में अध्यापन में धारणीय उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिये विशेष अध्यापक सम्मान से सम्मानित किया गया।
7. डॉ. जी. भूटानी को अध्यापक दिवस-2017 में विशिष्ट नव प्राध्यापक सम्मान से सम्मानित किया गया।
8. डॉ. आर. शर्मा ने हिमाचल में नदियों पर पारम्परिक झूलों के स्थान पर नवीनतम रज्जुमार्ग परियोजना शुरू की है।
9. डॉ. ए. गुप्ता और डॉ. ए. चक्रवर्ती दिनांक 9 दिसम्बर, 2017 को पाठ्य चर्चा विकास कार्यशाला के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जम्मू गये।
10. श्री सुमीत कुमार शर्मा, डीएसटी (इन्सपायर) पीएच.डी. छात्र ने स्मार्ट संरचना और तंत्र संस्थान (आईएसएसएस), भारतीय विज्ञान संस्थान बंगलौर में आयोजित (दिनांक 27 से 28 मार्च 2018) स्मार्ट संरचना और तंत्र पर "अनुसंधानक" फोरम में पत्र प्रस्तुत किया। इसमें उन्हें सर्वोत्तम प्रस्तुति सम्मान से सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त स्प्रिंगर द्वारा प्रकाशित ई-पुस्तकों के क्रय के लिए स्प्रिंगर द्वारा प्रायोजित 500 यूरो का अतिरिक्त सम्मान भी दिया गया।
11. सामग्री के लिए तकनीक निर्माण: अभियांत्रिकी और अभियंत्रित, सीआरसी प्रैस में "एडवांसिज इन द फेब्रिकेशन ऑफ फंक्शनली ग्रेडिड मटेरियल: मॉडलिंग एण्ड एनालायसिस" नामक पुस्तक अध्याय के सह लेखक श्री अंकित गुप्ता थे। वह डॉ. मोहम्मद तलहा के निरीक्षण में कार्य कर रहे हैं।
12. आंतरिक दहन ईंजन अनुसंधान की प्रगति में "ताप विद्युत उत्पादन यंत्र का उपयोग करते हुये ऊष्मा वसूली उत्सर्जन: समीक्षा" नामक अध्याय के सह लेखक सार्थक नाग थे। स्प्रिंगर, पीपी 193-206 (2018)। वह डॉ. अतुल धर और डॉ. अर्पण गुप्ता के निरीक्षण में कार्य कर रहे हैं।
13. श्री सौरभ यादव, श्री गौरव शर्मा और श्री सार्थक नाग ने डॉ. अर्पण गुप्ता के मार्गदर्शन में ए9 लेक्चर हॉल का ध्वनिक अध्ययन प्रस्तुत किया। उनका कार्य "व्याख्यान सभागार की प्रतिध्वनि समय सुधार: अध्ययन मामला" नामक शीर्षक से जर्नल ऑफ नुआइज एण्ड वाइब्रेशन वर्ल्डवाइड में प्रकाशित किया गया, भाग 49, संस्करण 1, पीपी 14 से 19 (2018)।

प्रयोगशालाओं में स्थापित कुछ प्रमुख उपकरण:



चित्र 1: उच्च तापमान माइक्रोवेव भट्ठी



चित्र 2: बहुलक सुरक्षित माइक्रोवेव साधित्र



चित्र 3: घरेलू माइक्रोवेव साधित्र



चित्र 4: स्लरी जेट इरोजन टेस्ट रिग



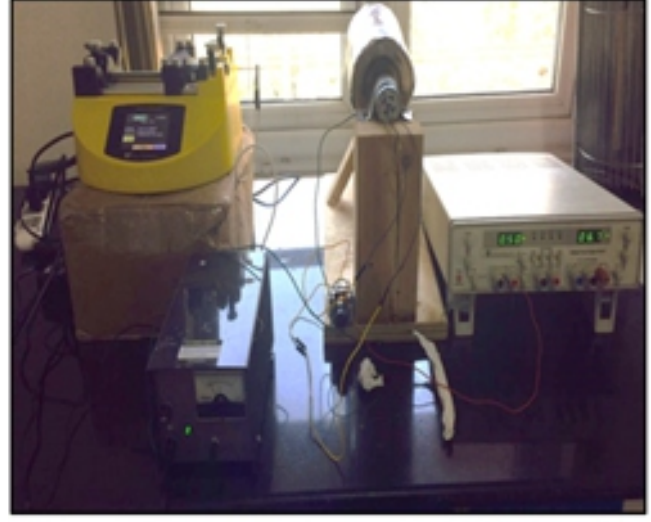
चित्र 5: आईजोड/चापी कम्प्यूटराइज्ड



चित्र 6: स्टर कास्टिंग यंत्र इम्पैक्ट टेस्टर
फॉर पोलिमेर कम्पोजिट्स



चित्र 7: ऑप्टिकल माइक्रोस्कोप



चित्र 8: इलेक्ट्रो स्पिनिंग (निर्मित गृह में)



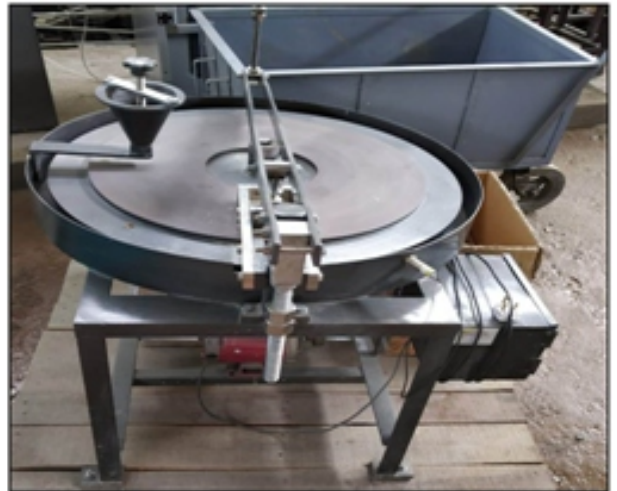
चित्र 9: प्रीसिजन कटर (गृह विकास)



चित्र 10: स्प्लिट होपकिन्सन गार सेट अप (गृह विकास में)



चित्र 11: रज्जु मार्ग प्रणाली (गृह विकास में)



चित्र 12: टाईल अब्रेसन परीक्षण यंत्र



चित्र 13: कार्बोनेशन कक्ष



चित्र 14: कंक्रीट कोर ग्राइंडिंग यंत्र



चित्र 15: सुरक्षित टैंक



चित्र 16: सुरक्षित टैंक – (आई)



चित्र 17: सुरक्षित टैंक



चित्र 18: हाइग्रोपिन नमी मीटर



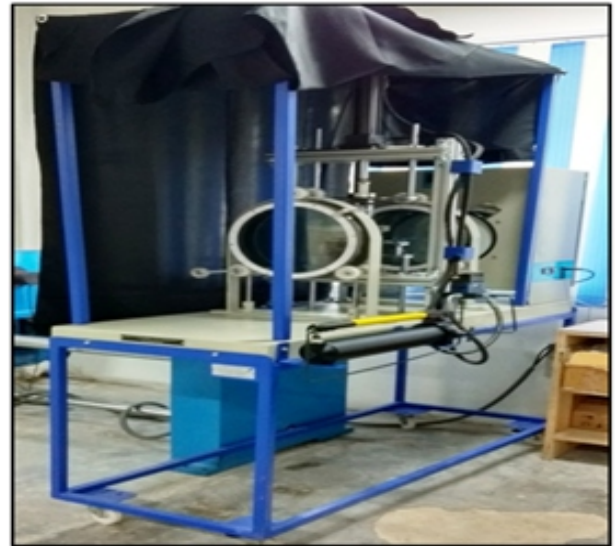
चित्र 19: चैम्बर में चलना



चित्र 20: धरातल ताप स्थानांतरण



चित्र 21: बरनौली उपकरण



चित्र 22: विसरित अनुसंधान ध्रुवण सूक्ष्मदर्शी



चित्र 23: पाइप लोसिस उपकरण



चित्र 24: रीसर्कुलेटिंग टाईप एसी



चित्र 25: रीनोल्डस् उपकरण



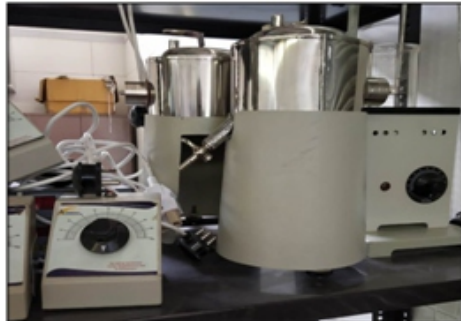
चित्र 26: अनस्टैडी स्टेट हीट ट्रान्सफर



चित्र 27: वाटर कूलिंग टावर



चित्र 28: कन्डीशनिंग चैम्बर



चित्र 29: फ्लैश एण्ड फायर उपकरण



चित्र 30: सार्वभौमिक परीक्षण यंत्र



चित्र 31: फ्लेक्सर परीक्षण मशीन

अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित पत्र

1. सोहन लाल और सुधीर के. पाण्डेय, प्रभावी कोलम्ब अन्वोन्य क्रिया यू का आत्म-संगत मूल्यांकन और वैनाडियम स्पिनेल में इलैक्ट्रॉन डिग्री के स्थानीकरण को समझने के लिए इसका उपयोग, भौतिकी, पत्र ए 381, 2117 (2017)।
2. आशुतोष पटेल और सुधीर के. पाण्डेय, उच्च तापमान सीबैक गुणांक मापन यंत्र, साईंस, टेक्नोल. 45, 336 (2017)।
3. कुमार गौरव, शशांक सिसोदिया और सुधीर के. पाण्डेय, ऊष्मा विद्युत उत्पादन यंत्र का उपयोग करते हुये ऑटोमोबाइल से तापमान वसूली के लिए विभिन्न वास्तविक संभावनाओं पर विचार करके प्रभावकता का संगणन और पावर आउटपुट। जे. रीन्यू सस्टेन एंटर 9, 64703 (2017)।
4. सौरभ सिंह, देवेन्द्र कुमार और सुधीर के. पाण्डेय, उच्च ताप क्षेत्र में $\text{La}_0.82\text{Ba}_0.18\text{CoO}_3$ यौगिक के ऊष्मा विद्युत गुणों की प्रयोगात्मक और सैद्धांतिक खोज, भौतिकी, पत्र ए 381, 3101 (2017)।
5. शिव प्रसाद एस. शास्त्री और सुधीर के. पाण्डेय, Fe_2VA_1 और Fe_2TiSn यौगिकों के संरचनात्मक, इलैक्ट्रॉनिक और ऊष्मा विद्युत गुणों को समझने में विभिन्न अदला-बदली सह-सम्बन्ध कार्यक्षमता का तुलनात्मक अध्ययन, कम्प्यूट, मेटर, साईंस, 143,316 (2018)।
6. सीबनीम डुजायर*, सुमित सिन्हा रे*, सुमन सिन्हा रे और अलेक्सेण्डर एल. यारिन, "संचालित बहुलक नैनोफाइबर से पारदर्शी संचालित इलैक्ट्रोड और थिन फिल्म हीटर के रूप में उनके उपयोग।" मैक्रोमोलीक्यूलर मेटेरियल्स एण्ड इंजीनियरिंग 302, न0 10 (2017):1700188 (*प्रथम लेखक का समान योगदान)।
7. मनोज कुमार सिंह और सन्नी जफर: माइक्रोवेव सुरक्षित पोलिथाईलिन/कोर मिश्रणों के यांत्रिकीय गुणों पर माइक्रोवेव पावर का प्रभाव, जर्नल ऑफ नेचुरल फाइबरस 2018। (आई एफ: 1.076), (माइनर रीविजन)।
8. संजय सिंह तोमर, सन्नी जफर, डेविड हुइ, वी गाओ और मोहम्मद तलहा; अनियतात्मक संरचनाओं में अत्याधुनिक संरचनाएं: एक समीक्षा, पतली दीवार संरचनाएं, 2018 (प्रस्तुत संशोधित संस्करण) (आईएफ: 2.881)।
9. आशीष तिवारी, आशुतोष सिंह, नेहा गर्ग और जसप्रीत के. रन्धावा, "कुरकुमिन ऐनकैपसुलेटिड जीयोलिटीसीमाइडेज़ोलेट फ्रेमवर्क्स एस्सटिमुलि रीस्पोन्सिव ड्रग डिलीवरी सिस्टम एण्ड देयर इटरैक्शन विद बायोमिटिक एन्वायरन्मेंट साईंटिफिक", रिपोर्ट वोल्यूम 7, आर्टिकल नम्बर: 12598 (2017)।
10. वेंकटेश्वरन सी., एस.सी. शर्मा, वी. एस. चौहान और राहुल वैश, "नियर-जीरो थर्मल एक्सपैन्शन ट्रांसपेरेण्ट लिथियम एल्युमिनो सिलिकेट ग्लास-सीरेमिक बाई माइक्रोवेव हाइब्रिड हीट ट्रीटमेण्ट, जर्नल ऑफ अमेरिकन सीरेमिक सोसाइटी 101, 140-150, 2018, डीओआई- 10.1111/जेस.15178।
11. अनुरुद्ध कुमार, राहुल वैश, सिद्धांत कुमार, वीपी. सिंह, मनिश वैश, विशाल एस. चौहान, के.एस. श्रीकान्थ, "तापीय ऊर्जा उत्सर्जन के लिए सीसा मुक्त पाइरोइलैक्ट्रिक सामग्री: एक तुलनात्मक अध्ययन", ऊर्जा प्रौद्योगिकी 6, 943-949, मार्च 2018, डीओआई- 10.1002/इएनटीई. 201700819।
12. सुमीत कुमार शर्मा, विशाल एस. चौहान, चन्द्र शेखर यादव, "लौह विद्युत काँच मिट्टी से विद्युत चुम्बकीय विकिरण उत्सर्जन के लिए एक सैद्धांतिक मॉडल। मेटेरियल टुडे कन्फेरेंस, भाग 14, पीपी. 180-187 (2018)।
13. सुमीत कुमार शर्मा, राज किरण, अमित कुमार, विशाल एस. चौहान, राजीव कुमार, "प्रभावी अपभारण में

- सीमेण्ट पेस्ट से विद्युत चुम्बकीय विकिरण उत्सर्जन के लिए सैद्धांतिक मॉडल”, भौतिकी संचार की पत्रिका, भाग 2 (3), पीपी 035047, मार्च 2018 ।
14. राज किरण, अनुरुद्ध कुमार, विशाल एस. चौहान, राजीव कुमार, राहुल वैश, “एक फिनाइट पोरस सिरामिक्स 0–3 बहुलक यौगिक का उपयोग करते हुये पाइजोइलैक्ट्रिक बाइमोरफ कैण्टिलिवर के निष्पादन का सीमित तत्त्व अध्ययन”, विद्युत सामग्री की पत्रिका 47 (1), 233–241, 2018, डीओआई: 10.1007/एस 11664–017–5751–वाई ।
 15. सुमीत शर्मा, वी.पी. सिंह, हिम्मत कुशवाहा, विशाल एस. चौहान, राहुल वैश, “फोटोकैटालाइटिक स्वतः साफ होने वाला पारदर्शी 2Bi2O3 ग्लास सिरामिक्स”, जर्नल ऑफ अप्लाइड फिज़िक्स, भाग 122 (9), 094901 (2017); डीओआई : <http://dx.doi.org/10.1063/1.5001074> ।
 16. अमित कुमार, विशाल एस. चौहान, सुमीत कुमार शर्मा, राजीव कुमार, “प्रभावी अपभारण के तहत कोमल और कठोर पीजेडटी की विरूपण प्रभावित विद्युत चुम्बकीय प्रतिक्रिया”, लौह विद्युत भाग 510 (1), पीपी 170–183, 2017 ।
 17. राज किरण, अनुरुद्ध कुमार, विशाल चौहान, राजीव कुमार, राहुल वैश, “वर्द्धित ताप विद्युत निष्पादन के लिए अभियांत्रिक कार्बन नैनोट्यूब प्रबलित बहुलक यौगिक”, मटीरियल्स रिसर्च एक्सप्रेस 4, 105002, अक्टूबर 2017, एचटीटीपीएस:डीओआई.आर्ग / 10.1088 / 2053–1591 / एए89ए7 ।
 18. हिमांशु पाठक, “युग्मक एफई–एक्सईएफजी दृष्टिकोण का उपयोग करते हुये कार्यात्मक रूप से ग्रेडिड सामग्री में तीन विमितीय अर्ध स्थिर फेटिंग दरार की वृद्धि का विश्लेषण, सैद्धांतिक और प्रयुक्त भग्न यांत्रिकी (एलिसवर), भाग 92, पी 59–75, 2017, (इम्पैक्ट फैक्टर: 2.659)
 19. मण्डल एस, घोष आर. 2017, ऐड्रियों के जोड़ पर तनाव वितरण का सांख्यिकीय अध्ययन: अस्थि, स्नायु बल और स्नायुबंधन के सामग्री वितरण के प्रभाव, अस्थि विज्ञान की पत्रिका, 14 (3), 329–335 ।
 20. मृत्युंजय शुक्ला, कल्याण सिंह, गौरव त्रिपाठी, अतुल धर और ओ.पी. शर्मा; आईडीआईसीआई ईजन में 10 प्रतिशत एन बुटेनोल / डीज़ल ब्लेण्ड के निष्पादन की खोज और उत्सर्जन, ऊर्जा और पर्यावरणात्मक स्थिरता की पत्रिका, भाग 3(2017) 77–81 ।
 21. सार्थक नाग, सूर्य भारथीथंगेवीलु, गौरव त्रिपाठी, अतुल धर और अर्पण गुप्ता, एकजोस्ट लम्बी पाइप सहित स्वचलित एकजोस्ट ताप विद्युत उत्पादन यंत्र में ताप परिवर्तन का अध्ययन, भाग 3 (2017), 82–86 ।
 22. सौरभ यादव, गौरव शर्मा, सार्थक नाग, अर्पण गुप्ता, “व्याख्यान सभागार में प्रतिध्वनि समय सुधार: अध्ययन मामला, रव और दुनिया भर में कम्पन्न 01 / 2018; 49(1):14–19, डीओआई 10.1177 / 0957456517748448 ।
 23. अर्पण गुप्ता, मांगे राम, “स्थायित्व में स्टोकेस्टिक आंशिक भिन्नात्मक समीकरणों के लिए सीमित भिन्न समाधान”, औद्योगिक और तंत्र अभियांत्रिकी की अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका 01 / 2018;28 (2): 166, डीओआई:10. 1504 / आईजेआईएसई. 2018.089135 ।
 24. प्रीति गुलिया, अर्पण गुप्ता, “श्रवण सम्बन्धी स्फटिक के माध्यम से ध्वनिक तरंग प्रसारण का एक सीमित तत्त्व अध्ययन, अरैखिक अध्ययन 03 / 2017;24(1):2017 ।
 25. सार्थक नाग, अर्पण गुप्ता, अतुल धर, “समतल लहर विधि और सीमित अवयव विश्लेषण का उपयोग करते हुये प्रसारण चैम्बर ध्वनि अवरोधक में ध्वनि क्षीणन । अरैखिक अध्ययन 03 / 2017; 24(1):69–78 ।
 26. सेन, शुभमय और बैदुर्य भट्टाचार्य, “नॉन-गौसियन पैरामीटर एस्टिमेशन यूजिंग जनरेलाइज्ड पोलिनोमियल चेओस एक्सपेन्शन विद एक्सटेंडिड कालमैन फिल्टरिंग”, संरचनात्मक सुरक्षा 70 (2018):104–114

27. सेन शुभमय एट अल, "बेहतर परस्पर अंतः क्रिया पार्टिकल कालमैन फिल्टर का उपयोग करते हुये समानान्तर बल और मापक अनुमान के माध्यम से भूकम्प प्रभावित क्षति का पता करना", यांत्रिकीय तंत्र और संकेत प्रक्रम 110 (2018): 231–247 ।
28. उस्मान ए.एल., दुबे सी.एस., शुक्ला डी., पी. मिश्रा, बी.के. भारतीया, जी.पी., "सिंगरौली में प्रमुख रूप से रिहंद तालाब और इसके चारों ओर फ्लुराइड प्रदूषण के स्रोत", भारतीय भू विज्ञान सोसाइटी की पत्रिका, 2017 ।
29. शरद कुमार गुप्ता, डेरिक्स पी. शुक्ला, "गति से यूएवी और संरचना के अनुप्रयोग द्वारा भू-स्खलन का 3 डी पुनर्निर्माण", भौगोलिक सूचना विज्ञान पर 20वां एजीआईएलई सम्मेलन-2017 ।
30. गुप्ता एस. के. और शुक्ला, डी.पी., "भू-स्खलन मानचित्रण, आयाम अनुमान और इसके 3 डी पुनर्निर्माण के लिए ड्रोन का अनुप्रयोग", जर्नल ऑफ इण्डियन सोसाइटी ऑफ रीमोट सेन्सिंग-2018 ।
31. पवन कुमार, बी. विश्वनाथ, "भिन्न गीली और उत्प्रेरक व्यवहार युक्त तनावपूर्ण MoS₂ परतों की क्षैतिज और लम्बवत संरिखित वृद्धि", क्रिस्टलोग्राम, 2017 ।
32. देविन्द्र सिंह, सी.एस. यादव, बी. विश्वनाथ, VO₂ माइक्रोक्रीस्टल में सर्वत्र धातु अवरोधी अवस्थांतर चुम्बकीय अवरोध, सामग्री पत्र, 196, 248–251, 2017 ।
33. देविन्द्र सिंह, बी. विश्वनाथ, "इन सिटु नैनो मकैनिकल बिहेवियर ऑफ को-एक्जिस्टिंग इनसुलेटिंग एण्ड मेटालिक डुमेन्स इन VO₂ माइक्रोबियोम", सामग्री विज्ञान की पत्रिका, 52 (10), 5589–5599, 2017 ।
34. देविन्द्र सिंह, बी. विश्वनाथ, "VO₂ क्रिस्टल में सर्वत्र धरातल अवस्थांतर सूक्ष्म यांत्रिकीय प्रेरण का प्रत्यक्ष मापन, स्क्रिप्टा मटेरियाला, 2017 ।
35. सी.के सुशील, राजीव कुमार, विशाल एस. चौहान, "पाइजोलैमिनेटिड कार्यात्मक रूप से ग्रेडिड बेलनाकार शैल का अरैखिक कम्पन्न विश्लेषण, 2017, अरैखिक गति विज्ञान और नियंत्रण की अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका 1,1, 27–50 ।
36. सी.के सुशील, राजीव कुमार, विशाल एस. चौहान, "दाब विद्युत सामग्री का उपयोग करते हुये कार्यात्मक रूप से ग्रेडिड पतली प्लेट का सक्रिय आकार और कम्पन्न नियंत्रण", कुशल सामग्री तंत्र और संरचना की पत्रिका 28 (13), 1789–1802 (2017) ।
37. ए. चौहान, एस. पटेल, ए. कुमार, आई पानोमारीवा, आर. कुमार, आर. वैश, "लौह विद्युत सामग्री में पाइरो-पैराइलैक्टिक प्रभाव: क्यूरी सीमा से अधिक के लिए उपकरण के सन्दर्भ में", मटेरियल्स टुडे कम्प्यूनिकेशन्स 12, 146–151 (2017) ।
38. अनुरुद्ध कुमार, अंशुल शर्मा, राहुल वैश, राजीव कुमार, सतिश चन्द्र जैन, "कार्यात्मक रूप से ग्रेडिड सामग्री में दाब विद्युत प्रतिक्रिया के असंगत व्यवहार का सांख्यिकीय अध्ययन", सामग्री विज्ञान की पत्रिका 53(4), 2413–2423 (2018) ।
39. राज किरण, अनुरुद्ध कुमार, विशाल एस. चौहान, राजीव कुमार, राहुल वैश, "वर्द्धित ताप विद्युत निष्पादन के लिए अभियांत्रित कार्बन नैनोट्यूब प्रबलित बहुलक मिश्रण", मटेरियल्स रिसर्च एक्सप्रेस 4 (10), 105002 (2017) ।
40. राज किरण, अनुरुद्ध कुमार, विशाल एस. चौहान, राजीव कुमार, राहुल वैश, "पोरस/सीरामिक 0–3 बहुलक मिश्रणों का उपयोग करते हुये दाब विद्युत बाइमोरफ कॅन्टिलिवरज के निष्पादन का सीमित अवयव अध्ययन", जर्नल ऑफ इलैक्ट्रॉनिक मटेरियल्स 47(1), 233–241(2018) ।
41. अनुरुद्ध कुमार, आदित्य चौहान, राहुल वैश, राजीव कुमार, सतिश चन्द्र जैन, "थोक पैराइलैक्टिक

- Ba_{0.6}Sr_{0.4}TiO₃ का उपयोग करते हुये वाइडबैंड फ्लैक्सोइलेक्ट्रिक एनर्जी उत्सर्जक के लिए संरचनात्मक अनुकूलन”, इलेक्ट्रॉनिक सामग्री की पत्रिका 47(1), 394–401(2018)।
42. सत्यनारायण पटेल, राहुल वैश, “Ba_{0.85}Ca_{0.075}Sr_{0.075}Ti_{0.90}Zr_{0.10}O₃ सीरामिक्स के इलेक्ट्रो कैलोरिक गुणों के तापमान में गिरावट और प्रवास समय”, फेज ट्रांजीशन्स, 2017।
 43. मनिश वैश, मनिश शर्मा, राहुल वैश, विशाल सिंह चौहान, “दाब विद्युत सामग्री (PZT-5H) का उपयोग करते हुये तापीय ऊर्जा का उत्सर्जन (विकिरण के माध्यम से): एक प्रयोगात्मक अध्ययन”, लौह विद्युत पत्र, अनुभाग 44 (1–3), 35–41 (2017)।
 44. पुनीत आज़ाद, राहुल वैश, “कम ऊर्जा अनुप्रयोगों के लिए वहनीय ट्राइबोइलेक्ट्रिक आधारित वायु ऊर्जा कटाई यंत्र, द यूरोपियन फिज़िकल जर्नल प्लस 132 (6), 253 (2017)।
 45. के.एस. श्रीकान्थ, सत्यनारायण पटेल, सीबास्टियन स्टीनीर, राहुल वैश, “3BaO-3TiO₂-B₂O₃ ग्लास जोड़ने से Ba_{0.85}Sr_{0.15}Zr_{0.1}Ti_{0.9}O₃ सिरामिक्स के पाइरोइलेक्ट्रिक निष्पादन सीवन के लिए अभियांत्रित सूक्ष्म संरचना”, प्रयुक्त भौतिक विज्ञान पत्र 110 (23), 232901(2017)।
 46. एस. पटेल, ए. चौहान, एन.ए. मधार, बी. इलाही, आर. वैश, “खण्डित पिरामिड आकारिय Ba_{0.67}Sr_{0.33}TiO₃ लौह विद्युत सामग्री में पाइरो-पैराइलेक्ट्रिक प्रभाव:”, इलेक्ट्रॉनिक सामग्री की पत्रिका 46(7), 4166–4171(2017)।
 47. आदित्य चौहान, सत्यनारायण पटेल, अनुरुद्ध कुमार, इन्न पोनोमारीवा, राजीव कुमार, राहुल वैश, “लौह विद्युत सामग्री में पाइरो-पैराइलेक्ट्रिक प्रभाव: क्यूरी सीमा से ऊपर के लिए उपकरण के सन्दर्भ में”, मटेरियल्स टुडे कन्फ़ेरेंस 12, 146–151(2017)।
 48. एस.के. शर्मा, वी.पी. सिंह, वी.एस. चौहान, एच.एस. कुशवाहा, आर. वैश, “फोटोकैटालिटिक स्वतः साफ पारदर्शी 2Bi₂O₃-B₂O₃ ग्लास सीरामिक्स”, प्रयुक्त भौतिक विज्ञान की पत्रिका 122 (9), 094901(2017)।
 49. के.एस. श्रीकान्थ, एस. पटेल, आर. वैश, “ग्लास मिश्रित 0.94Bi₂O₃-0.06 BaTiO₃ सीरामिक्स में वर्द्धित इलेक्ट्रो-कैलोरिक प्रभाव”, आस्ट्रेलियायी सीरामिक सोसाइटी की पत्रिका 53 (2), 523–529(2017)।
 50. के.एस. श्रीकान्थ, आर. वैश, “BaCe_xTi_{1-x}O₃ सीरामिक्स का वर्द्धित इलेक्ट्रो-कैलोरिक, पाइरोइलेक्ट्रिक और ऊर्जा भण्डारण निष्पादन”, यूरोपीय सीरामिक सोसाइटी की पत्रिका 37(13), 3927–3933(2017)।
 51. के.एस. श्रीकान्थ, वी.पी. सिंह, आर. वैश, “पोरस BaSn_{0.05}Ti_{0.95}O₃ सीरामिक्स के गुणों का वर्द्धित दाब विद्युत आंकड़ा”, यूरोपीय सीरामिक सोसाइटी की पत्रिका 37(13), 3943–3950(2017)।
 52. एस. पटेल, ए. चौहान, आर. वैश, सी.एस. लिंग, “Pb_{0.99}Nb_{0.02}(Zr_{0.95}Ti_{0.05})_{0.08}O₃ सीरामिक्स में बड़ा बारकैलोरिक प्रभाव और दबाव युक्त इलेक्ट्रो-कैलोरिक प्रभाव”, अमेरिकी सीरामिक सोसाइटी की पत्रिका 100(10), 4902–4911(2017)।
 53. एच.एस. कुशवाहा, ए. हल्दर, पी. थोमस, आर. वैश, “CaCu₃Ti₄O₁₂: क्षारीय माध्यम में ऑक्सीजन विकास और कम प्रतिक्रिया के लिए दोहरा कार्यात्मक परोवस्काइट इलेक्ट्रो-कैटालिस्ट”, इलेक्ट्रो-कैमिका एक्टा 252, 532–540(2017)।
 54. एम.एकोस्टा, एन. नोवाक, वी. रोजास, एस. पटेल, आर. वैश, जे. कोरुज़ा, जी.ए. रोस्सेटी जे.आर., “BaTiO₃ आधारित पाइरोइलेक्ट्रिक्स: आधार, वर्तमान स्थिति और सम्भावनाएं”, प्रयुक्त भौतिक विज्ञान समीक्षा 4(4), 041305 (2017)।
 55. ए. चौहान, एस. पटेल, एस. विंग, एन. नोवेक, बीएक्स एक्सयू, पीएलवी, आर. वैश, सीएस लिंग, “जलस्थैतिक

- दबाव में लौह विद्युत सामग्री का वर्द्धित निष्पादन”, प्रयुक्त भौतिक विज्ञान की पत्रिका, 122(22), 224105(2017)।
56. के.एस. श्रीकान्थ, वी.पी. सिंह, आर. वैश, “पोरस $Ba_{0.85}Sr_{0.15}TiO_3$ सीरामिक्स का पाइरोइलैक्ट्रिक निष्पादन”, प्रयुक्त सीरामिक प्रौद्योगिकी की अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका 15(1), 140–147(2018)।
 57. सी. वेंकटेश्वरन, एस.सी. शर्मा, वी.एस. चौहान, आर. वैश, “माइक्रोवेव हाइब्रिड ताप उपाय द्वारा जीरो तापीय प्रसारण पारदर्शी लिथियम एल्युमिनोसिलिकेट ग्लास सीरामिक के समीप”, अमेरिकन सीरामिक सोसाइटी की पत्रिका 101(1), 140–150 (2018)।
 58. के.एस. श्रीकान्थ, एच.एस. कुशवाहा, आर. वैश, “ $Ba.CexTi_{1-x}O_3$ सीरामिक्स का सूक्ष्म संरचनात्मक और फोटोकैटालिटिक निष्पादन”, अर्धचालक प्रक्रम में सामग्री विज्ञान 73, 51–57 (2018)।
 59. एच.एस. कुशवाहा, ए. हल्दर, आर. वैश, “लौह विद्युत ध्रुवीकरण का सह क्रियात्मक प्रभाव सहित ऑक्सीजन विकास प्रतिक्रिया के लिए सामग्री की नयी श्रेणी”, सामग्री विज्ञान की पत्रिका 53(2), 1414–1423 (2018)।
 60. ए. कुमार, आर. किरण, एस. कुमार, वी.एस. चौहान, आर. कुमार, आर. वैश, “स्वतः समर्थित पेसमेकर अनुप्रयोग के लिए पाइजोइलैक्ट्रिक ऊर्जा कटाई यंत्र” सार्वभौमिक चुनौतियां 2 (1), 1700084 (2018)।
 61. ए. कुमार, आर. किरण, एस. कुमार, वी.एस. चौहान, आर. कुमार, आर. वैश, ऊर्जा कटाई: “स्वतः समर्थित पेसमेकर अनुप्रयोग के लिए दाब विद्युत ऊर्जा कटाई यंत्र का तुलनात्मक सांख्यिकीय अध्ययन (सार्वभौमिक चुनौतियां 1 / 2018)”, सार्वभौमिक चुनौतियां 2(1), 1870001 (2018)।
 62. वी.पी. सिंह, के. सन्दीप, एच.एस. कुशवाहा, एस. पोवार, आर. वैश, सीमेंट मिश्रण युक्त ZnO सूक्ष्म सूई का फोटोकैटालिटिक, हाइड्रोफोबिक और सूक्ष्मजीव रोधी चरित्रण”, निर्माण और भवन सामग्री 158, 285–294(2018)।
 63. ए. कुमार, ए. शर्मा, आर. कुमार, आर. वैश, शीशा मुक्त पाइजोइलैक्ट्रिक सीरामिक्स का उपयोग करते हुये ध्वनिक ऊर्जा कटाई का सीमित अवयव अध्ययन”, इलैक्ट्रॉनिक सामग्री की पत्रिका 47(2), 1447–1458 (2018)।
 64. के. श्रीकान्थ, एस. पटेल, आर. वैश, “ $BaTi_{1-x}Sn_xO_3$ सीरामिक्स का पाइरोइलैक्ट्रिक निष्पादन”, प्रयुक्त सीरामिक प्रौद्योगिकी की अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका 15(2), 546–553(2018)।
 65. ए. कुमार, आर. किरण, वी.एस. चौहान, आर. कुमार, आर. वैश, “पेसमेकर अनुप्रयोग के लिए पाइजोइलैक्ट्रिक ऊर्जा कटाई यंत्र: एक तुलनात्मक अध्ययन: सामग्री अनुसंधान एक्सप्रेस (2018)।
 66. के.एस. श्रीकान्थ, एस. पटेल, एस. स्टीनीर, आर. वैश, “ $(Ba,Ca)TiO_3-xBa(SnTi)O_3$ सीरामिक्स में पाइरोइलैक्ट्रिक संकेत: दर्पण आधारित सीरामिक्स के लिए एक व्यवहार्य विकल्प”, स्क्रिप्टा मेटेरियला 146, 146–149 (258)।
 67. वी.पी. सिंह, एच.एस. कुशवाहा, आर. वैश, “ $SrBi_2B_2O_7(SrO-Bi_2O_3-B_2O_3)$ पारदर्शी ग्लास सीरामिक्स का फोटोकैटालिटिक अध्ययन, मेटेरियल्स रिसर्च बुलेटिन 99, 453–459 (2018)।
 68. अंकित गुप्ता, मोहम्मद तलहा, “बहुपद रहित उच्च क्रम अपरूपण और सामान्य विरूपण सिद्धांत का उपयोग करते हुये विंकलर–पेस्टरनेक लचीले आधार पर निर्भर कार्यात्मक रूप से श्रेणीबंध प्लेटों की कम्पन्न मुक्त और आनमनी प्रतिक्रिया, उन्नत सामग्री और संरचनाओं की यांत्रिकी (2017), प्रेस में।
 69. अंकित गुप्ता, मोहम्मद तलहा, “बहुपद रहित उच्च क्रम अपरूपण और सामान्य विरूपण सिद्धांत का उपयोग करते हुये कार्यात्मक रूप से ग्रेडियंट प्लेट की आनमनी और कम्पन्न प्रतिक्रिया की संरन्धता का प्रभाव, यांत्रिकी और सामग्री में डिज़ाइन की अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका (2017)।

70. अंकित गुप्ता, मोहम्मद तलहा, "अति परवलयिक उच्च क्रम अपरुण और सामान्य विरूपण सिद्धांत का उपयोग करते हुये ज्यामितीय अपूर्ण ग्रेडियंट प्लेटों की अरैखिक आनमनी और कम्पन्न प्रतिक्रिया, कम्पोजिट्स भाग बी: अभियांत्रिकी 123, 241–261 (2017)।
71. अंकित गुप्ता, मोहम्मद तलहा, "नये अति परवलयिक अपरुण और सामान्य विरूपण सिद्धांत का उपयोग करते हुये सीमित अवयव प्रतिमान एफजीएम प्लेटों का बड़ा आयाम मुक्त आनमनी कम्पन्न विश्लेषण, अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी 67, 287–308(2017)।
72. एस.एस. तोमर, मोहम्मद तलहा, "तापीय पर्यावरण में कार्यात्मक रूप से क्रमिक परतदार तिरछी प्लेटों का बड़ा आयाम कम्पन्न विश्लेषण, उन्नत सामग्री में यांत्रिकी और संरचना, 1–14 (2017)।
73. अंकित गुप्ता, मोहम्मद तलहा, "सूक्ष्म संरचनात्मक त्रुटि सहित पेस्टरनेक इलास्टिक आधार पर निर्भर ज्यामितीय अपूर्ण एफजीएम प्लेटों का स्थिर और स्थायित्व चरित्रण, विज्ञान और अभियांत्रिकी की अरबी पत्रिका, 1–17 (2018)।
74. अंकित गुप्ता, मोहम्मद तलहा, "रेखा गणित के अनुसार अपूर्ण ग्रेडियंट प्लेट का व्याकुंचनोत्तर और बड़े आयाम कम्पन्न पर सूक्ष्म संरचनात्मक त्रुटियों का प्रभाव, अरैखिक गतिकी, 1 से 18 (2018)।
75. मोहम्मद आमिर, मोहम्मद तलहा, "अपरुण विरूप्य कार्यात्मक रूप से क्रमिक वक्र बिमों का सूक्ष्म संरचनात्मक त्रुटियों सहित तापप्रत्यास्थ कम्पन्न, संरचनात्मक स्थायित्व और गतिकी की अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका, स्वीकृत (2018)।
76. अंकित गुप्ता, मोहम्मद तलहा, वोल्फगैंग सीमन्न, "बहुपद रहित उच्च क्रम अपरुण और सामान्य विरूपण सिद्धांत का उपयोग करते हुये विकलर-पेस्टरनेक लचीले आधार पर निर्भर कार्यात्मक रूप से क्रमिक प्लेटों की कम्पन्न मुक्त और आनमनी प्रतिक्रिया, उन्नत सामग्री और संरचनाओं की यांत्रिकी 25 (6), 523–538(2018)।
77. संजय सिंह तोमर और मोहम्मद तलहा, "तापीय वातावरण में अपूर्ण संवेदनशील उच्च क्रम कार्यात्मक रूप से क्रमिक सामग्री तिरछी सैण्डविच प्लेटों का आनमनी और कम्पन्न व्यवहार, यांत्रिकी अभियांत्रिकी संस्थान की कार्यवाही, भाग सी: यांत्रिकी अभियांत्रिकी विज्ञान की पत्रिका, स्वीकृत (2018)।
78. बन्धना देवी, मंगिली वेंकटेश्वरलु, हिम्मत सिंह कुशवाहा, अदिति हल्दर और ऋक् रानी कोडार, "पोलिकार्बोक्सील डेकोरेटिड Fe(III)बेस्ड एक्सरोजल डीराइड्ड मल्टीफंक्शनल कम्पोजिट ऐज ऐन एफिसिएण्ट इलैक्ट्रोड मेटेरियल टुवर्डज़ ऑक्सीजन रीडक्शन रीएक्शन एण्ड सुपरकैपेसिटर एप्लिकेशन" कैम., यू.जे. 2018, 24,6586–6594 (हॉट पेपर)।
79. हरप्रीत कौर, मंगिली वेंकटेश्वरलु, सुनील कुमार, वेंकटा कृष्णाना और ऋक् रानी कोडार*, "जैविक परिवर्तन और पर्यावरणात्मक उपचार के लिए धातु-जैविक संरचना निर्माण आधारित बहुविकल्पात्मक उत्प्रेरक मंच", डाल्टन ट्रान्स, 2018, 47, 1488–1497
80. मंगिली वेंकटेश्वरलु, दीक्षा गम्भीर, हरप्रीत कौर, विनीथ डेनियल, प्रसेनजीत मण्डल और ऋक् रानी कोडार*, "लौंग रेंज इमिसिव इनऑर्गेनिक हाइब्रिड मेटेरियल विद् पेरिफेरल कार्बोक्सील फंक्शनल्टी फॉर ऐज (वी) रीकोग्निशन एण्ड इट्स एप्लिकेशन इन बायोइमेजिंग" डाल्टन ट्रान्स, 2017, 46, 13118–13125

आधार विज्ञान स्कूल (एसबीएस)

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी में आधारभूत विज्ञान स्कूल गणित, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान तथा जीव विज्ञान के विषयों का समूह है। इस स्कूल में 35 प्राध्यापक हैं, जिन्हें समकालीन अनुसंधान के क्षेत्रों में विशेषज्ञता प्राप्त है। स्कूल ने वर्ष 2010 में पीएच.डी. कार्यक्रम प्रारम्भ किया। वर्तमान में 120 अनुसंधान छात्र विभिन्न विषयों के अनुसंधान कार्य में प्रवेशित हैं। स्कूल का उद्देश्य अनुसंधान एवम् शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिये निर्विघ्न व्यवस्था करना है, जिसकी विश्वस्तरीय पहचान हो। स्कूल ने वर्ष 2014 से कार्बनिक रसायन विज्ञान, अकार्बनिक रसायन विज्ञान, भौतिक रसायन विज्ञान तथा लघु विज्ञान जैसे विभिन्न विषयों में विशेषज्ञता वाले रसायन विज्ञान स्नातक कार्यक्रम आरम्भ किये हैं। वर्तमान में इस विशेष कार्यक्रम में 50 छात्र हैं। आधार विज्ञान स्कूल ने वर्ष 2015 से इंटीग्रेटेड पी.एच.डी. कार्यक्रम भी आरम्भ किया है, जिसमें अब तक 17 छात्र प्रवेशित हैं। वर्ष 2016 में एम.एससी. गणित और एम.टैक. कार्यक्रम आरम्भ किये हैं, जिसमें अब तक क्रमशः 27 और 18 छात्र प्रवेशित हैं। स्कूल के प्राध्यापक विभिन्न शोध परियोजनाओं पर अपने अभियांत्रिक साथियों के साथ मिलकर कार्य कर रहे हैं।

प्राध्यापक

डॉ. सैयद अब्बास

अध्यक्ष और सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: विभेदक समीकरण और

पारिस्थितिक प्रतिरूपण

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर से पी.एच.डी. (2009)

गृह नगर: गोंडा, उत्तर प्रदेश

दूरभाष: 01905-267148

ई-मेल: abbas

अध्यक्ष ई-मेल: chairsbs

डॉ. अदिति हल्दर

सहायक प्राध्यापिका

विशेषज्ञता: नवीकरण ऊर्जा, सूक्ष्म

इलेक्ट्रॉनिक्स तथा संवेदक के उपयोग के लिए नई

कार्यात्मक सूक्ष्म सामग्री का प्रारूप तथा विकास

भारतीय विज्ञान संस्थान से 2009 में पी.एच.डी.

गृह नगर: कलकत्ता, पश्चिमी बंगाल

दूरभाष: 01905-267140

ई-मेल: aditi

डॉ. अजय सोनी

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: सूक्ष्म सामग्री तथा प्रयोगात्मक

सघन पदार्थ भौतिक विज्ञान

वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए यूजीसी-

डीएई संघ इन्दौर से पी.एच.डी. (2009)

दूरभाष: 01905-267135

ई-मेल: ajay

डॉ. अमित जायसवाल

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: सूक्ष्म जैव प्रौद्योगिकी

भा.प्रौ.सं. गुवाहाटी से पी.एच.डी. (2013)

गृह नगर: कलकत्ता, पश्चिमी बंगाल

दूरभाष: 01905-267137

ई-मेल: j.amit

डॉ. अमित प्रसाद

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: प्रतिरक्षाविज्ञान / सूक्ष्म जैविकी

संजय गान्धी स्नातकोत्तर चिकित्सा

विज्ञान संस्थान, लखनऊ से पी.एच.डी. (2008)

गृह नगर: रांची, झारखण्ड

दूरभाष: 01905-267136

ई-मेल: amitprasad

डॉ. अनिरुद्ध चक्रवर्ती

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: सैद्धांतिक रसायन विज्ञान

भारतीय विज्ञान संस्थान बंगलौर से

पी.एच.डी. (2005)

गृह नगर: कलकत्ता, पश्चिमी बंगाल

दूरभाष: 01905-267145

ई-मेल: achakraborty

प्रा. अर्घ्य तरफदार

अभ्यागत प्राध्यापक

विशेषज्ञता: सघन पदार्थ भौतिक विज्ञान

दूरभाष: 01905-267803

ई-मेल: arghya

डॉ. आरती कश्यप

सहयोगी प्राध्यापिका (संयुक्त नियुक्ति)

विशेषज्ञता: चुम्बकत्व और चुम्बकीय सामग्री

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की से पी.एच.डी.

गृह नगर: मण्डी, हिमाचल प्रदेश

दूरभाष: 01905-267042

ई-मेल: arti

डॉ. बिन्दु राधामणि

सहायक प्राध्यापिका

विशेषज्ञता: एक्स-रे स्पेक्ट्रोमीट्री

यूजीसी-डीएई, वैज्ञानिक अनुसंधान संघ
इन्दौर से पी.एच.डी. (2005)

गृह नगर: कोल्लम, केरल

दूरभाष: 01905-267060

ई-मेल: bindu

डॉ. चयन के. नन्दी

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: भौतिक रसायन विज्ञान

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर से
पी.एच.डी. (2006)

गृह नगर: सारंगपुर, बंकुरा, पश्चिम बंगाल

दूरभाष: 01905-267047

ई-मेल: chayan

डॉ. सी.एस. यादव

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: निम्न तापीय भौतिक विज्ञान

जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय से
पी.एच.डी. (2008)

दूरभाष: 01905-267135

ई-मेल: shekhar

डॉ. हरि वर्मा

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: परमाणु और आण्विक भौतिक विज्ञान

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास से
पी.एच.डी. (2008)

गृह नगर: कोची, केरल

दूरभाष: 01905-267064

ई-मेल: hari

डॉ. कल्पेश हरिया

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: संचालक सिद्धांत

भा.प्रौ.सं. बॉम्बे से पी.एच.डी. (2014)

गृह नगर: जामनगर, गुजरात

दूरभाष: 01905-267114

ई-मेल: kalpesh

डॉ. कौस्तव मुखर्जी

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: प्रयोगात्मक संघनित पदार्थ भौतिक विज्ञान

यूजीसी-डीएई, वैज्ञानिक अनुसंधान संघ
से पी.एच.डी. (2008)

गृह नगर: कलकत्ता, पश्चिमी बंगाल

दूरभाष: 01905-267043

ई-मेल: kaustav

प्रा. केन्थ गोन्सेल्वज

विशिष्ट अभ्यागत प्राध्यापक

विशेषज्ञता: सामग्री संश्लेषण

मैस्साचुसैट्स विश्वविद्यालय,
एम्पहैस्टर से पी.एच.डी.

गृह नगर: चारलोट्ट, एनसी, यूएसए

दूरभाष: 01905-237976

ई-मेल: Kenneth

डॉ. मनोज ठाकुर

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: अनुकूलन, कोमल अभिकलन,

मशीन अधिगम और अभिकलनात्मक

वित्त हेतु इसका प्रयोग

भा.प्रौ.सं. रुड़की से पी.एच.डी. (2007)

गृह नगर: रुड़की, उत्तराखण्ड

दूरभाष: 01905-267154

ई-मेल: manoj

डॉ. मुस्लिम मलिक

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: विभेदक समीकरण

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर से
पी.एच.डी. (2006)

गृह नगर: बलरामपुर, उत्तर प्रदेश

डॉ. नीतू कुमारी

सहायक प्राध्यापिका

विशेषज्ञता: विभेदक समीकरण, गतिशील

व्यवस्थाएं, अरैखिक गतिशीलता

भारतीय खान स्कूल धनबाद से

पी.एच.डी. (2009)

दूरभाष: 01905-267119
ई-मेल: muslim

डॉ. प्रदीप कुमार

अभ्यागत सहायक प्राध्यापक (डीएसटी के तहत)
विशेषज्ञता: रमण और अनारक्त स्पेक्ट्रोमिकी
भारतीय विज्ञान संस्थान बंगलौर से पी.एचडी. (2014)
गृह नगर: रोहतक, हरियाणा
दूरभाष: 01905-267152
ई-मेल: pkumar

डॉ. प्रदीप परमेश्वरन

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: अकार्बनिक / सामग्री / सूक्ष्म
रसायन विज्ञान
हैदराबाद विश्वविद्यालय से पी.एचडी. (2006)
गृह नगर: वाराणसी, थिस्सुर, जिला केरल
दूरभाष: 01905-237931 / 267045
ई-मेल: pradeep

डॉ. प्रेम फेलिक्स सिरिल

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: सूक्ष्म सामग्री रसायन विज्ञान
डी.डी.यू. गोरखपुर विश्वविद्यालय से पी.एचडी. (2003)
गृह नगर: थिरुवनन्तपुरम, केरल
दूरभाष: 01905-267040
ई-मेल: prem

डॉ. केसर जहान

सहायक प्राध्यापिका
विशेषज्ञता: हारमोनिक और वेवलेट विश्लेषण
आईएसआई कलकत्ता से पी.एचडी. (2014)
गृह नगर: इलाहाबाद
दूरभाष: 01905-267050
ई-मेल: qaiser

डॉ. राजेन्द्र के. रे

सहायक प्राध्यापक

गृह नगर: धनबाद, झारखण्ड
दूरभाष: 01905-267057
ई-मेल: nitu

डॉ. प्रद्युम्न कुमार पाठक

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: प्रमात्रा प्रकाशिकी, प्रमात्रा
सूचना और सूक्ष्म फोटोनिक्स
भौतिकी अनुसंधान प्रयोगशाला,
अहमदाबाद से पी.एचडी.
गृह नगर: मथुरा, उत्तर प्रदेश
दूरभाष: 01905-267046
ई-मेल: ppathak

डॉ. प्रसान्थ पी. जोस

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: कोमल संघनित पदार्थ
भौतिक विज्ञान
भारतीय विज्ञान संस्थान बंगलौर से पी.एचडी. (2005)
गृह नगर: पालाक्कड, केरल
दूरभाष: 01905-267064
ई-मेल: prasanth

डॉ. प्रसेन जीत मण्डल

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: आण्विक अन्तःस्राव विज्ञान
और उपापचय
जीवन विज्ञान संस्थान भुवनेश्वर से
पी.एचडी. (2008)
गृह नगर: बाबूनपुर, बुरदवान
दूरभाष: 01905-267135
ई-मेल: prosenjit

डॉ. रजनीश गिरि

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: जैव भौतिकी और मुड़वां
प्रोटीन, स्वतः अव्यवस्थित प्रोटीन,
टी सेल कैंसर अभियांत्रिकी, प्रोटीन अभियांत्रिकी
सपेआइंजा विश्वविद्यालय रोम, ईटली से
पी.एचडी. (2013)
गृह नगर: इलाहाबाद
दूरभाष: 01905-267154
ई-मेल: rajanishgiri

डॉ. सरिता आज्ञाद

सहायक प्राध्यापिका

विशेषज्ञता: अभिकलनात्मक द्रव
गतिशीलता, पी.डी.ई. हेतु सांख्यिक विधियां
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गुवाहाटी
से पी.एचडी. (2009)
गृह नगर: सैंथिया, पश्चिमी बंगाल
दूरभाष: 01905-267041
ई-मेल: rajendra

डॉ. श्याम कुमार मासाकपल्ली

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: जीव विज्ञान उपापचय प्रणाली
और मेटाबोलिक्स),
वनस्पति और सूक्ष्मजीवी उपापचय,
एनएमआर और जीसी-एमएस.
ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय यू.के. से पी.एचडी. (2012)
गृह नगर: रायागड़, उड़ीसा
दूरभाष: 01905-267147
ई-मेल: shyam

डॉ. सुब्रता घोष

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: कार्बनिक रसायन शास्त्र में
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गुवाहाटी से
से पी.एचडी. (2006)
गृह नगर: बोलपुर-शान्तिनिकेतन, पश्चिमी बंगाल
दूरभाष: 01905-267065
ई-मेल: subrata

डॉ. वेंकटा कृष्णन

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: सामग्री रसायन विज्ञान, एक्स-रे विज्ञान,
स्ट्रुटगार्ट, विश्वविद्यालय जर्मनी से पी.एचडी. (2006)
गृह नगर: कोयम्बटूर, तमिलनाडु
दूरभाष: 01905-267065
ई-मेल: vkn

डॉ. नेहा गर्ग

दिनांक 31 जुलाई, 2016 तक डीएसटी
इन्स्पायर संकाय सहयोगी
दिनांक 1 अगस्त, 2016 से अब तक रामानुजन सहयोगी
विशेषज्ञता: कैंसर जीव विज्ञान, स्टैम शैल्ज
स्पाइजा विश्वविद्यालय रोम, ईटली से पी.एच.डी. (2013)
गृह नगर: दिल्ली
दूरभाष: 01905-267155
ई-मेल: neha

विशेषज्ञता: सांख्यिकीय काल श्रेणी विश्लेषण
दिल्ली विश्वविद्यालय और भारतीय विज्ञान
संस्थान बंगलौर से पी.एचडी. (2008)
गृह नगर: नई दिल्ली
दूरभाष: 01905-267141
ई-मेल: sarita

डॉ. सुमन कल्याण पाल

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: तीव्र और अति तीव्र लेसर (फ्लुक्सोमिक्स
स्पेक्ट्रोमिमी
विज्ञान संवर्धन के लिए भारतीय संघ, जादवपुर
से पी.एचडी. (2006)
गृह नगर: कटवा, पश्चिमी बंगाल
दूरभाष: 01905-267040
ई-मेल: suman

डॉ. तुलिका प्रकाश श्रीवास्तवा

सहायक प्राध्यापिका (रामालिंगास्वामी
सहयोगी, डीबीटी)
विशेषज्ञता: जैव सूचना विज्ञान, जैव प्रणाली,
मेटाजीनोमिक्स, तुलनात्मक जीनोमिक्स, प्रोटीन
फलन और संरचनात्मक विश्लेषण आईजीआईबी,
सीएसआईआर, दिल्ली से पी.एचडी. (2005)
गृह नगर: दिल्ली
दूरभाष: 01905-237922
ई-मेल: tulika

संकाय सहभागी

डॉ. केतकी घोष

शिक्षण सहभागी
विशेषज्ञता: कृत्रिम कार्बनिक रसायन विज्ञान
भा.प्रौ.सं. खड़गपुर से पी.एच.डी. (2015)
गृह नगर: सुरी, बिरभूम, पश्चिमी बंगाल
ई-मेल: ketaki

डॉ. स्वता त्रिपाठी

रामालिंगास्वामी संकाय सहयोगी
विशेषज्ञता: विरोलॉजी, इन्नेट इम्युनिटी
कैंसर जीव विज्ञान
पी.एचडी.: बोस्टन विश्वविद्यालय
गृह नगर: गोरखपुर
ई-मेल: shwetatripathi

अनुसंधान परियोजनाएं

बाह्य प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाएं

क्रमांक	भा.प्रौ.सं. मण्डी सन्दर्भ/परियोजना संख्या	परियोजना का नाम	प्रायोजित कम्पनी	परियोजना अन्वेषक और समन्वयक	स्वीकृत राशि (₹.)	अवधि
1	आईआईटीएम/डीबीटी/टीपीएस/36	मानव लघु जैव क्षेत्र की तलाश: प्री और प्रो जैविकी के लिए उम्मीदवारों का चयन	रामालिंगास्वामी पुनः प्रवेश सहभागिता -डीबीटी	डॉ. तुलिका पी. श्रीवारस्ता	82,00,000	5 वर्ष
2	आईआईटीएम/एनबीएचएम/आरआरवाई/47	विभिन्न अनिरन्तरताओं से युक्त दीर्घाकार समीकरणों के लिए उच्चतर क्रम सांख्यिकी योजनाओं का विकास और निमज्जित अंतरापृष्ठ समस्याओं में इनके अनुप्रयोग	एनबीएचएम (डीआई)	डॉ. राजेन्द्र कुमार रे	2,99,500	3 वर्ष
3	आईआईटीएम/बीआर एनएस/आरकेआर/51	झीलों/नदियों में प्रदूषित अवसाद परिवहन की मॉडलिंग	बीआरएमएस (डीआई)	प.अ.: डॉ. राजेन्द्र कुमार रे स.प.अ.: डॉ. ओ.पी सिंह	21,07,100	3 वर्ष
4	आईआईटीएम/सीएसआई आर/एसकेपी/70	इलेक्ट्रॉनिक तरीके से संयुग्मित अति सूक्ष्म क्रिस्टल का संवाहक प्रजनन और उत्सर्जन	सीएसआईआर	डॉ. सुमन के. पाल	12,58,000	3 वर्ष
5	आईआईटीएम-डीएसटी-वी आर/एसकेपी/76	नये सौर साधनों के लिए मात्रा बिन्दु	डीएसटी-वीआर	डॉ. सुमन के. पाल, प्रो. टोनु पुलीरिटस (लण्ड विश्वविद्यालय, स्वीडन)	40,27,000	3 वर्ष
6	आईआईटीएम-एसईआरबी/एसकेपी/81	यन्त्र प्रभावकता को सुधारने के लिए रासायनिक संरचना अभियांत्रिकी: नये जैविक बहुलक/सूक्ष्म अणुओं और फोटोवोल्टिक के लिए उनके अति सूक्ष्म घटक	एसईआरबी	डॉ. सुमन कल्याण पाल स.प.अ. डॉ. सुब्रता घोष, डॉ. सी.के. नन्दी, डॉ. सुरेश चन्द (एनपीएल), डॉ. राजीव कुमार सिंह (एनपीएल)	43,64,000	3 वर्ष
7	आईआईटीएम/यूजीसी-डी ईई/बीआर/83	कुछ नवीन पारगमन धातु ऑक्साईड की इलेक्ट्रॉनिक संरचना पर विमीयता प्रभाव	यूजीसी-डीईई	डॉ. बिन्दु राधामनि	2,29,800	3 वर्ष
8	आईआईटीएम/बीआरएन एस/एस/84	चालकोजीनाईड आधारित ऊष्मा विद्युत अतिसूक्ष्म यौगिकों के अध्ययन हेतु उच्च ऊष्मा विद्युत परिवहन उपायों का विकास	बीआरएनएस	डॉ. अजय सोनी	2,500,000	3 वर्ष
9	आईआईटीएम/एसईआरबी/एस/85	चालकोजीनाईड आधारित ऊष्मा विद्युत अतिसूक्ष्म यौगिकों के अध्ययन हेतु उच्च ऊष्मा विद्युत परिवहन उपायों का विकास	एसईआरबी	डॉ. अजय सोनी	2,600,000	3 वर्ष
10	आईआईटीएम/डीबीटी/एपी/88	ऊष्मा विद्युत अनुप्रयोगों के लिए परतदार चालकोजीनाईड अति सूक्ष्म यौगिक	डीबीटी	डॉ. अमित प्रसाद	3,250,000	5 वर्ष
11	आईआईटीएम/डीएसटी/एकेपी/91	प्रतिरक्षा अभिक्रियाशील कोशिकाओं पर टेनीया सोल्लम का प्रतिरक्षा-मॉडुलक प्रभाव और रोगजनन में उनकी भूमिका	डीएसटी	डॉ. आरती कश्यप	31,40,000	3 वर्ष

12	आईआईटीएम / डीएसटी / वीके / 92	सीएसटीआरआई योजना के अंतर्गत पहाड़ी क्षेत्र के लिए नवीन प्रौद्योगिकी केन्द्र की स्थापना	डीएसटी-एसईआरबी	डॉ. वेंकटा कृष्णन	20,87,000	3 वर्ष
13	आईआईटीएम / डीएसटी / इन्स्पायर / पीके / 95	रमन प्रकीर्णन द्वारा खोजा गया विद्युत चुम्बकीय गतिकी भौतिक विज्ञान	डीएसटी-इन्स्पायर	डॉ. प्रदीप कुमार	35,00,000	5 वर्ष
14	आईआईटीएम / डीएसटी / एनजी / 96	फेफड़े के कैंसर की मूल कोशिकाओं में जाहक मॉड्यूलक मार्ग की पहचान	डीएसटी-इन्स्पायर	डॉ. नेहा गर्ग	35,00,000	5 वर्ष
15	आईआईटीएम / डीएसटी / एएच / 97	संधारणीय भविष्य हेतु मानव जनित कार्बन डाईऑक्साइड का प्रयोग करते हुये अक्षय ऊर्जा स्रोतों का उत्पादन करना	डीएसटी-एसईआरबी	डॉ. अदिति हल्दर	30,40,000	3 वर्ष
16	आईआईटीएम / इसरो एसजी / 98	अर्धचालक प्रयोगशाला (एससीएल) मण्डी में 180 नैनोमीटर प्रक्रम प्रौद्योगिकी हेतु स्थानीय डीयूवी फोटोरीसिस्टज का विकास: मेक इन इंडिया	आईएसआरओ	डॉ. सुब्रता घोष	81,00,000	3 वर्ष
17	आईआईटीएम / एसईआरबी / एजे / 99	थीरेनॉस्टिक्स अनुप्रयोग हेतु उद्दीपन अनुक्रियाशील अति सूक्ष्म कुशल संवाहक	एसईआरबी	डॉ. अमित जायसवाल	22,56,000	3 वर्ष
18	आईआईटीएम / एसईआरबी / आरजी / 100	स्वतः क्रमहीन प्रोटीन: एडीनोवायरल ऑनकोप्रोटीन E1A के साथ इसके सहायक TAZ2 के पार सक्रियण क्षेत्र की वलित और बंध क्रियाविधि	एसईआरबी	डॉ. रजनीश गिरि	27,36,000	3 वर्ष
19	आईआईटीएम / डीएसटी-जीआईटीए / एसजी / 101	20 नैनोमीटर नोड या इसके ऊपर के नैनोइलेक्ट्रॉनिक्स हेतु नवीन अरासायनिक रूप से वर्धित आण्विक फोटोरीसिस्ट	डीएसटी-जीआईटीए	डॉ. सुब्रता घोष	29,29,500	3 वर्ष
20	आईआईटीएम / एसईआरबी / पीएम / 107	इन्सुलिन प्रतिरोध और मधुमेह के रोगजनन में हाइपर इन्सुलिनेमिया की भूमिका	एसईआरबी	डॉ. प्रसेनजीत मण्डल	44,41,352	3 वर्ष
21	आईआईटीएम / इसरो-एससीएल / एएच / 108	सूक्ष्म इलेक्ट्रॉनिक्स अनुप्रयोग के लिए अर्धकुचालक प्रयोगशाला (एससीएल), मोहाली में स्वदेशी रासायनिक मशीनी मिश्रणों के पोलिश का विकास	एससीएल मोहाली	प.अ.: डॉ. अदिति हल्दर, स.प.अ.: डॉ. वेंकटा कृष्णन, डॉ. ऋक् रानी कोडार	69,60,000	3 वर्ष
22	आईआईटीएम / डीबीटी / एजे / 111	कैंसर चिकित्सा और निदान के लिए नये प्लाजमोनिक सूक्ष्म कैपसूल की अभियांत्रिकी	डीबीटी	डॉ. अमित जायसवाल	19,31,000	3 वर्ष
23	आईआईटीएम / एसईआरबी -आरएफ / एनजी / 113	रामानुजन फेलोशिप	एसईआरबी	डॉ. नेहा गर्ग	89,00,000	5 वर्ष

24	आईआईटीएम / डीएसटी / एकेपी / 118	सामाजिक हित के लिए जोखिम वाले चीड़ के सूखे कांटों का पर्यावरण के अनुकूल उपयोग	डीएसटी	डॉ. आरती कश्यप	19,13,000	2 वर्ष
25	आईआईटीएम / एमएचआरडी (यूएवाई) / एसजी / 121	अर्धकुचालक उद्योगों हेतु स्वदेशी फोटोरीसिस्ट प्रौद्योगिकी का विकास: भारतीय अर्थव्यवस्था, कुशल श्रमिक विकास और रोजगार की सम्भावनाओं पर प्रभाव	एमएचआरडी	डॉ. सुब्रता घोष (प.अ.), डॉ. सतिन्द्र के. शर्मा (स.प.अ.), डॉ. प्रदीप सी. परमेश्वरन (स.प.अ.)	239,00,000	3 वर्ष
26	आईआईटीएम / डीबीटी / एसकेएम / 126	मॉडल पौधे के रोगाणु रालरस्टोनिया सोलेनेसीरम का आरएनए अनुक्रमण के साथ जीनोम पैमाने पर उपापचय सम्बन्धी विश्लेषण का समाकलन और फल्युमिक्स	डीबीटी	डॉ. श्याम मासाकपल्ली (भा.प्रौ.सं. मण्डी), डॉ. सिद्धार्थ सतापथी (तेजपुर विश्वविद्यालय); स.प.अ.: डॉ. तुलिका श्रीवास्तवा (भा.प्रौ.सं. मण्डी), डॉ. सुवेन्द्र रे (तेजपुर विश्वविद्यालय)	57,40,000	3 वर्ष
27	आईआईटीएम / एसईआरबी / एसए / 128	बहु दवा प्रतिरोधक तपेदिक (एमडीआर-टीबी) के महामारी विज्ञान का गणितीय प्रतिरूपण	एसईआरबी	डॉ. सरिता आज़ाद	18,25,725	3 वर्ष
28	आईआईटीएम / एचपीएससी एसटीई / वीके / 129	हिमाचल प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में रोगों का पूर्व पता करने के लिए नैदानिक द्रव के रूप में लार का प्रयोग करते हुये सस्ते जैव प्रेरित सुरक्षा उपकरण	विज्ञान, प्रौद्योगिकी और पर्यावरण हेतु हि.प्र. राज्य परिषद् (एससीएसटीई)	डॉ. वेंकटा कृष्णन (प.अ.), डॉ. नेहा सूद (स.प.अ.)	6,60,000	2 वर्ष
29	आईआईटीएम / आईआर सीएस / वीके / 131	इंडियन रैड क्रॉस सोसाइटी प्रोजेक्ट-भा.प्रौ.सं. मण्डी सहयोग	इंडियन रैड क्रॉस सोसाइटी	डॉ. वेंकटा कृष्णन (प.अ.), डॉ. वरुण दत्त, डॉ. रमना ठाकुर, डॉ. श्यामकुमार मासाकपल्ली (स.प.अ.)	42000	1 वर्ष
30	आईआईटीएम / डीबीटी-टीपी / आरजी / 134	सीरम प्रोटीन ट्रांसफेरीन के साथ सीधे AB समुच्चयन अवरोध नियंत्रित आण्विक क्रिया विधि का पता करना	डीबीटी	डॉ. रजनीश गिरि (प. अ., भा.प्रौ.सं. मण्डी), डॉ. तमीर त्रिपाठी (स. प.अ. उत्तरी पश्चिमी पहाड़ी विश्वविद्यालय, शिलौंग)	70,33,000	3 वर्ष
31	आईआईटीएम / एमएचआरडी -इम्प्रिंट / एसआरसी / 138	यूरिन एल्बुमिन मापन के लिए नये जैविक रंजक का प्रयोग करते हुये सूक्ष्म द्रव आधारित सुरक्षा परीक्षण उपकरण	एमएचआरडी-इम्प्रिंट	डॉ. शुभजित रॉय चौधुरी (प.अ.), डॉ. सुब्रता घोष (स.प. अ.), डॉ. प्रसेनजीत मण्डल (स.प.अ.)	73,20,000	3 वर्ष
32	आईआईटीएम / सीएसआई आर / केएम / 143	डबल परोवस्काइट परिवार से सम्बन्धित बहु लौह यौगिकों के भौतिक गुणों की जांच	सीएसआईआर	डॉ. कौस्तव मुखर्जी	10,00,000	3 वर्ष
33	आईआईटीएम / एसईआरबी / सीएसवाई / 144	अतिचालकों और अर्ध धात्विक यौगिकों में नर्नस्ट प्रभाव का अध्ययन	एसईआरबी	डॉ. सी.एस. यादव	14,18,271	3 वर्ष

34	आईआईटीएम/एसईआरबी/केएम/148	मिश्रित धातु ऑक्साइड और विरल भू-अंतरा धातुओं का चुम्बकीय और चुम्बक कैलोरी गुणों का अध्ययन	एसईआरबी	डॉ. कौस्तव मुखर्जी	30,58,110	3 वर्ष
35	आईआईटीएम/एसईआरबी/बीआर/149	सांस्थितिक विद्युत रोधी सम्भाव्य ऑक्साइड की इलैक्ट्रॉनिक संरचना अभियांत्रिकी	एसईआरबी	डॉ. बिन्दु राधामनि	29,51,960	3 वर्ष
36	आईआईटीएम/डीई-बीआरएनएस/एजी/150	जांच विश्लेषण और पहचान करने के लिए नैनो प्लाजमोनिक एसईआरएस क्रियाधार का रूपांकन	डीई-बीआरएनएस	डॉ. अमित जायसवाल	24,99,400	3 वर्ष
37	आईआईटीएम/एसईआरबी/एचवी/151	आण्विक प्रणालियों की प्रकाशिक आयनन गतिकी पर सह-सम्बन्ध, अपेक्षिकीय अन्योन्यक्रिया और परिरोध का प्रभाव	एसईआरबी	डॉ. हरि वर्मा	18,83,750	3 वर्ष
38	आईआईटीएम/डीबीटी/आरजी/152	तात्विक रूप से अव्यवस्थित प्रोटीन का अध्ययन: एकल अणु से समूह और रोग संदर्श तक cMyb और p53 के प्रभाव क्षेत्र का पारसंचरण	डीबीटी	डॉ. रजनीश गिरि (प.अ.), डॉ. चयन के. नन्दी (स.प.अ.)	70,29,200	3 वर्ष
39	आईआईटीएम/यूजीसी-डीई/सीएसवाई/153	तापमान आश्रित न्यूट्रॉन विवर्तन द्वारा बहु लौहिक यौगिकों YBa _{1-x} Sr _x CuFe ₀₅ (0≤x≤0.6) और LnBaCuFeO ₅ (Ln=D, Ho,Yb) में चुम्बकीय संरचना के प्रभाव की खोज करना	यूजीसी-डीई	डॉ. सी.एस. यादव (प.अ.), डॉ. कौस्तव मुखर्जी (स.प.अ.)	45,000	1 वर्ष
40	आईआईटीएम/डीबीटी-आरएफ/एसटी/156	गैसीय कार्सिनोजेनीसिस में मानव कैथोलिसीडीन की भूमिका	डीबीटी	डॉ. श्वेता त्रिपाठी	88,00,000	5 वर्ष
41	आईआईटीएम/एसईआरबी/एपी/158	टेनिया सोलियम कार्यात्मक सेक्रीटोम की प्रतिरक्षा और उनके प्रोटीओमिक की पहचान	एसईआरबी	डॉ. अमित प्रसाद	53,85,397	3 वर्ष
42	आईआईटीएम/एसईआरबी/एसकेएम/160	पौधों में तनाव की प्रतिक्रिया के कारण प्रकाश स्वपोषित उपापचयी समलक्षणों की प्रणाली का विश्लेषण	डीबीटी	डॉ. श्याम कुमार मासाकपल्ली	50,92,560	3 वर्ष
43	आईआईटीएम/आईएनटी/वीकेएन/09	कैंसर में थिरेनॉस्टिक्स अनुप्रयोगों हेतु तल परिवर्तित उच्च रूपांतरित अति सूक्ष्म कण	भा.प्रौ.सं. मण्डी, भा.प्रौ.सं. रोपड़, पीजीआईएमईआर संघ	डॉ. वेंकटा कृष्णन (प.अ.), डॉ. नेहा गर्ग (स.प.अ.), डॉ. यशवीर सिंह और डॉ. शालीमोलि भट्टाचार्य	12,00,000	1 वर्ष

44	आईआईटीएम/डीबीटी-बीएमबीएफ/एसकेएम/165	बायो पीईसी: सूक्ष्म जैवीय जैव प्रक्रियाओं और पायरोलायसिस प्रौद्योगिकियों के एकीकरण द्वारा सेलुलॉसिक अपशिष्ट से उच्च मूल्य उत्पादों तक	डीबीटी-बीएमबीएफ	डॉ. श्याम कुमार मासाकपल्ली (प.अ.), डॉ. नील मैकिनोन (प.अ.), डॉ. स्वाति शर्मा (जर्मनी)	45,46,000	2 वर्ष
45	आईआईटीएम/डीबीटी-आईसी/आरजी/166	संक्रमण रोगों के लिए हाथ से पकड़ने वाले आप्ठिक देखभाल परीक्षण बिन्दु उपकरण का विकास	डीबीटी-आईसी	डॉ. रजनीश गिरि, प्रो. दमन सलुजा (दिल्ली विश्वविद्यालय), प्रो. जेम्स महोनी (कनाडा)	98,25,000	2 वर्ष
46	आईआईटीएम/एसईआरबी/पीपीजे/168	सूक्ष्मदर्शी संरचना का तुलनात्मक अध्ययन और कम व उच्च घनत्व पर रेखीय गलित बहुलक में कांच पारगमन के समीप गतिकी	एसईआरबी	डॉ. प्रसान्ध पी. जोस	20,23,780	3 वर्ष
47	आईआईटीएम/एमएचआरडी-इम्प्रिंट/एडी/169	जैव फोटो इलैक्ट्रो कैटालायसिस और जैव उत्पादन के माध्यम से सतत अपशिष्ट जल का उपाय	एमएचआरडी-इम्प्रिंट	डॉ. अतुल धर (प.अ.), डॉ. राहुल वैश, डॉ. श्याम कुमार मासाकपल्ली, डॉ. अदिति हल्दर, डॉ. तुलिका पी श्रीवास्तवा, डॉ. ऋक् रानी कोडार (स.प.अ.)	3,84,34,000	3 वर्ष
48	आईआईटीएम/डीबीटी/पीएम/170	गैर आक्रामक बिम्ब विधान, ट्रैकिंग और बढ़ रहे यकृत रोग के निदान को पहुँचाने के लक्ष्य के लिए नोवल एनआईआर-1 और एनआईआर-2 रंजक और उनके कार्यात्मक अति सूक्ष्म कण	डीबीटी	डॉ. प्रसेनजीत (प.अ.), डॉ. सुब्रता घोष (स.प.अ.)	60,25,600	3 वर्ष
49	आईआईटीएम/डीटीआरएल-डीआरडीओ/एमके/171	यंत्र अधिगम समय श्रृंखला पूर्वकथन रूपांकन के प्रयोग से संवेदक आंकड़ा आधारित विशेष स्थल पूर्वानुमान	डीआरडीओ	डॉ. मनोज ठाकुर	26,06,400	2 वर्ष
50	आईआईटीएम/डीएसटी-आईआर/आरजी/176	लियुकेमिया प्रेरण में आंतरिक रूप से अव्यवस्थित प्रोटीन, E2APBX1 के पार सक्रियण क्षेत्र का वलन तंत्र	डीएसटी	डॉ. रजनीश गिरी, डॉ. इरिना एम. कुज़नीटसोवा (टिखोरीसस्की सेण्ट पीटर्जबर्ग रूस)	23,39,200	2 वर्ष
51	आईआईटीएम/डीएसटी-आईआर/एकेपी/177	युग्मक Fe-Pb और तिगुने Fe-Pd-M(M-Ni,Ga) में चुम्बकीय गुण और रचना परिवर्तन	डीएसटी	डॉ. आरती कश्यप (प.अ.), डॉ. अलेक्जैण्डर पोपोव, एम.एन. मिहीव इन्स्टिट्यूट ऑफ मेण्टल फिज़िक्स, रशियन एकेडमी ऑफ साइंसिज, येकाटीरिनबर्ग, रूस	19,86,400	2 वर्ष
52	आईआईटीएम/डीएसटी (डब्ल्यूओएसबी)/आरएसओ/180	भा.प्रौ.सं. मण्डी में प्रयोगशाला से लेकर मध्य हिमालयीन क्षेत्र के किसानों तक के लिए किये जा रहे प्रौद्योगिकी आधारित कृषि का विकास और विस्तार	डीएसटी (डब्ल्यूओएस-बी)	डॉ. रेशमा साव (प.अ.), डॉ. श्याम कुमार मासाकपल्ली (सलाहकार)	26,80,000	3 वर्ष

53	आईआईटीएम/एचपीएससी एसटीई/एसकेएम/185	एजो रंजक को हटाने के लिए rGO-TiO ₂ आधारित लागत प्रभावी मिश्रित प्रौद्योगिकीका उपयोग करते हुए अपशिष्ट जल का फोटो कैटालाइटिक व्यवहार	विज्ञान, प्रौद्योगिकी और पर्यावरण (एससीएसटीई) हेतु हिमाचल प्रदेश राज्य परिषद्	डॉ. सतिन्द्र कुमार शर्मा (प.अ.), डॉ. वैकटा कृष्णन (स.प.अ.)	5,88,000	2 वर्ष
54	आईआईटीएम/डीई-बीआरएनएस/एसजी/186	हिमाचल प्रदेश के चार जिलों (ऊना, बिलासपुर, सोलन और सिरमौर) में भूमि जल, धरातल जल और पीने के जल में यूरेनियम और सहायक जल गुणवत्ता मापकों का स्थानीय वितरण	डीई-बीआरएनएस	डॉ. सुब्रता घोष (प.अ.), डॉ. जसप्रीत कौर रन्धावा (स.प.अ.)	29,24,300	2 वर्ष
55	आईआईटीएम/डीई-बीआरएनएस/वीकेएन/187	शिमला और किन्नौर में यूरेनियम और सहायक जल गुणवत्ता मापकों का स्थानीय वितरण	डीई-बीआरएनएस	डॉ. वैकटा कृष्णन (प.अ.), डॉ. ऋक् रानी कोडार (स.प.अ.)	29,24,300	2 वर्ष
56	आईआईटीएम/डीई-बीआरएनएस/डीपीएस/188	मण्डी, कुल्लू और हमीरपुर में यूरेनियम और सहायक जल गुणवत्ता मापकों का स्थानीय वितरण	डीई-बीआरएनएस	डॉ. डेरिक्स पी. शुक्ला (प.अ.), डॉ. अदिति हल्दर (स.प.अ.)	27,51,800	2 वर्ष
57	आईआईटीएम/एसईआरबी/पीएफएस/190	प्राचीन ग्राफीन का कैटालिस्ट समर्थन के रूप में विकास	एसईआरबी	डॉ. प्रेम फेलिक्स सिरिल, डॉ. सुब्रता घोष (स.प.अ.)	29,54,600	3 वर्ष
58	आईआईटीएम/डीएसटी/एकेपी/198	विज्ञान ज्योति- महिलाओं के लिए डीएसटी का एक नया सूत्रपात	डीएसटी	डॉ. आरती कश्यप (प.अ.), स.प.अ.: डॉ. बिन्दु राधामनि, डॉ. अमित प्रसाद, डॉ. आदित्य निगम	16,57,900	1 वर्ष

मूल अनुदान परियोजनाएं

क्र.सं.	पंजिका संख्या	प्रस्ताव का नाम	प्राध्यापक का नाम	राशि (रु)	अवधि
1	आईआईटीएम/एसजी/एच/34	संधारणीय भविष्य हेतु विजातीय इलेक्ट्रोकेटालायसिस के माध्यम से मानव जनित कार्बनडाईऑक्साईड का प्रयोग करना	डॉ. अदिति हल्दर	7,00,000	3 वर्ष
2	आईआईटीएम/एसजी/एमएम/35	कुछ भिन्नात्मक समीकरणों की नियंत्रकता	डॉ. मुस्लिम मलिक	4,64,000	3 वर्ष
3	आईआईटीएम/एसजी/पीएम-एजे/37	सूक्ष्म संवाहकों से आगम शर्करा आश्रित इन्सुलिन स्राव द्वारा अग्न्याशयी बीटा कोशिकाओं का लक्षित चिकित्सा वितरण	डॉ. प्रसेनजीत मण्डल, डॉ. अमित जायसवाल	20,00,000	3 वर्ष
4	आईआईटीएम/एसजी/एपी/38	टेनिया सोलियम सिस्ट संक्रमण के रोगजनन में इनफलेममओस्मस की भूमिका समझना	डॉ. अमित प्रसाद	7,00,000	2 वर्ष
5	आईआईटीएम/एसजी/आरजी/46	ट्रांसथाईरीटीन के व्युत्पन्न अव्यवस्थित पेप्टाईड द्वारा अल्जीमर के A β पेप्टाईड फिब्रिलाईजेशन का अंतरावरोध : परमाण्विक बल सूक्ष्मदर्शी द्वारा आण्विक क्रियाविधि	डॉ. रजनीश गिरि	7,00,000	3 वर्ष
6	आईआईटीएम/एसजी/एसकेएम/48	चयनित प्रोटियोबैक्टीरिया की औद्योगिक, पर्यावरणात्मक और कृषि महत्त्व सहित जीव विज्ञान प्रणाली	प.अ.-डॉ. श्याम कुमार मासाकपल्ली, स.प.अ.-डॉ. तुलिका पी श्रीवास्तवा	18,00,000	3 वर्ष

गृह परियोजना में महिला केन्द्र

क्रमांक	परियोजना का नाम	प्रधान अन्वेषक	शीर्षक
1	आईआईटीएम/आईएनटी/टीपी/07	डॉ. तुलिका पी. श्रीवास्तवा	ईवोक-कमान्द की महिलाओं का समर्थनकरण

अनुसंधान परियोजनाओं की प्रगति

अनुसंधान

हम भा.प्रौ.सं. मण्डी के अनुसंधान दर्शन के प्रति बहु विषयक अनुसंधान में दृढ़ विश्वास रखते हैं और इसीलिए विभिन्न क्षेत्रों के वैज्ञानिकों और अभियंताओं के साथ आंतरिक और बाहरी अनुसंधान समन्वय विकसित किया है।

डॉ. कौस्तव मुखर्जी

विरल भूमि के चुम्बकीय और सार्वभौमिक चुम्बक कैलोरिक व्यवहार द्वारा DyFe_{0.5}Cr_{0.5}O₃ का प्रतिस्थापन

मिश्रित धातु ऑक्साइड DyFe_{0.5}Cr_{0.5}O₃ के चुम्बकीय और चुम्बक कैलोरिक व्यवहार पर विरल भूमि (R = Gd, Er और La) द्वारा Dy स्थान के आंशिक प्रतिस्थापन के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए खोज की गई थी। संरचनात्मक अध्ययनों से पता चलता है कि डाई द्वारा आर के प्रतिस्थापन से स्फटिक संरचना पर न्यूनतम प्रभाव पड़ता है। चुम्बकीय और ताप क्षमता अध्ययन से पता चलता है कि DyFe_{0.5}Cr_{0.5}O₃ के लिए चुम्बकीय संक्रमण 121K के आसपास सदैव विरल भूमि प्रतिस्थापन द्वारा अपरिवर्तित रहता है, जबकि निम्न चुम्बकीय संक्रमण तापमान को चुम्बकीय/अचुम्बकीय प्रतिस्थापन द्वारा दबाया/बढ़ाया जाता है। इन सभी यौगिकों में चुम्बकीय संक्रमण की दूसरे क्रम प्रकृति की पुष्टि एरोट्र प्लॉट्स द्वारा की गई है। इन सभी यौगिकों में चुम्बकीय एन्ट्रॉपी परिवर्तन चुम्बकीय क्षेत्र की शक्ति नियम निर्भरता का अनुसरण करता है और घातांक n का मान लौह चुम्बकीय रोधी अवस्था में लौह चुम्बकीय सह सम्बन्ध की उपस्थिति को दिखाता है। एकल सन्दर्भ तापमान का उपयोग करके रिस्काल्ड तापमान के साथ एन्ट्रॉपी परिवर्तन को सामान्य करके सभी यौगिकों के लिए एक अभूतपूर्व सार्वभौमिक मास्टर वक्र का निर्माण किया गया। यह मास्टर वक्र भी ऐसे मिश्रित धातु ऑक्साइड में चुम्बकीय चरण संक्रमण की दूसरे क्रम की प्रकृति को दोहराता है।

अंशतः विफल क्षण के संकेत और CeNiGe₂ में एक नया चुम्बकीय चरण

एक भारी फर्मियान यौगिक CeNiGe₂ के चुम्बकीय, ताप गतिकी और परिवहन गुणों का अध्ययन करने के लिए जाँच की गई थी। यह यौगिक 4.1 और 3k के आसपास दो एंटीफेरोमैग्नेटिक संक्रमणों से गुजरता है। यह ऊष्मा क्षमता में देखा गया था कि चुम्बकीय क्षेत्र को ~1T तक बढ़ा दिया गया था, दो शिखर 3k के आसपास एक ही शिखर में विलीन हो गए। यद्यपि इस शिखर को चुम्बकीय क्षेत्र के अनुप्रयोग के तहत दबाया नहीं गया था। इसके बजाय 1 टी के ऊपर 3.6K पर एक नया लक्षण विकसित होता है। चुम्बकीय क्षेत्र प्रेरित नई सुविधा की जाँच एन्ट्रॉपी क्रमागत विकास, चुम्बकीय गुनीशियन पैरामीटर और प्रतिरोधकता अध्ययनों के माध्यम से की गई। ये अध्ययन इस तथ्य पर बल देते हैं कि इस प्रेरित स्पिन में उतार-चढ़ाव के कारण आंशिक चुम्बकीय घटाव जिम्मेदार था। यह आंशिक रूप से क्षति वाला क्षेत्र, उच्च क्षेत्रों में एक नयी लौह चुम्बकीय रोधकता आदेशित धरातल विकसित करता है। इस यौगिक में चुम्बकीय क्षेत्र प्रेरित क्वांटम जटिल बिन्दु अनुपस्थित था, जो यह सूचित करता था कि CeNiGe₂ का व्यवहार डोनिच मॉडल के अनुसार नहीं था, जो भारी फेरमोन यौगिकों के लिए प्रस्तावित था।

डॉ. प्रेम फेलिक्स सिरिल

उत्प्रेरक समर्थन के रूप में 'प्राचीन ग्राफीन' का विकास

डॉ. प्रेम फेलिक्स सिरिल (पीआई), डॉ. सुब्रता घोष (सह समन्वयक)

एसईआरबी, डीएसटी, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित

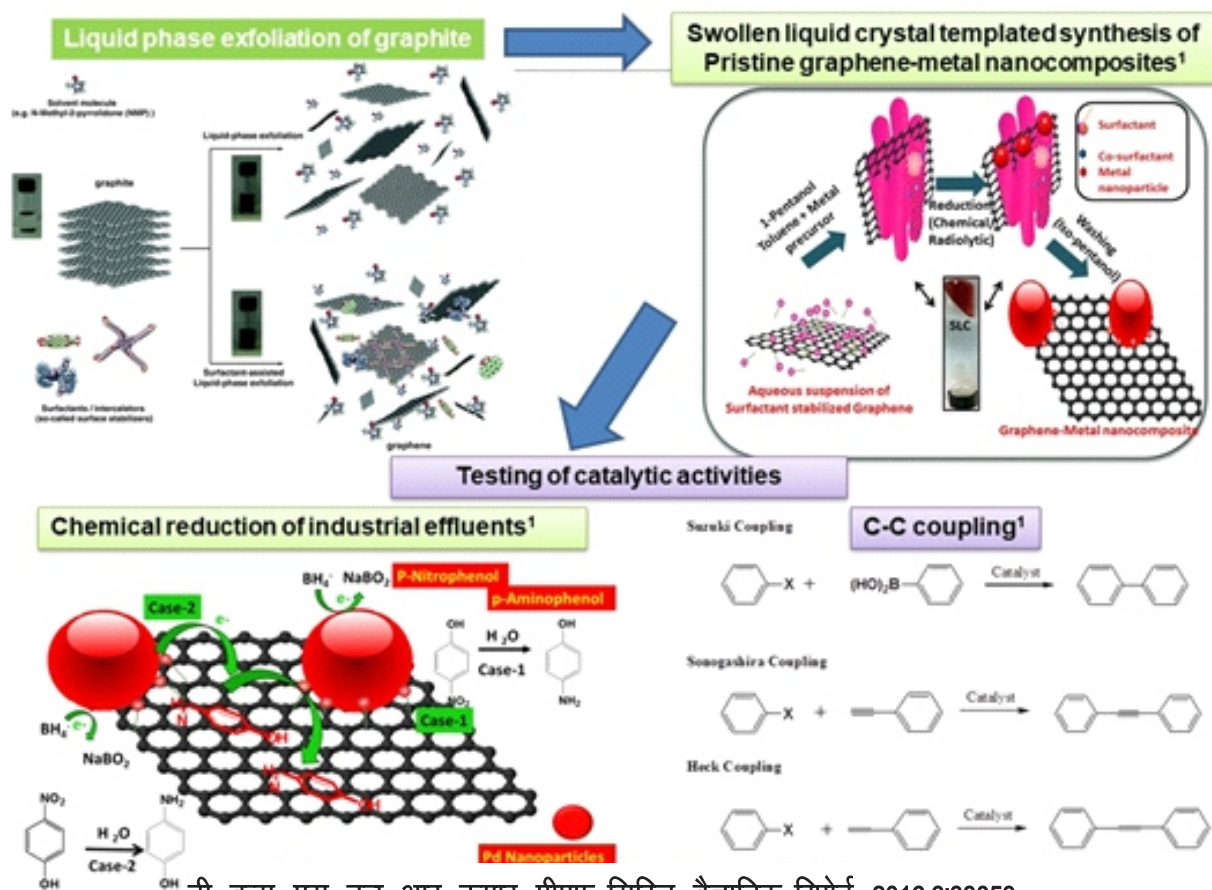
अवधि: 15.03.2018–14.03.2021 (3 वर्ष)

स्वीकृत धन: 29,54,600 / –रु.

उत्प्रेरक समर्थन पदार्थ विषम ज्वर में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, क्योंकि वे उत्प्रेरक कणों को ढेर से बचाते हैं और अपने उच्च सतह क्षेत्र के कारण अभिकारकों तक आसानी से पहुँच प्रदान करते हैं। उच्च सतह क्षेत्र, छिद्रपूर्ण पदार्थ जैसे कि मेसोपोरस सिलिका, मेसोपोरस कार्बन जिओलाइट आदि का व्यापक रूप से उत्प्रेरक समर्थन के रूप

में उपयोग किया जाता है। कार्बन नैनोमिटरियल्स के आगमन के साथ, उत्प्रेरक समर्थन के रूप में कार्बन नैनो ट्यूब और ग्राफीन का भी व्यापक रूप से पता लगाया जा रहा है। हालांकि हमारे हाल के अध्ययनों ने प्रमाणित किया है कि तरल चरण अपस्तर विधियों का प्रयोग कर जो प्राचीन ग्राफीन निर्मित किया है। वह व्यापक रूप से कम किए गए ग्राफीन ऑक्साइड की तुलना में बेहतर उत्प्रेरक समर्थन पदार्थ हैं। हम वर्तमान परियोजना में उत्प्रेरक समर्थन के रूप में प्राचीन ग्राफीन के उपयोग के लाभों के मूलभूत पहलूओं की जांच करेंगे। इसके इलावा, नये उत्प्रेरकों को रासायनिक और इलैक्ट्रो-रासायनिक प्रतिक्रियाओं की एक विस्तृत श्रृंखला में तैयार किया जाएगा और उनका परीक्षण भी किया जाएगा। उत्प्रेरक गतिविधियों का परीक्षण

औद्योगिक अपशिष्टों का रासायनिक न्यूनीकरण सीसी युग्मक1
टी. वत्स, एस. दत्त, आर. कुमार, पीएफ सिरिल-वैज्ञानिक रिपोर्ट, 2016;6:33053



टी. वत्स, एस. दत्त, आर. कुमार, पीएफ सिरिल-वैज्ञानिक रिपोर्ट, 2016;6:33053

राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित पत्र

1. एम. गांगुली और ए. चक्रवर्ती, "घोल में लम्बे बहुलक की गतिज ऊर्जा के पाश को समझना", डेल्टा कार्य सिंक मॉडल के लिए वास्तविक घोल, एम. गांगुली और ए. चक्रवर्ती, फिज़िका ए 484 (2017), 163–167।
2. नवनीत सी. वर्मा, चेताना और चयन के. नन्दी, "नाइट्रोजन डोपेड बायोकोम्पेटेबल कार्बन डॉट्स एज ए फ्ल्यूरोसेण्ट प्रोब स्ट्रॉम नैनोस्कोपी", फिज़िक्स, कैम. सी. 2018 (डीओआई: 10.1021/एसीएस.जेपीसीसी.7बी12773) (आईएफ=4.8)।
3. पवन कुमार, नवनीत सी. वर्मा, नताशा गोयल, जयीता बिस्वास, सौरभ लोधा, चयन के. नन्दी और बी. विश्वनाथ, "WS2 एक स्तर में सह स्थित 3R और 2H प्रावस्थाओं में जोड़ रहित विषम रूप सम संयोजनों की प्रावस्था अभियांत्रिकी", फिज़ि. कैम.सी 2018 (आईएफ=7.4)।

4. अब्दुस एस. सरकार, ए.डी. राव, ए.के. जगदीश, ए. गुप्ता, चयन .के. नन्दी, पी. रामामूर्थी, एस.के. पाल, "तेज बहुलक सौर शैल के लिए छिद्र पारगमन परत में सोना सूक्ष्म संरचनाओं का सुगम अन्तः क्षेपण", कार्बनिक इलैक्ट्रॉनिक्स 54, 148, 2018 (आईएफ=3.4)।
5. स्यामन्तक खान, नवनीत सी. वर्मा, चेताना, चयन के. नन्दी*, "नाभिक के एकल अणु बिम्ब विधान के लिए कार्बन बिन्दु", एसीएस प्रयुक्त सूक्ष्म सामग्री 2018, डीओआई: 10.1021/एसीएसएएनएम. 7 बी00175 (आईएफ= बहुप्रतीक्षित)।
6. स्यामन्तक खान, अक्षिता शर्मा, सौरव घोषाल, सांझल जैन, मोंटु के. हजार, चयन के. नन्दी*, "कार्बन सूक्ष्म बिन्दुओं के गुणों के समान छोटे आण्विक कार्बनिक सूक्ष्म स्फटिक", कैम.साई. 9,175, 2018 (आईएफ=8.67) (आमंत्रित लेख)।
7. स्यामन्तक खान, वेक्सींग लि, नरेन कारीदला, जान थियार्ट, इंगो ग्रेगोर, अन्ना एम. चिझिक, जॉर्ज एन्डरलिन, चयन के. नन्दी* और अलेक्सी आई. चिझिक, "कार्बन सूक्ष्म बिन्दुओं में चार्ज पर आधारित चमचमाती प्रतिदीप्ति", जे. फिज़िक्स, पत्र 8, 5751, 2017।
8. चेताना राव, स्यामन्तक खान, नवनीत सी. वर्मा और चयन कान्ति नन्दी*, "कार्बन सूक्ष्म बिन्दुओं के साथ प्रोटीन लेबलिंग", कैम. बायो. कैम. 10,1,2017।
9. अभिषेक गुप्ता, चयन कान्ति नन्दी*, "सल्फर युक्त कार्बन बिन्दुओं की उच्च प्रमात्रा का उपयोग करते हुये पीसी 12 जैव शैल अति संवेदनशील न्यूरोट्रांसमीटर संकेतक और इसकी कोशिका आयन निर्भरता", संवेदक और प्रेरक बी 245, 137, 2017।
10. बन्धना देवी, ऋक् रानी कोडार और अदिति हल्दर, "एक डिस्प्रेसियम आधारित नया बहुलक समन्वय और ऑक्सीजन न्यूनीकरण प्रतिक्रिया में इसकी गतिविधि", रसायन विज्ञान की नयी पत्रिका, 2017, 41,7972–7979 2017।
11. असली सरमान, अदिति हल्दर, और अहमद बसनैना, "इलैक्ट्रो फ्लुइडिक प्रत्यक्ष जमाव का उपयोग करते हुये विद्युत रोधी तल में सूक्ष्म सामग्री का उच्च दर जमाव", एसीएस नैनो, 2017,11(8), पीपी 7679–7689।
12. एच.एस. कुशवाहा, ए. हल्दर, आर. वैश, "फेरोइलैक्ट्रिक इलैक्ट्रोकेप्टेलिस्टस: फेरोइलेक्ट्रिक ध्रुवीकरण के सह क्रियात्मक प्रभाव सहित ऑक्सीजन विकास प्रतिक्रिया के लिए सामग्री की नयी श्रेणी", सामग्री विज्ञान की पत्रिका 53(2), 1414–1423।
13. एच.एस. कुशवाहा, ए. हल्दर, पी. थोमस, आर. वैश, "लौह विद्युत इलैक्ट्रोकेटालायस्टिस : "क्षारीय माध्यम में ऑक्सीजन विकास और कमी के लिए एक द्विकार्यात्मक पेरोवस्काइट विद्युत उत्प्रेरक: CaCu₃Ti₄O₁₂" इलैक्ट्रोकेमिका एक्टा 252, 532–540।
14. एस. कुमार, एन.एल. रेड्डी, एच.एस. कुशवाहा, ए. कुमार, एम.वी. शंकर, अदिति हल्दर, वेंकटा कृष्णन, "एफिसिण्ट इलैक्ट्रॉन ट्रान्सफर अक्रोस ए रीड्युस्ड ग्राफीन ऑक्साइड हीटरोजंक्शन फॉर एन्हांस्ड सनलाइट-ड्राइवन फोटोकैटालिटिक हाइड्रोजन इवोल्यूशन", कैम सस कैम 10 (18), 3588–3603।
15. स्कवैब एम. और हल्दर, ए.जे. "कार्बन डाइऑक्साइड की विद्युत उत्प्रेरक कमी के लिए कम ग्राफीन ऑक्साइड समर्थित सोना सूक्ष्म कण", ए.जे. नैनो पार्ट रीस (2018) 20: 46।
16. देवी, बी. वेकटेश्वरुलु, एम. कुशवाहा एच., हल्दर ए. और कोडार आर. "ऑक्सीजन घटाव प्रतिक्रिया और अधिसंधारित्र अनुप्रयोग के लिए पोलिकारबोक्सिल मंडित FE(III) आधारित जीरोजल उत्पन्न बहु कार्यात्मक प्रभावी इलैक्ट्रोड सामग्री", कैम.यूरो. जे. (2018)।
17. एम. सक्वैब और ए. हल्दर, "उच्चतर हाइड्रोजन विकास प्रतिक्रिया के लिए अधिकतर ज्यामितीय तनाव युक्त क्षारहीन Pt₃Co सूक्ष्म सोनाकण", ठोस अवस्था रसायन विज्ञान की पत्रिका 262, 229–236।

18. अंकिता माथुर, शिवशंकरन हरिश, ए. हल्दर, आयरन आधारित उत्प्रेरकों में ऑक्सीजन घटाव प्रतिक्रिया में नाइट्रोजन वर्णन कर्ता की भूमिका”, रसायन विज्ञान चयनित 3 (23), 6542–6550 ।
19. एल. शर्मा, ए. हल्दर, “RGO समर्थित निकल मोलिबडीनम उत्प्रेरक द्वारा फोटो इलैक्ट्रो रसायनिक हाइड्रोजन विकास में योगवाही प्रभाव”, रसायन विज्ञान चयन 3,31,8955, 2018 ।
20. कर्ण सिंह और के. मुखर्जी, “आंशिक रूप से विफल समय और CeNiGe₂ में एक नया चुम्बकीय क्षेत्र, भौतिकी पत्र ए 381,3236 (2017)
21. मोहित के. शर्मा और के. मुखर्जी, “चुम्बकत्व और विरल धरा एवजी DyFe_{0.5}Cr_{0.5}O₃ का सार्वभौमिक चुम्बक कैलोरिक व्यवहार”, मैग्. मैग्. मेटर 444, 178 (2017)
22. सुरेन्द्र लाल, संजय के. उपाध्याय, के. मुखर्जी और सी.एस. यादव, “Sr एवजी उच्च ताप लौहिक YBaCuFeO₅ में चुम्बकीय विकास और अचालक गुण”, यूरो भौतिक विज्ञान पत्र 117,67006 (2017)
23. सुरेन्द्र लाल, के. मुखर्जी और सी.एस. यादव, “LnBaCuFeO₅(Ln=Gd, Ho, Yb) की ताप क्षमता पर क्रिस्टलीय विद्युत क्षेत्र का प्रभाव”, सोलिड स्टेट कम्यून. 270,130(2018) ।
24. कर्ण सिंह, मोहित के. शर्मा और के. मुखर्जी, “Gd विकल्पी YFe_{0.5}Cr_{0.5}O₃ में अदला-बदली अन्योन्यक्रिया”, जे. मैग्. मेग्. मेटर. 447, 26(2018) ।
25. एस. अब्बास, “समय पैमाने पर गतिज ऊर्जा समीकरणों का गुणात्मक विश्लेषण, भिन्नात्मक समीकरणों की इलैक्ट्रॉनिक पत्रिका 2018(51), 1–13, 2018 ।
26. एस.एस. नेगी, एस. अब्बास, एम. मलिक, वाईएच एक्सिया “समय पैमाने पर विशेष प्रकार द्वितीय आदेश अरैखिक गतिक समीकरणों का नया दोलन मापदण्ड, गणित विज्ञान 2018 ।
27. एस. त्यागी, एस. अब्बास, एम. पिंटू “विभिन्न क्रियात्मक कार्यों और समय परिवर्तन देरी के साथ आवधिक तंत्रिका नेटवर्क के लिए अंतराल संवेदन में सार्वभौमिक घातीय स्थिरता”, ऐप्लिकेशन्ज़ मेटेमेटिका ।
28. एस. अब्बास, ए. कारोनल, एम. पिंटो, एस. त्यागी, “सकारात्मक देरी सहित दोनों ओर तंत्रिका नेटवर्क मॉडल के समाधानों का घातीय अनुमान”, तंत्रिका, समानांतर और वैज्ञानिक संगणन 26 (1), 1–29, 2018 ।
29. एच.एम. श्रीवास्तवा, एस. अब्बास, एस. त्यागी, “समय परिवर्तन और वितरित देरी सहित भिन्नात्मक क्रम आवेगी तंत्रिका नेटवर्क की सार्वभौमिक घातीय स्थिरता”, प्रयुक्त विज्ञान में गणितीय विधियां, 2018 ।
30. जे.पी. त्रिपाठी, एस. मेघवानी, एम. ठाकुर, एस. अब्बास, “एक परिवर्तित लेस्ली-गोवर प्रीडेटर-प्रे इंटरैक्शन मॉडल और मापक पहचान योग्यता”, अरैखिक विज्ञान और सांख्यिकीय अनुकारक 1 में संचार, 2018 ।
31. वी. कविथा, एस. अब्बास, आर. मुरुगोसु, “एक्जिसटैंस ऑफ स्टेपनोव-लाइक वेटिड श्यूडो ऑल्मोस्ट ऑटोमोरफिक सोल्यूशन्स ऑफ फ्रैक्शनल इंटिग्रो-डिफरेंशियल इक्वेशन्स”, अरैखिक अध्ययन 24 (4), 825–850, 2017 ।
32. वी. कविथा, एस. अब्बास, आर. मुरुगोसु, “ (μ_1, μ_2) -श्यूडो ऑल्मोस्ट ऑटोमोरफिक सोल्यूशन्स ऑफ फ्रैक्शनल ऑर्डर नीयुरल इन्टीग्रो-डिफरेंशियल इक्वेशन्स”, अरैखिक अध्ययन 24 (3), 669–685, 1, 2017 ।
33. एस. त्यागी, एस. अब्बास, आर.के. रे, “अलग और वितरित देरी सहित कोशिकीय तंत्रिका नेटवर्कस की स्थिरता और विभाजन विश्लेषण”, राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी की कार्यवाही, भारत, भाग ए: फिज़िकल, 2017 ।

34. एम. मलिक, आर. धयाल, एस. अब्बास, ए. कुमार, "गैर तात्कालिक आवेगों सहित अस्वायत्त अरैखिक भिन्नात्मक प्रणाली का नियंत्रण", रीविस्ता डीले रीयल अकेडिमिया डी सिनसियस एकजैक्टस, फिसिकस वाइ नेचुरल्स, सीरिज, 2017।
35. एस.एस. नेगी, एस. अब्बास, एम. मलिक, "समय पैमाने पर इंटीग्रे फोरसिंग टर्म सहित द्वितीय क्रम अरैखिक गतिकी समीकरणों का दोलन मापदण्ड", मैथेमेटिकल मॉडलिंग, 1, 2017।
36. एस. अब्बास, अभिन्न परिस्थिति में उप विसारी कार्यात्मक भिन्नात्मक समीकरणों का अस्तित्व, अद्वितीयता और घोल की निरन्तरता", विभाज्य भिन्नात्मक कैलकुलस 7(2), 265–281, 2017।
37. एस. अब्बास, एम. पिंटो, "यूनिफोर्म यूलर अप्रोक्सीमेशन ऑफ सोल्यूशन्स ऑफ फ्रैक्शनल-ऑर्डर डिलेयड सेलुलर नेटवर्क ऑन बाउंडेड इंटरवल्स", जर्नल 10(1), 171–196, 5, 2017।
38. एस. अब्बास, जे.पी. त्रिपाठी, ए.ए. नेहा चाओस, "सामाजिक व्यवहार के मॉडल का गतिकीय विश्लेषण: मुजरिम बनाम गैर-मुजरिम जनसंख्या", सोलिटन्स और फ्रेक्टल्स 98 (मई 2017), 121–129, 2017।
39. एस. त्यागी, एस. अब्बास, "स्टेबिलिटी एण्ड सिंक्रोनाइजेशन ऑफ डिलेड फ्रैक्शनल आर्डर प्रोजैक्शन नियुरल नेटवर्क विद् पीसवाइज़ कॉन्सटैण्ट आर्गुमेण्ट ऑफ मिक्सड टाईप", मैथेमेटिकल जर्नल 10(1), 57–74, 2017।
40. जे.पी. त्रिपाठी, एस. अब्बास, एम. ठाकुर की मदद से घनत्व निर्भर दो शिकार और एक शिकारी का मॉडल, लगातार गतिकी, अलग और आवेगी तंत्र, श्रेणी बी, 2017, गोल्डन रेशो, एस अब्बास रेजोनेस 22(1), 51–60।
41. वी. शर्मा और वी. कृष्णन, "खोज सांद्रण में तृणनाशक का पता करने के लिए उच्च संवेदनशील बायोमीटिक एसईआरएस विकल्पों का विभाजन, संवेदन उत्प्रेरक बी: रसायन 2018, 262, 710–719, (<https://doi.org/10.1016/j.snb.2018.01.230>)
42. ए. कुमार, सी. स्कुरिगज, एस. कुमार ए. कुमार और वी. कृष्णन, "पेरोवस्काइट स्ट्रक्चरड कप्लड विद ऐज हीटरोजंक्शन फोटोकैटालिस्ट फॉर ऑर्गेनिक पाल्यूटेण्टस डीग्रेडेशन, बीलस्टीन जे. नैनोटैक्नोल, 2018, 9, 671–685(<https://www.beilstein-journals.org/bjnano/articles/9/62>)
43. एस. कुमार, ए. कुमार, सी. स्कुरिगस, एस. कुमार, ए. कुमार और वी. कृष्णन, "विभिन्न औद्योगिक प्रदूषणों के प्रकाश उत्प्रेरक सम्बन्धी न्यूनीकरण के लिए N-ZnO-g-C3N4 ds के उच्च तेज आभासी प्रकाश सक्रिय 2D-2D अतिसूक्ष्म सम्मिश्र। रसायन विज्ञान चयन 2018, 3, 1919–1932 (<https://doi.org/10.1002/slct.20170156>)
44. के. एल. रेड्डी, ए. कुमार, ए. कुमार, आर. बालाजी और वी. कृष्णन, "पर्यावरणात्मक नमूनों में हाइड्रोजिन के चयनित खोज के लिए अपकन्वर्शन लुमिनिसेण्ट मटेरियल आधारित इन ऑर्गेनिक-ऑर्गेनिक हाइब्रिड संवेदन तंत्र, रसायन विज्ञान चयन 2018, 3, 1793–1800(<https://doi.org/10.002/slct.201702666>)।
45. के. एल. रेड्डी, एम. वेंकटेश्वरुलु, के. आर. शंकर, एस. घोष और वी. कृष्णन, "2,4,6-ट्राईनाइट्रोफीनोल की चयनात्मक और संवेदनशील जांच के लिए Ni-एन्थासीन कम्प्लैक्स, इन्ट. जे. स्पेक्ट्रोस्क. 2018, 2018, 1321427–1–5(<https://hindawi.com/journals/ij/s/aip/1321427/>)।
46. ए. बहुगुणा, एस. कुमार और वी. कृष्णन, "नैनोहाइब्रिड ऑफ ZnO-RGO ऐज हीटरोजीनियस ग्रीन कैटालिस्ट फॉर द सिंथसीज ऑफ मेडिसिनली सिग्निफिसेण्ट इण्डोल अल्केलॉयड्स एण्ड देयर डेरिवेटिक्स, रसायन विज्ञान चयन 2018, 3, 12373–12379 (<https://onlinelibrary3, 12373–12379>) (<https://onlinelibrary.wiley.com/doi/10.1002/slct.201701990/full>)

47. एच. कौर, एम. वेंकटेश्वरुलु, एस. कुमार, वी. कृष्णन और आर.आर. कोडार "जैविक परिवर्तन और पर्यावरणात्मक उपचार के लिए धातु-जैविक संरचना निर्माण आधारित बहु कार्यात्मक उत्प्रेरक मंच", डाल्टन ट्रान्स, 2018, 47, 1488-1497(<https://pubs.rsc.org/en/content/ArticleLanding/2018/DT/C7DT04057A>)।
48. वी. शर्मा, आर. बालाजी, ए. कुमार, एन. कुमारी और वी. कृष्णन, "बायोइन्स्पायरड 3 डी सर्फेस एन्हांस्ड रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी सबस्ट्रेट्स फॉर प्लाज्मन ड्राइवन फोटोऑक्सीडेशन रीएक्शन्स: रोल ऑफ़। केटालिस्ट एण्ड सबस्ट्रेट इन कन्ट्रोलिंग द सीलेक्टिविटी ऑफ़ प्रोडक्ट फॉर्मेशन" कैमकैट.कैम 2018, 10, 975-979। (<https://onlinelibrary.wiley.com/doi/10.1002/cctc.201701616/full>)
49. एस. कुमार, एन.एल. रेड्डी, ए. कुमार एम.वी. शंकर और वी. कृष्णन, "वर्द्धित फोटोकैटालाइटिक हाइड्रोजन विकास सहित दाक विमीतीय एन डोपड ग्राफिटिक कार्बन नाइट्राइड नैनोशीट्स हीटरोजंक्शन, इंटर. जे. हाइड्रोजन एनर्जी 2018, 43, 3988-4002। (<http://www.sciencedirect.com/science/article/pii/S0360319917337849>)
50. ए. कुमार, एस. कुमार, ए. बहुगुणा, ए. कुमार, वी. शर्मा और वी. कृष्णन, "पर्यावरणात्मक उपचार के लिए N-CaTiO₃ प्रकार के पेरावस्काइट के द्विविभाज्य सम्मिश्र और पर्यावरणात्मक उपचार के लिए तेज शुष्कक फोटोकैटालिस्ट के रूप में कम हुये ग्राफीन ऑक्साइड", कैम.फ्रंट 2017,1, 2391-2404 (<http://pubs.rsc.org/en/content/articlelanding/2017/qm/c7qm/c7qm00362e>)
51. ए. बहुगुणा, एस. कुमार, वी. शर्मा, के.एल रेड्डी, के. भट्टाचार्य, पी.सी. रविकुमार और वी. कृष्णन, "इन्डोल अल्केलॉयड्स के एक बर्तन संश्लेषण के लिए सुगम, असंगत, चक्रीय और उच्च कुशल हरित उत्प्रेरक के रूप में MoS₂-RGOके सूक्ष्म सम्मिश्र", एसीएस धारणीय रसायन विज्ञान, इंज. 2017,5,8551-8567। (<http://acs.org/doi/10-1021/acssuschemeng.7b00648>)
52. एस. कुमार, एन.एल. रेड्डी, एच.एस. कुशवाहा, ए. कुमार, एम.वी. शंकर, के. भट्टाचार्य, ए. हल्दर और वी. कृष्णन, "एफिसिएण्ट इलैक्ट्रॉन ट्रांसफर अक्रॉस ZnO-MoS₂-RGO हीटरोजंक्शन फॉर रिमार्कैबली एन्हांस्ड सनलाइट ड्राइवन फोटोकैटालाइटिक हाइड्रोजनइवोल्यूशन", कैम. ससकैम 2017, 10,18, 3588-3603(<http://dx.doi.org/10.1002/cssc.201701024>)
53. आर. बालाजी, एस. कुमार, के.एल. रेड्डी, वी. शर्मा, के. भट्टाचार्य और वी. कृष्णन, "नियर इन्फ्रारेड ड्राइवन फोटोकैटालाइटिक परफॉरमेन्स ऑफ़ लैन्थानाइड-डोपड कोर शैल नैनोस्ट्रक्चरज विद एन्हांस्ड अपकन्वर्सन प्रोपर्टीज", जे. अलॉयज कोम्पड 2017, 724,481-491, (<http://www.sciencedirect.com/science/article/pii/S0925838817324143>)
54. एस. कुमार, ए. कुमार, ए. बहुगुणा, वी. शर्मा और वी. कृष्णन, "प्रकाश उत्प्रेरक ऊर्जा उत्पादन और पर्यावरण उपचार अनुप्रयोगों के लिए दो विमीतीय कार्बन आधारित अति सूक्ष्म सम्मिश्र", बीलस्टीन जे. नैनोटेक्नोल, 2017, 8, 1571-1600 (<http://www.beilstein-journals.org/bjnano/articles/8/159>)
55. वी. शर्मा, ए. बहुगुणा और वी. कृष्णन, "सुजुकि मियूरा क्रॉस युग्मन प्रतिक्रिया के लिए जैव प्रेरित डिप उत्प्रेरक: उत्प्रेरक के कार्य प्रदर्शन पर स्कैफोल्ड वास्तुशिल्प का प्रभाव", एडव. मेटर. इंटरफेसिस 2017, 4, 1700604-1-8। (<http://onlinelibrary.wiley.com/doi/10.1002/admi.201700604/full>)
56. के.एल. रेड्डी, वी. श्रीनिवास, के. आर. शंकर, एस. कुमार, वी. शर्मा, ए. कुमार, ए. बहुगुणा, के. भट्टाचार्य और वी. कृष्णन, "लाल उत्सर्जक NaYF₄:Yb/Ho/Mn उच्च रूपांतरण नैनो फास्फोरसमें प्रतिक्रिया मानकों के परिवर्तन द्वारा आलोक गहनता की वृद्धि", जे. भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान. सी 2017, 121, 21, 11783-11793 (<http://pubs.acs.org/doi/full/10.1021/acs.jpcc.7b01334>)

57. वी. शर्मा, आर. बालाजी, आर. वालिया और वी. कृष्णन, "एसईआरएस अनुप्रयोगों के लिए ईख के सामान्य पत्तों का उपयोग करते हुये 3 डी दर्पण के समान विन्यास पर एकत्रित Au अति सूक्ष्म समग्र कण", कोलाइड्स इंटरफेससाई. कम्यून, 2017, 18, 9–12।
<http://www.sciencedirect.com/science/article/pii/S2215038217300055>
58. क्रुजर एन.जे., मासाकपल्ली एस. के, रैटकलिफी आर.जी. (2017), "रेडियो श्वसन के साथ पौधों में निर्धारित उपापचय प्रवाह", जगदीस गुप्ता के. (एडस), प्लांट रीस्पायरेशन एण्ड इंटरनल ऑक्सीजन, आण्विक जीव विज्ञान में विधियां, भाग 1670, ह्यूमना प्रैस, न्यूयार्क, एनवाई।
59. नीरज सिंह, जुही पाण्डेय, सोमनाथ आचार्या और अजय सोनी, "जीई डोपिंग द्वारा आंतरिक रूप से पी टाइप Bi₂Te₃ का चार्ज संवाहक मोडुलेशन और ऊष्मा विद्युत कार्य निष्पादन", मिश्र और यौगिकों की पत्रिका, 2018।
60. महेश सोनी, पवन कुमार, जुही पाण्डेय, सतिन्द्र कुमार के. शर्मा और अजय सोनी, "सर्किट तत्वों और लचीले इलैक्ट्रॉनिक्स में घटे ग्राफीन ऑक्साइड की मापनीय और विशिष्ट क्रियाशीलता", कार्बन 128, 172 (2018)।
61. महेश सोनी, अजय सोनी, एस.के. शर्मा, "नाइट्रोजन डोपड बहु परतदार फोटो उत्प्रेरकता से कम हुये ग्राफीन ऑक्साइड अस्थायी द्वार: नॉन वोलेटाइल स्मरण अनुप्रयोगों के लिए AI/PMMA/NrGO/SiO₂/p-Si/Au आधारित हाइब्रिड द्वार स्टैक, कार्बनिक इलैक्ट्रॉनिक्स 51, 48–53, (2017)।
62. नीरज सिंह, सोमनाथ आचार्या, सुसान स्कमिडट, लॉरेन्ट बेलीयार्ड, अजय सोनी, अरनॉड ली फेबवरियर और पेर इकलुंड, "Nb मिश्रधातुओं द्वारा ऊष्मा विद्युत पदार्थ ScN में ऊष्मीय चालकता की कमी", प्रयुक्त भौतिक विज्ञान की पत्रिका 122, 025116 (2017)।
63. सोमनाथ आचार्या और अजय सोनी, "Yb डोपड SnTe के वर्द्धित ऊष्मा विद्युत गुण", एआईपी सम्मेलन की कार्यवाही 1832, 110028 (2017)।
64. महेश सोनी, पवन कुमार, रुद्र कुमार, एस.के. शर्मा, अजय सोनी, "अधिसंधारित्र अनुप्रयोगों के लिए ऑक्सीजनित ग्राफीन प्रसार की फोटो उत्प्रेरित कमी", भौतिक विज्ञान की पत्रिका डी: प्रयुक्त भौतिक विज्ञान 50, 124003, (2017)।
65. महेश सोनी, पवन कुमार, अजय सोनी और एस.के. शर्मा, "AI सूक्ष्म सरणियां एकीकृत ग्राफीन ऑक्साइड का प्रयोग करते हुये एफ- की चयनात्मक खोज", सेन्सर्ज और एक्टूएटर्ज बी: रसायन (2017)।
66. रे आर., के. कुमार ए. (2017), "संरचनात्मक द्विविभाजन विश्लेषण का उपयोग करते हुये वर्ग सिलेंडर के धरातल से अस्थिर प्रवाह पृथक्करण पर कतरनी दर प्रभाव का सांख्यिकीय अध्ययन", तरल पदार्थों का भौतिक विज्ञान, 29(8):083604।
67. मित्तल एचवीआर, रे आर.के., कैसीम एम.ए., रे आर.के. (2017), "रूपांतरण मुक्त एचओसी योजना का उपयोग करते हुये एक आवेगपूर्वक आरम्भ हुये घूर्णी दोलन गोलीय सिलेण्डर के आंतरिक प्रवाह का सांख्यिकीय अध्ययन", तरल पदार्थों का भौतिक विज्ञान, 29(9):93603।
68. मित्तल एचवीआर, कासिम एमए, रे आर.के., (2017), "लॉकड ऑन वोरटैक्स शैडिंग मोड्स फरॉम ए रोटेशनली ओस्सीलेटिंग सर्कुलर सिलेंडर, समुद्र अभियांत्रिकी, भाग 146, पीपी 324–338।
69. मित्तल एचवीआर, रे आर.के., (2017), "सोल्विंग मूविंग इंटरफेस प्रॉब्लम्ज यूजिंग ए हायर आर्डर एक्युरेट फिनाइट डिफरेंस स्कीम", एआईपी कान्फ. प्रोस., 1863:490002–1–490002–4।
70. कुमार ए., रे आर.के. (2017), "ए न्युमेरिकल सिमुलेशन ऑफ शियर फ्लो पास्ट टू इक्वेल साइज्ड सक्वेयर सिलेंडरज अरेंजड इन पैरालल एट आरई 500", एआईपी कान्फ. प्रोस. 1863: 4900003–1–490003–4।

71. त्यागी एस., अब्बास एस. रे आर.के. (2017), "अलग और बंटित देरी सहित कोशिकीय तंत्रिका नेटवर्क की स्थिरता और द्विविभाजन विश्लेषण, राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी की कार्यवाही, भारत अनुभाग ए: भौतिकीय विज्ञान।
72. रेणु चौधरी, राल्फ स्कोमस्की और आरती कश्यप आईईईईई, "कोबाल्ट क्रोमिया पतली झिल्लियों में विद्युत क्षेत्र नियंत्रित इंटरफेस अदली-बदली युग्मन, चुम्बकत्व में आईईईई ट्रांजैक्शन, भाग 53, न0 10, अक्टूबर (2017)।
73. आर. चौधरी, आर. स्कोमस्की, ए. कश्यप, "क्रोमिया पर ग्राफीन में चुम्बकत्व का विद्युत क्षेत्र नियंत्रण", चुम्बकत्व और चुम्बकीय सामग्री की पत्रिका 443 (2017) 4-8।
74. डब्ल्यू.वाई झांग, शाह वेलोपि, डी.जे. सैलीमाइर, राल्फ स्कोमस्की और आरती कश्यप, "Ti₃Co₅-xFexB₂ में अर्ध धात्विक चुम्बकत्व", एआईपी एडवांसिज 7, 055713 (2017)।
75. मुथुई जिप्पोराह, पाठक रोहित, मुसेम्बी रोबिन्सन, मवाबोरा जुलियस, स्कोमस्की राल्फ, कश्यप आरती, "Co₂VIn और CoVIn हियुसलर यौगिकों के संरचनात्मक, इलैक्ट्रॉनिक और चुम्बकत्व गुणों के प्रथम सिद्धांत की खोज, एआईपी एडवांसिज 7, 055705 (2017)।
76. मुथुई जिप्पोराह, मुसेम्बी रोबिन्सन, मवाबोरा जुलियस, आरती कश्यप, "परपैन्डीकुलर मैगनेटिक एनिसोट्रोपी इन Mn_{0.75}Co_{1.25}VIn: ऐन ऐब इनिशियो स्टडी", चुम्बकत्व और चुम्बकीय सामग्री की पत्रिका 442 (2017)343-349।
77. मुथुई जिप्पोराह, मुसेम्बी रोबिन्सन, मवेबरा जुलियस, कश्यप आरती, "Mn₂VIn (001) झिल्लियों में लम्बवत् चुम्बकीय असमदिग्वर्ती", एआईपी एडवांसिज 8, 055701 (2018)। एआईपी एडवांसिज 8, 055701 (2018)।
78. जिप्पोराह डब्ल्यू. मुथुई, रोबिन्सन जे. मुसेम्बी, जुलियस एम. मवाबोरा, राल्फ स्कोमस्की और आरती कश्यप, "हियुस्लर मिश्र धातु Alloy Mn₂VIn के संरचनात्मक, इलैक्ट्रॉनिक और चुम्बकीय गुण: ए कम्बाईड डीएफटी एण्ड एक्सपरिमेण्टल स्टडी, चुम्बकत्व में आईईईई ट्रांजैक्शन, भाग 54, न0 1, जनवरी (2018)।
79. इम्रान अहमद, रोहित पाठक, राल्फ स्कोमस्की और आरती कश्यप, ε-Fe₂O₃ε-Fe₂O₃ की चुम्बकीय क्रिस्टेलाइन एनिसोट्रोपी, एआईपी एडवांसिज 8, 055815 (2018)।
80. पी. नारुला, के. सरकार, सरिता आज़ाद (2018), "इन्डैक्सिंग ऑफ ड्राइविंग रेन एक्सपोजर इन इण्डिया बेस्ड ऑन डेली ग्रेडिड डाटा", जर्नल ऑफ विण्ड इंजीनियरिंग एण्ड एयरोडायनेमिक्स 175,244-251।
81. पी. नारुला, के. सरकार, सरिता आज़ाद (2018), "ए फंक्शनल इवैल्यूशन ऑफ द स्पेशियो-टेम्पोरल पैटर्नज ऑफ टेम्परेचर चेंज इन इण्डिया, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्लाइमेटोग्राफी, डीओआई: 10.1002/joc.5174.
82. पी. नारुला, के. सरकार, सरिता आज़ाद (2017), "ड्राइविंग रेन इन्डाईसिस फॉर इण्डिया ऐट 1°× 1° ग्रेडिड स्केल", जर्नल ऑफ विंड इंजीनियरिंग एण्ड इंडस्ट्रियल एरोडायनेमिक्स 161:1-8।
83. कुमार पी., रे आर., एडल पी. लुबकेमान, एफ, डोरफस डी. पाल, एस.के., "रोल ऑफ ZnS सेगमेंट ऑन कॅरियर डायनेमिक्स एण्ड फोटोलुमिनिसेंस प्रोपर्टी ऑफ CdSe@CdS/ZnS" क्वांटम रॉडस जे. फिज़िक्स, कैम,सी 2018, डीओआई 10.1021/एसीएस.जेपीसीसी.7बी12223।
84. शी क्यू, घोष एस., सरकार ए.एस. कुमार, पी. पाल, एस.के. कारकी, के. जे. पुलीरीटस, टी., "वेरियेशन इन द फोटोकॉरंट रीस्पॉंस ड्यू टू डिफरेंट इमिंसिव स्टेट्स इन मीथाइलमोनियम लैंड ब्रोमाइड पेरोवस्काइट्स, जे. फिज़िक्स, कैम, सी 2018, 122, 3818-3823।
85. सरकार ए, एस. राव, ए.डी., जगदीश, ए.के. गुप्ता, ए., नन्दी सी.के. रामामूर्थी पी.सी., पाल एस.के., "फेसाइल एम्बिडिंग ऑफ गोल्ड नैनोस्ट्रक्चरज इन द होल ट्रांसपोर्टिंगलेयर फॉर एफिसिएंट पोलिमर सोलर शैल्स ओरग. इलैक्ट्रॉन, 2018, 54, 148-153।

86. सरकार ए., एस. पाल, एस.के., "ए वैन डेर वाल्स p-n हीटरोजंक्शनबेस्ड ऑन पोलिमर 2 डी लेयरड MoS₂ फौर सोल्यूशन प्रोसैसीबल इलैक्ट्रॉनिक्स जे. फिज़ि.कैम. सी 2017, 121, 21945–21954 |
87. घोष एस., एस. पाल, एस.के. कारकी, के.जे., पुलीरिटस टी. "आयन माइग्रेशन हील्स ट्रेपिंग सेंटर्ज इन CH₃NH₃PbBr₃ पेरोवस्काइट एसीएस एनर्जी लैट.2017, 2, 2133–2139 |
88. मुशताक ए., घोष, एस. सरकार, ए.एस. पाल, एस.के., "मल्टीपल एक्साइटेशन हार्वेस्टिंग ऐट 0डी/2डी हीटरोस्ट्रक्चरज", एसीएस एनर्जी जैट. 2017, 2, 1879–1885 |
89. सरकार ए., एस. पाल, एस.के., "इलैक्ट्रॉन-फोनोन इंटरैक्शन इन ऑर्गेनिक/2डी ट्रांजीशन मेटल डिवाल्कोजीनाइड हीटरोजंक्शनस: ए टेम्परेचर डीपेन्डेण्ट रम स्पेक्ट्रोस्कोपिक स्टडी", एसीएस ओमेगा 2017, 2, 4333–4340 |
90. शॉनक रॉय, अमित जायसवाल*, "थीरोनोस्टिक अनुप्रयोगों के लिए ग्राफीन आधारित अति सूक्ष्म पदार्थ", रिपोर्ट्स इन एडवांसिस ऑफ फिज़िकल साइंसिज, 2018, 1 (4), 750011–1–53 |
91. प्रेम सिंह, शॉनक रॉय, ए. जायसवाल*, "क्युबिक गोल्ड नैनोपार्टिकल्सविद ए सोलिड ओक्टाहेडरल कोर एण्ड पोरस शैल ऐज एफिसिएण्ट कैटालिस्ट: इम्युनोमोबिलाइजेशन एण्ड काइनाटिक एनालायसिस, जे. फिज़िक्स, कैम. सी. 2017, 121 (41), 22914–22925 |
92. रूपतनु बनर्जी, अमित जायसवाल*, "क्युबिक गोल्ड नैनोपार्टिकल बेस्ड लेटरल फ्लो इम्यूनोऐसे ऐज ए पॉईण्ट ऑफ केयर डायगोनेस्टिक टूल फॉर इन्फैक्शियस अजेंट्स एण्ड डिज़िज़", एनालिस्ट, 2018, 143 (9), 1970–1996 |
93. पी. कुमार, पी.जी. रेड्डी, एस.के. शर्मा, एस. घोष, सी.पी. प्रदीप, के.ई. गोन्सेल्वज, "हेक्साफ्ल्यूरोएन्टीमोनेट युक्त हाइब्रिड फोटोरिसिस्ट के उच्च-संकल्प ईयूवीएल पैटर्न के वर्द्धित यांत्रिकीय गुण, इंज., 2018, स्वीकृत लेख |
94. पी.जी. रेड्डी, जी. अंगाजाला, एन. मथारू, सी.पी. प्रदीप, "वेनाडियम क्लस्टर बेस्ड इनऑर्गेनिक-ऑर्गेनिक कोवेलण्ट हाइब्रिड्स: सिंथसीज, स्ट्रक्चर एण्ड इन विट्रो एन्टिऑक्सीडेण्ट प्रोपर्टीज", कैम. सीलेक्ट, 2017, 2, 2017, 11235–11239 |
95. जे.पी. नान्दे, एस.आर. पाटिल, एस.के. साहु, सी.पी. प्रदीप, "ए केमोसेंसर फॉर माइक्रो एण्ड मोलर डिटेक्शन ऑफ Ag⁺ और Hg²⁺ आयन इन प्येर एक्वायस मीडिया एण्ड इट्स एप्लीकेशन इन शैल इमेजिंग", डाल्टन ट्रांस, 2017, 46, 14201–14209 |
96. एस. शर्मा, ए. गुप्ता, सी.पी. प्रदीप, ए. धीर, "अंडरस्टैंडिंग ऑफ ट्विस्टेड इंट्रामोलिक्यूलर चार्ज ट्रांसफर एण्ड सोलिड स्टेट एमिशन बिहेवियर ऑफ बेन्जिमिडेजोल डेरिवेटिक्स", कैम. चयनित, 2017, 2, 10517–10523 |
97. पी.जी. रेड्डी, पी. कुमार, एस. घोष, सी.पी. प्रदीप, एस.के. शर्मा, के.ई. गोन्सेल्वज, "ऑर्गेनिक-इनऑर्गेनिक हाइब्रिड फोटोरिसिस्ट्स कन्टेनिंग हेक्साफ्लूओरेण्टिमोनेट: डिज़ाइन, सिंथसीज एण्ड हाई रीजोल्यूशन ईयूवी लिथोग्राफी स्टडीज", कैम. फ्रंट. 2017, 1, 2613–2619 |
98. एस.एस. ए. अबिदि, वाई. अज़िम, ए.के. गुप्ता, सी.पी. प्रदीप, "एन हीटरोसाइक्लिक एरोमेटिक यौगिकों और एसीटेमाइड के साथ डाइमिथाइलग्लाक्साइम के तीन नये सह स्फटिक का यांत्रिकी रसायनिक संश्लेषण और संरचनात्मक चरित्रण", जे. मोल. स्ट्रक्चरज, 2017, 1150, 103–111 |
99. पी.जी. रेड्डी, एन. ठाकुर, सी.एल.ली, एस. डब्ल्यू. चाइन, सी.पी. प्रदीप, एस. घोष, के. वाई. टी साइ, के.ई. गोन्सेल्वज, "हेवी मेटल इनकोरपोरेटिड हीलियम आयन एक्टिव हाइब्रिड नॉन-कैमिकली एम्पलिफाइड रीसिस्ट्स: नैनो पैटर्निंग विद लो लाइन ऐज रफनेस", एआईपी एडव., 2017, 7, 085314 / 1–085314 / 9 |
100. एन. ठाकुर, पी.जी. रेड्डी, एस. नन्दी, एम. योगेश, एस.के. शर्मा, सी.पी. प्रदीप, एस. घोष, के.ई. गोन्सेल्वज, "नियूनॉन कैमिकली एम्पलिफाइड मोलिक्यूलर रीसिस्ट डिज़ाइन विद स्विचेबल सेंसिटीविटी फॉर मल्टी लिथोग्राफी एप्लीकेशनस एण्ड नैनो पैटर्निंग", जे. माइक्रोमेक. माइक्रोइंज., 2017, 27, 125010 |

101. ए. कुमार, ए. के. गुप्ता, एम. देवी, के.ई. गोन्सेल्वज़, सी.पी. प्रदीप, "इंजीनियरिंग मल्टी-फंक्शनली इन हाइब्रिड पोलियोक्सोमेटालेट्स: एरोमेटिक सल्फोनियम ओक्तामोलिबडेट्स ऐज एकसीलेण्ट फोटोक्रोमिक मेटेरियल्स एण्ड सेल्फ-सेपेरेटिंग कैटालिस्ट्स फॉर एपोक्सीडेशन", इनऑरग. कैम. 2017, 56, 10325–10336 ।
102. एस. नन्दी, एम. योगेश, पी.जी.पी. रेड्डी, एस.के. शर्मा, सी.पी. प्रदीप, एस. घोष, के.ई. गोन्सेल्वज़, "फोटोएसिड जनरेटर इन्टीग्रेटेड टरपोलिमर फॉर इलैक्ट्रॉन बीम लिथोग्राफी एप्लीकेशन्स: सेंसिटिव रीसिस्ट विद पैटर्न ट्रांसफर पोटेण्शियल", मेटर. कैम. फ्रंट., 2017, 1, 1895–1899 ।
103. एस. शर्मा, टी.एस. विरक, सी.पी. प्रदीप, ए. धीर, "Cu₂⁺ और CN-आयन की नैनोमोलर खोज के लिए ईएसआईपीटी प्रेरित कार्बेजोल आधारित एआईईई पदार्थ", यूर. जे. इनऑरग.कैम., 2017, 18, 2457–2463 ।
104. पी.जी. रेड्डी, एस.पी. पाल, पी. कुमार, सी.पी. प्रदीप, एस. घोष, एस.के. शर्मा, के.ई. गोन्सेल्वज़, "पोलिएरीलिन सल्फोनियम साल्ट ऐज ए नोवल एण्ड वर्सेटाइल नॉन-केमिकली एम्पलिफाइड नेगेटिव टोन फोटोरीसिस्ट फॉर हाई रेजोल्यूशन ईयूवी लिथोग्राफी एप्लीकेशन्स", एसीएस अप्ल. मेटर. इंटरफेसिस, 2017, 9, 17–21 ।
105. सन्दीप शर्मा और नीतू कुमारी 2017, "हैजा मॉडल में बैकवार्ड द्विविभाजन: जिम्बावे और हैटि में प्रकोप अध्ययन का मामला", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बाइफेरकेशन एण्ड चेओस (वर्ल्ड साइंटिफिक) भाग 27 (11), पीपी. 1750170 ।
106. सन्दीप शर्मा और नीतू कुमारी 2017, "हैजा मॉडलिंग में पर्यावरणात्मक प्रदूषण का विचार क्यों (विली), प्रैस में, डीओआई 10.1002/mma.4461 (इम्पैक्टफैक्टर 1.017) ।
107. आर.डी. परसाद, एस. कोआची, नीतू कुमारी और एच.ए. अब्दर्रहमान (2017), "चार कम्पार्टमेण्ट ब्रुस्लेटर टाइप तंत्र का वैश्विक अस्तित्व और देर तक गतिकी", डायनेमिक्स ऑफ कंटिनियुअस डिस्क्रीट एण्ड इम्पलसिव सिस्टम्स सीरिज ए: मैथेमेटिकल एनालायसिस, भाग 24, पीपी. 79–120 ।
108. सन्दीप शर्मा और नीतू कुमारी (2018), "हैजा मॉडल में सम्भावना और पिछड़े द्विविभाजन के कारण", द्रव गतिकी के अनुप्रयोग", स्प्रिंगर, पीपी 673–682 ।
109. एम.के. हूडा और सी.एस. यादव, "मध्यवर्ती रूप से युग्मित अधि चालकों के इलैक्ट्रॉनिक पारगमन गुण: PdTe₂ और Cu_{0.05}PdTe₂", यूरो भौतिक विज्ञान पत्र में स्वीकृत (2018) ।
110. दिबयेन्दु डे, एस. नाण्डी, और. मैत्रा, सी.एस. यादव, "Sr डोपड YBaCuFeO₅ में सर्पिल अवस्था की प्रकृति, चुम्बकीय संक्रमण और विद्युत धुवीकरण: प्रथम सिद्धांत अध्ययन", वैज्ञानिक रिपोर्ट (2018) ।
111. एस.के. शर्मा, विशाल एस. चौहान और सी.एस. यादव, "लौह सिरामिक्स से विद्युत चुम्बकीय विकिरण उत्सर्जन के लिए एक सैद्धांतिक मॉडल", मेटेरियल टुडे कम्प्यूनिकेशन 14, 180 (2018) ।
112. सुरेन्द्र लाल, के. मुखर्जी और सी.एस. यादव, "LnBaCuFeO₅ (Ln = Gd, Ho, Yb) की ताप क्षमता पर स्फटकीय विद्युत क्षेत्र का प्रभाव", ठोस अवस्था सम्प्रेषण 270, 130 (2018) ।
113. एम.के. हूडा और सी.एस. यादव, "p-प्रकार के पोलिक्रिस्टलीय ZrTe₅ में वर्द्धित ऊष्मा शक्ति और कम ऊष्मीय चालकता", प्रयुक्त भौतिक पत्र 111053902 (2017) ।
114. सुरेन्द्र लाल, योगेन्द्र सिंह और सी.एस. यादव, "संरचनात्मक संक्रमण के नीचे GaV₄S₈ की एसी चालकता और चुम्बकीय-परावैद्युत स्वीकार्यता", मेटेरियल रिसर्च एक्सप्रेस 5, 056105 (2018) ।

115. मनोज दास, जे.के. वर्मा और पी.के. पाठक, "एकल द्विस्तरीय तंत्र द्वारा नैनो मकैनिकल रेजोनेटर की मेजोस्कोपिक अवस्थाओं की अधि अवस्था का उत्पादन", फिज़िक्स रीव ए 96, 033837 (2017)।
116. टी. परतीक, बी. सिंह, एस. द्विवेदी, ए.के. यादव, अनिता एस. सेन, प्रदीप कुमार और एस. कुमार, "Al³⁺ परिवर्तित मोनोक्लीनिक LiZr₂(PO₄)₃ के आयनिक चालन और प्रदोलक गुण" इलैक्ट्रो एक्टा 263, 533 (2018)।
117. बिरेन्द्र सिंह, जी.ए. कैनसीवीर, टी. डे, ए. मलजुक, एस. वुरमेहल, "Ir⁵⁺(5d⁴) डबल पेरोवस्काइट Ba₂YIrO₆ में ओरबिटन-फोनोन युग्मन", arXiv1702.00724(2017)।
118. सोनू शर्मा और प्रदीप कुमार, "स्थितिज ऊष्मा विद्युत पदार्थों के रूप में चतुर्धातुक अर्धचालक Cu₂MgSnS₄ और Cu₂MgSnSe₄", जे. फिज़िक्स कम्प्युन. 1045014 (2017)।
119. सोनू शर्मा और प्रदीप कुमार, "पूर्ण हिंसुर मिश्र धातुओं Fe₂TiX (X = As and Sb) के इलैक्ट्रॉनिक, चुम्बकीय और परिवहन गुणों की खोज", चीन, भौतिकी विज्ञान की पत्रिका 55, 1972(2017)।
120. बिरेन्द्र सिंह और प्रदीप कुमार, "LaPd₂As₂ अधिचालक के संरचनात्मक और इलैक्ट्रॉनिक गुण: प्रथम सिद्धांत गणना", एआईपी कॉन्फ. प्रोसी. 1832, 130061(2017)।
121. सोनू शर्मा और प्रदीप कुमार, "YNiBi अर्ध मिश्रधातु के परिवहन गुणों का बोध: शुरु से अध्ययन", एआईपी कॉन्फ. प्रोसी. 1832, 110048 (2017)।
122. सिधु, जगप्रीत सिंह, सिंह आशुतोष गर्ग, नेहा कौर, नवनीत सिंह, नरेन्द्र, "कार्बन डॉट्स ऐज एनालायटिकल टूल्स फॉर सेंसिंग ऑफ थियोरीडोक्सीन रीडक्टेस एण्ड स्क्रीनिंग ऑफ कैंसर शैल्स", एनालिस्ट 2018, रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री।
123. तिवारी आशीष, सिंह आशुतोष, गर्ग नेहा, रन्धावा जसप्रीत के., "करक्युमिन ऐनकैपेसुलेटिड जीयोलाइटिक इमिडेजोलेट फ्रेमवर्क ऐज स्टिमुलि रीसपॉन्सिव ड्रम डीलिवरी सिस्टम एण्ड देयर इंटरैशन विद बायोमीटिक एन्वायरनमेण्ट", वैज्ञानिक रिपोर्टें 7112598 2017 नेचर पब्लिशिंग ग्रुप।
124. सिधु, जगप्रीत सिंह, आशुतोष, गर्ग नेहा, सिंह नरेन्द्र, "कार्बन डॉट बेस्ड, नेपथालिमाइड कप्लड एफआरईटी पेयर फॉर हाइली सीलेक्टिव रेशोमीट्रिक डीटेक्शन ऑफ थियोरीडोक्सीन रीडक्टेस एण्ड कैंसर स्क्रीनिंग, एसीएस अप्लाइड मेटेरियल्स एण्ड इंटरफेसिस 9 31 25847-25856 2017, अमरीकी रसायन विज्ञान सोसाइटी।
125. गर्ग, आलोक, सिंह आशुतोष, संगल विकास के. बाजपेयी, प्रमोद के. गर्ग नेहा, "धातु आयन Fe और Cu डोपड और को-डोपड TiO₂ के संश्लेषण, चरित्रण और कैंसर रोधी गतिविधियां", रसायन विज्ञान की पत्रिका 4118 9931-9937 2017, रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री।
126. बक्खशीनायन, डेविड, गर्ग नेहा, मनोरंजन, ब्रानावन, वेनुगोपाल, चित्र हालेट, रोबिन, वेंग, एक्सिन, कामेदा स्मिथ, माइक्ली, एडिली, अशले, रामास्वामी, विजय, डेविस, थोमस", ए थिरैप्टिक टारगेट इन रीकरंट मेडुलोब्लास्टोमा नियुरो-ऑनकोलोजी 19 सप्ल 4 iv54 2017 नियुरो-ऑनक्लोजी।
127. गर्ग एन. बक्खशीनायन, डी. वेनुगोपाल सी. महेन्द्रम, एस. रोसा, डी.ए., विजय कुमार, टी. मनोरंजन, बी. हाल्लेट, आर. मैकफारलेन, एन. डीलेनी, के.एच, सीडी 133 + ब्रेन ट्युमर इनिशिएटिंग शैल्स आर डीपेन्डेण्ट ऑन स्टैट 3 सिग्नेलिंग टु ड्राइव मेडुल्लोब्लास्टोमा रीकरेंस ऑन कोजीन 36 5 606 2017, नेचर पब्लिशिंग ग्रुप।
128. सिंह ए. कुमार ए. यादव आर., युवरस्काइ वी.एन., गिरी आर., "डिसिफरिंग द डार्क प्रोटीओम ऑफ चिकुंगुनयावायरस" साई. रीप.2018 (प्रेस में)।

129. मुरली ए., कुमार डी., गिरी आर. सिंह एस.के., "E7 ऑनकोप्रोटीन ऑफ ह्यूमन पेपीलोमेवायरस: स्ट्रक्चरल डायनेमिक्स एण्ड इन्हिबिटर स्क्रीनिंग स्टडी" जीन 2018 मार्च 10 (प्रेस में)।
130. कालिता जे., शुक्ला आर., शुक्ला एच., गाधेव के., गिरी आर., त्रिपाठी टी., "फेसिओला गिगेन्टिका से एमयु-क्लास ग्लुथियोन एस-ट्रंसफिरेज के उत्प्रेरण का अनिवार्य विश्लेषण और संरचनात्मक गुण", साई. रीप. 2017 दिसम्बर 13; 7 (1):17547।
131. मिश्रा पी.एम., यूवरस्की वी.एन., गिरी आर., "ज़िका विषाणु प्रोटीओम में आण्विक पहचान लक्षण", आण्विक जीव विज्ञान की पत्रिका, 2017 (*संगत लेखक)।
132. शर्मा एन., मुरली ए. सिंह एस.के., गिरी आर., "एपिगेलोकेटचीन गेलेट, एक सक्रिय हरी चाय यौगिक मेज़बान कोशिका में आवरण प्रोटीन को बांधने से ज़िका विषाणु का प्रवेश रोकता है।", इंटर जे. बायोल मैक्रोमोल, 2017 जून 27 (*संगत लेखक)
133. कुमार डी. शर्मा एन. गिरी आर., "नशीली दवाओं के लक्ष्य के रूप में आंतरिक रूप से क्रमहीन प्रोटीन का उपयोग कर कैंसर चिकित्सा में हस्तक्षेप: मॉडल तंत्र के रूप में c-Myc", कैंसर सूचना 2017, मार्च 16;16:1176935117699408। समीक्षा (*संगत लेखक)
134. पी.सी. देशमुख, ए. कुमार, एच.आर. वर्मा, एस. बनर्जी, स्टीवन टी मानसून, वी.के. डोलमाटोव और ए.एस. खीफेटस., "विंगर-ईसेनबड-स्मिथ फोटोआयनाइजेशन टाइम डिले ड्यू टू ऑटो आयनाइजेशन रेजोनेंसिस", जे. फिज़िक्स बी: मोल. ओप्ट. फिज़िक्स 51 (2018)065008 (8पीपी). <http://doi.org/10.1088/1361-6455/aaae33>.
135. आर.के. मौर्या, प्रियमेधा शर्मा, आशुतोष पटेल और आर. बिन्दु, "MnTiO₃ में Mn³⁺ ions के अस्तित्व के प्रत्यक्ष साक्ष्य", यूरो. भौतिक विज्ञान पत्र 119, 37001 (2017)।
136. सिबाप्रसाद बारिक, बी. कृष्णादास, कल्पेश जे. हरिया और जयदेब सरकार, अमेरिकी गणित सोसाइटी के समन्वय में प्रस्तुत होने के लिए "आइसोमेट्रीक डिलेशनस एण्ड वोन नियुमन इनइक्वेलिटी फॉर ए क्लास ऑफ टप्लस इन द पोलिडिस्क।"
137. एम. मुस्लिम, अवधेश कुमार और आर. सकथिवल, "गैर-तात्कालिक आवेगों सहित दूसरे क्रम के गैर रेखीय विभेदक समीकरणों की नियंत्रकता", 20 सितम्बर, 2017 को प्रकाशित, <https://doi.org/10.1007/s10883-017-9376-5>.
138. शेखर सिंह नेगी, सैयद अब्बास और मुस्लिम मलिक, "समय के पैमाने पर विशेष प्रकार के दूसरे क्रम के अरैखिक गतिशील समीकरणों के नये दोलन मानदण्ड", गणितीय विज्ञान, 12 (2018), 25–39।
139. एम. मुस्लिम, राजेश धयल, सैयद अब्बास और अवधेश कुमार, "गैर तात्कालिक आवेगों सहित अस्वायत्त अरैखिक अन्तर प्रणाली की नियंत्रणशीलता", RACSAM (2017), <https://doi.org/10.1007/s13398-017-0454-z> (प्रभाव कारक: 0.69)
140. एम. मुस्लिम, अवधेश कुमार और मिकल फेकान, "गैर तात्कालिक आवेगों सहित दूसरे क्रम अरैखिक विभेदक समीकरणों के आवधिक समाधान", गतिकी तंत्र और अनुप्रयोग, 26 (2017), 197–210।
141. एम. मुस्लिम, सैयद अब्बास और अवधेश कुमार, "भ्रामक तर्कों सहित भिन्नात्मक आदेश अस्वायत्त तटस्थ विभेदक समीकरण के समाधान का अस्तित्व और विशिष्टता", अरैखिक विकास समीकरण और अनुप्रयोग, ऑन लाईन अप्रैल 12, 2017, <http://www.jneea.com/?accepted&id=1606291>।
142. एम. मुस्लिम, अवधेश कुमार और आर.पी. अग्रवाल, "विवादित तर्क, निरंतर, असतत् और आवेगपूर्ण प्रणालियों की गतिशीलता के साथ दूसरे क्रम विकास प्रणालियों का सटीक और प्रक्षेपवक्र नियंत्रण", श्रृंखला बी: अनुप्रयोग और कलन विधियां, 24 (2017), 139–154।

143. पी. सेल्वराज, आर. सविथवल, ओ.एम. कवोन और एम. मुस्लिम, "तुल्यता इनपुट अव्यवस्था दृष्टिकोण के आधार पर अंतराल प्रकार— 2 फजी तंत्र की अव्यवस्था स्वीकृति", गतिशील तंत्र की पत्रिका, मापन और नियंत्रण, 26 अप्रैल, 2017 को प्रकाशित, डीओआई: 10.1115 / 1.4036564 ।
144. एम. मुस्लिम, अवधेश कुमार और आर.पी. अग्रवाल, "विवादित तर्क, सृजनात्मक गणित और सूचना विज्ञान सहित दूसरे क्रम अरैखिक विभेदक समीकरणों की सटीक और प्रक्षेपवक्र नियंत्रणशीलता", 26 (2017), न0 2, 181–191 ।
145. एम. मुस्लिम, अवधेश कुमार और आर.पी. अग्रवाल, "विवादित तर्क के साथ (1,2) \$ आर्डर में भिन्नात्मक इंटीग्रो अंतरीय प्रणालियों का सटीक नियंत्रण", ऐनालीली यूनिवर्सिटी डिन ओरेडीया—फेसिकोला मेटेमेटिका, भाग—24, न0 1 (2017), 185–194 ।
146. वेंकटेश्वरुलु एम., गम्भीर डी., कौर एच., डेनियल पी.वी. मण्डल पी., कोडार आर.आर., "ए लॉग रेंज इमिसिव मेगा—स्टोक्स इनऑर्गेनिक—ऑर्गेनिक हाईब्रिड मेटेरियल विद पेरीफेरल कार्बोक्सील फंक्शनेलिटी फॉर ऐज (वी) रिकिग्निशन एण्ड इट्स एप्लीकेशन इन बायोइमेजिंग। डाल्टन ट्रांस. 2017, अक्टूबर 3;46 (38): 13118–13125 ।
147. रीना डिसूज़ा, त्रिप्ति वत्स, अमित चटर्जी और प्रेम फेलिक्स सिरिल, "ग्राफीन स्पोर्टिड मैग्नीटिकली सेपेरेबल सोलिड एसिड कैटालिस्ट फॉर द सिंगल स्टैप कन्वर्सन ऑफ वेस्ट कूकिंग ऑयल टु बायोडीज़ल", अक्षय ऊर्जा, 126, 1064–1073, 2018 ।
148. रीना डिसूज़ा, त्रिप्ति वत्स, अमित चटर्जी और प्रेम फेलिक्स सिरिल*, "ओलिक एसिड के स्थिरीकरण और बायोडीज़ल के लिए अपशिष्ट खाना पकाने के तेल के रूपांतरण के लिए सल्फाइडेड ग्राफीन ऑक्साइड की उत्प्रेरक गतिविधियों पर धातु ऑक्साइड का प्रभाव" । उत्प्रेरण पत्र, 1–8, 2018 ।
149. एम. चावला, ए. कुमारी, पी.एफ. सिरिल*, "असाधारण उत्प्रेरक गतिविधियों और पैलेडियम के संवेदनशील कार्य निष्पादन ने विषमदेशिक अतिसूक्ष्म सोना कणों को संवारा" रसायन विज्ञान चयन, 3, 31, 9071–9083, 2018 ।
150. सुनील दत्त, त्रिप्ति वत्स और प्रेम फेलिक्स सिरिल*, "पोलिएनीलिन चुम्बकीय अति सूक्ष्म कणों के रूप में अलग करने योग्य डाई अवशोषक", रसायन विज्ञान की नयी पत्रिका, 42 (8), 5709–5719, 2018 ।
151. के. मोवेली, पी. पेरीसेमी, टी. कृष्णाकुमार, एम.आर. गांजाली, एसजी लियोनारडी, जी. नेरी, मुर्थी चवेली, प्रेम फेलिक्स सिरिल, वीपी देवराजन, "गैस संवेदक अनुप्रयोग के लिए अति सूक्ष्म संरचनाओं का माइक्रोवेव युक्त संश्लेषण और लक्षण वर्णन", मिश्र धातुओं और यौगिकों की पत्रिका 762, 745–753, 2018 ।
152. राज कुमार, आशुतोष सिंह, नेहा गर्ग और प्रेम फेलिक्स सिरिल* "अशुद्ध जल में घुलनशील गैर स्टेरायडल शोथ रोधी दवाओं के नियंत्रित वितरण के लिए ठोसलाइपिड अति सूक्ष्म कण", अल्ट्रासोनिकस सोनोकैमिस्ट्री 40 (686–696)2018, <http://doi.org/10.1016/j.ultsonch.2017.08.018>.
153. राज कुमार और प्रेम फेलिक्स सिरिल*, "फेनोफिब्रेट अति सूक्ष्म कणों के कण आकार और आकृति विज्ञान पर बहुलीय स्थायित्वकारी का प्रभाव", एएपीएस फार्म साई.टैक, 19(1), 284–292, 2018 ।
154. पी. पैरिसेमी, टी कृष्णन कुमार, एम. सथिस, मुर्थी चावेली, "KOH इलैक्ट्रोलाइट में अधि संधारित्र इलैक्ट्रोड के लिए माइक्रोवेव विकिरणित टंगस्टन ऑक्साइड (WO₃) के विद्युत रासायनिक गुणों की खोज", मेटेरियल्स रिसर्च एक्सप्रेस 5 (8), 085007, 2018 ।

155. पी. पैरिसेमी, टी. कृष्णाकुमार, एम. सथिश, मुर्थी चावेली, प्रेम फेलिक्स सिरिल, वी.पी. देवराजन, "अधिसंधारित्र में माइक्रोवेव युक्तगीली-रासायनिक तकनीक द्वारा निर्मित टंगस्टन ऑक्साइड का संरचनात्मक और विद्युत रासायनिक अध्ययन", 29 (8), 6157-6166, 2018।

पुस्तक अध्याय:

1. ज़ियाउद्दीन खान, आर. शंकर, डी. उम, अमित जायसवाल, एच. को, "जैव चिकित्सा अनुप्रयोगों के लिए जैव प्रेरित पोलिडोमेमाइन और सम्मिश्र", पुस्तक शीर्षक: इलैक्ट्रिकली कंडक्टिंग पोलिमर एण्ड पोलिमर कम्पोजिट्स: फरॉम सिंथसिस टु बायोमेडिकल एप्लीकेशन्स, विलि-वीसीएच वरलैग जीएमबीएच और सीओ. जर्मनी द्वारा प्रकाशित (2018,1)।
2. शौनक रॉय और अमित जायसवाल*, "एसईआरएस आधारित जैव संवेदन सम्भावित आगामी पीढ़ी के पॉईंट ऑफ केयर कैंसर नैदानिक मंच", पुस्तक शीर्षक: नेक्सट जनरेशन पॉईंट ऑफ केयर बायोमेडिकल सेंसर्स टेक्नोलॉजीज फॉर कैंसर डायग्नोसिस, स्प्रिंगर (2017), ऑनलाइन: आईएसबीएन 978-981-10-4726-8, प्रिंट आईएसबीएन: 978-981-10-4725-1।
3. ए. कुमार., आर.के. रे, "एक बंद चैनल में एक इनलेट कतरनी के साथ वर्ग सिलेंडर के चारों ओर प्रवाह का संख्यात्मक सिमुलेशन", पुस्तक शीर्षक: एप्लीकेशन ऑफ फ्लूइड डायनेमिक्स, स्प्रिंगर (2018), ऑनलाइन: आईएसबीएन 978-981-10-5329-0, प्रिंट आईएसबीएन: 978-981-10-5328-3।

कार्यशाला / सम्मेलन / प्रदर्शन:

1. Y प्रतिस्थापित CeNiGe₂ में भ्रमणशील लौह चुम्बकत्व का अनुवीक्षण। कर्ण सिंह और के. मुखर्जी, एडवांसिज इन फक्शनल एण्ड एक्सोटिक मेटेरियल्स: फरवरी 2018, तिरुचिरापली, भारत।
2. समुच्चय-काँच तंत्र Dy₅PdNi के चुम्बकीय गुणों की खोज। मोहित के. शर्मा और के. मुखर्जी, एडवांसिज इन फक्शनल एण्ड एक्सोटिक मेटेरियल्स: फरवरी 2018, तिरुचिरापली, भारत।
3. हियुस्लर मिश्र धातु में FeCrAl में Fe स्थान पर Mn के आंशिक प्रतिस्थापन के साथ काँच वाले चुम्बकीय धरातल की शुरुआत। ठोस अवस्था भौतिक विज्ञान संगोष्ठी: दिसम्बर 2017, मुम्बई, भारत।
4. द्विआधारी अंतराधातुक यौगिक Tb₅Pd₂ के चुम्बकीय और चुम्बक कैलोरी व्यवहार। मोहित के. शर्मा और के. मुखर्जी। डीएई ठोस अवस्था भौतिक विज्ञान संगोष्ठी: दिसम्बर 2017, मुम्बई, भारत।
5. परतदार पेरॉवस्काइट्स यौगिक EuBaCuFeO₅ की स्फटिक संरचना और चुम्बकत्व। सुरेन्द्र लाल, के. मुखर्जी और सी.एस. यादव। डीएई ठोस अवस्था भौतिक विज्ञान संगोष्ठी: दिसम्बर 2017, मुम्बई, भारत, एआईपी कॉन्फ. प्रोस. 1942, 130004 (2018)।
6. Gd प्रतिस्थापित YFe_{0.5}Cr_{0.5}O₃ में ठण्डा क्षेत्र और तापमान आश्रित विनिमय पूर्वाग्रह। कर्ण सिंह और के. मुखर्जी। डीएई ठोस अवस्था भौतिक विज्ञान संगोष्ठी: दिसम्बर 2017, मुम्बई, भारत। एआईपी कॉन्फ. प्रोस. 1942, 130005 (2018)।
7. Fe स्थल पर Mn प्रतिस्थापन द्वारा हियुस्लर मिश्र धातु Fe₂CrAl के चुम्बकीय गुणों की ट्युनिंग। मोहित के. शर्मा और के. मुखर्जी। उन्नत सामग्री पर अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला: दिसम्बर 2017, बेरहमपुर, भारत।
8. बहुलौहिक यौगिक YBa_{1-x}Sr_xCuFeO₅ (x = 0.0, 0.25 और 0.5) की ऊष्मीय चालकता, सुरेन्द्र लाल, के. मुखर्जी, उन्नत सामग्री पर अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला, नवम्बर, 2017, बरहमपुर, भारत।

9. अंतराधातुक यौगिक Er₅Pd₂ में चुम्बकीय विश्राम और चुम्बक कैलोरिक प्रभाव, मोहित के. शर्मा और के. मुखर्जी। घनत्व पदार्थ और प्रयुक्त भौतिक विज्ञान पर द्वितीय अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, नवम्बर, 2017, बिकानेर, भारत।
10. भारी फरमिआयन CeNiGe₂ में आंशिक रूप से विफल क्षण के संकेत। कर्ण सिंह, के. मुखर्जी। दृढ़ता से सह सम्बन्धित इलेक्ट्रॉन तंत्र पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, जुलाई 2017, प्राग, चेक गणराज्य।
11. अंकिता सरकार, ए. जायसवाल; स्टिमुलि रीस्पॉसिव गोल्ड नैनोपार्टिकल्स इम्प्रेग्नेटेड चिजोसान नैनो कैरियर फॉर थीरेनोस्टिक एप्लीकेशन्स, सूक्ष्म विज्ञान और तकनीकी पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीओएनएसएटी-2018), 21-23, मार्च 2018, भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) बंगलौर, भारत।
12. शॉनक रॉय, अमित जायसवाल; दवा वितरण के लिए नये सूक्ष्म कणों के रूप में कार्यात्मक कम ग्राफीन ऑक्साइड सूक्ष्म सन्मिश्र (आरजीओ-पीएएच)। सूक्ष्म विज्ञान और तकनीकी पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीओएनएसएटी-2018), 21-23, मार्च 2018, भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) बंगलौर, भारत।
13. प्रेम सिंह, सोनिका, ए. जायसवाल; Pd-Au द्विधात्विक नैनोरटल्स का संश्लेषण, लक्षण वर्णन और उत्प्रेरकीय अनुप्रयोग, सूक्ष्म विज्ञान और तकनीकी पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीओएनएसएटी-2018), 21-23 मार्च 2018, भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) बंगलौर, भारत।
14. शॉनक रॉय और अमित जायसवाल, नॉन वाइरल जीन थेरेपी में सम्भावित अनुप्रयोग के लिए पोलि (एलायलेमिन हाइड्रोक्लोराइड) कम ग्राफीन ऑक्साइड सूक्ष्म संवाहक, जैव बहुलक -2017 पर षष्ठ विश्व सम्मेलन, 7-9 सितम्बर, 2017, पेरिस, फ्रांस।
15. पूनम ज्योति, लिंगवान एम, श्रीवास्तवा टीपी, मसाकपल्ली एस के, रे एस के, सतापाठी एसएस। सिस्टम वाइड एनालायसिस ऑफ विरुलेंस एण्ड कैमोटेक्टिक जीन्स इन नियुली आइसोलेटेड फाइटोपैथेजन रालस्टोनिया सोलेनेसीयरम। एसएससी- 2017: तंत्र पर कलकत्ता अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, सिंथेटिक और केमिकल बायोलोजी, बोस इन्स्टिट्यूट।
16. पूनम ज्योति, लिंगवान एम., श्रीवास्तवा टीपी, रे एसके, सथापाठी एसएस, मासाकपल्ली एस.के.; फाइटोपाथोजन रालस्टोनिया सोलानैकरम के चयापचय फेनोटाइप को डिक्लोज करने की दिशा में प्रगति। आईबीएसई- 2018-जीनोटाइप से फीनोटाइप पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन: जैव वैज्ञानिक तंत्र को समझने के लिए संगणनात्मक दृष्टिकोण, भा.प्रौ.सं. मद्रास में चर्चा के लिए पोस्टर चयनित।
17. पूनम ज्योति, लिंगवान एम., श्रीवास्तवा टीपी, रे एसके, सथापाठी एसएस, मासाकपल्ली एसके; फाइटोपैथाजन रालस्टोनिया सोलनैकरम की चयापचय अभियांत्रिकी विशेषताओं में अंतर्दृष्टि। आईसीसीबी-2018: कोशिका जीव विज्ञान में अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, सीसीएमबी- हैदराबाद, जनवरी 27-31, 2018।
18. कामातम वीकेएलआर, जोशी सी.के., मासाकपल्ली एसके.; H₂ उत्पादन की दिशा में इन विट्रो चयापचय अभियांत्रिकी धारणा-भारतीय सन्दर्भ में व्यवहार्यता मूल्यांकन। अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन पीआरएस-2017, धारणीयता के लिए प्रकाश संश्लेषण और हाइड्रोजन ऊर्जा अनुसंधान। हैदराबाद विश्वविद्यालय।
19. मनीश लिंगवान, अर्पिता यादव, मनुश्री, सौरव दत्ता, मासाकपल्ली एसके; यूवीबी के तहत अराबिडोपसिस पौधारोपण की मेटाबोलाइट प्रोफाइलिंग। अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन पीआरएस-2017, धारणीयता के लिए प्रकाश संश्लेषण और हाइड्रोजन ऊर्जा अनुसंधान, हैदराबाद विश्वविद्यालय।
20. चन्द्रकान्त जोशी, मासाकपल्ली एसके; रोगाणुओं में सैलूलोज गिरावट क्षमता की राह आधारित तुलनात्मक मूल्यांकन की दिशा में नीति। इनबिक्स-2017, जैव सूचना विज्ञान अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, जयपुर।

21. जोशी सी.के. लीक डीजे, मासाकपल्ली एसके; आरएनए सैक डाटा एनालायसिस—उपकरण और चाल को प्रदर्शित करने वाला अध्ययन मामला। आईसीसीबी—2018: सैल जीव विज्ञान का अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, सीसीएमबी, जनवरी 27–31, 2018।
22. मनुश्री और मासाकपल्ली एसके.; जेन्थेमोनस ओरीजे सेन्ट्रल मेटाबोलिज्म का 13C आधारित ट्रेसर विश्लेषण। अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन एएसएम माइक्रोब 2018, जून 2017, अटलांटा।
23. मनुश्री और मासाकपल्ली एसके.; एक औद्योगिक थर्मोफाइल किण्वन जियोबेसिलस थर्मोग्लुकोसिडेसियस का 13C-मेटाबोलिक प्रवाह विश्लेषण। आईबीएसई—2018। अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, फॉर्म जीनोटाइप टु फीनोटाइप: जीव विज्ञान प्रणालियों को समझने के लिए संगणनात्मक दृष्टिकोण, भा.प्रौ.सं. मद्रास।
24. मनुश्री, मासाकपल्ली एसके और लीक डीजे. एस के.; माइक्रोफिलिक केमोस्टेट स्थिति के तहत जियोबसिलस थर्मोग्लुकोसिडासियस का चयापचय प्रवाह। एसएससी—2017: प्रणालियों, कृत्रिम और रासायनिक जीव विज्ञान पर कलकत्ता अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, बोस संस्थान।
25. मनुश्री, मासाकपल्ली एसके; कृषि फाइटोपथोजन्स के चयापचय अध्ययन के लिए 13C उपापचयी प्रवाह विश्लेषण अनुकूलित कार्य गति, आईसीसीबी—2018: सैल जीव विज्ञान का अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, सीसीएमबी, जनवरी 27–31, 2018।
26. “राष्ट्रीय जैव विविधता कार्य योजना (एनबीएपी)” पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यशाला में भा.प्रौ.सं. मण्डी का प्रतिनिधित्व किया, जैव विविधता लक्ष्य (एनबीटी) और जैव वैज्ञानिक विविधता पर सम्मेलन के लिए षष्ठ राष्ट्रीय प्रतिवेदन, 19 फरवरी, 2018, शिमला।
27. तरुण सीमवाल, नरेश एम. उदय के वी, मनुश्री, श्याम के. मासाकपल्ली; ढलान स्थिरता के लिए पौधों की जड़ के यांत्रिक लक्षण वर्णन का अध्ययन। सम्मेलन पत्र, सन् 2017 में भारतीय भू तकनीकी सम्मेलन, जीयोनेस्ट, भा.प्रौ.सं. गुवाहाटी।
28. अफसल थुपिलाकाडान, हरि आर. वर्मा, एस. साहा; गारुसी एनुलर वर्ग अच्छी तरह से विधि का उपयोग करके C60 के अन्दर हाइड्रोजन का फोटोआयनाइजेशन अध्ययन। भारतीय अटोमिक और आण्विक भौतिक विज्ञान सोसाइटी का 7वां सामयिक सम्मेलन (आईएसएमपी), आईआईएसईआर और भा.प्रौ.सं. तिरुपति, जनवरी 6–8, 2018।
29. सौरव बनर्जी, अफसल थुपिलाकाडान, एचआर, वर्मा, पी.सी. देशमुख; Ar@C540 की फोटोकरण गतिकी। आईएसएमपी टीसी—7, 6 –8 जनवरी, 2018, तिरुपति।
30. अफसल थुपिलाकाडान, एच. आर. वर्मा, पी.सी. देशमुख; H@C60 फोटोकरण के विग्नर समय देरी पर मॉडल (चिकनी बनाम कठोर) क्षमता का उपयोग। आईएसएमपी टीसी—7, 6 –8 जनवरी, 2018 तिरुपति।
31. सोमनाथ आचार्य, जुही पाण्डेय और अजय सोनी; डोपड SnTe में बैंड परिवर्तन के माध्यम से ऊष्मा विद्युत निष्पादन, अपशिष्ट ताप उत्सर्जन के लिए ऊष्मा विद्युत सामग्री पर भारत-संयुक्त राज्य कार्यशाला में अतिथि व्याख्यान, उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान (जेएनसीएसआर, भारत) के लिए जवाहर लाल नेहरू केन्द्र और रीडिंग विश्वविद्यालय (यूके) द्वारा आयोजित, जनवरी 8–10, 2018।
32. अजय सोनी ने 2 जनवरी, 2018 को सामग्री विज्ञान गुप सेमिनार, आईजीसीएआर, कलपाकाम, टीएन में चरम अति सूक्ष्म पैमाने पर स्तरित सामग्री में संरचनात्मक जटिलताएं और कारावास प्रभाव पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।
33. अजय सोनी ने प्रयोगात्मक और सैद्धांतिक भौतिक विज्ञान में आधुनिक विधियों पर राष्ट्रीय सम्मेलन में “ऊष्मा ऊर्जा रूपांतरण के लिए अत्याधुनिक ऊष्मा विद्युत सामग्री” पर आमंत्रित व्याख्यान दिया। एस एस विश्वविद्यालय, पालमपुर, नवम्बर 23–24, 2017।

34. अजय सोनी ने उभरती कार्यात्मक सामग्रियों की स्पेक्ट्रोस्कोपी पर आयोजित सम्मेलन (एसईएफएम-2017) में "अति सूक्ष्म पैमाना और अनुप्रयोग पर ग्राफीन डेरीवेटिव्स" पर आमंत्रित व्याख्यान दिया। आधार विज्ञान स्कूल, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी, अक्टूबर 9-10, 2017।
35. अजय सोनी ने उभरती कार्यात्मक सामग्रियों की स्पेक्ट्रोस्कोपी पर आयोजित सम्मेलन (एसईएफएम-2017) में "अति प्रवाहकीय स्याही और अधिसंधारित्र अनुप्रयोगों के लिए ग्राफीन ऑक्साइड डिस्पर्स का कार्य" पर व्याख्यान दिया। आधार विज्ञान स्कूल मण्डी, अक्टूबर 9-10, 2017। महेश ने पोस्टर प्रदर्शन के लिए तीसरा पुरस्कार जीता।
36. अजय सोनी ने भौतिक विज्ञान स्कूल, हैदराबाद विश्वविद्यालय में माह सितम्बर 8-9, 2017 में लघु पैमाने और उन्नत सामग्रियों पर भौतिक विज्ञान नामक राष्ट्रीय सम्मेलन में अति सूक्ष्म पैमाने पर स्तरित सामग्री में संरचनात्मक जटिलताएं और कारावास प्रभाव पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।
37. अजय सोनी ने उन्नत तकनीकी के लिए अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ऊष्मा विद्युत अनुप्रयोगों के लिए डोप्ट टिन टेलयुराइड में संरचनात्मक अवगुणों और कोमल फोनोन मोड्स की भूमिका पर आमंत्रित व्याख्यान दिया। सिम्पोजियम डीडी-02: थर्मोइलैक्ट्रिक्स 1 के लिए चालकोजीनाइट आधारित सामग्री नवोचार, जून 19-23, 2017।
38. एम.एफ. अब्दुला, पी.पाल, एस.आर. मोहपात्रा, सी.एस. यादव. एस.डी. कौसिक और अनिल सिंह; Mn डोप्टवाइटाईप बेरियम हेक्साफेराइट ($Ba_2Mg_2Fe_{12}O_{22}$) का संरचनात्मक, परावैद्युत और चुम्बकीय अध्ययन, डीएई-टोस अवस्था भौतिक विज्ञान सम्मेलन-2017, बीएआरसी मुम्बई, भारत।
39. शैलजा शर्मा, सी.एस. यादव; Fe से जुड़े हुये Bi_2Se_3 यौगिक के इलैक्ट्रॉनिक परिवहन गुण: $Fe_{0.10}Bi_2Se_3$, उन्नत सामग्री-2017 पर अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला, एनआईएसटी, बेरहमपुर, भारत।
40. सुरेन्द्र लाल, के. मुखर्जी, सी.एस. यादव; बहुलौहिक पदार्थ $YBa_{1-x}Sr_xCuFeO_5$ ($x=0, 0.25, 0.5$), उन्नत सामग्री-2017 पर अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला, एनआईएसटी, बेरहमपुर, भारत। लोक सम्पर्क गतिविधियां (आमंत्रित चर्चा/व्याख्यान/अतिथि उपस्थिति)

लोक सम्पर्क गतिविधियां (आमंत्रित चर्चा/व्याख्यान/अतिथि उपस्थिति)

डॉ. चयन के. नन्दी

1. आईएसीएस कलकता, फरवरी 2018, नोट्टिंगम विश्वविद्यालय, सितम्बर, 2017, एवीएच बैठक 2017।
2. चयन के. नन्दी, "कार्बन डॉट्स और जैविक अति सूक्ष्म स्फटिक", मिस्टीरियस नैनो एमिटर", दिनांक 22-25 फरवरी 2018, आईएसीएस कलकता।
3. चयन के. नन्दी, "कार्बन डॉट्स: एक रहस्यमय नैनो एमिटर", दिनांक 21-22 सितम्बर 2017, अभ्यागत वैज्ञानिक, नोट्टिंगम विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य।
4. "फ्लोरोसेंट कार्बन डॉट्स में संरचना और कार्यात्मक सम्बन्ध", दिनांक 22 से 25 नवम्बर 2017, एवीएच बैठक, बेंगलुरु भारत 2017।

डॉ. हरि वर्मा

1. हरि आर. वर्मा; नव उत्पन्न $2s \rightarrow np$ स्वतः आयनीकरण प्रतिध्वनि का विंगर फोटोआयनीकरण समय देरी अध्ययन, आईएसएमपी टीसी-7, 6 से 8 जनवरी, 2018 तिरुपति।
2. फोटोआयनीकरण गतिकी पर C60 के स्थैतिक ध्रुवीकरण की भूमिका, अल्ट्राफास्ट फीनोमीना में आधुनिक विकास, भा.प्रौ.सं. तिरुपति में दिनांक 8 से 9 मार्च, 2018।

डॉ. प्रदीप सी. परमेश्वरन

1. डॉ. प्रदीप परमेश्वरन ने आईआईएसईआर कलकता में धातु ऑक्साइड असेम्बली 2017 पर आयोजित एशियन बैठक में दिनांक 10 मई, 2017 (एएमएमओए 2017) को "हाईब्रिड पोलियोक्सोमेटालेट्स ऐज मल्टी-फंक्शनल मेटेरियल्स फोटोरीसिस्ट्स, ग्रीन कैटालिस्ट एण्ड एन्टीऑक्सीडेंट्स" नामक व्याख्यान दिया।

डॉ. वेंकटा कृष्णन

1. इन्होंने पण्डित दीन दयाल पेट्रोलियम विश्वविद्यालय, गान्धीनगर, भारत में दिनांक 29 जनवरी से 31, 2018 को ऊर्जा रूपांतरण और भण्डारण अनुप्रयोगों के लिए अति सूक्ष्म पदार्थों पर आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में आमंत्रित व्याख्यान दिया।
2. इन्होंने टाटा इन्स्टीच्यूट ऑफ फण्डामेंटल रिसर्च (टीआईएफआर), मुंबई, भारत में दिनांक 10 जनवरी से 12, 2018 को ऊर्जा और पर्यावरण (सीएसीईई-2018) के लिए केटालायसिस में प्रगति पर आयोजित सम्मेलन में आमंत्रित व्याख्यान दिया।
3. इन्होंने राष्ट्रीय रासायनिक प्रयोगशाला, पुना में दिनांक 09, 2018 को आमंत्रित व्याख्यान दिया।
4. इन्होंने कारुण्य विश्वविद्यालय, कोयम्बटूर, भारत में दिनांक 14 दिसम्बर, 2017 को आमंत्रित व्याख्यान दिया।
5. इन्होंने पीएसजी प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, कोयम्बटूर, भारत में दिनांक 12 से 13, 2017 तक उन्नत पदार्थों पर आयोजित सम्मेलन (एनसीएएम) में भाग लिया और आमंत्रित व्याख्यान दिया।
6. इन्होंने भा.प्रौ.सं. रुड़की में दिसम्बर 06 से 08, 2017 के दौरान नैनोटेक्नोलॉजी: विचार, नवोचार और पहल (आईसीएन:31-2017) पर आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और आमंत्रित व्याख्यान दिया।
7. इन्होंने श्री साई विश्वविद्यालय, पालमपुर, भारत में नवम्बर 23 से 24, 2017 के दौरान प्रयोगात्मक और सैद्धांतिक भौतिक विज्ञान में आधुनिक विधियों (एनसीआरटीईटीपी-2017) पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और आमंत्रित व्याख्यान दिया।
8. इन्होंने शिमला, भारत में नवम्बर 20 से 21, 2017 के दौरान आयोजित द्वितीय हिमाचल प्रदेश विज्ञान सम्मेलन में भाग लिया और एक सत्र की अध्यक्षता की।
9. इन्होंने काठमाण्डु नेपाल में अक्टूबर 10 से 13, 2017 के दौरान कार्यपरक अति सूक्ष्म सामग्री और अति सूक्ष्म प्रौद्योगिकी पर आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएफएनएन-2017) में भाग लिया और आमंत्रित व्याख्यान दिया।
10. इन्होंने सीएसआईआर-एनआईआईएसटी, थिरुवन्तरपुरम, भारत में सितम्बर 20 से 22, 2017 को आयोजित कार्यपरक रंजक और उन्नत पदार्थों पर आयोजित 8वें पूर्व एशिया सम्मेलन (ईएसएस8-2017) में भाग लिया और आमंत्रित व्याख्यान दिया।
11. इन्होंने श्री साई विश्वविद्यालय, पालमपुर, भारत में अगस्त 24, 2017 के दौरान विज्ञान, प्रौद्योगिकी और प्रबन्धन पर आयोजित बहु विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और आमंत्रित व्याख्यान दिया।

डॉ. प्रसेजीत मण्डल

1. इन्होंने टोक्सीकोलोजी इण्डिया सोसाइटी के 37वें वार्षिक सम्मेलन में लेक्चर थियेटर-1, नेहरू अस्पताल, प्रथम तल, पीजीआईएमईआर, चण्डीगढ़ में "हेवी मेटल टोक्सिटी एण्ड इंटरेक्शनन्स ओबीसोजीन्स: ए हेवी मेटल लिंक टु ओबीसिटी" नामक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
2. इन्होंने दिनांक 8 से 10 फरवरी, 2018 के दौरान हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच) और राष्ट्रीय पशु जीव प्रौद्योगिकी संस्थान में आण्विक संकेतन (आईसीएमएस 2018) पर आयोजित षष्ठ अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में युवा अन्वेषक चर्चा में भाग लिया।

डॉ. श्याम के. मासाकपल्ली

1. इन्होंने वानस्पतिक और औषधीय पौधाशाला में अध्ययन भ्रमण के लिए आये हुये अनेक उच्च विद्यालयों का स्वागत किया।
2. इन्होंने 'इशान विकास' कार्यक्रम में उत्तरी पूर्वी हिमाचल प्रदेश और जम्मू और कश्मीर स्टेप छात्र भ्रमण –2017 में जैव प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला को दिखाने में मदद की।

डॉ. प्रेम फेलिक्स सिरिल

1. कार्यात्मक पदार्थों पर आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईएसएफएम-2018), "उत्प्रेरक समर्थन के रूप में प्राचीन ग्राफीन क्षमता की विवृति", दिनांक 13 –15 अप्रैल, 2018, चण्डीगढ़।
2. अति सूक्ष्म विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीओएनएसएटी 2018), "मूल्यवान कैटालिस्ट समर्थन के रूप में प्राचीन ग्राफीन क्षमता की विवृति", दिनांक 21 – 23 मार्च, 2018, आईआईएससी बंगलौर।

उपलब्धियां:

1. 2017 (सितम्बर): अभ्यागत प्राध्यापक, नोट्टिघम विश्वविद्यालय, डॉ. चयन के. नन्दी।
2. 2017 (सितम्बर): डॉ. चयन के. नन्दी ने भा.प्रौ.सं. मण्डी में रसायन विज्ञान में उत्कृष्टता के लिए सर्वोत्तम अध्यापन सम्मान प्राप्त किया।
3. डॉ. अमित जायसवाल ने अमेरीकी रासायनिक सोसाइटी (एसीएस), अन्तर्राष्ट्रीय गतिविधियों की समिति (आईएसी)द्वारा आयोजित और अन्तर्राष्ट्रीय गतिविधि के एसीएस कार्यालय (एसीएस) द्वारा प्रशासित ओरलेंडो, फ्लोरिडा, अमेरिका में वर्ष 2018 में विश्लेषणात्मक रसायन विज्ञान और प्रयुक्त स्पेक्ट्रोमिकी पर आयोजित पिट्सबर्ग सम्मेलन में भाग लेने के लिए एसीएस पिट्टकोन यात्रा का अनुदान प्राप्त किया।
4. डॉ. श्याम के. मासाकपल्ली को अध्यापन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए दिनांक 5 सितम्बर, 2017 को विशिष्ट अध्यापक सम्मान मिला।
5. डॉ. सोनी ने प्रा. गणपति रामानाथ के साथ मिलकर लचीले थर्मोमीट्रिक सामग्री के समन्वय का पता करने के लिए रीनेसेलर पोलिटक्नीक संस्थान, ट्रॉय न्यूयार्क जाने के लिए इण्डो यूएस साईंस और टेक्नोलोजी फोरम से भास्कर उन्नत सौर ऊर्जा अनुसंधान साहचर्य प्राप्त किया।

आयोजित कार्यशाला

- भा.प्रौ.सं. मण्डी में दिनांक 23 से 24 जनवरी, 2018 तक भा.प्रौ.सं. मण्डी और डीबीटी-बीएमबीएफ इण्डो जर्मन परियोजना के सहयोग से एग्रो रेजिड्युज से ऊर्जा और कार्बन के लिए बायोप्रोसैसिंग पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।



पी.एचडी. उपाधि प्राप्त करने वाले छात्र:

क्र.सं.	अनुक्रमांक	नाम	मार्गदर्शक/सह मार्गदर्शक	वर्ष
1	डी10004	पुष्पेन्द्र कुमार	डॉ. सुमन कल्याण पाल	2017
2	डी10007	हेमन्त जलोटा	डॉ. मनोज ठाकुर	2017
3	डी11018	अभिषेक गुप्ता	डॉ. चयन के. नन्दी	2017
4	डी11019	राज कुमार	डॉ. प्रेम फेलिक्स सिरिल	2017
5	डी11020	सुनील कुमार	डॉ. सुब्रता घोष	2017
6	डी11021	मनिशा देवी	डॉ. प्रदीप परमेश्वरन	2017
7	डी11039	रीना शर्मा	डॉ. पी.सी. रवि कुमार	2017
8	डी12055	दर्सी रामबाबू	डॉ. अभिमन्यु धीर	2017
9	डी12057	शिल्पा शर्मा	डॉ. प्रदीप परमेश्वरन	2017
10	डी12072	स्वाति त्यागी	डॉ. सैयद अब्बास	2017
11	डी12084	रेणु	डॉ. आरती कश्यप	2017
12	डी13006	पंकज गौर	डॉ. सुब्रता घोष	2017
13	एस15014	गौरव चेतल	डॉ. तुलिका पी. श्रीवास्तवा	2017

मास्टर उपाधि प्राप्त करने वाले छात्र:

क्र.सं.	अनुक्रमांक	नाम	वर्ष	कार्यक्रम
1	वी15001	अक्षिता शर्मा	2017	एम.एससी. रसायन विज्ञान
2	वी15002	परवीन कुमार	2017	एम.एससी. रसायन विज्ञान
3	वी15003	गंगा सिंह	2017	एम.एससी. रसायन विज्ञान
4	वी15004	दीपक कुमार	2017	एम.एससी. रसायन विज्ञान
5	वी15005	सांझल जैन	2017	एम.एससी. रसायन विज्ञान
6	वी15006	नवनीत मथारू	2017	एम.एससी. रसायन विज्ञान
7	वी15007	शुभम् बिस्वास	2017	एम.एससी. रसायन विज्ञान
8	वी15008	स्वधाप्रिया भुक्ता	2017	एम.एससी. रसायन विज्ञान
9	वी15009	तापस अधिकारी	2017	एम.एससी. रसायन विज्ञान
10	वी15010	अनु कुमारी	2017	एम.एससी. रसायन विज्ञान
11	वी15011	कनिका भारती	2017	एम.एससी. रसायन विज्ञान
12	वी15012	शिवानी वर्मा	2017	एम.एससी. रसायन विज्ञान
13	वी15013	विकी वर्मा	2017	एम.एससी. रसायन विज्ञान
14	वी15014	अंकिता धीमान	2017	एम.एससी. रसायन विज्ञान
15	वी15015	मोहम्मद अशरफ	2017	एम.एससी. रसायन विज्ञान
16	वी15016	प्रियंका नेगी	2017	एम.एससी. रसायन विज्ञान
17	वी15017	सुधांशु शर्मा	2017	एम.एससी. रसायन विज्ञान
18	वी15018	तुषार वर्मा	2017	एम.एससी. रसायन विज्ञान

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान स्कूल (एसएच एवं एसएस)

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान स्कूल ने वर्ष 2017-18 के दौरान वर्तमान पाठ्यक्रम को समेकित करने और नये लोगों की प्रगति की दिशा में काम किया। विशेष रूप से स्कूल ने विकास अध्ययन में एम.ए. कार्यक्रम प्रस्तावित किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विकास चिकित्सकों और शिक्षाविदों का एक पूल बनाना है, जो इस तरह के सूचित प्रशिक्षण की प्रक्रिया में भाग लेने के लिए अच्छी तरह से सुविधा युक्त होंगे। यह कार्यक्रम मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान स्कूल में रखा है। इसमें कुछ विकासात्मक चुनौतियों और उनके वर्तमान उपायों का बुनियादी वैज्ञानिक और तकनीकी ज्ञान को समझने पर भी ध्यान दिया जाएगा। एक अनिवार्य अध्ययन क्षेत्र घटक छात्रों को वास्तविक दुनिया की चुनौतियों का सामना करने के लिए लाएगा। यह स्कूल अगस्त, 2018 से कार्यक्रम की शुरुआत करने के लिए उत्सुक है। स्कूल ने प्रबन्धन में लोकप्रिय बी.टैक. माइनर में अधिक नामांकन देखा, जिसमें 2017 में प्रबन्धन में 25 छात्रों के साथ एक माइनर के साथ स्नातक किया गया। स्कूल द्वारा स्थापित भाषा प्रयोगशाला में नियमित बैठकें और कक्षाओं के चलने से यह शिक्षा का मजबूत केन्द्र बन गया है। स्कूल में प्राध्यापक लगातार नये प्रतिमान हासिल कर रहे हैं। पुस्तकों की समीक्षा की जा रही है, पत्र प्रकाशित हो रहे हैं और परियोजनाएं संचित हो रही हैं। इस स्कूल में अभियांत्रिकी और विज्ञान प्राध्यापकों के साथ सार्थक वार्ता से समन्वय परियोजनाएं भी लाभान्वित हो रही हैं और स्कूल बहु विषयक अनुसंधान की ओर प्रगति कर रहा है।

प्राध्यापक

डॉ. राजेश्वरी दत्त

अध्यक्षा

सहायक प्राध्यापिका
विशेषज्ञता: लेटिन अमेरीका, सामाजिक और सांस्कृतिक इतिहास
कार्नेगी मैलोन विश्वविद्यालय (अमेरीका) से वर्ष 2012 में पी.एचडी.
गृह नगर: कलकत्ता, पश्चिमी बंगाल
दूरभाष: 01905-267043
ई-मेल: rdutt

डॉ. अशोक कुमार एम.

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: भारत में सामाजिक धर्म, जाति और ईसाई धर्म, उपेक्षित समुदाय और उच्च शिक्षा
भा.प्रौ.सं. मुम्बई से पी.एचडी.
गृह नगर: तेनाली, आन्ध्र प्रदेश
दूरभाष: 01905-267135
ई-मेल: ashok

प्रा. भवेन्द्र पाल

संयुक्त प्राध्यापक
विशेषज्ञता: प्रबन्धन कूटनीति
प्रबन्धकीय वित्त, जैव प्रौद्योगिकी और औषधीय प्रौद्योगिकी
जैव रसायन में पी.एचडी.
ई. रटगर्ज यू., नियु ब्रुन्सविक एनजे '77;
एमबीए, सीराक्यूज यू., सीराक्यूज एनवाई '85

डॉ. अरुणा बोम्मारेड्डी

सहायक प्राध्यापिका
विशेषज्ञता: तुलनात्मक साहित्य, अंग्रेजी में भारतीय साहित्य
हैदराबाद विश्वविद्यालय से पी.एचडी. (2004)
गृह नगर: हैदराबाद, आन्ध्र प्रदेश
दूरभाष: 01905-267121
ई-मेल: aruna

प्रा. बालासुन्दरम सुब्रमण्यन

अभ्यागत प्राध्यापक
विशेषज्ञता: जर्मन अध्ययन व राजनीतिक दर्शनशास्त्र
वर्ष 1981 में जर्मन अध्ययन में पी.एचडी.
गृह नगर: वेलाचेरी, चिन्नई
दूरभाष: 01905-267114
ई-मेल: bs

डॉ. देविका सेठी

सहायक प्राध्यापिका
विशेषज्ञता: आधुनिक भारतीय इतिहास, उपनिवेशवाद और राजनैतिक स्वतन्त्रता, मुक्त भाषण और नियंत्रण
जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली से पी.एचडी. (2013)
गृह नगर: इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश

गृह नगर: सेन मेट्रीओ, सीए अमेरीका
(मूलतः पटियाला, पंजाब से)
दूरभाष: 01905-267046
ई-मेल: bp

डॉ. इंग्रिड शौकी

संयुक्त सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: पर्यावरणात्मक समाज शास्त्र
ब्रांडीश विश्वविद्यालय से पी.एचडी.
गृह नगर: नॉर्थम्पटन, एमए, अमेरिका

प्रा. प्रमोद तलगिरी

अभ्यागत प्राध्यापक
विशेषज्ञता: हीगल का दर्शन शास्त्र
और आधुनिकता की समीक्षा तथा तुलनात्मक
पश्चिमी दर्शनशास्त्र, आधुनिक जर्मन साहित्य
तुलनात्मक साहित्य
म्युनिख, जर्मनी विश्वविद्यालय से पी.एचडी. (1970)
गृह नगर: पुना
ई-मेल: pramod

डॉ. रमना ठाकुर

अभ्यागत सहायक प्राध्यापिका
विशेषज्ञता: प्रगतिशील अर्थशास्त्र
हि.प्र.वि. शिमला से पी.एचडी.
गृह नगर: मण्डी, हिमाचल प्रदेश
दूरभाष : 01905-267044
ई-मेल: ramna

डॉ. श्यामाश्री दाशगुप्ता

सहायक प्राध्यापिका
विशेषज्ञता: ऊर्जा और पर्यावरणात्मक
आर्थिकी, जलवायु परिवर्तन अर्थ व्यवस्था
प्रयुक्त अर्थमीति
जादवपुर विश्वविद्यालय से पी.एचडी. (2015)
गृह नगर: कलकत्ता, पश्चिमी बंगाल
दूरभाष: 01905-267118
ई-मेल: shyamsree

डॉ. सूर्य प्रकाश उपाध्याय

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: सामाजिक धर्म, अर्बन समाज

दूरभाष: 01905-267050
ई-मेल: devika

डॉ. मनु वी. देवादेवन

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: दक्षिण एशिया में साहित्यिक अनुशीलन
पूर्व आधुनिक दक्षिण एशिया और दक्षिणी एशियायी
पुरालेखों में राजनीतिक तथा आर्थिक प्रगति
मंगलौर विश्वविद्यालय, मंगलागंगोथ्री,
मंगलौर से पी.एचडी.
दूरभाष: 01905-267147
ई-मेल: manu

डॉ. पूरन सिंह

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: निगम वित्त, लघु वित्त
पंजाब विश्वविद्यालय से पी.एचडी. (2013)
गृह नगर: मण्डी, हिमाचल प्रदेश
दूरभाष: 01905-267148
ई-मेल: puran

डॉ. शैल शंकर

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: पहचान और समूह गतिकी,
स्वास्थ्य और कल्याण
इलाहाबाद विश्वविद्यालय से पी.एचडी.
गृह नगर: दियोरिया
दूरभाष: 01905-267149
ई-मेल: shail

डॉ. सुमन

सहायक प्राध्यापिका
विशेषज्ञता: उपनिवेशवाद पश्च उपनिवेशवाद
साम्राज्यवाद और प्रणय साहित्य
भा.प्रौ.सं. दिल्ली से पी.एचडी.
गृह नगर: फरीदाबाद
दूरभाष: 01905-267140
ई-मेल: suman.sigroha

डॉ. वरुण दत्त

सहायक प्राध्यापक (संयुक्त नियुक्ति)
विशेषज्ञता: पर्यावरण सम्बन्धी अनुमान और

शास्त्र, सुधारोत्तर भारत
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मुम्बई से
पी.एचडी. (2011)
गृह नगर: लखनऊ, उत्तर प्रदेश
दूरभाष: 01905-267136
ई-मेल: surya

निर्णय देना, कृत्रिम ज्ञानता, मानवीय संगणक परस्पर वार्तालाप
कार्नेगाई मैलोन विश्वविद्यालय (अमेरिका) से
वर्ष 2011 में पी.एचडी.
गृह नगर: लखनऊ, उत्तर प्रदेश
दूरभाष: 01905-267041
ई-मेल: varun

डॉ. गोकुल सोमसेखरन

शिक्षण सहयोगी
विशेषज्ञता: जर्मन साहित्य
मुक्त विश्वविद्यालय, बर्लिन से पी.एचडी.
गृह नगर: थ्रिस्सुर, केरल
दूरभाष: 01905-267144
ई-मेल: gokul

बाह्य परियोजनाएं

बाह्य प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाएं

क्रमांक	भा.प्रौ.सं. मण्डी सन्दर्भ/परियोजना संख्या	परियोजना का नाम	प्रायोजित कम्पनी	परियोजना अन्वेषक और सह समन्वयक	विभाग/स्कूल	स्वीकृत राशि (रु.)	अवधि
1	आईआईटीएम/यूजी सी/एमवीडी/73	दक्षिणी भारत में 16वीं शताब्दी नवयुग	यूजीसी	डॉ. मनु वी. देवादेवन स.प.अ.: प्रो. केस्वान वेल्यूदेट (दिल्ली विश्वविद्यालय)	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान स्कूल	48,00,000	3 वर्ष
2	आईआईटीएम/आई आरसीएस/वीके/131	इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी प्रोजेक्ट-भा.प्रौ.सं. मण्डी समन्वय	इण्डियन रेड क्रॉस सोसाइटी	डॉ. वेंकटा कृष्णन (प.अ.), डॉ. वरुण दत्त, डॉ. रमना ठाकुर, डॉ. श्यामाश्रीदाश गुप्ता (स.प.अ.)	संगणक एवं विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल, आधार विज्ञान स्कूल और मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान स्कूल	42,000	1 वर्ष
3	आईआईटीएम/एन आईआरडीपीआर/आरटी/142	हिमाचल प्रदेश में मनरेगा के अंतर्गत मापनीय मॉडलों और सफल कार्यों का प्रलेखन	एनआईआर डीपीआर	डॉ. रमना ठाकुर (प.अ.), डॉ. राजेश्वरी दत्त (स.प.अ.)	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान स्कूल	11,64,900	09 माह
4	आईआईटीएम/आई सीएसएसआर/एके एम/167	भारतीय ईसाई धर्म का प्रजातंत्रीकरण : आधुनिक भारत में दलित ईसाई मुक्ति लहर	आईसीएसएस आर	डॉ. अशोक कुमार मोचरला	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान स्कूल	60,00,00	1.5 वर्ष
5	आईआईटीएम/यूवी ए/एसपी/174	एमएचआरडी-उन्नत भारत अभियान योजना	एमएचआरडी	डॉ. सत्वशील रमेश पोवार (प.अ.), डॉ. सूर्य प्रकाश उपाध्याय, डॉ. डेरिक्स पी. शुक्ला, डॉ. अतुल धर (स.प.अ.)	अभियांत्रिकी स्कूल और मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान स्कूल	3,50,000	1 वर्ष

6	आईआईटीएम / डीबीटी-इन्डो-यूके / एसएस / 192	कुशल खेती: फारमर जोन	डीबीटी	डॉ. श्रीकान्त श्रीनिवासन (प.अ.), भा.प्रौ.सं. मण्डी से एक स.प.अ. डॉ. श्यामाश्री दाशगुप्ता	संगणक एवं विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल, आधार विज्ञान स्कूल और मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान स्कूल	9,47,76,400	3 वर्ष
7	आईआईटीएम / आई सीएसएसआर / पीएस / 193	बैंक के कार्य के प्रतिनिधि मॉडल का विकास: हिमाचल प्रदेश में अध्ययन का एक मामला	आईसीएसएस आर	डॉ. पूरन सिंह (प.अ.), डॉ. श्यामाश्री दाशगुप्ता	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान स्कूल	2,50,000	1 वर्ष
8	आईआईटीएम / एस डब्ल्यू-एफडीएफए / एसडीजी / 189	भारतीय हिमालयी क्षेत्रों के जलवायु परिवर्तन की अति संवेदनशीलता के निर्धारण का क्षमता निर्माण	स्वीस डेवेलपमेंट कोर्पोरेशन (एसडीसी)	डॉ. श्यामाश्री दाशगुप्ता और डॉ. अनामिका बरुआ (भा. प्रौ.सं. गुवाहाटी से प. अ.)	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान स्कूल	18,84,562.00	1 वर्ष 4 माह

संस्थान की आंतरिक बचत से अनुसंधान अनुदान / मूल वित्त पोषण का विवरण

क्र. सं.	पंजिका संख्या	प्रस्ताव का नाम	प्राध्यापक का नाम	विभाग / स्कूल	धन (रु.)	अवधि
1	आईआईटीएम / एसजी / डीएसई / 65	कांगड़ा भूकम्प (1905): सामाजिक और राजनीतिक इतिहास	डॉ. देविका सेठी	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान स्कूल	5,00,000	3 वर्ष
2	आईआईटीएम / एसजी / पीएस / 63	हिमाचल प्रदेश में शाखाविहीन बैंकिंग के माध्यम से वित्तीय समावेश और वित्तीय गहनता	डॉ. पूरन सिंह (प.अ.)	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान स्कूल	5,00,000	2 वर्ष
3	आईआईटीएम / एसजी / एसडीजी / 57	वन पारिस्थितिक तंत्र सेवाओं का व्यापक मूल्यांकन और मूल्य निर्माण की विधि को समझना: हिमाचल प्रदेश में एक अध्ययन मामला	डॉ. श्यामाश्री दाश गुप्त	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान स्कूल	5,00,000	3 वर्ष
4	आईआईटीएम / एसजी / एबी / 47	प्रौद्योगिकी और भाषा निर्देश संस्थान	डॉ. अरुणा बोम्मारेड्डी	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान स्कूल	5,00,000	3 वर्ष
5	आईआईटीएम / एसजी / एसएस / 45	बड़े पैमाने पर आपदा: तीर्थयात्रियों का एक अध्ययन बाढ़ तबाही में पहचान और प्रतिक्रियाओं को साझा करता है	डॉ. शैल शंकर	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान स्कूल	4,20,000	3 वर्ष
6	आईआईटीएम / एसजी / आरडी / 36	19वीं शताब्दी में मेक्सिको और बीलार्ज में मायान	डॉ. राजेश्वरी दत्त	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान स्कूल	6,20,000	3 वर्ष
7	आईआईटीएम / एसजी / वीड / 32	लोग पृथ्वी की जलवायु के बारे में समझ की कमी का प्रदर्शन क्यों करते हैं: बार-बार प्रतिक्रिया का प्रभाव	डॉ. वरुण दत्त	संगणक एवं विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल और मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान स्कूल	5,00,000	3 वर्ष

प्रकाशित पुस्तकें:

पुस्तकें (एक लेखक):

- सेठी डी. (प्रेस में), वारज़ ओवर वर्डज़: सेंसरशिप इन इण्डिया, 1930–60. कैंब्रिज यूनिवर्सिटी प्रैस।
- बोम्मारेड्डी ए. (प्रेस में), नरेटिव ट्रेडिशनस ऑफ ए तेलुगु एपिक. पालनेटिविरूला कथा।
- मनु वी. देवादेवन (2017), काव्य मीमांसा: तालुनिका पारिशीलानी, (कन्नड़ में): द्रविड़ यूनिवर्सिटी, कुप्पम्।

सम्पादित पुस्तकें:

- देवादेवन, एम.वी.(2018), कलियो एण्ड हर डीस्सेन्डट्स: ऐसेज फॉर केसवान वेलुदैट. दिल्ली: प्राइमस।

समीक्षा पुस्तकें:

- दत्त आर. (2018), दी मिक्सटैक्स ऑफ ओक्सेका, आर. सपोरज़ और ए.के. बालकानस्क्य (ऐडस.) ऐनिसिएण्ट टाइम्स टु द प्रजेन्ट (पृ. 328), द अमेरिकाज़, कैंब्रिज यूनिवर्सिटी प्रैस, 75 (1)।
- उपाध्याय सूर्य प्रकाश (2018). सेखर बन्दोपाध्याय और आलोक पराशर सेन की रीलेज़न एण्ड मॉडर्निटी इन इण्डिया (ऐडस.) 2017. कन्ट्रीब्युशन टु इण्डियन सोसियोलॉजी. (भाग 52, न0 1, पृ. 122–125) सेज।
- सेठी. डी. (2018). इन द लाइट एण्ड इन द शेडोज़: सेंसरड राइटर्ज इन इन्डिपेन्डेण्ट इण्डिया, समर हिल्ल (शिमला: भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान) आगामी।
- मनु वी. देवादेवन (2017), यिगल ब्रोन्नर, लॉरेंस मेक्रीया एण्ड व्हीटनेय (ऐडस.), साउथ एशियन टेक्स्ट इन हिस्टरी: क्रिटिकल ऐनगेज़मेन्टस विद शेल्डोन पोल्लोक, इण्डियन हिस्टोरिकल रीव्यू, 44 (2), पीपी 327–29.

प्रकाशित पुस्तक अध्याय:

- बाला एस. और सिग्रोहा, एस. (2018). ट्रांसलेटिंग कल्चर, ट्रांसक्रेटिंग जेंडर—लाल दरख्त और द रैडनिंग ट्री। इन फेमिनिज़म एण्ड फेमिनिस्ट इश्युज़: ए लिटरेरी परस्पेक्टिव, नई दिल्ली: रिसर्च इण्डिया प्रैस (आगामी)।
- दासगुप्ता एस. और सांख्यायन, पी. (2018), भारत में राज्य स्तरीय अक्षय ऊर्जा नीतियों का कथनात्मक विश्लेषण। ए. गौतम, एस. डे, ए. धर, जे. गुप्ता और ए. पाण्डेय (ऐडस.), सतत् ऊर्जा और परिवहन। ऊर्जा, पर्यावरण और धारणीयता (पीपी 137–148), सिंगापुर: सिंग्रंगर।
- देवादेवन एम.वी. (एनडी). नोईंग एण्ड बीइंग: कुटियाट्टम एण्ड इट्स सीमांतिक यूनिवर्स। डी. शुलमान और एच. ओबीर्लिन (ऐडस.), टू मास्टरपीसिज़ ऑफ कुटियाट्टम: मन्त्राकाम एण्ड अंगुलियांकाम, नई दिल्ली: ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रैस।
- कौशिक एम. और सिग्रोहा, एस (2018). ए केस फॉर इण्डियन इंगलिश: दत्तानी डु (डुअज़) द नीडफुल. अंग्रेज़ी भाषा में अध्ययन: इन्नोवेशन्ज़ एण्ड प्रैक्टिसिस। नई दिल्ली: अध्ययन पब्लिशिज़ एण्ड डिस्ट्रिब्युटर्ज (आगामी)।
- शंकर एस., होपकिन्स, एन. स्टीवेन्सन, सी. और पाण्डेय, के. (प्रेस में). बीइंग टुगेदर ऐट द प्रयाग मेला: द सोशल साइकोलॉजी ऑफ क्राउडज़ एण्ड कोलेक्टिविटी। टी. गेले, ए. मेड्डरेल्ल और ए. टेर्री (ऐडस.), सेकरड मोबाइलिटिज़, फारन्हम, सूर्रे: अशगेट।

राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित पत्र:

- बाला, एस. और सिग्रोहा, एस. (2018). फेमिलियर यट एक्सोटिक: अनिता नैयर्ज मिस्ट्रैस। मयूज इण्डिया, आगामी।
- बाला, एस. और सिग्रोहा, एस. (2018). वॉइसिस फरॉम द मारजिन्स: हर स्टोरी इन अरुन्धती रॉयज़ द गॉड ऑफ स्माल थिंग्स. एमईजेओ, द मीलो जर्नल ऑफ वर्ल्ड लिटरेचर, 3:1, 131–141।

- रॉयजे., चक्रवर्ती, डी. दाश गुप्ता, एस. एट अल (2018), व्हेयर इज़ द होप? ब्लेंडिंग मॉडर्न अर्बन लाइफस्टाइल विद कल्चरल प्रैक्टिसिज़ इन इण्डिया। करंट ओपीनियन इन एन्वारनमेण्ट सस्टेनिबिलिटी, 31, 96–103।
- कौशिक, एम. और सिग्रोहा, एस. (2018), फ़ैक्टिसीटी एण्ड फ़िक्शनटिटी: महेश दत्तानिज व्हेयर डिड आई लीव माई पर्दा? मेजो, द मीलो विश्व साहित्य की पत्रिका, 3:1, 99–109।
- कुमार, एम. और दत्त वी. (2018). एक्सपीरियंस इन ए क्लाइमेट माइक्रोवर्ल्ड: इन्प्ल्युअंस ऑफ़ सर्फ़स एण्ड स्ट्रक्चर लर्निंग, प्रॉब्लम डिफ़िकल्टी एण्ड डिसिजन एड्स इन रीडयूसिंग स्टॉक-पलो मिसकन्सेप्शन्स। फ्रंटियर्स इन साइकोलोजी, 9:299. डीओआई: 10.3389 / fpsyg.2018-00299
- केनी, एम.पी. और ठाकुर, आर. (2018). हेल्थ केयर स्पेडिंग एण्ड हिडन पावर्टी इन इण्डिया. यूएनएसडब्ल्यू बिजनैस स्कूल रिसर्च पेपर न0 2018–02।
- संगर, एस. दत्त वी. और ठाकुर आर.(2018). इकोनोमिकल बर्डन, इम्पुवमेण्ट एण्ड कोपिंग मकैनिज्मज़ एसोसिएटिड विद आउट ऑफ़ पॉकेट हेल्थ एक्सपेंडेचर: एनालायसिस ऑफ़ रुरल अरबान डिफरेंशियल्स इन इण्डिया. जर्नल ऑफ़ पब्लिक हेल्थ, प्रैस में।
- सेठी डी.(2018). द बैन फॉरमुला: नॉन इण्डियन ऑथर्ज़ एण्ड द कोलोनियल स्टेट इन द 1920–30। भारतीय ऐतिहासिक समीक्षा, आईसीएचआर / सेज, 45 (1), 1–23।
- सेठी डी.(नवम्बर 2017 में पहली बार ऑनलाइन प्रकाशित). 'अलार्मिस्ट स्टोरीज़ एण्ड डिफेटेलिस्ट वियुज़': सेंसरशिप एण्ड मोरेल इन इण्डिया ड्युरिंग सैकिण्ड वर्ल्ड वार. वार इन हिस्टरी, सेज।
- शर्मा, एन., देबनाथ, एस. और दत्त वी. (2018) इन्प्ल्युएन्स ऑफ़ ऐन इंटरमीडिएट ओपशन ऑन द डिस्क्रिप्शन-एक्सपीरियेंस गैप एण्ड इन्फॉरमेशन सर्च। फ्रंटियर्स इन कोग्निटिव साईंस, 95364. डीओआई: 10.3389 / एफपीएसवाईजी.2018.00364।
- सिग्रोहा एस. (2018). जेंडरड माइग्रेशन्स एण्ड लिटरेरी नरेटिव्स: राइटिंग कम्प्युनिटिज़ इन साउथ एशियन डायसपोरा. मिल्लेन्नियल एशिया,सेज, फोर्थकमिंग।
- ठाकुर, आर. संगर, एस. राम, बी. और फ़ैज़ान, एम. (2018). क्वांटिफाईंग द बर्डन ऑफ़ आउट ऑफ़ पॉकेट हेल्थ एक्सपेंडेचर इन इण्डिया। पब्लिक हेल्थ, (19 फरवरी, 2017 को प्रकाशन के लिए स्वीकृत)।
- मनु वी. देवादेवन (2018). प्रॉब्लम्ज़ एण्ड प्रोस्पेक्टस इन द हिस्टरी ऑफ़ लिटरेचर, बीयोण्ड डिसिप्लीन्स 1(1)।

अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन:

- रमना ठाकुर, नॉन कम्प्यूनिकेबल डिजिज़ इन इण्डिया: ए जेंडर परस्पेक्टिव, इंटरनेशनल हेल्थ इकोनोमिक एसोसिएशन का सम्मेलन, बोस्टन यूनिवर्सिटी, अमेरिका, अगस्त, 2017।
- राजेश्वरी दत्त, हिस्पैनिक्स एण्ड नेशनल आइडेंटिटी इन नाइनटीथ सेंचुरी ब्रिटिश होडुरास। द ब्रिटिश स्कॉलर सोसाइटी के ब्रिटेन और विश्व सम्मेलन, ऑस्टिन, अप्रैल 2017।
- श्यामाश्री दाश गुप्ता, ऊर्जा अर्थशास्त्र के लिए 40वां अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, सिंगापुर, जून, 2017। वह नवम्बर 2017 के दौरान स्टेवेंजर यूनिवर्सिटी, नौरवे में अनुसंधान के लिए गई।
- राओ, ए., प्रमोद बी. चन्द्रा एस. और दत्त वी. (2018)। इन्प्ल्युअंस ऑफ़ इनडायरेक्ट विज़न एण्ड वर्चुअल रीयेल्टी अंडर वेरिंग मैन्ड / अनमैन्ड इंटरफेसिस इन ए कम्प्लैक्स सर्च एण्ड शुट सीनेरियोज़। प्रयुक्त मानव कारकों और इरगोमिक्स पर नवम् अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, आरलेण्डों, फ्लोरिडा: स्वीकृत।

व्यावसायिक उपलब्धियां, पुरस्कार और सम्मान:

- वरुण दत्त को माह जनवरी, 2018 में आरएक्सडाटा साईंस का बोर्ड ऑफ़ गवर्नर्ज़ नियुक्त किया गया।

- शिवम् मिश्रा को 2018 में दो माह (जनवरी से फरवरी) के लिए बर्गिशे यूनिवर्सिटी वुपर्टल में अनुसंधान ठहराव के लिए साहचर्य से सम्मानित किया गया।
- पूरन सिंह को बीजनेस भारतीय स्कूल, हैदराबाद में डिजिटल पहचान अनुसंधान पहल के साथ 'अनुसंधान साहचर्य' नियुक्त किया गया।

आयोजित कार्यशालाएं/वार्ता:

कार्यशालाएं:

1. डॉ. देविका सेठी ने अध्यापन सहायकों के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी (06 मई, 2017) में अध्यापन और अधिगम समिति का आयोजन और संचालन किया।
2. डॉ. देविका सेठी ने डॉ. रिकी रानी सरकार के साथ 'भारतीय गांवों में क्षेत्र कार्य में प्रणाली सम्बन्धी मुद्दों' पर (दिनांक 16-18 मार्च तक) कार्यशाला आयोजित की। यह संवादात्मक सामाजिक तकनीकी व्यवहार्य कार्यक्रमों के लिए था। इसमें भा.प्रौ.सं. मण्डी के 36 छात्रों ने और वोरसेस्टर पोलिटेकनिक संस्थान अमेरिका के 24 छात्रों ने भाग लिया।

आयोजित वार्ता:

प्रा. क्रिस्टीनी ग्लीधिल्ल, फिल्म अध्ययन में प्राध्यापक एमेरिता और सन्डरलैण्ड यूनिवर्सिटी में अभ्यागत प्राध्यापक ने व्याख्यान दिया। इसका नाम 'मीलोज़ामा, फिल्म जेनरीस और मीलोज़ामाज़ ट्रांजेशनल पोपुलेरिटी' था और इसे 28 मार्च, 2018 को एसएचएसएस सेमिनार सीरिज़ में भाग स्वरूप आयोजित किया गया।

प्राध्यापक दीपक कुमार सिंह, राजनीति विशेषज्ञ, पंजाब विश्वविद्यालय द्वारा दिये गये व्याख्यान का नाम 'चेंजिज कन्ट्रुअर्ज़ ऑफ़ इण्डियाज़ रीफ्यूज़ी पोलिसी' था, जिसे दिनांक 23 फरवरी, 2018 को एसएचएसएस सेमिनार सीरिज़ में भाग स्वरूप आयोजित किया गया।

व्यावसायिक समितियों की सदस्यता:

श्यामश्री दाश गुप्ता, सदस्य: ऊर्जा आर्थिकी का अन्तर्राष्ट्रीय संघ; पारिस्थितिक अर्थशास्त्र के लिए अन्तर्राष्ट्रीय सोसाइटी; आजीवन सदस्य: भारतीय अर्थमीतिकी सोसाइटी; बंगाल अर्थशास्त्र संघ; पारिस्थितिक अर्थशास्त्र के लिए भारतीय सोसाइटी; एसवाईएलएफएफ फेलो, जादवपुर यूनिवर्सिटी।

राजेश्वरी दत्त, सदस्य: अमेरिकी ऐतिहासिक संघ; लेटिन अमेरिकी अध्ययन संघ; ब्रिटेन और विश्व।

डॉ. वरुण दत्त, सदस्य: अनुमान और निर्णय लेने की सोसाइटी; मनोविज्ञान राष्ट्रीय अकादमी (एनएओपी), भारत।
वरिष्ठ सदस्य—आईईईईई

रमना ठाकुर: सदस्य: अन्तर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य अर्थ शास्त्र संघ।



कर्मचारी वर्ग के लिए भाषा प्रयोगशाला में अंग्रेज़ी सत्र

सहमति ज्ञापन

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी और विदेशी संस्थानों के मध्य सहयोग



विदेशों में स्थित संस्थानों के साथ भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी की अन्तर्राष्ट्रीय गतिविधियां

भा.प्रौ.सं. मण्डी में 'छात्र अदली-बदली कार्यक्रम' के अंतर्गत स्नातक, स्नातकोत्तर और पी.एचडी. करने वाले अन्तर्राष्ट्रीय छात्र एक वर्ष तक की अवधि व्यतीत कर सकते हैं। इस संस्थान में अन्तर्राष्ट्रीय छात्र स्नातक कर सकते हैं। अदली-बदली कार्यक्रम और उपाधि कार्यक्रमों के अंतर्गत आने वाले छात्र भा.प्रौ.सं. मण्डी में पाठ्यक्रमों के लिए शैक्षिक सहायता ले सकते हैं। अन्तर्राष्ट्रीय छात्र संस्थान के प्राध्यापकों के साथ अन्तर्राष्ट्रीय सहयोगात्मक अनुसंधान के विषयों पर काम कर सकते हैं, जिसमें संस्थानात्मक, धार्मिक और राष्ट्रीय हित सम्मिलित है। यह संस्थान प्राध्यापकों को अध्यापन और अनुसंधान के लिए अन्तर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय/संस्थानों में समय बिताने का अवसर प्रदान करता है। वर्तमान में, भा.प्रौ.सं. मण्डी स्नातक, स्नातकोत्तर और पी.एचडी. स्तर पर संगणक अभियांत्रिकी, विद्युत अभियांत्रिकी, सिविल अभियांत्रिकी, यांत्रिकी अभियांत्रिकी, आधार विज्ञान, मानविकी और सामाजिक विज्ञान जैसे विषयों में व्यस्त हैं। उन अन्तर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के साथ जिनका भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी के साथ वर्तमान में सहमति ज्ञापन (एमओयू)/करार हुआ है, छात्रों और प्राध्यापकों की अदली-बदली हेतु नियम और शर्त (एमओयू)/करार के अनुसार निर्धारित होगी। उन अन्तर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के छात्रों और प्राध्यापकों के लिए जिनका भा.प्रौ.सं. मण्डी के साथ (एमओयू)/करार नहीं हुआ है, अदली-बदली नियम और शर्त, आईपीआर और वित्तीय पैटर्न को समझने की आवश्यकता है।

भा.प्रौ.सं. मण्डी ने वोरसेस्टर पोलिटेक्नीक संस्थान (डब्ल्यूपीआई), अमेरिका के साथ हुये सहमति ज्ञापन के तहत 22 अवर स्नातक छात्रों का दल और दो प्राध्यापक परामर्शदाताओं को डब्ल्यूपीआई से दो महीनों के लिए वर्ष 2018 में मार्च माह के मध्य और मई, 2018 के आरम्भ में आमन्त्रित किया। इन छात्रों ने इतनी ही संख्या में भा.प्रौ.सं. मण्डी के अवर स्नातक छात्रों के साथ मिलकर मण्डी और कमान्द में स्थानीय समुदाय की सामाजिक-आर्थिक समस्याओं के समाधान के लिए कार्य किया। इसके अतिरिक्त, दिनांक 1 अप्रैल, 2017 और दिनांक 31 मार्च, 2018 के मध्य अनेक अन्तर्राष्ट्रीय छात्र भा.प्रौ.सं. मण्डी आये। इन छात्रों में जर्मनी से 9 छात्र और संयुक्त राज्य से 1 छात्र सम्मिलित है।

भा.प्रौ.सं. मण्डी में अप्रैल, 2017 और मार्च, 2018 के बीच अनेक कार्यशालायें आयोजित की गईं, जिनमें विदेशी विश्वविद्यालयों के आगंतुक भी सम्मिलित थे।

एमआईटी-आईआईटी मेक इन इण्डिया बूट कैम्प

भा.प्रौ.सं. मण्डी ने मैसाचुसेट्स प्रौद्योगिकी संस्थान (एमआईटी), अमेरिका और भा.प्रौ.सं. दिल्ली के साथ मिलकर सामाजिक उत्थान बूट कैम्प का आयोजन दिनांक 24 जून और 3 जुलाई, 2017 के मध्य 10 दिन तक किया। इस बूट कैम्प में ऑस्ट्रेलिया, ऑकलैण्ड सेविंग बैंक, मलेशिया और मैसाचुसेट्स प्रौद्योगिकी संस्थान, अमेरिका के छात्रों ने भाग लिया।

हिमाचल प्रदेश में फर्स्ट साल्टर्ज कैमिस्ट्री कैम्प

हिमाचल प्रदेश में फर्स्ट साल्टर्ज कैमिस्ट्री कैम्प का आयोजन भा.प्रौ.सं. मण्डी में 3 जुलाई 2017 और 6 जुलाई, 2017 को आयोजित किया गया। इस कैम्प का आयोजन रॉयल सोसाइटी ऑफ कैमिस्ट्री, भारत और साल्टर्ज संस्थान यू.के. द्वारा किया गया, जिसमें तीन दिवसीय आवासीय कैम्प में 62 छात्रों ने भाग लिया।

अडेप्ट्रोनिक्स (आकार नियंत्रण, कम्पन्न नियंत्रण, शोर में कमी और संरचनात्मक स्वास्थ्य निगरानी) पर अंशकालिक पाठ्यक्रम और कार्यशाला

भा.प्रौ.सं. मण्डी में अडेप्ट्रोनिक्स (आकार नियंत्रण, कम्पन्न नियंत्रण, शोर में कमी और संरचनात्मक स्वास्थ्य निगरानी) पर एक अंशकालिक पाठ्यक्रम और कार्यशाला का आयोजन दिनांक 20 सितम्बर, 2017 और 23 सितम्बर, 2017 के मध्य किया गया। पाठ्यक्रम के वक्ता, प्रा. माइकलसिनेपियुस ब्रानस्कवीग जर्मनी में जर्मन एरोस्पेस सेंटर के निदेशालय के सदस्य हैं और इससे गत 29 वर्षों से जुड़े हैं। वह ब्रॉन्स्कवीग तकनीकी यूनिवर्सिटी में प्राध्यापक और अडेप्ट्रोनिक्स और फंक्शनल इन्टीग्रेशन के मुख्य भी हैं। इसके अतिरिक्त, ब्रॉन्स्कवीग जर्मनी

तकनीकी यूनिवर्सिटी के प्रवक्ता डॉ. नसीर अल नटशेह ने प्रयोगशाला सत्रों का आयोजन किया।

एनालॉग सर्किट डिजाइनिंग में वर्तमान रुझान पर बीएमबीएफ टीयू9-भा.प्रौ.सं. मण्डी कार्यशाला

टीयू9-भा.प्रौ.सं. मण्डी अदली-बदली कार्यक्रम के भागस्वरूप, भा.प्रौ.सं. मण्डी और टीयू बर्लिन ने दिनांक 25 सितम्बर, 2017 और 26 सितम्बर, 2017 को बीएमबीएफ से वित्तीय सहायता प्राप्त एनालॉग सर्किट में वर्तमान रुझान पर कार्यशाला आयोजित की। यह कार्यशाला डॉ. हितेश श्रीमाली (भा.प्रौ.सं. मण्डी) और प्रा. फ्राइडल जर्फर्ज (टीयू-बर्लिन) द्वारा आयोजित की गई। प्रा. जर्फर्ज ने इस कार्यशाला के भाग स्वरूप इस क्षेत्र में अपने आधुनिक आईईईईई प्रकाशन के मापक परिणाम प्रस्तुत किये।

उभरते कार्यात्मक पदार्थों की स्पेक्ट्रोमीकी (एसईएफएम-2017) पर सम्मेलन

आधार विज्ञान स्कूल, भा.प्रौ.सं. मण्डी और उन्नत पदार्थ अनुसंधान केन्द्र, भा.प्रौ.सं. मण्डी ने अपने कमान्द परिसर में दिनांक 9 अक्टूबर, 2017 और 10 अक्टूबर, 2017 के मध्य 'उभरते कार्यात्मक पदार्थों की स्पेक्ट्रोमीकी' पर सम्मेलन का आयोजन किया। इस सम्मेलन में लगभग 120 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसमें देश और विदेश के अनेक प्रतिष्ठित वैज्ञानिक सम्मिलित थे, जिनके कुछ नाम निम्नलिखित हैं— प्रा. टानू पुल्लरिट्स (लंड यूनिवर्सिटी, स्वीडन), प्रा. के. गोन्सेल्वज़ (भा.प्रौ.सं. मण्डी) और डॉ. खड्गा जे. कार्की (लंड यूनिवर्सिटी)।

संगणक विज्ञान, पैटर्न रिकॉग्निशन, बिम्ब प्रक्रम और ग्राफिक्स (एनसीवीपीआरआईपीजी 2017) पर राष्ट्रीय सम्मेलन

मण्डी, हिमाचल प्रदेश में दिनांक 16 से 19 दिसम्बर, 2017 के दौरान संगणक विज्ञान, पैटर्न रिकॉग्निशन, बिम्ब प्रक्रम और ग्राफिक्स (एनसीवीपीआरआईपीजी 2017) पर छठे राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें नवल रिसर्च लैबोरेट्री अमेरिका के डॉ. गुना सीथारमन महाअध्यक्ष थे।

कृषि अवशेष (बीईसीएआर-2018) से ऊर्जा और कार्बन के लिए जैव प्रक्रम पर राष्ट्रीय कार्यशाला

भा.प्रौ.सं. मण्डी के आधार विज्ञान स्कूल द्वारा दिनांक 23 जनवरी, 2018 से 24 जनवरी 2018 तक कृषि अवशेष (बीईसीएआर-2018) से ऊर्जा और कार्बन के लिए जैव प्रक्रम पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में भा.प्रौ.सं. मण्डी और डीबीटी-बीएमबीएफ (इण्डो-जर्मन) परियोजना द्वारा सहयोग किया गया, जो कि भा.प्रौ.सं. मण्डी और कार्ल्स्रुही जर्मनी प्रौद्योगिकी संस्थान में सक्रिय है। इस प्रमुख कार्यक्रम में डॉ. अनुज के. चन्देल (साओपॉलो-ब्राजील यूनिवर्सिटी), श्री एस.पी. जीवन कुमार (आईसीएआर मेयु) और डॉ. स्वाति शर्मा (केआईटी) जैसे उल्लेखनीय विशेषज्ञों ने उनकी वर्तमान डीबीटी-बीएमबीएफ परियोजना पर प्रस्तुति दी।

भा.प्रौ.सं. मण्डी का नवम् स्थापना दिवस

भा.प्रौ.सं. मण्डी ने दिनांक 24 फरवरी, 2018 को अपना नवम् स्थापना दिवस मनाया। इसमें पश्चिमी आस्ट्रेलिया विश्वविद्यालय की भूतपूर्व विन्थ्रोप प्राध्यापिका हेमा शारदा, आदरणीय अतिथि थीं।

'भारत में ग्राम अध्ययन: ऐतिहासिक सिंहावलोकन और क्षेत्रीय कार्य के लिए व्यावहारिक दिशा-निर्देश' पर कार्यशाला

डॉ. रिकी सरकार द्वारा भा.प्रौ.सं. मण्डी में भा.प्रौ.सं. मण्डी और डब्ल्यूपीआई (अमेरिका) के छात्रों के लिए 'भारत में ग्राम अध्ययन: ऐतिहासिक सिंहावलोकन और क्षेत्रीय कार्य के लिए व्यावहारिक दिशा-निर्देश' नामक कार्यशाला का आयोजन दिनांक 16 मार्च, 2018 और 19 मार्च, 2018 को किया गया। इस कार्यशाला में डॉ. सरकार ने भारत के ग्रामों में सामाजिक-तकनीकी अनुसंधान आयोजन करने के तरीके के बारे में जानकारी दी।

भा.प्रौ.सं. मण्डी के छात्र विदेशी संस्थानों में जाते हैं

गत 1 वर्ष में भा.प्रौ.सं. मण्डी के स्नातक और अवर स्नातक छात्रों ने शैक्षणिक आदान-प्रदान के तहत कई यूरोपीय

संघ के संस्थानों का दौरा किया। इन अवर स्नातक छात्रों में 3 छात्र आल्तो यूनिवर्सिटी, 2 छात्र टीयू म्युनिख, 2 छात्र आरडब्ल्यूटीएच आचेन, जर्मनी और 1 छात्र आईटी यूनिवर्सिटी कोपेनहेगन डेनमार्क गया।

भा.प्रौ.सं. मण्डी संकाय विदेशी संस्थानों में जाते हैं

भा.प्रौ.सं. मण्डी के प्राध्यापक साल 2017-18 के दौरान सम्मेलनों में भाग लेने और उद्योग और शैक्षिक सहयोग बढ़ाने के लिए सिंगापुर, नौरवे, स्वीडन, फ्रांस, जर्मनी, यूरोप, चेकोस्लाविकिया, यूके, पोलैण्ड, चीन, स्कॉटलैण्ड, ईटली, थाईलैण्ड, जापान, ताइवान, वियतनाम, काठमाण्डू, यूरोपीय संघ, अमेरिका, आस्ट्रेलिया, दक्षिणी एशिया और लेटिन अमेरिका गये। इनमें से मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान स्कूल के पाँच प्राध्यापक; संगणक और विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल के चौदह प्राध्यापक; आधार विज्ञान स्कूल के सात प्राध्यापक और अभियांत्रिकी स्कूल के चार प्राध्यापक सम्मिलित हैं।

सहमति ज्ञापन का नवीनीकरण

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी ने तकनीकी विश्वविद्यालय म्युनिख, जर्मनी और वॉरसेस्टर पोलिटेकनीक संस्थान, अमेरिका के साथ अपने सहमति ज्ञापन का नवीनीकरण किया है।

चयनित चित्र



भा.प्रौ.सं. मण्डी, हिमाचल प्रदेश में आयोजित फर्स्ट साल्टर्ज कैम्प



बूट कैम्प, आस्ट्रेलिया, एसबी मलेशिया और एमआईटी अमेरिका के छात्र भाग लेते हुये



संगणक विज्ञान, पैटर्न रिकॉग्निशन, बिम्ब प्रक्रम और ग्राफिक्स (एनसीवीपीआरआईपीजी-2017) पर आयोजित छठवा राष्ट्रीय सम्मेलन



उभरते कार्यात्मक पदार्थों की स्पेक्ट्रोस्कोपी पर दिनांक 9-10 अक्टूबर, 2017 को सम्मेलन

महत्वपूर्ण विषय अनुसंधान केन्द्र

उन्नत सामग्री अनुसंधान केन्द्र (एएमआरसी)

समन्वयक : डॉ. विश्वनाथ बालाकृष्णन

एएमआरसी सह समन्वयक : डॉ. ऋक् रानी कोडार

दृष्टिकोण:

केन्द्र के आंतरिक और बाहरी उपभोक्ताओं के साथ बहुविषयक समन्वय के माध्यम से उन्नत सामग्री विज्ञान और प्रौद्योगिकी में उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करना।

लक्ष्य:

भा.प्रौ.सं. मण्डी में अनुसंधान सुविधाओं के लिए उन्नत सामग्री अनुसंधान केन्द्र (एएमआरसी) एक बहुविषयक केन्द्र है, जिसका लक्ष्य नई सामग्री, प्रसंस्करण, संरचनात्मक, सूक्ष्म संरचनात्मक, थर्मल, ऑप्टिकल के संश्लेषण से निपटने के लिए विभिन्न मानकों पर उन्नत सामग्री के क्षेत्र में बुनियादी और व्यावहारिक अनुसंधान को बढ़ावा देना है। एएमआरसी भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान और इंजीनियरिंग विषयों से प्राध्यापकों की भागीदारी के साथ ऊर्जा, पर्यावरण, इलेक्ट्रॉनिक्स, चुम्बकत्व, कार्बनिक प्रदर्शित सौर कोशिकाओं, दवा वितरण, नैनो प्रौद्योगिकी आदि क्षेत्रों में केन्द्रित अनुसंधान का प्रतिनिधित्व करता है। हमारा मुख्य उद्देश्य सामग्री के क्षेत्र में अत्याधुनिक निर्माण और अत्याधुनिक अनुसंधान के लिए अत्याधुनिक सुविधाओं और विशेषताओं तक पहुँच प्रदान करके अनुसंधान उद्यम का समर्थन और पोषण करना है।

सामग्री अनुसंधान के लिए उपकरण

सामग्री अनुसंधान के लिए एएमआरसी अनेक प्रकार के अत्याधुनिक उपकरणों से परिपूर्ण है, जिसमें निम्नलिखित शामिल हैं—

- (1) हाई रेजोल्यूशन पाउडर एक्स-रे डिफ्रैक्टोमीटर
- (2) सिंगल क्रिस्टल एक्स-रे डिफ्रैक्टोमीटर
- (3) हाईरेजोल्यूशन ट्रांसमिशन इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप
- (4) न्यूक्लियर मैग्नेटिक रेजोनैन्स स्पेक्ट्रोमीटर
- (5) फल्यूरोसेंस कन्फोकल माइक्रोस्कोप
- (6) हाई रेजोल्यूशन मास स्पेक्ट्रोमीटर
- (7) फेन्टोसेंकिंड पम्प-प्रोब सेट-अप
- (8) फील्ड एमिशन स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप
- (9) चुम्बकीय गुण मापन प्रणाली
- (10) भौतिक गुण मापन प्रणाली
- (11) रमन स्पेक्ट्रोमीटर
- (12) एक्स-रे फोटोमीशन स्पेक्ट्रोमीटर
- (13) सरफेस एरिया आइसोथर्म (बीईटी)
- (14) कैमिसोरप्शन एनालाइजर
- (15) द्रव नाइट्रोजन संयंत्र
- (16) एक्स रे फोटोइलेक्ट्रॉन स्पेक्ट्रोस्कोपी के लिए अल्ट्रा हाई वैक्यूम सिस्टम
- (17) परमाणु बल सूक्ष्मदर्शी

निकट भविष्य में कई अन्य उपकरण स्थापित होंगे, जैसे कि एक्स रे फोटोइलेक्ट्रॉनस्पेक्ट्रोस्कोपी (एक्सपीएस) को स्थापित किया जाएगा। उपर्युक्त दिये गये उन्नत उपकरणों के अतिरिक्त एएमआरसी में नियमित लक्षण वर्णन उपकरण जैसे कि यूवी-विस स्पेक्ट्रोमीटर, गोलाकार द्विवर्णक स्पेक्ट्रोमीटर, आण्विक अवशोषण स्पेक्ट्रोमीटर,

ऑप्टिकल माइक्रोस्कोप, फल्यूरोसेंस स्पेक्ट्रोमीटर, इलेक्ट्रोकेमिकल एनालाइजर, थर्मो ग्रेवीमीट्रिक एनालाइजर कप्लड विद डिफरेंशियल स्कैनिंग कैलोरीमीट्री, उच्च निष्पादन क्रोमेटोग्राफी, जेल परमीएशन क्रोमेटोग्राफी, गैस क्रोमेटोग्राफी, डायनेमिक लाईट स्कैटरिंग सेटअप, रीयोमीटर, एफटीआईआर इत्यादि मौजूद हैं।

एएमआरसी में सुविधाओं का उपयोग न केवल भा.प्रौ.सं. मण्डी के अनुसंधान कर्त्ताओं द्वारा होता है, परन्तु बाहरी अनुसंधान कर्त्ताओं और औद्योगिक उपभोक्ताओं द्वारा भी इसका विस्तार किया जाता है। प्रमुख रूप से, एएमआरसी में बाहरी उपभोक्ता हिमाचल के पड़ोसी क्षेत्रों, पंजाब और जम्मू-कश्मीर राज्य से आते हैं, यद्यपि वहां भी कुछ बाहरी उपभोक्ता निकट संस्थानों से हैं। अनेक बाहरी उपभोक्ता एएमआरसी सुविधाओं में विश्लेषण के लिए अपने नमूने भेजते हैं। एएमआरसी सुविधाओं का उपयोग करने वाले बाहरी संस्थानों का प्रतिनिधित्व करने वाले संस्थानों की सूची निम्नलिखित है।

एएमआरसी सुविधाओं का उपयोग करने वाले बाहरी संस्थानों की सूची

1. हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय (एचपीयू), शिमला, हिमाचल प्रदेश
2. हिमालय जैव सम्पदा प्रौद्योगिकी संस्थान (आईएचबीटी), पालमपुर, हिमाचल प्रदेश
3. जवाहर लाल सरकारी अभियांत्रिकी महाविद्यालय, सुन्दरनगर, हिमाचल प्रदेश
4. राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश
5. राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), वारांगल, तेलंगाना
6. राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), दुर्गापुर, पश्चिमी बंगाल
7. जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू, जम्मू व कश्मीर
8. पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़
9. पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, पंजाब
10. गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, (जीएनडीयू), अमृतसर, पंजाब
11. शूलिनी विश्वविद्यालय, सोलन, हिमाचल प्रदेश
12. सिरडा ग्रुप ऑफ इनस्टिट्यूट, सुन्दरनगर, हिमाचल प्रदेश
13. सन्त लौंगोवाल अभियांत्रिकी तथा प्रौद्योगिकी संस्थान, संगरूर, पंजाब
14. श्री साई विश्वविद्यालय, पालमपुर (हिमाचल प्रदेश)
15. सूचना और प्रौद्योगिकी जयपी विश्वविद्यालय, सोलन, हिमाचल प्रदेश
16. जामिया मिल्लिया इस्लामिया (नई दिल्ली)
17. लवली व्यावसायिक विश्वविद्यालय, फगवाड़ा पंजाब
18. चितकारा विश्वविद्यालय, पंजाब
19. दन्त महाविद्यालय सुन्दरनगर (हिमाचल प्रदेश)
20. एलआर फारमेसी संस्थान सोलन, हि.प्र.
21. आईईसी विश्वविद्यालय बद्दी, सोलन, हि.प्र.
22. वाईएसपी विश्वविद्यालय, सोलन, हि.प्र.
23. बद्दी विश्वविद्यालय, सोलन, हि.प्र.
24. कैरियर पॉइण्ट यूनिवर्सिटी हमीरपुर, मण्डी, हि.प्र.
25. आरनी विश्वविद्यालय, कांगड़ा, हि.प्र.
26. शिव नादर विश्वविद्यालय ग्रेटर नॉयडा
27. राष्ट्रीय तकनीकी संस्थान (एनआईटी) जालन्धर, पंजाब
28. राष्ट्रीय तकनीकी संस्थान (एनआईटी) मणिपुर
29. दून विश्वविद्यालय, उत्तराखण्ड
30. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), गान्धीनगर, गुजरात
31. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), धनबाद, झारखण्ड
32. भारतीय प्रौद्योगिकी प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), गुवाहाटी, आसाम

आंतरिक और बाह्य उपभोक्ताओं के लिए एएमआरसी प्रभार

उपकरण का नाम		आंतरिक प्रभार (रु. में)	शैक्षणिक हि.प्र. और जम्मू और कश्मीर	बाहरी शैक्षणिक	औद्योगिक
पीएक्सआरडी		50रु./घण्टा	500रु./घण्टा	1000 रु./घण्टा	2000 रु./घण्टा
एनएमआर	H1	20रु./सैम्पल	100रु./सैम्पल	150रु./सैम्पल	300रु./सैम्पल
	C13	25रु./सैम्पल	150रु./सैम्पल	300रु./सैम्पल	600रु./सैम्पल
टीईएम	टीईएम	100रु./घण्टा	1000रु./घण्टा	2000रु./घण्टा	4000रु./घण्टा
	ईडीएक्स	100रु./घण्टा	750रु./घण्टा	1500रु./घण्टा	3500रु./घण्टा
	एसटीईएम	100रु./घण्टा	750रु./घण्टा	1500रु./घण्टा	3500रु./घण्टा
कन्फोकल		100रु./घण्टा	1000रु./घण्टा	2000रु./घण्टा	5000रु./घण्टा
एससीएक्सआरडी		250रु./सैम्पल	1000रु./सैम्पल	2000रु./सैम्पल	5000रु./सैम्पल
एचआरएमएस		50रु./सैम्पल	200रु./सैम्पल	1000रु./सैम्पल	2000रु./सैम्पल
एफईएसईएम	एफईएसईएम	100रु./घण्टा	500रु./सैम्पल	1000रु./सैम्पल	4000रु./सैम्पल
	ई बीम लिथो	100रु./घण्टा	500रु./सैम्पल	1000रु./सैम्पल	2000रु./सैम्पल
	ईबीएसडी	100रु./घण्टा	500रु./सैम्पल	2000रु./सैम्पल	2000रु./सैम्पल
एएफएम		100रु./घण्टा	500रु./घण्टा	1000रु./घण्टा	2000रु./घण्टा
पम्प प्रोब		100रु./दिन	500रु./दिन	1000रु./दिन	2000रु./दिन
पीपीएमएस		100रु./दिन	1000रु./दिन	2000रु./दिन	4000रु./दिन
एमपीएमएस		100रु./दिन	1000रु./दिन	2000रु./दिन	4000रु./दिन
पीईएस	पीईएस	200रु./सैम्पल / तापमान	1000रु./सैम्पल / तापमान	2000रु./सैम्पल / तापमान	4000रु./सैम्पल / तापमान
	यूपीएस	200रु./सैम्पल / तापमान	1000रु./सैम्पल / तापमान	2000रु./सैम्पल / तापमान	4000रु./सैम्पल / तापमान
रमन	रमन/पीएल	100रु./स्लॉट (4 घण्टे)	200रु./स्लॉट (4 घण्टे)	400रु./स्लॉट (4 घण्टे)	1000रु./स्लॉट (4 घण्टे)
	निम्न/उच्च तापमान	100रु./सैम्पल	1000रु./सैम्पल	2000रु./सैम्पल	4000रु./सैम्पल
	रमन मैपिंग	200रु./सैम्पल	2000रु./सैम्पल	4000रु./सैम्पल	5000रु./सैम्पल
एचपीएलसी		25रु./घण्टा	500रु./घण्टा	1000रु./घण्टा	2000रु./घण्टा
टीजीए/डीएससी		25रु./घण्टा	250रु./घण्टा	1000रु./घण्टा	2000रु./घण्टा
एएस		25रु./घण्टा	250रु./घण्टा	500रु./घण्टा	2000रु./घण्टा
डीएलएस		25रु./घण्टा	250रु./घण्टा	500रु./घण्टा	2000रु./घण्टा
एफटीआईआर		निःशुल्क	75रु./घण्टा	150रु./घण्टा	500रु./घण्टा
यूवी-वीआईएस		निःशुल्क	75रु./सैम्पल	150रु./सैम्पल	500रु./सैम्पल
फ्ल्यूरोसेंस स्पेक्ट्रोमीटर		निःशुल्क	75रु./घण्टा	150रु./घण्टा	500रु./घण्टा
ऑप्टिकल माइक्रोस्कोप		निःशुल्क	75रु./घण्टा	150रु./घण्टा	500रु./घण्टा
सीडी		निःशुल्क	75रु./घण्टा	150रु./घण्टा	500रु./घण्टा
फ्ल्यूरोसेंस लाइफटाइम		निःशुल्क	75रु./घण्टा	150रु./घण्टा	500रु./घण्टा

एमएमआरसी सुविधाओं के प्रयोग से प्रकाशन

उन्नत सामग्री अनुसंधान केन्द्र में उपलब्ध सुविधाओं के उपयोग से प्राप्त अनुसंधान परिणाम प्रसिद्ध अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए हैं। इस केन्द्र की वर्ष 2013 में शुरुआत से 200 से अधिक अनुसंधान लेख प्रकाशित हुए हैं और 2017-18 में 60 से अधिक लेख प्रकाशित हुए हैं।

कुछ प्रभावशाली प्रकाशन निम्नलिखित हैं:

- डॉ. सुमन कल्याण पाल: सन् 2017 में एसीएस ऊर्जा पत्र में लेख (आईएफ:12.2)
- डॉ. राहुल वैश: प्रयुक्त भौतिक विज्ञान समीक्षा (आईएफ:15.4)
- डॉ. वेंकटा कृष्णन: लघु (आईएफ:9.5), एसीएस प्रयुक्त पदार्थ और अंतराफलक (आईएफ: 7.5), एसीएस धारणीय रसायन विज्ञान और अभियांत्रिकी (आईएफ: 5.9), बी रसायन (आईएफ: 5.4)
- डॉ. चयन के नन्दी: रसायन विज्ञान (आईएफ: 9)
- डॉ. विश्वनाथ बालाकृष्णन: उन्नत प्रकाशीय पदार्थ (आईएफ: 7.4)
- डॉ. चयन के. नन्दी और डॉ. जसप्रीत रन्धावा: नैनो स्केल (आईएफ: 7.3)
- डॉ. चयन के. नन्दी और डॉ. विश्वनाथ बालाकृष्णन: नैनो स्केल (आईएफ: 7.3)
- डॉ. अजय सोनी: कार्बन (आईएफ: 7), सामग्री रसायन विज्ञान की पत्रिका सी (आईएफ: 5.2)
- डॉ. अदिति हल्दर और डॉ. ऋक् रानी कोडार: रसायन विज्ञान एक यूरोपीय पत्रिका (आईएफ: 5.3)

नजदीकी स्कूलों और विश्वविद्यालयों का एमएमआरसी दौरा

एमएमआरसी ने शुरुआती कार्यक्रम के लिए हिमाचल प्रदेश और जम्मू कश्मीर के विभिन्न स्कूलों और विश्वविद्यालयों से एमएमआरसी प्रयोगशाला में 22 दौरों का आयोजन किया और इनमें लगभग 750 छात्रों ने भाग लिया। इनके नाम निम्नलिखित हैं:

क्र.सं.	स्कूल/कार्यक्रम/संस्थान	छात्रों की संख्या	दौरे की दिनांक
1	स्टैप कार्यक्रम (हिमाचल और जम्मू कश्मीर)	30	21/06/17
2	सरकारी वल्लभ महाविद्यालय मण्डी	65	18/08/17
3	सरकारी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय निशु मण्डी	29	18/11/17
4	सरकारी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय चौकीचन्द्रान मण्डी	17	18/11/17
5	सरकारी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सदियाणा मण्डी	44	18/11/17
6	सरकारी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय हटवास, मण्डी	38	20/11/17
7	सरकारी उच्च विद्यालय छजवान खाबु, मण्डी	14	21/11/17
8	सरकारी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कुफरी, मण्डी	55	22/11/17
9	सरकारी उच्च माध्यमिक विद्यालय जखेरु और सरकारी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कपाही, मण्डी	38	25/11/17
10	जवाहर नवोदय विद्यालय स्कूल कांगड़ा	23	25/11/17
11	सरकारी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बाघी, मण्डी	25	25/11/17
12	सरकारी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय समेला मण्डी	33	25/11/17
13	सरकारी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय स्कूल शिमला	20	25/11/17
14	जवाहर नवोदय विद्यालय स्कूल पण्डोह	10	25/11/17
15	जवाहर नवोदय विद्यालय स्कूल बिलासपुर	05	29/11/17
16	सरकारी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय टिहरी, मण्डी	39	29/11/17
17	सरकारी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय धार मण्डी	50	30/11/17
18	सरकारी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रैगेश, मण्डी	25	03/12/17
19	सरकारी स्कूल भटेरी, मण्डी	28	04/12/17
20	सरकारी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कपाही जिला मण्डी	37	03/01/18
21	सरकारी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भुन्तर, कुल्लू	34	12/02/18
22	श्री साई विश्वविद्यालय पालमपुर, कांगड़ा	31	26/03/18

एमएमआरसी की अधिक जानकारी के लिए निम्नलिखित सम्पर्क है:

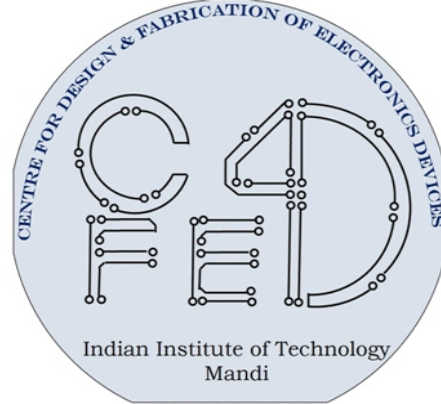
समन्वयक, उन्नत सामग्री अनुसंधान केन्द्र (एमएमआरसी)

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी कमान्ड, मण्डी-175005

हिमाचल प्रदेश, भारत ई-मेल: amrcoffice@iitmandi.ac.in दूरभाष: 91-190-5267027

इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के प्रारूप एवं निर्माण के लिए केन्द्र (सी4डीएफईडी):

सह समन्वयक: डॉ. सतिन्द्र कुमार शर्मा



भा.प्रौ.सं. मण्डी में इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के प्रारूप एवं निर्माण के लिए केन्द्र (सी4डीएफईडी) का मुख्य उद्देश्य बहु विषयक अनुसंधान के लिए उपकरण के प्रारूप एवं निर्माण के लिए एक अलग ही प्रकार की सुविधा का सृजन करना है, जहां श्रेणी 100, श्रेणी 1000 और श्रेणी 10000 की प्रयोगशालाओं में अत्याधुनिक सुविधाएं की जाएंगी। यह केन्द्र नैनोइलेक्ट्रॉनिक्स का विकास और अनुप्रयोग, आगामी उत्पादन प्रौद्योगिकी नोड, आईसी प्रारूप और निर्माण, नैनो माइक्रो (एनईएमएस और एमईएमएस) प्रणालियों और प्रारूप इत्यादि के लिए अत्यधिक अल्ट्रा वायलट लिथोग्राफी (ईयूएल) रोधी सामग्री जैसी अनुसंधान सुविधाओं का विकास और संचालन करने में सक्षम होगा।

भा.प्रौ.सं. मण्डी में C4DFED उपभोक्ता सुविधा का विजन

- आगामी उत्पादन संकलित परिक्षेत्र (आईसीज) एवं विद्युत उपकरण प्रारूप और रचना अनुसंधान तथा अर्धकुचालक उद्योगों को केन्द्रित कर प्रौद्योगिकी विकास करने के लिए विश्व स्तरीय गतिकीय अवसंरचना और उपकरण सैट।
- आजकल इस क्षेत्र में अन्य सम्बन्धित क्षेत्रों के समान विविध विशेषज्ञ और अनुसंधान परियोजनाएं तथा अनेक कार्यक्रम संगणक और विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल (एससीईई), अभियांत्रिकी स्कूल (एसई) और आधार विज्ञान स्कूल (एसबीएस) में सुव्यवस्थित हैं। यह केन्द्र भा.प्रौ.सं. मण्डी में अनुसंधान समुदाय के लिए अत्याधुनिक अवसंरचना, अनुसंधान आवश्यकताओं की आपूर्ति करेगा। विद्युत उपकरण के प्रारूप एवं रचना के क्षेत्र में कार्य करने वाले प्राध्यापकों और अनुसंधान कर्ताओं के लिए नेटवर्क का भी निर्माण करेगा, ताकि इसके लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए उन्नत क्षेत्र में व्यापक प्रतिभागिता के साथ तेजी से प्रगति हो।
- पारस्परिक औद्योगिक व्यवहार एक महत्वपूर्ण ध्येय होगा।
- एक क्षेत्रीय केन्द्र की परिकल्पना की है। इसके मुख्य कार्यों में से एक कार्य लोक सम्पर्क के माध्यम से शिक्षा और श्रम शक्ति का विकास करना है।
- इस केन्द्र का विजन भा.प्रौ.सं. मण्डी के विजन जैसा और समकालीन है: "विज्ञान और तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी बने रहना, ज्ञान संवर्धन और नवाचरण करना" है।
- यह भारत में उन्नत राष्ट्रीय निर्माण और राज्य नीतियों की परिधि के अंतर्गत है।

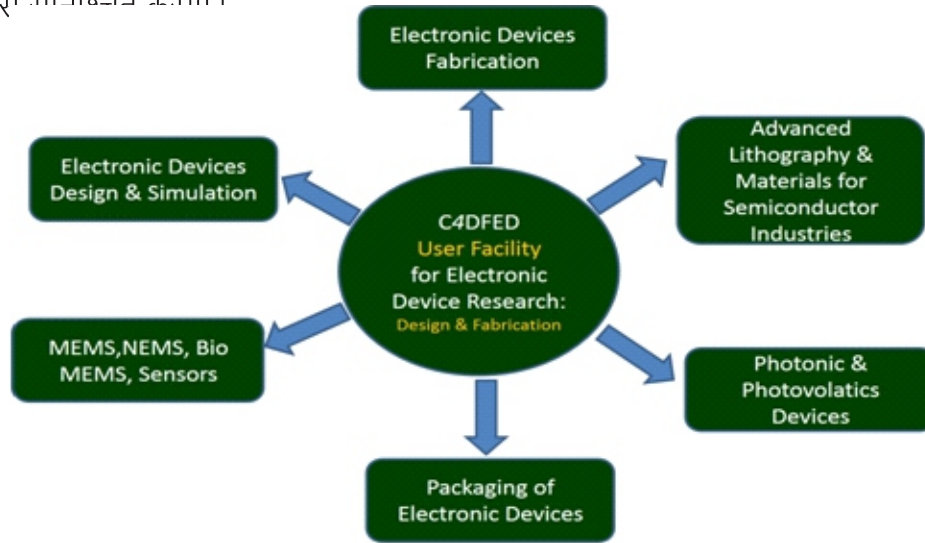
भा.प्रौ.सं. मण्डी में C4DFED उपभोक्ता सुविधा से विशेष कार्य

- आगामी उत्पादन संकलित परिक्षेत्रों (आईसीज)/विद्युत उपकरण प्रारूप और रचना के लिए केन्द्रीयकृत अत्याधुनिक अवसंरचना सुविधा तथा अर्धचालक उद्योगों के लिए अत्याधुनिक सामग्री का भी सृजन करना है।
- अर्धचालक उद्योगों के लिए सामूहिक प्रयासों के माध्यम से स्थिर शैक्षिक संसाधनों और कुशल कर्मचारियों का विकास करना है।

- उद्योगों के साथ समन्वय बढ़ाना और वाणिज्यिक तथा नयी तकनीकों का उत्पादों में जन कल्याण के लिए स्थानांतरण करना है।
- बहु विषयक एमएस (अनुसंधान द्वारा), एम.टैक. और पीएच.डी. कार्यक्रम की शुरुआत करना है।
- अवर स्नातकों, स्नातकोत्तर और अध्यापकों तथा पड़ोसी संस्थानों के लिए लोक सम्पर्क प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन करना है।
- विश्वविद्यालयों और शैक्षिक संस्थानों तथा उद्योग में पहुँच सहित उत्तरी भारत में क्षेत्रीय /राष्ट्रीय सुविधा करना है।

भा.प्रौ.सं. मण्डी में C4DFED उपभोक्ता सुविधा विषयगत क्षेत्र

- C4DFED उपभोक्ता सुविधा का ध्येय विशेष उपभोक्ता क्षेत्रों और अनुप्रयोगों के लिए अति सूक्ष्म/सूक्ष्म विद्युत उपकरणों का उत्पादन करना है, जिससे यह विद्युत उपकरण के प्रारूप और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र ज्ञान और संसाधन केन्द्र के रूप में जाना जाये।
- C4DFED उपभोक्ता सुविधा तेज वितरणीय और धारणा उपकरण प्रमाण के रूप में कुछ नमूनों का विकास करेगी, एक भाग नये विचारों और दृष्टिगत वस्तु में लगा होगा, जो आगामी अति सूक्ष्म/सूक्ष्म विद्युत उपकरणों के प्रारूप और प्रौद्योगिकी के विज्ञान और अभियांत्रिकी का रूप होगा तथा इसका स्थायित्व और विकास सुनिश्चित होगा।



क्रमांक		
1	केन्द्र का प्रयोजन	भा.प्रौ.सं. मण्डी में उपकरण प्रारूप और निर्माण की बहुविषयक अनुसंधान सुविधा के लिए एकल सुविधा का सृजन करना
2	उपभोक्ता	भा.प्रौ.सं. मण्डी के सभी प्राध्यापक जिनकी एक जैसी अनुसंधान रुचि है। भा.प्रौ.सं. मण्डी के स्नातकोत्तर और पी.एच.डी. छात्र
3	परियोजना की कुल लागत	10 करोड़ + उपकरण
4	विद्युत ऊर्जा की आवश्यकता	600 KVA
5	क्लास 100 क्षेत्र	1200 वर्ग फुट
6	क्लास 1000 क्षेत्र	450 वर्ग फुट
7	क्लास 10000 क्षेत्र	350 वर्ग फुट
8	क्लास 100000 क्षेत्र	2000 वर्ग फुट
9	स्थापित होने वाले उपकरण	ही आयन मिलिंग और बिम्ब तंत्र, बिम्ब तंत्र के साथ इलैक्ट्रॉन बीम लिथोग्राफी और फील्ड एमिशन स्कैनिंग इलैक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप नामक तीन प्रमुख उपकरण अगले माह तक स्थापित किए जाएंगे। कुछ अन्य विशेषता वाले उपकरण भी स्थापित किए जाएंगे।
10	अपेक्षित योजनाएं	नैनो इलैक्ट्रॉनिक्स का विकास और अनुप्रयोग, आगामी उत्पादन प्रौद्योगिकी नोड, आईसी प्रारूप और रचना तथा नैनो माइक्रो (एनईएमएस और एमईएमएस) प्रणालियों तथा प्रारूपों आदि के लिए अत्यधिक अल्ट्रावायलट लिथोग्राफी (ईयूवीएल) का विकास।

वर्तमान स्थिति

C4DFED का जनपद कार्य पूर्ण होने के बाद क्लीन रूम वेंडर ने क्लीन लैब के उपयोगी भवन में क्लीन रूम उपकरण स्थापित करने के लिए स्थान लिया। जब विक्रेता को मंजूरी दी गई थी, तब यह बताया गया कि स्वच्छ कमरे के विकास के लिए माह जनवरी 2018 से लगभग 7 महीने लगेंगे।

वीएलएसआई प्रारूप प्रयोगशाला में मेज़ानाइन नामक फर्श सैट अप है और सुचारु है। भा.प्रौ.सं. मण्डी में दिनांक 31 अक्टूबर से 2 नवम्बर 2018 के मध्य एक अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला आईडब्ल्यूएनईबीडी, 2018 के दौरान इसका औपचारिक उद्घाटन करने की योजना है। उद्घाटन के बाद यह अत्याधुनिक सुविधा पूर्ण रूप से संचालित हो जाएगी।

बायो एक्स

सह समन्वयक: डॉ. तुलिका पी. श्रीवास्तवा

बायो एक्स केन्द्र की गतिविधियां

मुख्यतया कृषि से सम्बन्धित, सौन्दर्ययुक्त तथा भंगुर हिमालय में स्थित भा.प्रौ.सं. मण्डी का ध्यान कृषि तथा पर्यावरण पर है। अन्य प्रमुख अनुसंधान का क्षेत्र मानवीय स्वास्थ्य है। भा.प्रौ.सं. मण्डी ने इसके लिए जीव विज्ञानों में हिमालयी क्षेत्र में शीघ्रतम सम्बन्ध के विस्तृत क्षेत्रों में गतिविधियों की शुरुआत की है। यह गतिविधियां विशेष तौर पर समाज के ग्रामीण एवम् निम्न-आय वर्ग के लोगों की स्वास्थ्य सेवा के लिये शुरू की हैं। परम्परागत किसानों को उन्नत ज्ञान और प्रौद्योगिकी से लाभान्वित करने की आवश्यकता है, जो फलों, सब्जियों, केसर तथा इस क्षेत्र में औषधीय पौधों पर कार्य करते हैं। प्रौद्योगिकी में प्रगति के साथ बेहतर स्वास्थ्य सेवा व्यवस्था को भी विकसित करने की आवश्यकता होगी।

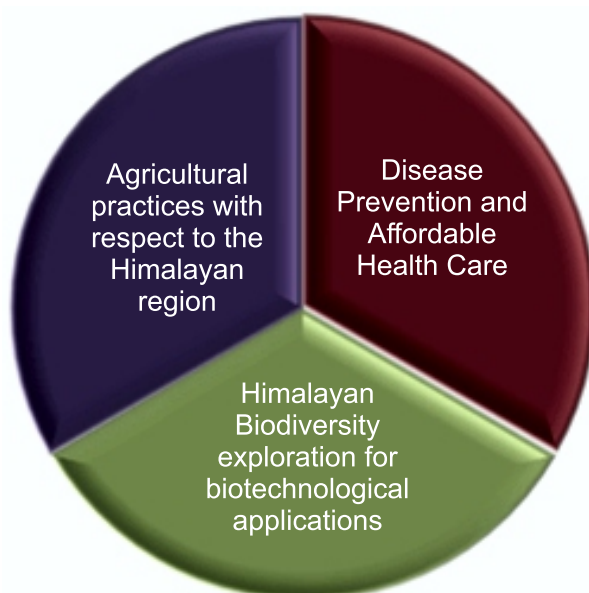
भा.प्रौ.सं. मण्डी ने इस उद्देश्य की पूर्ति में पहल करने के लिए बहु विषयक अनुसंधान और विकास करने के लिए आधार विज्ञान और अभियांत्रिकी के विभिन्न विषयों के प्राध्यापकों को सम्मिलित किया है। भारत में सुगम स्वास्थ्य सुविधा की आवश्यकता की आपूर्ति के लिए, कृषि में उन्नत प्रौद्योगिकी की बाधाओं तथा हिमालयी क्षेत्र में पर्यावरण के संरक्षण के लिए भा.प्रौ.सं. मण्डी में इस पहल के भाग स्वरूप वर्ष 2012 में नये बायो एक्स केन्द्र की स्थापना की गई। तब से आधार विज्ञान स्कूल के छः प्राध्यापकों और जीव विज्ञान में दो सहयोगियों को नियुक्त किया है। इनके साथ अन्य स्कूलों (संगणक और विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल, अभियांत्रिकी स्कूल) के प्राध्यापकों का ध्यान जीव विज्ञान, जैव विज्ञान भौतिकी, नैनो तकनीक, जैव सूचना, पौधा व्यवस्था, जीव विज्ञान तथा अन्य उच्चतम बहु विषयक अनुसंधान के क्षेत्र में है। इसके अतिरिक्त भा.प्रौ.सं. मण्डी ने इन क्षेत्रों से सम्बन्धित प्रयोगशाला उपकरणों के लिए 10 करोड़ का निवेश किया है। प्राध्यापकों और अनुसंधानकर्ताओं ने भी इतनी ही राशि डीबीटी, डीएसटी, एसईआरबी, एमएचआरडी इत्यादि विभिन्न वित्तीय कम्पनियों से प्राप्त की हुई है। दिसम्बर 2016 में, जैसे ही यह राशि अधिक हुई बायो एक्स केन्द्र की औपचारिक संरचना की अंतिम संस्तुति हुई।

भा.प्रौ.सं. मण्डी में बायो एक्स केन्द्र का व्यापक दृष्टिकोण स्वास्थ्य कल्याण में प्रणालियों और कृत्रिम जीव विज्ञान के क्षेत्र में केन्द्रित विषय कृषि और पर्यावरण में अत्याधुनिक अनुसंधान का निष्पादन करना है। बायो एक्स केन्द्र की कल्पना हिमालयी क्षेत्र और हिमालयी जैव विविधता के अनुरूप रोगों की रोकथाम और सुगम स्वास्थ्य कल्याण में प्रगति के लिए तकनीकी विकास और अभियांत्रिकी की सीमाओं का विस्तार करना है। यह विस्तार भू-तकनीकी अनुप्रयोगों के लिए जीवन विज्ञान, भौतिकी विज्ञान और अभियांत्रिकी के बीच दूरी कम करके करना है। बायो एक्स

केन्द्र के मुख्य कार्यों में निम्नलिखित सम्मिलित हैं:

- स्वास्थ्य से सम्बन्धित और कृषि आधारित प्रमुख चुनौतियां तथा अत्याधुनिक अनुसंधान समझना ।
- बाहरी वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए बहु संस्थानात्मक और बहु विषयक समन्वय बढ़ाना ।
- उद्योग-शैक्षिक सहभागिता विकसित करना ।
- अभियंताओं, संगणनात्मक वैज्ञानिकों, भौतिकीय और जीवन विज्ञान अनुसंधानकर्ताओं के बीच विचार-विमर्श की सुविधा करना ।
- जीवन विज्ञान और प्रौद्योगिकी विकास पर ध्यान केन्द्रित करने के साथ अनुसंधान, नवोचार और आविष्कार की उत्कृष्टता में लगे रहना ।

आजकल भा.प्रौ.सं. मण्डी में 20 प्राध्यापकों का दल उन विभिन्न विशेषज्ञों के साथ है, जिनका ध्येय बायो एक्स केन्द्र के मूल दृष्टिकोण के समान है। इनमें आधार विज्ञान स्कूल (जीव वैज्ञानिक, रसायन वैज्ञानिक, गणितज्ञ, संगणनात्मक जीव वैज्ञानिक), अभियांत्रिकी स्कूल (यांत्रिकी अभियांत्रिकी), संगणक और विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल (संगणनात्मक अभियांत्रिकी और विद्युत अभियांत्रिकी) के प्राध्यापक सम्मिलित हैं। केन्द्र में शामिल किये जा रहे प्रमुख अनुसंधान क्षेत्र निम्नलिखित हैं:



चित्र : भा.प्रौ.सं. मण्डी में किये जा रहे अनुसंधान के प्रमुख क्षेत्र
रोग की रोकथाम और सुगम स्वास्थ्य सुविधा

- जैव चिकित्सा उपकरण और यंत्रिकरण ।
- जैव यांत्रिकी ।
- जैव चिकित्सा बिम्ब विधान ।
- अति सूक्ष्म जैव प्रौद्योगिकी ।
- जैव सामग्री ।
- रोगों के लिए नैदानिक एवं चिकित्सा ।

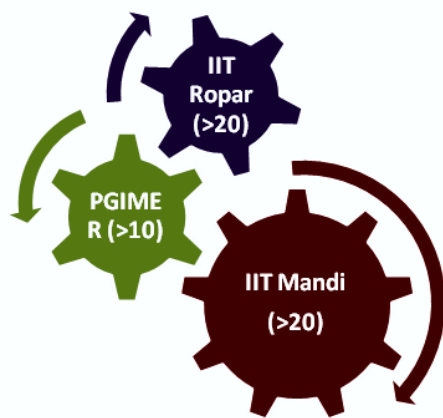
जैव प्रौद्योगिकीय अनुप्रयोगों के लिए हिमालयी जैव विविधता विस्तार

- स्वास्थ्य और उद्योग के लिए प्राकृतिक उत्पाद जैव प्रौद्योगिकी।
- औद्योगिक और जैव प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगों के लिए नये माइक्रोबज (एन्ज़ाइमज़) का विस्तार।

हिमालयी क्षेत्र के अनुरूप कृषि प्रयोग

- कृषि में उच्च सतत् समलक्षणी रखना।
- प्रबन्धन के लिए प्रमुख फसल रोगाणु प्रणाली विश्लेषण।

इस जोखिम कार्य के लिए बायो एक्स केन्द्र में भा.प्रौ.सं. मण्डी के साथ भा.प्रौ.सं. रोपड़ और पीजीआईएमईआर चण्डीगढ़ ने 'बायो एक्स संघ' का निर्माण किया है। संघ के अंतर्गत प्रमुख क्षेत्रों में जैव चिकित्सा उपकरण और यंत्रिकरण, जैव यांत्रिकी, जैव चिकित्सा बिम्ब विधान, रोगों, जैव चिकित्सीय अति सूक्ष्म प्रौद्योगिकी के लिए नैदानिक एवं उपचार हैं। अब तक भा.प्रौ.सं. मण्डी में संघ के दृष्टिकोण से सम्बन्धित तीनों संस्थानों के मध्य इस संघ की दिनांक 5 से 6 फरवरी, 2016 को चर्चा हुई। इसमें भा.प्रौ.सं. मण्डी और भा.प्रौ.सं. रोपड़ के लगभग 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसकी दूसरी बैठक भा.प्रौ.सं. रोपड़ में दिनांक 12 से 13 मार्च 2016 को आयोजित की गई, जिसमें तीनों संस्थानों से 47 प्रतिभागियों ने भाग लिया और अनेक अनुसंधान कर्त्ताओं ने संघ के अंतर्गत मूल वित्त पोषण अनुदान के लिए अनुरोध किया। इसके लिए भा.प्रौ.सं. मण्डी और भा.प्रौ.सं. रोपड़ के विभिन्न परियोजना अन्वेषकों को अब तक कुल 48 लाख रु. की वित्तीय सहायता मिली हुई है।

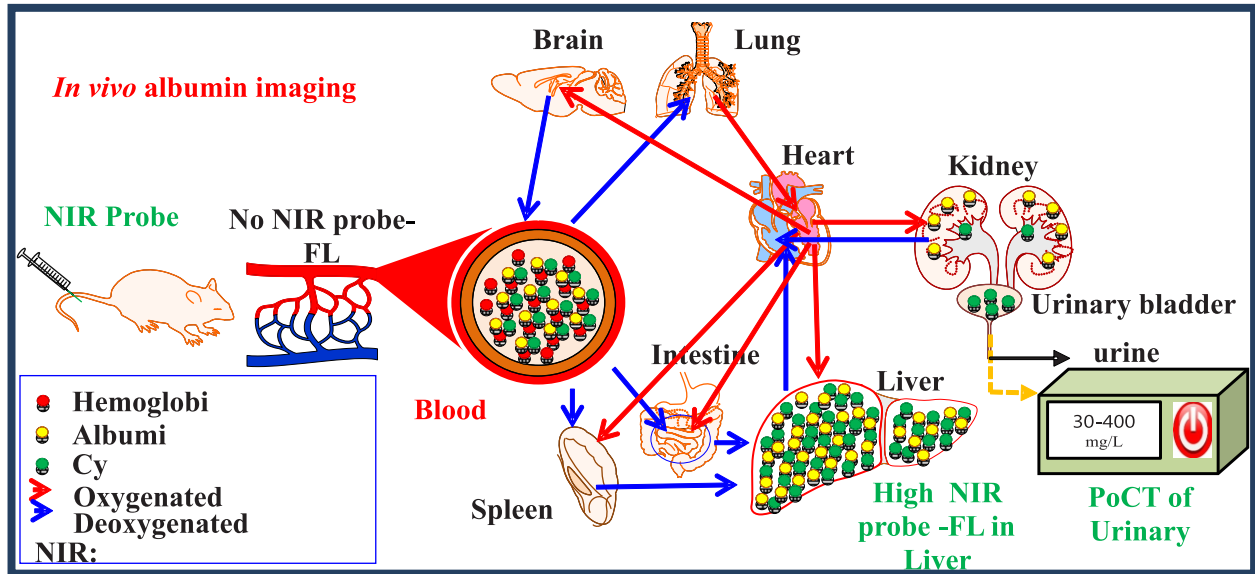


चित्र : बायोएक्स संघ सदस्य, धनुकोष्ठक में सम्बन्धित संस्थान से सम्मिलित संकाय की संख्या
बायोएक्स संघ में अनुसंधान के लिए प्रमुख विषयगत क्षेत्रों को सम्मिलित किया जा रहा है:

- जैव चिकित्सा उपकरण और यंत्रिकरण
- जैव यांत्रिकी
- जैव चिकित्सा बिम्ब विधान
- रोगों के लिए नैदानिक एवं चिकित्सा
- जैव चिकित्सा अतिसूक्ष्म प्रौद्योगिकी

बायोएक्स प्राध्यापक बहुमूल्य परियोजनाओं को सफलतापूर्वक आकर्षित करने में सक्षम हैं। यहां इम्प्रिंट हेल्थ और इम्प्रिंट एनर्जी सेक्टर्ज़ के तहत 4.7 करोड़ रु. की दो परियोजनायें हैं।

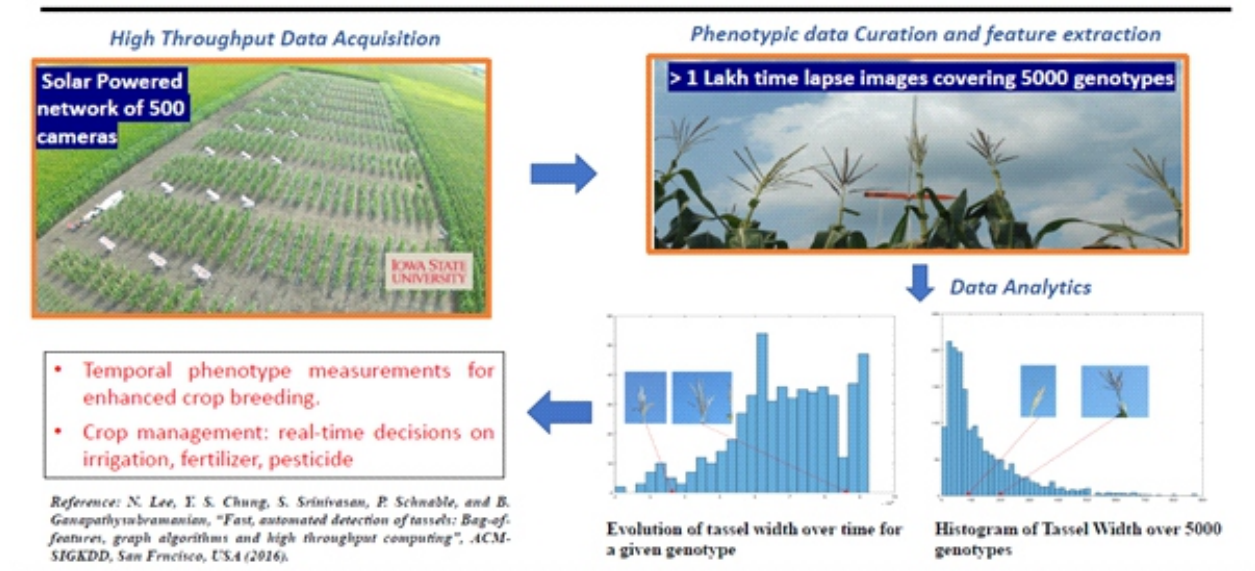
जैव फोटोइलेक्ट्रो उत्प्रेरक और जैव ईंधन के माध्यम से सतत अपशिष्ट जल उपयोग
चित्र: ऊर्जा क्षेत्र के तहत इम्प्रिंट परियोजना का सिंहावलोकन



दिमाग, फेफड़े, रक्त, दिल, गुर्दा, यकृत, मूत्राशय, मूत्र, आंत, प्लीहा, हेमोग्लोबिन, सीवी ऑक्सीजीनेरीटिड, डीऑक्सीजीनेरीटिड, एनआईआर
चित्र: स्वास्थ्य क्षेत्र के तहत इम्प्रिंट परियोजना का सिंहावलोकन

लगभग 10 करोड़ रु की लीबीटी फारमर जोन परियोजना भी है।

A scalable and resilient Internet-of-Things approach to High Throughput Phenotyping in Agriculture



इसके अतिरिक्त, बायोएक्स सेंटर के प्राध्यापकों द्वारा कई अन्य स्वतंत्र परियोजनायें विभिन्न वित्तीय कम्पनियों से प्राप्त की गई हैं।

आजकल भा.प्रौ.सं. मण्डी के बायोएक्स केन्द्र में प्रयोगशालाओं और प्रौद्योगिकी प्लेटफॉर्मों में निम्नलिखित सम्मिलित हैं:

- उन्नत सामग्री अनुसंधान केन्द्र (एएमआरसी) (एनएमआर, मास स्पेक., एकल स्फटिक एक्सआरडी, संनाभि सूक्ष्मदर्शी, स्पेक्ट्रोफोटोमीटर जैसी अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त)
- उच्च निष्पादन संगणन सुविधा

- आण्विक और प्रणाली जीव विज्ञान
- अति सूक्ष्म प्रौद्योगिकी
- आगामी उत्पादन अनुक्रमण सुविधा
- पशु गृह सुविधा
- कोशिका और ऊतक संवर्धन सुविधाएं
- अन्य ओमिक्स में विस्तार

कोशिका उक्तक सुविधायें



कवक सुविधायें



आगामी उत्पादन अनुक्रमण सुविधा



गैस क्रोमेटोग्राफी



बायोरिएक्टर



फ्लोसाइटोमीटर



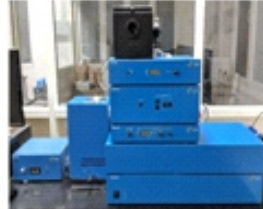
यूवी-वीआईएस एनआईआर



फ्ल्यूरोसेंस माइक्रोस्कोप



स्टॉप फ्लो



बेसिक मोलिक्यूलर बायोलॉजी लैब



सिस्टम बायोलॉजी लैब



प्लांट ग्रोथ लैब



औषधीय पौधशाला



वानस्पतिक बाग



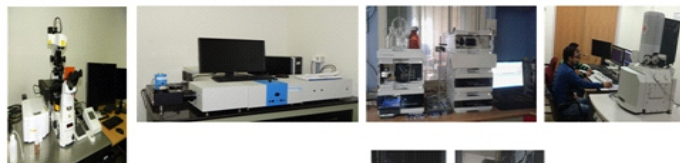
वनस्पति संग्रहालय



आगामी पशु सुविधा

चित्र: बायोएक्स सेंटर में वर्तमान अनुसंधान सुविधायें

- उन्नत सामग्री अनुसंधान केन्द्र (एएमआरसी) (एनएमआर, मास स्पैक., एकल स्फटिक एक्सआरडी, संनाभि सूक्ष्मदर्शी, स्पेक्ट्रोफोटोमीटर जैसी अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त)

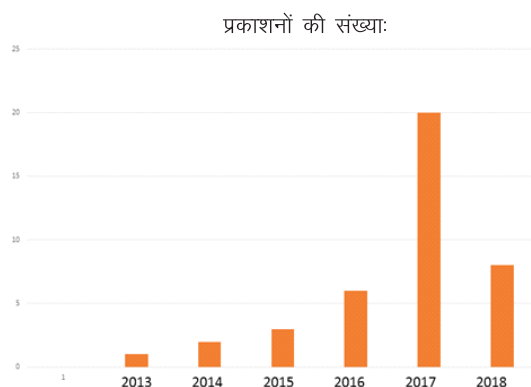


- उच्च निष्पादन संगणन सुविधा



चित्र: बायोएक्स केन्द्र के अनुसंधानकर्ताओं द्वारा संस्थान की अन्य सुविधाओं का उपयोग

बायो एक्स केन्द्र जैव प्रौद्योगिकी के अनेक क्षेत्रों में अनुसंधान और विकास को तेज करने के लिए प्लेटफॉर्म के रूप में कार्य करता है, जिसमें विभिन्न प्रौद्योगिकी क्षेत्रों के साथ अपनी तेज सह क्रिया का समायोजन करते हुये जीव विज्ञान, जैव सूचना, मिसफोल्डिंग रोगों का जैव भौतिकी विज्ञान, स्वतः अव्यवस्थित प्रोटीन (आईडीपीज), उपापचयी अभियांत्रिकी, अति सूक्ष्म प्रौद्योगिकी, वैकल्पिक दवा, कृत्रिम जीव विज्ञान आदि शामिल हैं। आजकल बायो एक्स केन्द्र में पचास से अधिक अनुसंधान विद्वान् अपनी पी.एचडी. उपाधि से सम्बन्धित विषयों के लिए इस विकसित सुविधा का उपयोग करते हैं। हमने बायोएक्स केन्द्र में डीबीटी-बीएमबीएफ परियोजना और भा.प्रौ.सं. मण्डी द्वारा समर्थित “कृषि अपशिष्ट से ऊर्जा और कार्बन हेतु जैव प्रसंस्करण-2018” नामक दो दिन की कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला का आयोजन भा.प्रौ.सं. मण्डी के डॉ. श्याम कुमार मासाकपल्ली ने जर्मन यूनिवर्सिटी के सहयोगियों के साथ किया। बायोएक्स केन्द्र के अनुसंधान विद्वानों द्वारा वार्षिक अनुसंधान मेला दिनांक 20 मई, 2018 को मनाया गया, जिसमें मौखिक प्रस्तुति और पोस्टर प्रदर्शन के माध्यम से अद्यतन अनुसंधान प्रस्तुत किया गया। बायो एक्स केन्द्र के प्राध्यापक उत्कृष्ट प्रभाव की अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में अपने अनुसंधान कार्य प्रकाशित करने में सक्षम हैं। जीवन विज्ञान क्षेत्र में प्राध्यापकों द्वारा प्रकाशित अनुसंधान लेखों की संख्या में वृद्धि निम्नलिखित है:



जीवन विज्ञान (मार्च 2018 तक) के क्षेत्र में बायो एक्स केन्द्र के प्राध्यापकों के प्रकाशनों की संख्या में वृद्धि
 इस केन्द्र की सुविधायें भा.प्रौ.सं. मण्डी के आधार विज्ञान स्कूल में चल रहे जैव प्रौद्योगिकी में एम.टैक. कार्यक्रम का भी अभिन्न भाग हैं। माह अगस्त 2016 में जैव प्रौद्योगिकी में एम.टैक. कार्यक्रम का आरम्भ आगामी छात्रों को अत्याधुनिक ज्ञान और दक्षता प्रदान करने के उद्देश्य से किया है, जो जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान तथा जैव फार्मा

आधारित उद्योग के लिए उपयुक्त है। भा.प्रौ.सं. मण्डी में एम.टैक. जैव प्रौद्योगिकी कार्यक्रम का प्रयोजन अनुसंधान और जैव उद्योग में गहन रुचि रखने वाले छात्रों को प्रशिक्षित करना है, ताकि वे जैव चिकित्सा अनुसंधान/उद्योग की चुनौतियों का सामना कर सकें। यह पाठ्यक्रम "जैव विज्ञान प्रणालियां" और "चिकित्सा एवं अति सूक्ष्म जैव प्रौद्योगिकी" में विशेषज्ञता के साथ जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्रों के बुनियादी और मूल व्यावहारिक ज्ञान के लिए संचालित है। इसके अतिरिक्त, अन्य विषयों के वैकल्पिक पाठ्यक्रम छात्रों को बहु विषयक जानकारी प्रदान करेंगे। अन्य स्कूलों से ऐच्छिक मूल विषय, बायोएक्स के विशिष्ट विषय, प्रयोगशाला प्रशिक्षण में दक्ष छात्रों को परियोजना घटक के साथ पाठ्यक्रम के पूर्ण होने पर कार्यालय/अन्य अनुसंधान और विकास संस्थानों/उद्योगों में लिया जायेगा, जहां उन्हें शिक्षा और उद्योगों में आधुनिक नौकरी के लिए अपेक्षित जानकारी प्रदान कर दक्ष किया जाएगा। एम.टैक. छात्रों (संख्या 8) के प्रथम बैच ने पहले ही अपनी उपाधियां पूरी कर ली हैं।

हमारे छात्रों की अन्य उपलब्धियाँ निम्नलिखित हैं:

1. एक एम.टैक. छात्र ने खोराना फेलोशिप प्राप्त की है।
2. एक एम.टैक. छात्रा सुश्री प्रिया सिंह ने आईएएससी-आईएनएसए-एनएएसआई समर रिसर्च फेलोशिप प्राप्त की है।
3. अनेक पी.एच.डी. छात्र अपने कार्य के लिए विदेश गये, जिनके नाम निम्नलिखित हैं: सुश्री नैना अरोड़ा (लिंगेयू बैटक), सुश्री मनुश्री (एएसएम माइक्रोबायोलॉजी, अटलांटा, अमेरिका), फॉजुल मोबीन (आईएचएमसी 2018, किल्लार्नी, आयरलैण्ड), सुश्री अदिति जंगिद (आईएचएमसी 2018, किल्लार्नी, आयरलैण्ड)।

प्रारूप और नवोत्थान केन्द्र

भा.प्रौ.सं. मण्डी में 'प्रारूप और नवोत्थान केन्द्र' स्नातक और अनुसंधान विद्वानों के लिए आवश्यक कौशल का विकास करता है, जो उत्पाद के प्रारूप और प्रौद्योगिकी के लिए आवश्यक है। क्योंकि भारत "मेक इन इंडिया" नीति से लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है तथा भा.प्रौ.सं. मण्डी का उद्देश्य देश के उद्देश्य से सुसंगत है। हमारा संस्थान ऐसी योग्यता के साथ स्नातक तथा अनुसंधान विद्वान तैयार करने की कोशिश कर रहा है, जो उन्हें सृजनात्मक एवम् नव प्रवर्तन के तौर पर स्वतन्त्रतापूर्वक सोचने योग्य बनाये। परिसर में मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित अत्याधुनिक प्रारूप केन्द्र की स्थापना इस धारणा के साथ की जा रही है कि प्रगति और किसी भी गतिविधि में स्थायी सुधार करने के लिए नव प्रौद्योगिकी विकास एक महत्वपूर्ण अवयव है। आगामी नवोत्थान और उद्यमिता से वैश्विक उन्नति होगी। यह भारत में आगामी वर्षों के लिए महत्वपूर्ण आर्थिक संचालक होगा।

प्रारूप और नवोत्थान केन्द्र भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा 1.6 करोड़ रु. की परियोजना से वित्त पोषित है। यह केन्द्र भा.प्रौ.सं. मण्डी के छात्रों और प्राध्यापकों को प्रोटोटाइप और उत्पाद बनाने के प्रयास में सहायता करता है। इस केन्द्र में 3डी प्रिंटर, पीसीबी फेबरीकेशन यूनिट, चुम्बकीय उत्तेजक, एल्विस प्रणाली विकास बोर्ड और अन्य विकास तथा परीक्षण सुविधाएं उपलब्ध हैं। यह केन्द्र संस्थान के सभी छात्रों को हर समय पहुँच प्रदान करता है।

इस केन्द्र का समन्वय डॉ. मोहम्मद तलहा, डॉ. अतुल धर, डॉ. कौस्तव सरकार (अभियांत्रिकी स्कूल) और डॉ. श्याम कुमार मासाकपल्ली (आधार विज्ञान स्कूल) के साथ डॉ. शुभजित रॉय चौधुरी (संगणक और विद्युत अभियांत्रिकी) करते हैं।

हमने इस वर्ष भा.प्रौ.सं. दिल्ली और एमआईटी के सहयोग से एक नवोत्थान शिखर सम्मेलन का आयोजन दिनांक 23 जून से 4 जुलाई, 2017 तक किया। इसके लिए 48 छात्रों का चयन किया गया था, जिनमें समस्त भारत से चयनित 24 छात्र और एमआईटी के 24 छात्रों ने नवोत्थान परियोजना पर मिलकर कार्य किया और मेक इन इंडिया के बैनर तले कुछ नमूने निर्मित किये।



दिनांक 7 अप्रैल से 15, अप्रैल 2018 की अवधि के दौरान एक नवोत्थान हैकथॉन का आयोजन किया गया। हैकथॉन की शुरुआत पहले दिन विकास का प्रस्ताव प्रस्तुत करने वाली टीमों के साथ हुई। हैकथॉन में कुल मिलाकर 80 छात्रों ने भाग लिया। शीर्ष 10 टीमों को उनके परियोजना विचारों की योग्यता, उपयोगिता और व्यवहार्यता के आधार पर चुना गया था। अगले एक सप्ताह में एक गहन विकास कार्य देखा गया। आखिरकार 15 अप्रैल, 2018 को एक आम स्थल में परियोजनाओं का मूल्यांकन किया गया। परियोजनाओं के अतिरिक्त उल्लेखनीय चिकित्सा सहायता उपकरण, पहाड़ियों के लिए स्वचालित घास कट्टर और रोडोडेन्ड्रोन चाय के लिए चाय आसव थे।



भारतीय अभियांत्रिकी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान शिवपुर में हरित ऊर्जा और संवेदन प्रणाली उत्कृष्टता केन्द्र के प्रा. हीरामणि साहा ने "जैव अपशिष्ट और सौर पीवी का उपयोग कर ऊर्जा उत्पादन पर नवोचार" नामक व्याख्यान दिया, जिसमें बड़ी संख्या में प्राध्यापकों के साथ लगभग 150 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

अनुसंधान समूह

1. यूएचएल: हिमालयी आजीविका की प्रगति के लिए केन्द्र (यूएचएल)

भा.प्रौ.सं. मण्डी में डीएसटी की सीएसटीआरआई योजना के अन्तर्गत स्थापित हिमालयी क्षेत्र के लिए नवोत्थान केन्द्र को उत्थान पर्वतीय आजीविका कहा जाता है। इसकी मंजूरी अक्टूबर 2015 से 2 वर्ष के लिए एक वर्ष की वृद्धि योग्यता के साथ दी गई थी। एक छोटे से अंतराल और बहुत ही सीमित संसाधनों से केन्द्र ने पहले से ही सामाजिक तथा आर्थिक महत्त्व की बहुत सी परियोजनाएं ली हैं, जो प्रभावी हुई हैं। इन परियोजनाओं का विवरण निम्नलिखित हैं:

खतरनाक चीड़ की पत्तियों का पर्यावरण के अनुकूल प्रयोग

चीड़ की पत्तियां प्राकृतिक तरीके से सड़नशील न होने के कारण और अत्यधिक ज्वलनशील प्रकृति की होने के कारण पर्यावरण, जैव विविधता और पहाड़ी क्षेत्र में स्थानीय आर्थिकी के लिए बहुत ही चुनौतीपूर्ण हैं। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य सामाजिक कल्याण के लिए विभिन्न जैव मात्रा के संयोजन से पैलेटाइजेशन/इष्टिकायन द्वारा चीड़ की पत्तियों का उपयोग करना है। केन्द्र, ब्रिकेट बनाने के लिए प्रदर्शन यूनिट बनाने के अन्तिम चरण में है। हमारा उद्देश्य इसके माध्यम से हिमालयी क्षेत्र के सरकारी/अर्द्धसरकारी संस्थानों में प्रौद्योगिकी का विकास और स्थानांतरण करना है।

यूएचएल ने पहले ही चीड़ की पत्तियों का ब्रिकेट (बुरादा) और लकड़ी के चिप्स (टिकिया) अन्य तत्त्वों के मिश्रण से तैयार किये हैं। भा.प्रौ.सं. मण्डी परिसर में केन्द्र अपनी यूनिट का प्रदर्शन करता है। पैलेटाइजेशन और चीड़ की पत्तियों के बुरादे बायोमास का विवरण निम्नलिखित है:-

चीड़ की पत्तियों की ब्रिकेटिंग इष्टिकायन

सबसे पहले चीड़ की पत्तियों के ब्रिकेट्स बुरादे और लकड़ी के चिप्स तैयार किये जाते हैं। यह प्रयोग नगरोटा बागवान में स्थित ओच्चा फ्यूल्ज प्राईवेट लिमिटेड में सफलतापूर्वक किया है। केन्द्र में स्थापित ब्रिकेट मशीन का विवरण नीचे दिया गया है।

केन्द्र में ब्रिकेट मशीन सेट अप:

हमारे परिसर में स्थापित ब्रिकेटिंग इकाई में 12 एचपी के योजक भारण के साथ **150 कि.ग्रा./घण्टा** की क्षमता है। यूनिट की लागत **लगभग 6 लाख है**। ब्रिकेट मशीन के साथ 5 एचपी के योजक भारण के साथ 50 कि.ग्रा./घण्टा की क्षमता के साथ पल्वराइजर भी है। नीचे दिया गया चित्र ब्रिकेट मशीन को दर्शाता है। मशीन की छवि स्थापित की गई है जो संलग्न आंकड़े में दिखाई गई है।

ब्रिकेटिंग यूनिट की अधिक जानकारी निम्नलिखित तालिका में दी है।

मापदण्ड	क्षमता
वास्तविक उत्पादन दर (ब्रिकेट मशीन)	80-100 कि.ग्रा./घण्टा
वास्तविक उत्पादन दर (स्पंदनकर्ता)	40-60 कि.ग्रा./घण्टा
अधिकतम तेल तापमान	9°C
बिजली की खपत	10 किलोवाट (अधिकतम)/15 एचपी सेट अप
दबाव की मात्रा	25 एमपीए (लगभग)
उत्पाद का व्यास	36एमएम
उत्पाद की लम्बाई (लगभग)	120एमएम



चीड़ की पत्तियों के कुछ चित्र नीचे दिए गए हैं:



उत्पाद के लाभ:

क. आर्थिक व्यवहार्यता:

हमारे लागत विश्लेषण अध्ययनों के आधार पर यह आर्थिक रूप से व्यवहार्य उत्पाद लगता है। निम्नलिखित गणना उत्पाद की अनुमानित लागत देती है।

मशीन की लागत 6 लाख रु. (इसमें ब्रिकेट मशीन और पल्वेरीज़र लागत सम्मिलित है)

संयंत्र संचालन लागत (बिजली की खपत + श्रम शुल्क = 940 / टन)

सामग्री लागत = (समग्र लागत + यातायात लागत + श्रम प्रभार) = 3350 / टन

ऊपर विनर्माण = 200 / टन (लगभग)

कुल उत्पाद लागत = 4500 / टन

ब्रिकेट की उत्पादन लागत 4500 / टन और 4.5 / कि.ग्रा. है।

- गणना से ब्रिकेट की उत्पादन लागत 4.5 / किलोग्राम होगी, जबकि लकड़ी की कीमत भी लगभग 4.5 / किलोग्राम है।
- मशीन की लागत (6 लाख) दो या तीन ऋतुओं में वसूल की जा सकती है।

ख. उत्पाद की तकनीकी-व्यावसायिक व्यवहार्यता

छर्सें और ब्रिकेट में उपयोगी ताप सामग्री होती है। ब्रिकेट्स की लागत 4.5 कि.ग्रा. तक आती है, जबकि लकड़ी की लागत उसी के आसपास होती है। उच्च कैलोरी मान के कारण ईट की खपत लकड़ी की तुलना में काफी कम होगी। एक परिवार को 10 किलो लकड़ी की तुलना में 3 किलो ब्रिकेट / छर्सें की आवश्यकता होगी।

ग. रोजगार सृजन

यह अनुमान लगाया गया है कि देवदार की पत्तियों का तापमान 1.2 टनप्रति हेक्टेयर प्रति मौसम है। एक स्वस्थ व्यक्ति एक दिन में लगभग 100–150 कि.ग्रा. चीड़ की पत्तियों का संग्रह कर सकता है, जिसमें चीड़ की पत्तियों के बाजार मूल्य के आधार पर लगभग 200–250 रु. दैनिक कमाई हो सकती है। इकाई रोजगार के लिए भी मदद कर रही है। एक इकाई में कम से कम 4 लोग काम करेंगे। जिन लोगों के पास अपने वाहन हैं उनके पास पत्तियों का परिवहन करके अधिक कमाने का अवसर होगा।

घ. समुदाय की भागीदारी

यूएचएल केन्द्र ने ग्राम प्रधानों के लिए नजदीकी ग्राम पंचायतों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। उत्पाद की प्रतिक्रिया और स्वीकृति बहुत अच्छी है।



इसके अतिरिक्त कुछ विश्लेषण अर्थात् कैलोरी मान परीक्षण, वाष्प सामग्री परीक्षण, राख सामग्री परीक्षण, नमी सामग्री और ब्रिकेट के लिए नमूने में कुल ठोस सामग्री का परीक्षण किया गया है।

अब केन्द्र गैसीकरण तकनीक पर काम कर रहा है। हम अपने औद्योगिक सहयोगी इन्फिनिटी एनर्जी प्राईवेट लिमिटेड, दिल्ली के साथ चीड़ की पत्तियां ब्रिकेट आधारित गैसीफायर डिज़ाइन कर रहे हैं। इस आविष्कार के लिए “बायोमास कम्पैक्ट ब्रिकेट फ्यूल एण्ड इट्स प्रैपरेशन मैथड” नामक पेटेंट आवेदन क्रमांक 201811000279 भी फाईल किया गया है।

यूएचएल क्लासरूम:

यह केन्द्र छात्रों को ऑनलाइन पोर्टल द्वारा मुख्य रूप से भौतिकी रसायन विज्ञान और गणित का अध्ययन करने के लिए एक मंच निर्मित कर रहा है। यह आभासी कक्षा का कमरा विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्र में उन छात्रों की मदद करने के लिए डिज़ाइन किया गया है जो अपने स्कूल के बाद विभिन्न तकनीकी परीक्षाओं में प्रतिस्पर्धा करना चाहते हैं। हम 11वीं कक्षा के कुछ छात्रों का चयन करेंगे और उन्हें विभिन्न तकनीकी परीक्षाओं की तैयारी के लिए दो वर्षों के पाठ्यक्रम में मार्गदर्शन देंगे और विभिन्न विषयों में परीक्षा सम्बन्धी उनकी बुनियादी अवधारणाओं को स्पष्ट करने में अपने वीडियो व्याख्यानों और इंटरैक्टिव सत्रों के माध्यम से उनकी मदद करेंगे।



आला उत्पादों को सुखाना:

केन्द्र को कम लागत पर स्थानीय रूप से विकसित और सुखाने की तकनीक पर भी कार्य करना है। नजदीकी स्थानीय लोगों को अपने आला उत्पादों के प्रसंस्करण के लिए और प्रौद्योगिकी के कार्यान्वयन के सामाजिक आर्थिक प्रभाव का अध्ययन करने के लिए सौर ड्रायर की जरूरत अनुभव होती है। सौर ड्रायर का उपयोग ग्रामीणों के आला उत्पादों को सुखाने और अधिकतर उत्पादन के लिए किया जाएगा। केन्द्र ने कुछ स्थानीय रूप से उपलब्ध आला उत्पादों (अखरोट, अनार, लहसुन आदि) और उनके सुखाने के तापमान की पहचान की।

अजोला पशु चारे के रूप में

अजोला पानी का पर्णाक है, जो पानी के तल पर तैरता है, अक्सर इसकी जड़ें जलमग्न रहती हैं और यह सामान्यतः मिट्टी और पानी की गहराई पर निर्भर नहीं है। अजोला में उच्च अपरिष्कृत प्रोटीन सामग्री (19 से 30 प्रतिशत तक सीमा) और विटामिन (विटामिन ए, विटामिन बी12 और बीटा-कैरोटीन) है। यह मध्यस्थ और कैल्शियम, फॉस्फोरस, पोटेशियम, फेरस, कॉपर मैग्निशियम जैसे खनिजों की वृद्धि करने वाला है। इसका ज्यादातर उपयोग जैव खाद के रूप में और पशु चारे के लिए होता है।

हम हिमाचल प्रदेश के विभिन्न स्थानों में अजोला के विस्तार की कोशिश कर रहे हैं। हमारी टीम अजोला संयंत्र के लिए मण्डी के विभिन्न स्थानों में नियमित समय पर जा रही है। हम ग्रामीणों के लिए प्रदर्शन के साथ एक विशेष किट प्रदान करते हैं, जिसमें अजोला नमूना, खाद और वितान सम्मिलित है। हम अजोला प्रदर्शन के लिए कमान्द के आस-पास के 15 से अधिक गांवों में गये हैं। हम अजोला के उत्पादन के सन्दर्भ में सर्वेक्षण और सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित कर रहे हैं। हमारे प्रयोग में अजोला के कुछ चित्र निम्नलिखित हैं:-



इन दूरगामी गतिविधियों के अतिरिक्त शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक लाभ जैसे विभिन्न क्षेत्रों में अंशकालिक गतिविधियों की शुरुआत भी की गई है। केन्द्र इन अंशकालिक परियोजनाओं के अंतर्गत सम्पूर्ण कमान्द घाटी में समस्या जानने के लिए सर्वेक्षण आयोजित कर रहा है। केन्द्र स्थानीय समुदाय के बीच आजीविका अवसर के सृजन के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि आगामी पीढ़ी सृजित नव उद्यम सम्बन्धी सम्भावनाओं का लाभ उठा सके।

2. बहु माध्यम विश्लेषक, नेटवर्क और सिस्टम (एमएएनएस)

भा.प्रौ.सं. मण्डी में बहु माध्यम विश्लेषक, नेटवर्क और सिस्टम (एमएएनएस) समूह का ध्येय व्यापक स्तर पर अनेक प्रकार की महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करना है, जिसमें बिम्ब, श्रव्य और दृश्य विषय, सामाजिक नेटवर्क, दस्तावेज़ रिकॉर्ड आदि का सार सम्मिलित है। यह समूह अभी संगणक मनोरूपता, चिकित्सा बिम्ब विश्लेषण, भाषण और श्रव्य सांकेतिक प्रक्रम, आईओटी और अन्तः स्थापित प्रणाली के विषयों को देखता है।

एमएएनएस समूह में सम्मिलित वर्तमान गतिविधियां

- फारमर जोन- आलू प्रहरी: भा.प्रौ.सं. मण्डी को सशक्त बनाने के लिए इस परियोजना को डीबीटी द्वारा 7.5

करोड़ रु. की मंजूरी दी गई, ताकि किसानों को उनकी कृषि उत्पादकता बढ़ाने और उन्हें उचित बाजार मूल्य प्राप्त करने में सक्षम बनाने के लिए क्लाउड आधारित सलाहकार सेवा स्थापित की जा सके। इस कार्य में आईओटी, क्लाउड कम्प्यूटिंग, उपचार और कीट का पता लगाने के लिए कम्प्यूटर विज्ञान, स्टीक कृषि का संयोजन और विभिन्न निजी प्रतिभागियों के इलावा यूके और यूएसए के अन्तर्राष्ट्रीय सहयोगी सम्मिलित हैं।

- एक सस्ता, मापनीय और विश्वसनीय कृषि आईओटी परीक्षण: इस समूह के सदस्य ई-वाहनों और जल संरक्षण, कृषि से सम्बन्धित जानकारी एकत्र करने के लिए बेतार संवेदन नेटवर्क स्थापित करने में सहयोग कर रहे हैं और इस काम ने परिसर में अब तक गणितज्ञों, भू-वैज्ञानिकों का ध्यान आकर्षित किया है।
- पक्षियों का बहुविध वर्गीकरण: इस अनुसंधान में श्रव्य, बिम्ब और वीडियो से पक्षियों की जांच और वर्गीकरण आता है। इन विभिन्न प्रकार के साधनों से एकत्रित सूचना का प्रयोग पक्षियों की जाति और पक्षियों के गायन के वर्गीकरण जैसे अनुप्रयोग में विश्वसनीय निर्णय लेने के लिए कर सकते हैं। यह कार्य भा.प्रौ.सं. मण्डी में डीएसटी-एसईआरबी की मूल अनुदान अनुसंधान परियोजना में मदद करता है। अन्य सहयोगियों में आईआईएसईआर तिरुपति और सीडीएसी बंगलौर के अनुसंधान कर्ता सम्मिलित हैं।
- कम क्षेत्र वाला एमआरआई स्कैनर: इस समूह के कुछ सदस्य उठाने योग्य सस्ते कम चुम्बकीय क्षेत्र वाले चुम्बकीय अनुनाद बिम्ब स्कैनर विकसित कर रहे हैं। इस परियोजना में भा.प्रौ.सं. रोपड़ और पीजीआई चण्डीगढ़ के अनुसंधानकर्ता सहयोगी हैं।
- सूक्ष्मदर्शी बिम्बों से ग्रैव कैंसर का अनुवीक्षण: बंगलौर में अइन्द्रा प्रौद्योगिकी के साथ मिलकर स्टार्टअप में समूह के कुछ सदस्य ग्रैव कैंसर का पता करने के लिए स्वचालित पैप आलेप बिम्ब हेतु अलॉगरिथम का विकास कर रहे हैं।
- असामान्य गतिविधि और मानव व्यवहार विश्लेषण: बड़ी मात्रा में आंकड़ों से विश्लेषण के लिए मशीन अधिगम और गहन अधिगम के सामर्थ्य का प्रदर्शन किया गया। यह परियोजना कोविड ग्रुप के साथ है और इसका उद्देश्य निरीक्षण वीडियो का विश्लेषण करना है।
- टेलिकॉम नेटवर्क एनालिटिक्स: यह परियोजना उच्चतर आविष्कार योजना के अन्तर्गत समर्थित है। परियोजना में नेटवर्क प्रबन्धन के लिए मशीन अधिगम मॉडल, भार पूर्व कथन, दुर्भावनापूर्ण हमले आदि सम्मिलित हैं।
- डिजिटल फोरेंसिक: इस परियोजना में श्रव्य, बिम्ब और वीडियो प्रसंस्करण के लिए अत्याधुनिक डिजिटल फोरेंसिक के लिए ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर उपकरणों का विकास सम्मिलित है। यह क्षेत्रीय फोरेंसिक प्रयोगशाला मण्डी के सहयोग से है।

3. संघनित पदार्थ भौतिक विज्ञान

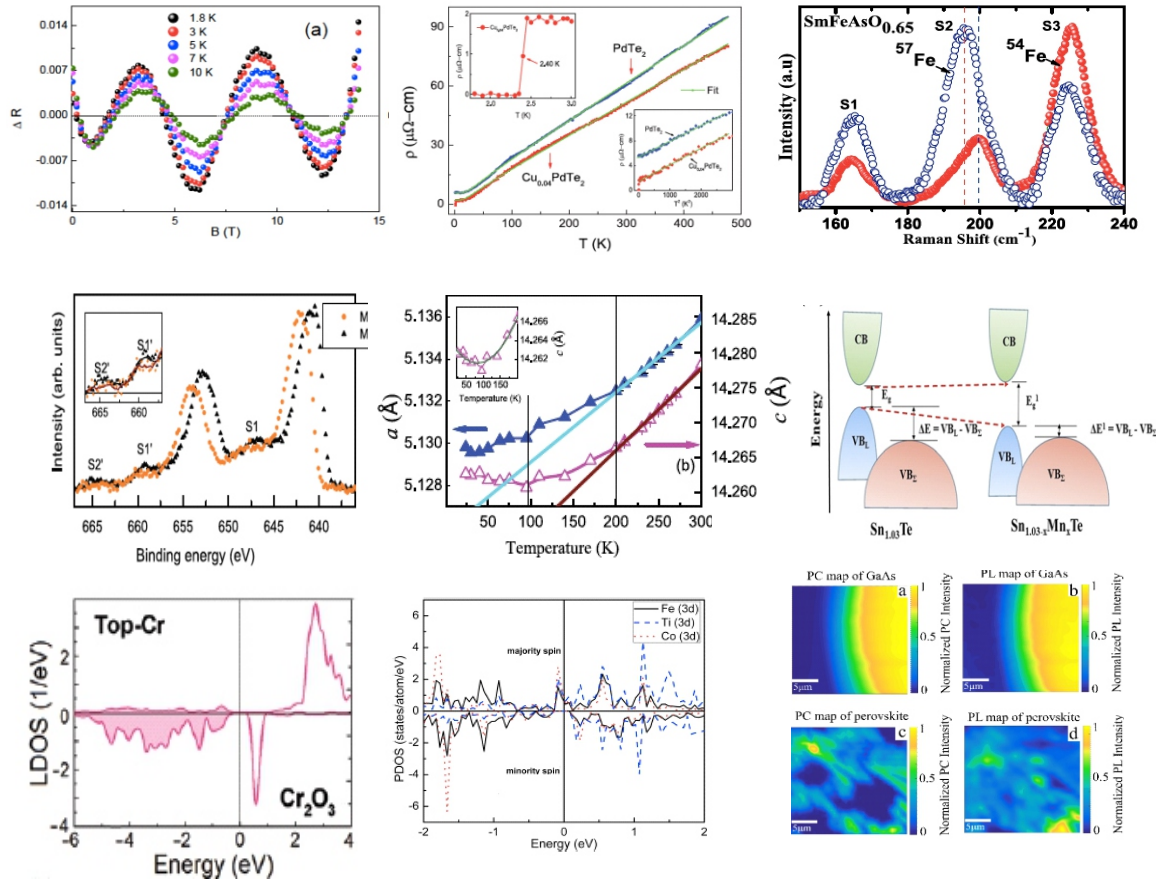
आधार विज्ञान स्कूल में संघनित पदार्थ भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में युवा और गतिशील प्राध्यापकों का एक मजबूत समूह है। वर्तमान में कुल नौ प्राध्यापक सदस्य हैं, जिनका अनुसंधान विविध प्रयोगात्मक और सैद्धांतिक उपकरणों के माध्यम से सामग्री के भौतिक गुणों के अध्ययन पर केन्द्रित है। प्रायोगिक रूप से संघनित पदार्थ भौतिकी में कार्यरत प्राध्यापक सदस्य डॉ. अजय सोनी, डॉ. बिन्दू राधामनि, डॉ. सी.एस. यादव, डॉ. कौस्तव मुखर्जी, डॉ. प्रदीप कुमार और डॉ. सुमन के. पाल हैं। सैद्धांतिक संघनित पदार्थ भौतिक विज्ञान समूह में डॉ. आरती कश्यप, डॉ. सुधीर के. पाण्डेय और डॉ. ए. तरफदार (भा.प्रौ.सं. खड़गपुर से ग्रहणाधिकार) सम्मिलित हैं। कुल मिलाकर 50 से अधिक अनुसंधानकर्ता (प्राध्यापक सदस्य, पीएचडी छात्र और परियोजना सहयोगी) हैं जो संघनित पदार्थ के विभिन्न पहलुओं की खोज में काम कर रहे हैं।

इस क्षेत्र में सीएमपी सदस्य लगभग सभी समकालीन क्षेत्रों में कार्य कर रहे हैं और विभिन्न दिलचस्प भौतिक घटनाओं और सामग्रियों का अध्ययन कर रहे हैं और अनुसंधान गतिविधि पर उनका अधिक ध्यान है;

1. विभिन्न चरण संक्रमणों और सामग्री गुणों के अंतर्निहित भौतिकी को समझना और 2. भविष्य के आवेदन के लिए नई सामग्री के लिए खोजपूर्ण अनुसंधान। कार्य की प्रकृति के आधार पर इन क्षेत्रों को निम्नानुसार वर्गीकृत किया जा सकता है।

1. अतिचालकता, सामयिकता मामला
2. इलैक्ट्रॉन-इलैक्ट्रॉन सह सम्बन्ध, स्पिन फोनन युग्मन
3. मल्टीफेरोइक्स, मैग्नेटोकैलोरिक्स, हीयुस्लर अलॉयज
4. नैनो साईस, ऑप्टोइलैक्ट्रॉनिक्स, कार्यात्मक उपकरण
5. थर्मोइलैक्ट्रॉनिक्स, ऊर्जा सामग्री, कार्बनिक इलैक्ट्रॉनिक्स
6. कोमल संघनित पदार्थ भौतिक विज्ञान
7. इलैक्ट्रॉनिक बैण्ड संरचनात्मक गणना
8. सहसम्बन्धित और अव्यवस्थित इलैक्ट्रॉनिक सिस्टम, चरण संक्रमण

वर्ष 2016-17 में इस क्षेत्र में सीएमपी सदस्यों के प्रतिष्ठित अनुसंधान पत्रिकाओं में 50 से अधिक अनुसंधान लेख प्रकाशित हुए हैं। प्रमुख अनुसंधान पत्रिकाएं निम्नलिखित हैं- फिजिकल रिव्यू बी, साईंटिफिक रिपोर्ट, यूरोफिजिक्स लैटर्ज, फिजिक्स लैटर्ज, जे. फिजिक्स : कन्ड. मैटर, जे. मैग्. और मैग. मेटर, सोलिड स्टेट कॉम, अप्ल. फिजिक्स लैट. जे. फिजि. डी: अप्लाइड फीजि., एआईपी एडवांसिज, जे. अलॉय एण्ड कम्प., आरएससी एडवांसिज, कार्बन, मेटेरियल्स एक्सप्रेस, जे. फिजि., कैम. लैटर, ऑर्गेनिक इलैक्ट्रॉनिक्स, मेटेरियल्स लैटर, कम्प्यूटेशनल मेटेरियल साईस इत्यादि। विभिन्न राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में सीएमपी के सदस्यों ने सक्रिय प्रतिनिधित्व किया। जहां प्राध्यापकों और अनुसंधान विद्वानों ने आमंत्रित व्याख्यान/योगदान वार्ताएं और पोस्टर आदि के रूप में अपने काम को प्रस्तुत किया है। नैतिक अनुसंधान कार्य के कुछ प्रतिनिधि परिणाम नीचे दिए गए हैं:



चित्र: सीएमपी सदस्यों द्वारा प्रकाशित अनुसंधान कार्य के कुछ परिणाम

वर्तमान में डीएसटी-एसईआरबी, सीएसआईआर, बीआरएनएस, यूजीसी-डीई सीएसआर, डीएसटी-इन्स्पायर और डीआरडीओ जैसी विभिन्न बाहरी वित्तपोषित कम्पनियों से 3 करोड़ रु. से अधिक की कुल लगभग 17 परियोजनाएं चल रही हैं।

डॉ. प्रदीप कुमार को भारतीय युवा विज्ञान अकादमी (आईएनवाईएस)-2018 के सदस्य के रूप में चुना गया। डॉ. अजय सोनी ने रेनसेलेयर बहुतकनीकी संस्थान, ट्रॉय न्यूयॉर्क जाने के लिए इंडो यूएस साईंस एण्ड टेक्नोलॉजी फोरम से भास्कर एडवांस्ड सोलर एनर्जी (बीएसई) रिसर्च फेलोशिप प्राप्त की। डॉ. सोनी आईआईटी बीएचयू में स्थित "सामग्री और जैव विज्ञान में बहु विषयक अनुसंधान सोसाइटी" के आमंत्रित कार्यकारी बोर्ड के सदस्य बन गए हैं।

भा.प्रौ.सं. मण्डी में दिनांक 02-04 अप्रैल, 2018 के दौरान 'दृढ़ता से सह सम्बन्धित इलैक्ट्रॉन प्रणालियों के भौतिक विज्ञान' (पीएससीईएस-2018) नामक विषय पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन एवं बैठक आयोजित की गई। यह भा.प्रौ.सं. मण्डी की एक पहल थी, जहां भा.प्रौ.सं. रुड़की जैसे अन्य उत्तरी भारतीय संस्थानों के शोधार्थियों का एक समूह भा. प्रौ.सं. दिल्ली, जेएनयू दिल्ली, आईआईएसईआर मोहाली और आईआईएसईआर भोपाल ने चुने हुए स्थान पर सालाना बैठक करने का फैसला किया है और सम्मेलन के रूप में नियमित रूप से वैज्ञानिक चर्चा की है। इस संगोष्ठी में 120 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

ग्रीष्मकालीन अनिवार्य प्रशिक्षण कार्यक्रम

भा.प्रौ.सं. मण्डी ने वर्ष 2017 में "ग्रीष्मकालीन अनिवार्य प्रशिक्षण" आयोजित किया। यह कार्यक्रम दिनांक 12 जून से 4 अगस्त, 2017 तक आयोजित किया गया। इस वर्ष चयनित परामर्शदाताओं की संस्तुति के आधार पर 36 प्रशिक्षुओं को आमन्त्रित किया गया। इसमें प्रतिभागी छात्र जिन संस्थानों से आये थे, उनके नाम निम्नलिखित हैं: वीलटेक डॉ. आर.आर. और डॉ. एस.आर. विश्वविद्यालय अवादि, चेन्नई, भा.प्रौ.सं. पटना, एनआईटी राउरकेला, राजलक्ष्मी अभियांत्रिकी महाविद्यालय, अन्ना विश्वविद्यालय, हेरिटेज प्रौद्योगिकी संस्थान कलकत्ता, डॉ. बी.आर. अम्बेदकर जैव चिकित्सा अनुसंधान केन्द्र (एसीबीआर), दिल्ली विश्वविद्यालय, एनआईटी अरुणाचल प्रदेश, भा.प्रौ.सं., बनारस हिन्दु विश्वविद्यालय, तमिल नाडु केन्द्रीय विश्वविद्यालय, अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी गालगोटियस महाविद्यालय, उत्तर प्रदेश, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, अरुणाचल प्रदेश, एनआईटी गोवा, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईएसएम) धनबाद, एनआईटी कुरुक्षेत्र, लवली व्यावसायिक विश्वविद्यालय, प्लास्टिक अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी केन्द्रीय संस्थान, लखनऊ, भारतीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, थिरुवेन्तपुरम, आईआईटी जोधपुर, आईआईटी कानपुर, आईआईटी गुवाहाटी, एनआईटी रायपुर, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, जालन्धर, सन्त लॉगेवाल अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी संस्थान, पंजाब, श्री साई विश्वविद्यालय, पालमपुर, वेल्लोर प्रौद्योगिकी संस्थान, वेल्लोर, आईआईआईटी भूबनेश्वर, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नॉयडा, मणिपुर विश्वविद्यालय, जयपुर, आईईएस, आईपीएस अकादमी, इन्दौर, एम.पी.। सभी छात्रों का दक्षता सेट प्रयोगशाला में रखी परियोजना के अनुरूप था।

छात्रों ने निम्नलिखित विभिन्न विषयों में प्रवेश लिया :

- विनिर्माण अभियांत्रिकी।
- सैद्धांतिक / संगणनात्मक रसायन विज्ञान
- सेल्फ हीलिंग सीमेंट सिस्टम
- संगणनात्मक ठोस यांत्रिकी
- द्रव और तापीय विज्ञान
- रोगक्षमता विज्ञान
- अतिसूक्ष्म प्रौद्योगिकी
- जैव सूचना विज्ञान और दवा वितरण
- भिन्नात्मक समीकरण, नियंत्रण सिद्धांत
- परमाण्विक भौतिक विज्ञान
- सूक्ष्म सामग्री का संश्लेषण
- जैव चिकित्सा अभियांत्रिकी
- भू-तकनीकी अभियांत्रिकी
- बेतार नेटवर्क और आईओटी
- स्मार्ट ग्रिड और नवीकरणीय ऊर्जा संघटन
- अर्धचालक उपकरण
- भूकम्प अभियांत्रिकी
- आरएफ और माइक्रोवेव संचार और उपकरण
- परमाण्विक और कोशिका जीव विज्ञान
- रिमोट संवेदन और जीआईएस
- तापमान संवेदन के लिए सीमेंट आधारित पायरोइलैक्ट्रिक संवेदन का अध्ययन
- गहन अधिगम का उपयोग करते हुए एनआईआर संवेदन का उपयोग कर आईरिस बिम्बों से सम्पर्क लेंस का पता करना
- माइक्रो ग्रिड में पावर इलैक्ट्रोनिक्स अनुप्रयोग
- पुस्तकालय के लिए उपयोगिता डेटाबेसिस
- जल गुणवत्ता विश्लेषण
- यंत्र अधिगम और संगणनात्मक वित्त

गर्मियों का कार्यक्रम 8 सप्ताह का था। अनिवार्य प्रशिक्षण कार्यक्रम में एक छात्रवृत्ति और आवास सुविधा भी सम्मिलित है।

केन्द्रीय पुस्तकालय

भा.प्रौ.सं. मण्डी के शैक्षणिक तथा अनुसंधान लक्ष्य के संवर्धन में केन्द्रीय पुस्तकालय महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह ज्ञान सृजन और प्रसार को सरल बनाता है। पुस्तकालय वर्तमान पुस्तकालय सेवाओं (जो अध्यापन, अध्ययन और अनुसंधान की गतिविधियों के साथ एकीकृत हैं) को प्रोत्साहित करता है। पुस्तकालय अध्ययन में उत्कृष्टता को सुविधाजनक बनाता है, उपयुक्त शिक्षण और अनुसंधान वातावरण बनाता है। यह छात्रों के शिक्षण और अनुसंधान सम्बन्धी आवश्यकताओं का पूर्वानुमान लगाने के अतिरिक्त आज के परिवर्तित वातावरण की आवश्यक बुनियादी जानकारी प्रदान करता है।

भा.प्रौ.सं. मण्डी का केन्द्रीय पुस्तकालय पुस्तकों, सन्दर्भ पुस्तकों, प्रतिवेदनों, पत्रिकाओं तथा इलैक्ट्रॉनिक संसाधनों के अपने संग्रह का तेजी से विकास कर रहा है। पुस्तकालय में पाठ्य पुस्तक संग्रह चालू स्नातक शिक्षण कार्यक्रम में विशेष सहायक होता है। संगणक विज्ञान अभियांत्रिकी, यांत्रिकी अभियांत्रिकी, विद्युत अभियांत्रिकी, गणित, भौतिकी, रसायन विज्ञान, अर्थ शास्त्र, दर्शन शास्त्र, मनोविज्ञान और अंग्रेज़ी आदि विभिन्न विषयों पर पुस्तकें उपलब्ध हैं। इसके साथ-साथ स्नातकोत्तर कार्यक्रम का भी विकास किया जा रहा है।

केन्द्रीय पुस्तकालय अनेक ई-आंकड़े आधारित पत्रिकाओं तक पहुंच प्रदान करता है। इसमें गणित, रसायन विज्ञान, भौतिकी, संगणक विज्ञान, विद्युत अभियांत्रिकी, यांत्रिकी और खगोल विज्ञान जैसे विषयों पर सैंकड़ों पत्रिका शीर्षक सम्मिलित हैं। केन्द्रीय पुस्तकालय खुले स्रोत पुस्तकालय प्रबन्धन सॉफ्टवेयर कोहा के उपयोग से स्वतः चालित है। सभी दस्तावेज़ बार कोडित हैं तथा पूर्व व्यापी रूपान्तरण द्वारा सभी संग्रह जो स्वचालन से पहले अधिगृहीत किये गए थे, वे भी केन्द्रीय पुस्तकालय डेटा-बेस में शामिल कर लिए गए हैं। पुस्तकों का लेन-देन भी स्वचालित है। पुस्तकालय की अनेक नवीनतम सेवाओं (सीएएस/एसडीआई, आईएलएल की ऑन लाइन स्थिति, पुस्तकों का ऑन लाइन संरक्षण आदि) को आरम्भ किया गया है। उपभोक्ता अपने उधार की स्थिति का विवरण वैब ओपेक का प्रयोग करके ऑन लाइन जांच सकते हैं। उपभोक्ताओं की पुस्तकालय संसाधन तक पहुंच के लिए दो कार्यस्थल स्थापित किए गए हैं।

पुस्तकालय में प्रयुक्त सॉफ्टवेयर

1. **कोहा:** स्वचालन के लिए।
2. **डीस्पेस:** अंकुरण के लिए।
3. **ग्रीनस्टोन:** अंकुरण के लिए।
4. **लाइनक्स:** संचालन प्रणाली के लिए।

1. संग्रह विकास और प्रबन्धन

संग्रह करना पुस्तकालय का एक बहुत ही महत्वपूर्ण कार्य है। यह छात्रों, प्राध्यापकों, कर्मचारी वर्ग तथा अन्य उपभोक्ताओं के शैक्षिक तथा अनुसंधान कार्य को प्रोत्साहित करता है। पुस्तकालय के संग्रह में पुस्तकें, पत्रिकाएं, प्रतिवेदन, छोटी पुस्तकें तथा विज्ञान, अभियांत्रिकी, प्रौद्योगिकी, मानविकी तथा सामाजिक विज्ञान जैसी अन्य पठन सामग्री सम्मिलित है।

1.1 वर्ष 2017-18 में सम्मिलित किये गये मुद्रित दस्तावेज़

वर्ष 2016-17 में केन्द्रीय पुस्तकालय द्वारा 906 पुस्तकों का अधिग्रहण किया गया। इनमें पुनः प्रकाशित संस्करणों, तकनीकी प्रतिवेदनों तथा दूसरे विश्वविद्यालयों/संस्थानों के वार्षिक प्रतिवेदनों के अतिरिक्त कुछ आवधिक पत्रिकाएं भी समायोजित की गई हैं।

पुस्तकों की नई परिवर्धन सूची प्रत्येक सप्ताह जारी की जाती है और उसे पुस्तकालय के मुख-पृष्ठ पर देखा जा सकता है। इस सूची को ई-मेल द्वारा भी परिचालित किया जाता है। अनुरोध करने वाले प्राध्यापक (प्राध्यापकों) को प्रकाशन पहुंचने की सूचना ई-मेल द्वारा भी दी जाती है।

- 1.2 वर्ष 2017-18 में अभिदत्त नये इलैक्ट्रॉनिक संसाधन
केन्द्रीय पुस्तकालय निम्नलिखित ई-संसाधनों पर वैब-आधारित सुविधा प्रदान करता है:
- 1.2.1 **पूर्ण पाठ्य ई-पत्रिकाएं: 10,000 तक पहुँच + निम्नलिखित डेटा-आधारों से पूर्ण पाठ्य पत्रिकाएं:**
एआईपी, एसीएम अंकीय पुस्तकालय, एसीएस, एपीएस. एएसएमई, सैल प्रैस, आईओपी, एल्सवियर विज्ञान डायरेक्ट, आईईईई इलैक्ट्रॉनिक पुस्तकालय, जेएसटीओआर, एसआईएम, स्प्रिंगर लिंक, टेलर एण्ड फ्रांसिज (एस और टी पूर्ण संग्रह), प्रकृति, वार्षिक समीक्षा आदि।
- 1.2.2 बिबलियोग्राफी ई-डेटाबेसिज: साईफाइंडर, मैथ साईनेट, एससीओपीयूएस और वैब विज्ञान।
- 1.2.3 विडियो संसाधन: जोवी- जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान और अभियांत्रिकी संग्रह।
- 1.2.4 **ई-पुस्तकें:** केन्द्रीय पुस्तकालय विभिन्न शाखाओं में 15444 से अधिक ई-पुस्तकों के संग्रह तक पहुँच प्रदान करता है। ई-पुस्तक संग्रह उन शीर्षकों से परिपूर्ण है, जिनकी परिशुद्ध प्रशंसा संस्थान के विषय-विशेषज्ञों द्वारा की गई है तथा उपभोक्ताओं की आवश्यकता की पूर्ति करता है। ई-पुस्तक संग्रह के प्रकाशकों में साईस-डायरेक्ट (एल्सवियर), मैग्रा हिल्ल, पियरसन, टी और एफ, आईईईई, आईईईई-एमआईटी प्रैस, आईईईई-विले, मोरगेन क्लेपूल, सीयूपी, एएसएमई, वर्ल्ड साईटिफिक तथा जॉन विले सम्मिलित हैं। ई-पुस्तक संग्रह में गणित (एलएनएम), भौतिकी (एलएनपी) तथा स्प्रिंगर प्रकाशक के संगणक विज्ञान (एलएनसीएस) पर व्याख्यान सम्मिलित हैं।

इस वर्ष के लिए ई-पुस्तक संग्रह प्रक्रिया का विकास पहले ही आरम्भ हो चुका है। इसके लिए अन्य प्रतिष्ठित प्रकाशन गृहों से पुस्तकें शामिल करने के लिए प्रयास किये जा रहे हैं।

2. परिचालन

परिचालन गतिविधियां अब स्वचालित हैं। पुस्तकालय उपभोक्ता वैब ओपेक के उपयोग से अपने उधार सम्बन्धी विवरण की जांच कर सकते हैं। हम उपभोक्ता प्राध्यापकों, अनुसंधान विद्वानों, छात्रों तथा कर्मचारी वर्ग की सेवा करते हैं। परिचालन डेस्क सप्ताह में 70 घण्टे खुला रहता है। औसतन मासिक परिचालन लेन-देन की संख्या लगभग 1700 है।

3. अंकीय पुस्तकालय

केन्द्रीय पुस्तकालय का अपना एक मुख-पृष्ठ (<http://www.iitmandi.ac.in/academics/lib>) है, जो अपने स्रोतों के लिए 19,000 से अधिक इलैक्ट्रॉनिक पत्रिकाओं और डेटाबेस से वैब आधारित पहुँच प्रदान करता है। संस्थानात्मक प्रकाशन भण्डार का आरम्भ हाल ही में किया गया है, जो भा.प्रौ.सं. के समुदाय को तर्कसंगत ज्ञान प्रदान करता है। पुस्तकालय संस्थान के नेटवर्क का बड़ा भाग है तथा उपयोगकर्ताओं की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए इसमें पर्याप्त संगणनात्मक ढांचा विद्यमान है।

4. ओपेक (ऑन-लाइन पब्लिक एक्सेस सूची)

ओपेक, पुस्तकालय का अत्यधिक उपयोग किया जाने वाला डेटाबेस है तथा वैब मुख-पृष्ठ (<http://www.webopac.iitmandi.ac.in/>) के माध्यम से हर समय इसे देखा जा सकता है। पुस्तकालय में उपलब्ध सभी दस्तावेजों की सूची के अतिरिक्त, यह ऑन-लाइन नवीकरण एवम् आरक्षण, परिचालन की अनुमति देता है तथा प्रत्येक पुस्तक की वर्तमान स्थिति से अवगत करवाता है। ओपेक को लेखक, शीर्षक, अभिगमन संख्या, विषय तथा अन्य क्षेत्रों द्वारा तलाश किया जा सकता है।

5. प्रदत्त सेवाएं

- पूर्णतया स्वचालित परिचालन
- ऑन-लाइन पुस्तक आरक्षण, सूचना खोज, उपयोगकर्ता पुस्तकालय पुस्तक उधार स्थिति की जांच
- वैब ओपेक (वैब आधारित ऑनलाइन जन पहुँच सूची)
- छात्रों के आंतरिक अध्ययन के लिए आरक्षित संग्रह विकास
- पुस्तक अनुभाग में नई पहुंच
- सन्दर्भ सेवा
- अन्तर पुस्तकालय ऋण
- दस्तावेज़ वितरण सेवा
- चेतावनी सूचना सेवाएं
- ई-पत्रिकाएं / सूचनाएं
- अंकीय पुस्तकालय सेवाएं
- उपभोक्ता शिक्षा कार्यक्रम
- मोबाइल एप्प सेवाएं

6. आगामी योजनाएं:

- पुस्तकालय में सीडी / डीवीडी की उपलब्धता सहित विभिन्न सॉफ्टवेयर के डाटाबेस ।
- एकल खोज समाधान ।
- विभिन्न पुस्तकालय संसाधनों के लिए ऑनलाइन सुझाव प्लेटफोरम ।

पंचम दीक्षान्त समारोह

संस्थान का पंचम दीक्षान्त-समारोह दिनांक 7 अक्टूबर, 2017 को आयोजित किया गया। इस समारोह के मुख्य अतिथि श्री बनमाली अग्रवाल, अध्यक्ष, अवसंरचना, रक्षा और एरोस्पेस टाटा सन्स थे।

इस समारोह में इस संस्थान के उपाधि ग्रहण करने वाले छात्रों में 116 बी.टैक, 04 एम.टैक., 18 एम.एस (रसायन विज्ञान), 07 एम.एस. (अनुसंधान द्वारा) और 24 पीएचडी. के थे।

सुश्री स्मृद्धि जैन (बी13136) (बी.टैक.) को राष्ट्रपति स्वर्ण पदक, श्री विवेक शर्मा (बी13239) (एमई) को शैक्षिक उत्कृष्टता और पाठ्येतर गतिविधियों के लिए निदेशक स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। सुश्री स्मृद्धि जैन (बी13136) (सीएसई), सुश्री शिवांगी कटारिया (बी13229) (ईई) और श्री प्रिंस गर्ग (बी13324)(एमई) को संस्थान रजत पदक से सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त, श्री सिद्धार्थ गंगल (बी13232)(ईई) को बालासुन्दरम वृत्ति पुस्कार से सम्मानित किया गया और सुश्री शिवांगी कटारिया (बी13229) (ईई) को रानी गोन्सेल्वज स्मारक पदक और श्री मोहम्मद अशरफ (बी15015) एम.एससी (रसायन विज्ञान) को उत्कृष्ट शैक्षिक उपलब्धि के लिए सम्मानित किया गया।



छात्र सुविधाएं और गतिविधियां

खेल सुविधाएं और गतिविधियां

शारीरिक शिक्षा और खेल अनुभाग विशेष रूप से छात्रों के खेल प्रदर्शन के स्तर में सुधार करने का प्रयास कर रहा है और प्राध्यापकों, कर्मचारी वर्ग और उनके परिवारों के मध्य खेल को बढ़ावा दे रहा है। यह अनुभाग उत्तर और दक्षिण दोनों परिसरों में अनेक गतिविधियों का आयोजन करने के लिए खेल अवसंरचना की संख्या और गुणवत्ता को सुधारने के लिए भी अनवरत प्रयास कर रहा है।

खेल प्रदर्शन का शिखर हमारे बी.टैक. तृतीय वर्ष के छात्र श्री नितेश कुमार ने प्राप्त किया। उन्हें अन्तर्राष्ट्रीय पैरा बैडमिंटन चैंपियनशिप में पदक जीतने का सम्मान प्राप्त था।

इस वर्ष का लक्ष्य विभिन्न खेलों में छात्रों की नियमित भागीदारी को बेहतर बनाने के लिए निर्धारित किया गया था, ताकि खेल प्रतिभा को जल्दी पहचाना जा सके और उन्हें 2017 के इंटर भा.प्रौ.सं. खेल मिलन में संस्थान के जीतने के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए प्रशिक्षित किया जा सके।

इस लक्ष्य की तैयारी ग्रीष्मकालीन खेल शिविर के साथ शुरू हुई। इस शिविर के लिए छात्रों ने पहली बार शत-प्रतिशत उपस्थिति के लिए सहमति व्यक्त की, जो कि अन्तः भा.प्रौ.सं. दल के योग्य हैं। यह अनुमान लगाया गया था कि शिविर के दौरान छात्रों के शारीरिक स्तर में सुधार से उन्हें नियमित शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ सेमेस्टर के दौरान उच्च तीव्रता के साथ खेलों का अभ्यास करने में सहायता मिलेगी। ग्रीष्मकालीन शिविर में छात्रों के बीच काफी उत्साह आया।

इस वर्ष पहली बार एक दिवसीय खेल उन्मुखीकरण कार्यक्रम में पीजी छात्रों को उनकी खेल प्रतिभा को दिखाने के लिए और खेल गतिविधियों में नियमित भागीदारी के लाभों से भी प्रेरित किया। इस कार्यक्रम ने उनकी कल्पना को साकार कर दिया और उनकी भागीदारी को बढ़ाया।

इन सभी प्रयासों ने छात्रों में समग्र खेल संस्कृति को बढ़ाया है। इन प्रयासों ने अन्तः भा.प्रौ.सं. के आकस्मिक सदस्यों के बीच बहुत आशा और उत्साह पैदा किया। यह विकास हमारे खेल सलाहकार डॉ. दीपक स्वामी की प्रेरणा से हुआ था, जिन्होंने अलग-अलग दलों की उपस्थिति और प्रदर्शन के आधार पर गम्भीरता से चयन किया था। छात्रों का प्रयास भा.प्रौ.सं. मण्डी खेल उत्सव रणनीति-2017 के दौरान स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा था। उत्तर भारत के कई महाविद्यालयों ने बैठक में भाग लिया, उन्होंने हमारे संस्थान की खेल सुविधाओं और आयोजकों की बहुत सराहना की, जिन्होंने कुशलतापूर्वक खेल उत्सव का आयोजन किया। वे सब अगले वर्ष बड़े दल के साथ भाग लेने की इच्छा व्यक्त करते हैं।

हमारे छात्रों का प्रयास सर्वश्रेष्ठ से कुछ कम था। भा.प्रौ.सं. मण्डी ने ऐथ्लेटिक पुरुष और महिला चैंपियनशिप जीतकर ओवरऑल उपविजेता ट्रॉफी जीती। हमारे दलों ने इंद्राम्यूरल टूर्नामेंट में काफी सुधार किया था। पीजी छात्रों ने ऐतिहासिक प्रदर्शन किया, जिन्होंने अन्तः वर्ष स्पोर्ट्स जनरल चैंपियनशिप जीती।

इन सभी उपलब्धियों ने हमारे छात्रों के साहस, शारीरिक स्वास्थ्य और मैच के अनुभव में सुधार किया। उन्होंने हमारे डीन (छात्र) डॉ. सुमन कल्याण पाल, डॉ. राजेन्द्र के. रे. और डॉ. दीपक स्वामी के महान् प्रयासों के कारण अन्तः भा. प्रौ.सं. खेल मिलन-2017 की प्रतीक्षा करना शुरू कर दिया। निदेशक ने हमारे दल को अन्तः भा.प्रौ.सं. खेल मिलन के लिए दिल्ली से चेन्नई विमान द्वारा भेजने के लिए सहमति दी थी। इसने अन्तः भा.प्रौ.सं. सदस्यों के बीच जिम्मेदारी की भावना एवं संवेदना को बढ़ाया। जब भा.प्रौ.सं. मण्डी को 23 भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों के सामने मार्च पास्ट में दूसरा विजेता किया गया, तब हमारे दल की खुशी और अधिक बढ़ गई।

प्रमुख उपलब्धियां

- भा.प्रौ.सं. मद्रास में आयोजित 52वें अन्तः भा.प्रौ.सं. खेल मिलन-2017 के दौरान भा.प्रौ.सं. मण्डी के बी.टैक. चतुर्थ वर्ष के छात्र को सर्वश्रेष्ठ बैडमिंटन खिलाड़ी के रूप में आंका गया।
- उन्होंने 23 से 25 मार्च 2018 तक वाराणसी में आयोजित द्वितीय राष्ट्रीय पैरा बैडमिंटन प्रतियोगिता-2018 में कांस्य पदक भी जीता।



भा.प्रौ.सं. मण्डी के श्री नितेश कुमार, बी.टैक. चतुर्थ वर्षीय छात्र कांस्य पदक के साथ

वर्ष 2017-18 के दौरान शारीरिक शिक्षा और खेल अनुभाग द्वारा आयोजित प्रमुख कार्यक्रमों का विवरण

1. **भा.प्रौ.सं. मण्डी की आमंत्रित खेल प्रतियोगिता (रणनीति) सितम्बर से अक्टूबर 2017:** इसमें एनआईआईटी जालन्धर, चितकारा महाविद्यालय हिमाचल और पंजाब, थापर, एनआईएफटी कागरा और उत्तरी भारत के कई अन्य अभियांत्रिकी महाविद्यालयों के 700 प्रतिभागियों ने भाग लिया। भा.प्रौ.सं. मण्डी ने रणनीति 2017 में सामान्य उपविजेता ट्रॉफी प्राप्त की। प्रतिभागियों ने उन्हें दी जाने वाली सुविधाओं और आयोजकों की सराहना की।



रणनीति-2017 के दौरान भा.प्रौ.सं. मण्डी की बैडमिंटन और वॉलीबॉल टीम

2. **दिनांक 21 जून, 2017 का अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह:** भा.प्रौ.सं. मण्डी के शारीरिक शिक्षा और खेल अनुभाग ने दिनांक 21 जून, 2017 को एम1 सपोर्ट कम्प्लेक्स हॉल कमान्द (दक्षिण परिसर) में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। योग सत्र में छात्रों, प्राध्यापकों, कर्मचारियों और उनके परिवारों ने भाग लिया। स्टैप परियोजना के तहत हिमाचल के विभिन्न विद्यालयों के छात्रों ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया था। योग सत्र की शुरुआत एक प्रार्थना और परिचय के साथ हुई थी। प्रार्थना के बाद विभिन्न आसन और प्राणायाम प्रतिभागियों द्वारा किए गए। योग गुरु ने प्रत्येक आसन और प्राणायाम की उपयोगिता के बारे में बताया। सभी प्रतिभागियों द्वारा ली गई प्रतिज्ञा के बाद अंत में योग सत्र का समापन किया गया।



अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस-2017 के दौरान योग का व्यायाम करते हुये छात्र, प्राध्यापक, कर्मचारी वर्ग और उनके परिवार

3. **ग्रीष्मकालीन क्रिकेट शिविर जून-2017:** शारीरिक शिक्षा और खेल अनुभाग ने अन्तः भा.प्रौ.सं. खेल मिलन की तैयारी के भाग स्वरूप भा.प्रौ.सं. मण्डी के छात्रों के लिए ग्रीष्मकालीन क्रिकेट शिविर का आयोजन माह जून, 2017 को किया।
4. **उत्तरी परिसर के छात्रों के लिए दिनांक 01 और 08 जुलाई, 2017 को टी.टी. और बैडमिंटन प्रतियोगिता:-**
भा.प्रौ.सं. मण्डी के छात्रों के लिए उत्तरी परिसर में माह जुलाई, 2017 को टी.टी. और बैडमिंटन खुली खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रयोगशाला कार्य के बजाय पी.जी., पी.एचडी. और इंटरनशिप छात्रों ने इसे एक सकारात्मक पहल के रूप में लिया और बड़ी संख्या में भाग लिया। कुल मिलाकर पाँच श्रेणियों में 25 से 30 छात्रों ने सभी टीटी और बैडमिंटन में भाग लिया, जो नीचे उल्लिखित हैं:-
 1. पुरुष एकल
 2. पुरुषों का डबल
 3. महिला एकल
 4. महिलाओं का डबल
 5. मिश्रित युगल

प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य भाग लेने के लिए अवसर प्रदान करना था, जो काफी हद तक प्राप्त किया गया था।



सामुदायिक केन्द्र, उत्तरी परिसर, भा.प्रौ.सं. मण्डी में प्रतियोगिता के विजेता

5. **ग्रीष्मकालीन खेल शिविर, जुलाई-अगस्त, 2017:-** भा.प्रौ.सं. मण्डी के शारीरिक शिक्षा और खेल अनुभाग ने अन्तः भा.प्रौ.सं. खेल मिलन की तैयारी के लिए माह जुलाई से अगस्त 2017 तक ग्रीष्मकालीन खेल शिविर का आयोजन किया। इस शिविर के साथ ही वर्ष भर अनेक अन्य खेल शिविर आयोजित किए गए थे। इस शिविर में उत्साह के साथ लगभग 90 छात्रों ने भाग लिया। भा.प्रौ.सं. मद्रास में अन्तः भा.प्रौ.सं. खेल मिलन-2017 के दौरान क्वार्टर फाइनल के लिए अनेक दल उत्तीर्ण हुए।
6. **बी.टैक. 2017 के लिए एनएसओ कार्यक्रम :-** खेल के माध्यम से छात्रों के सामंजस्य पूर्ण विकास के लिए बी.टैक. 2017 बैच के लिए एनएसओ कार्यक्रम आयोजित किया गया था। छात्रों को क्रिकेट, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, लॉन टेनिस, फुटबॉल, हॉकी, बैडमिंटन, टेबल टेनिस और ऐथलेटिक्स सिखायी गई। पहले सेमेस्टर के दौरान एनएसओ छात्रों को अपनी रुचि के खेल में भाग लेने की अनुमति दी गई थी। छात्रों ने बड़े उत्साह के साथ सांय की गतिविधि का आनन्द लिया।
7. **स्नातकोत्तर छात्रों के लिए दक्षिण परिसर में दिनांक 20 अगस्त, 2017 को परिचय कार्यक्रम :-** शारीरिक शिक्षा और खेल अनुभाग ने पहली बार 2017 बैच (एमएससी, एम.टैक और इंटीग्रेटेड पीएच.डी.) के स्नातकोत्तर छात्रों के लिए भा.प्रौ.सं. के दक्षिणी परिसर में हॉल ए1 एनकेएन में परिचय कार्यक्रम का आयोजन किया। यह पी.जी. छात्रों में खेल को बढ़ावा देने के लिए एक पहल थी। यह कार्यक्रम केवल एक दिन का ही था, लेकिन इसमें छात्रों की भागीदारी अधिक थी।

निम्नलिखित प्रमुख कार्यक्रमों में प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया:

1. हॉकी बॉल
2. फुटबॉल रीले
3. लघु दौड़
4. बैठना और दौड़ना
5. रस्सा-कशी

पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन जी1 कम्प्लैक्स में किया गया था। इसमें भारी संख्या में लोग उपस्थित थे। इस प्रतियोगिता में लगभग 50 छात्रों ने भाग लिया।



पी.जी. परिचय कार्यक्रम-2017 का उद्घाटन समारोह



पी.जी. परिचय कार्यक्रम-2017 का समापन समारोह

8. **बी.टैक. 2017 के लिए नव आगंतुक खेल-मिलन:-** प्रथम वर्ष के छात्रों के बीच खेल प्रतिभा की पहचान करने के लिए पहली बार नव आगंतुक खेल मिलन-2017 का आयोजन किया गया था। इसने नये बी.टैक. बैच 2017 को भाग लेने के लिए एक मंच प्रदान किया। मिलन के दौरान 100 मीटर, 200 मीटर, शॉट पुट, लॉग जम्प और अनेक अन्य प्रमुख कार्यक्रम आयोजित किये गए।
9. **52वाँ अन्तः भा.प्रौ.सं. खेल मिलन 2017:-** भा.प्रौ.सं. मण्डी के लगभग 101 छात्रों ने भा.प्रौ.सं. मद्रास के 52वें अन्तः भा.प्रौ.सं. खेल मिलन में भाग लिया। उद्घाटन समारोह के दौरान हमारे दल ने अच्छा प्रदर्शन किया था और मार्च पास्ट के लिए उसे तीसरे सर्वोत्तम दल के रूप में आंका गया। हमारे दलों ने क्रिकेट (लड़के), वॉलीबॉल (लड़के और लड़कियां), बास्केट बॉल (लड़के), लॉन टेनिस (लड़के), फुट बॉल (लड़के), हॉकी (लड़के), बैडमिंटन (लड़के और लड़कियां), टी.टी.(लड़के और लड़कियां) और ऐथ्लेटिक्स (लड़के और लड़कियां) में भाग लिया। दलों ने लीग स्तर पर अधिकांश मैच जीते थे। ऐथ्लेटिक्स में हमारी लड़कियों ने अच्छा प्रदर्शन किया, दो प्रतिभागियों ने लम्बी कूद और ऊंची कूद में पाँचवां स्थान प्राप्त किया।



भा.प्रौ.सं. मद्रास के 52वें अन्तः भा.प्रौ.सं. खेल मिलन में भा.प्रौ.सं. मण्डी के छात्रों की टुकड़ी



भा.प्रौ.सं. मद्रास के 52वें अन्तः भा.प्रौ.सं. खेल मिलन के उद्घाटन समारोह में मार्च पास्ट में सर्वोत्तम तीसरे दल पर रहने के बाद उल्लसित छात्र

10. अन्तः भा.प्रौ.सं. खेल-मिलन 2017:- भा.प्रौ.सं. मण्डी के 35 कर्मचारियों और प्राध्यापकों ने 24वें अन्तः भा.प्रौ.सं. खेल मिलन में भाग लिया, जोकि भा.प्रौ.सं. मद्रास में आयोजित किया गया था। हमारे कर्मचारी वर्ग के बैडमिंटन महिला दल को मिलन में चौथा स्थान मिला।



भा.प्रौ.सं. मद्रास में 24वें अन्तः भा.प्रौ.सं. खेल मिलन -2017 के दौरान भा.प्रौ.सं. मण्डी का कर्मचारी वर्ग और प्राध्यापक बैडमिंटन दल

- 11 अन्तः वर्ष खेल-2018 (आगाज़):- 'आगाज़' नामक अन्तः वर्ष खेल उत्सव का आयोजन भा.प्रौ.सं. मण्डी में दिनांक 5 से 6 मई, 2018 को किया गया। इस प्रमुख कार्यक्रम में लगभग 500 छात्रों ने भाग लिया। इस आयोजन में कुछ सन्देशास्पद खेल थे। टूर्नामेण्ट के आखिरी मुकाबले के परिणाम से सामान्य प्रतियोगिता विजेता का फैसला किया गया था। इसका समापन समारोह दिनांक 6 मई, 2018 को आयोजित किया गया। इसमें प्राध्यापक टी.ए. गोन्सेल्वज मुख्य अतिथि थे और डॉ. सुमन के. पाल सम्मानित अतिथि थे। स्नातकोत्तर छात्रों ने समस्त सामान्य प्रतियोगिता पदक जीता।

राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस)

राष्ट्रीय सेवा योजना एक स्वैच्छिक सेवकों का समूह है, जो अपने आस-पास के समुदाय की बेहतरी के लिए कार्य कर रहा है। इसमें संस्थान के सामाजिक कार्यकर्ता हैं, जो समाज को सुधारने के लिए प्रयत्नशील हैं। एनएसएस का लक्ष्य "मेरा नहीं परन्तु आपका" है। यह प्रजातांत्रिक जीवन के महत्त्व को दर्शाता है और आवश्यकता पड़ने पर निःस्वार्थ सेवा करता है। इसका प्रमुख उद्देश्य शिक्षा और समाज की समाज के द्वारा सेवा करना है।

आरम्भ की हुई गतिविधियां
(वित्तीय वर्ष 2017-18)

क्र.सं.	नाम	गतिविधि की दिनांक
1	सरकारी स्कूल के बच्चों के लिए 'प्रयास' नामक शिक्षण कार्यक्रम	1 अप्रैल 2017 से अब तक
2	सरकारी स्कूल के छात्रों के लिए कम्प्यूटर शिक्षा	1 अप्रैल 2017 से अब तक
3	प्रवासी श्रमिकों के बच्चों के लिए ब्रिज स्कूल कार्यक्रम	1 अप्रैल 2017 से अब तक
4	स्पार्क: पुस्तकालय व्यवस्था कार्यक्रम	1 अप्रैल 2017 से अब तक
5	पृथ्वी दिवस समारोह	22 अप्रैल, 2017
6	रक्त दान शिविर	08 मई, 2017
7	पर्यावरण दिवस समारोह	05 जून, 2017
8	पाँच सप्ताह इंडक्शन कार्यक्रम (5डब्ल्यूआईपी-एनएसएस)	
	क. अपने परिसर का परिचय क-1 गाँव का दौरा क-2 एनएसएस परिचय कार्यक्रम क-3 आपदा प्रबन्धन प्रशिक्षण	3 अगस्त से 6 अगस्त, 2018
	ख. स्वच्छता अभियान	5 अगस्त, 2017
	ग. पौधारोपण शिविर	12 अगस्त, 2017
	घ. सामाजिक दौरा घ.-1 राष्ट्रीय नेत्रहीन संघ कुल्लू का दौरा घ.-2 दिव्य मानव ज्योति अनाथालय डैहर का दौरा घ.-3 वृद्धाश्रम भंगरोटु का दौरा	18 अगस्त, 2017
	ङ प्रयास उन्मुखीकरण	26 अगस्त, 2018
9	दीपावली के अवसर पर अनाथालय का दौरा	18 अक्टूबर, 2017
10	कोढ़ के रोगियों के लिए तीसरा दान कार्यक्रम	19 अक्टूबर, 2017
11	सुकेत वरिष्ठ नागरिक गृह सुन्दरनगर	20 अक्टूबर, 2017
12	रक्त दान शिविर	28 अक्टूबर, 2017
13	एड्स पर सतर्कता वार्ता	29 अक्टूबर, 2017
14	स्वच्छता अभियान	24 मार्च, 2018
15	मुख्य आकर्षण	
	राष्ट्रीय नेत्रहीन संघ कुल्लू के लिए दान संचय अभियान	अगस्त, 2017
	डीएमजे अनाथालय के लिए दान संचय अभियान	अक्टूबर, 2017
	कोढ़ियों के लिए दान संचय अभियान	अक्टूबर, 2017
	सुकेत वरिष्ठ नागरिक गृह सुन्दरनगर के लिए दान संचय अभियान	अक्टूबर, 2017

एनएसएस गतिविधियां और किया गया व्यय वित्तीय वर्ष (2017-18)			
क्र.सं.	गतिविधियां	गतिविधि पर व्यय (रु.)	टिप्पणी
1	सरकारी स्कूल के बच्चों के लिए 'प्रयास' नामक शिक्षण कार्यक्रम	12000.00	
2	सरकारी स्कूल के छात्रों के लिए कम्प्यूटर शिक्षा	8780.00	
3	प्रवासी श्रमिकों के बच्चों के लिए ब्रिज स्कूल कार्यक्रम	7600.00	
4	स्पार्क: व्यवस्थित पुस्तकालय कार्यक्रम	8780.00	
5	द्वितीय पृथ्वी दिवस समारोह	5390.00	
6	रक्त दान शिविर	8090.00	
7	पर्यावरण दिवस समारोह	2418.00	
8	पाँच सप्ताह इंडक्शन कार्यक्रम (5डब्ल्यूआईपी-एनएसएस)		133158.00 (5 डब्ल्यूआईपी निधि)
9	दीपावली के अवसर पर अनाथालय का दौरा	5200.00	
10	कोढ़ के रोगियों के लिए तीसरा दान कार्यक्रम	3200.00	
11	सुकेत वरिष्ठ नागरिक गृह सुन्दरनगर	3360.00	
12	रक्त दान शिविर	7855.00	
13	एड्स पर सतर्कता वार्ता	4400.00	
14	स्वच्छता अभियान	5000.00	
	कुल किया गया व्यय -	82073.00	133158.00

व्यय का स्रोत

1.	एनएसएस निधि	82073.00
2.	5 डब्ल्यूआईपी निधि	133158.00
3.	दान निधि	23040.00
	कुल	238271.00 रु.

सरकारी स्कूल के छात्रों के लिए 'प्रयास' नामक शिक्षण कार्यक्रम

'प्रयास' नामक कार्यक्रम का उद्देश्य स्थानीय क्षेत्र के सरकारी स्कूलों द्वारा स्थानीय हिमाचल के युवाओं को प्रदान की जाने वाली शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाना है। इस कार्यक्रम में, एनएसएस इकाई भा.प्रौ.सं. मण्डी के स्वयं सेवक उन अवसरों से परिचित होना चाहते हैं, जिनके माध्यम से वे स्कूल के अध्यापकों और प्रशासन के सहायक बन सकते हैं। भा.प्रौ.सं. मण्डी के स्वयं सेवक और समन्वयकों का समर्पण स्थानीय युवा लड़कों और लड़कियों को आदर्श पुरुष और महिला बनने के लिए प्रेरित करने में सहायता करता है।

इस कार्यक्रम के दो समानान्तर पहलू हैं:

- कक्षा 10,11,12 शिक्षण कार्यक्रम :** इस कार्यक्रम में वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कमान्द और कटौला के छात्र शनिवार के दिन विज्ञान, गणित अंग्रेजी, रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान सीखने भा.प्रौ.सं. मण्डी परिसर आये।
- कक्षा 7,8,9 गृह कार्य सहायक कार्यक्रम :** इस कार्यक्रम में भा.प्रौ.सं. मण्डी के स्वयं सेवक कमान्द में स्कूल का समय समाप्त होने के बाद सरकारी वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल के छात्रों से मिले और उनके गृह कार्य करने में सहायता की।

'प्रयास' कार्यक्रम की शुरुआत सरकारी कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मण्डी की 30 लड़कियों के साथ हुई। यह देखते हुए कि यह कार्यक्रम अपने संचालन के 5वें वर्ष में हैं, इससे पता चलता है कि इस तरह के कार्यक्रम तर्क संगत आधार पर जारी रखने के लिए भा.प्रौ.सं. मण्डी में सामुदायिक सेवा की भावना पर्याप्त है। संस्थान प्रशासन इन

कार्यक्रमों के लिए परिवहन सहायता और संस्थान संसाधनों की सुविधा प्रदान करके प्रयास का समर्थन करता है। गुणात्मक प्रतिक्रिया से पता चलता है कि इस प्रकार का निरंतर प्रयास स्थानीय क्षेत्र के छात्रों के लिए लाभकारी प्रभाव डाल सकता है।

यह कार्यक्रम आम तौर पर क्षेत्र के सरकारी स्कूलों और स्कूल की छुट्टियों में अन्तिम परीक्षाओं के दौरान एक विराम लेता है। इसके परिणामस्वरूप इस वित्तीय वर्ष में प्रत्यक्ष छात्र बातचीत 15 अप्रैल, 2017 से शुरू हुई और 10 जनवरी, 2018 को समाप्त हुई। इसके बाद अप्रैल, 2018 के अंत में कार्यक्रम की दोबारा शुरु होने की उम्मीद है, इससे इसकी सेवा स्थानीय समुदाय के लिए जारी रहेगी।

इस वर्ष कार्यक्रम के दो पहलू थे:

1. **अध्यापन कक्षाएं** : भा.प्रौ.सं. मण्डी परिसर (पूर्वाह्न 10 बजे से अपराह्न 2 बजे तक) में कमान्द और कटौला के वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों की कक्षा 10,11 और 12 के लिए शनिवार को प्रातः कक्षाएं चली। इसमें निम्नलिखित विषय सम्मिलित थे:
कक्षा 10: दोनों विद्यालयों के लिए अंग्रेजी, गणित, विज्ञान;
कक्षा 11 और 12 कमान्द: अंग्रेजी
कक्षा 11 और 12 कटौला: रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, गणित, जीव विज्ञान और अंग्रेजी।
2. **गृह कार्य सहायक कार्यक्रम** : स्कूल के बाद सरकारी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, कमान्द की कक्षा 6–9 के छात्रों के लिए लगभग 1 घण्टे के सत्र का आयोजन किया। यह आयोजन उन्हें उनके विद्यालय के गृह कार्य में सहायता करने के लिए और जहां उन्हें किसी अवधारणा में मदद की आवश्यकता होती है उसके लिए किया गया। इस कार्यक्रम ने कमान्द में सरकारी स्कूल की कक्षा 6 से 9 के छात्रों की सेवा की। वित्तीय वर्ष 2017–18 के दौरान लगभग 20 सत्र आयोजित किए गए, जिसमें आम तौर पर 11 से 20 बच्चे किसी भी सत्र में भाग लेते थे। छात्रों को गणित, विज्ञान, सामाजिक अध्ययन और हिन्दी सीखने में सहायता की थी।



सरकारी स्कूल कमान्द में प्रयास की कक्षाएं (स्कूल के बाद गृह कार्य में मदद करते हुए)

नजदीकी सरकारी स्कूल कमान्द में कार्यक्रम का प्रभाव

मार्च 2018 में उपस्थित होने वाले छात्रों के लिए कक्षा 10 और 12 के बोर्ड परीणाम इस रिपोर्ट के रूप में घोषित नहीं

किए गए हैं। जब उपलब्ध हो, तो वे परिणाम ऐतिहासिक परिणामों के सापेक्ष प्रभावशीलता के कुछ संकेत प्रदान कर सकते हैं। यद्यपि कार्यक्रम की प्रभावशीलता का परीक्षण करने के लिए सांख्यिकीय रूप से मान्य विधि उपलब्ध नहीं है। दोनों उच्च विद्यालय के छात्रों और विद्यालय के प्रधानाचार्यों ने उत्तम प्रतिक्रिया दी है कि कार्यक्रम अच्छी तरह से किया गया है। कुल मिलाकर इस कार्य में स्वैच्छिक रूप से जुड़कर दिये गये मामूली स्तर पर हम केवल इन कार्यक्रमों से बहुत ही कम लाभ की उम्मीद करते हैं।

सरकारी स्कूल के छात्रों के लिए संगणक शिक्षा

‘संगणक’ आधुनिक प्रौद्योगिकी का महान् आविष्कार है। यह सामान्यतः बहुत बड़े डाटा मान को अपनी स्मृति में एकत्र करने में सक्षम यंत्र है। यह इनपुट (कीबोर्ड) और आउटपुट उपकरणों (प्रिंटर) के उपयोग से कार्य करता है। संगणक की कार्य पद्धति बहुत ही साधारण है, इसीलिए इसे एक छोटा बच्चा भी नियंत्रित कर सकता है



स्वयं सेवक सरकारी स्कूल कमान्द के छात्रों के लिए संगणक प्रशिक्षण सत्र का आयोजन करते हुये

सरकारी स्कूल में संगणक प्रयोगशाला की कमी के कारण छात्र संगणक संचालित नहीं कर पा रहे हैं। उनका परिवार वित्तीय समस्याओं के कारण अपने लिए लैपटॉप/कम्प्यूटर नहीं खरीद सकता है। बहुत से छात्र संगणक शुरू करने का तरीका नहीं जानते हैं। वे संगणक को संचालित करने के लिए बहुत उत्सुक हैं। सरकारी स्कूल के छात्रों के मध्य संगणक की शिक्षा का प्रसार करने के लिए, एनएसएस इकाई भा.प्रौ.सं. मण्डी ने संगणक शिक्षा कार्यक्रम जारी रखा, जिसका उद्देश्य संगणक का बुनियादी ज्ञान देना है।

यह कार्यक्रम मई, 2016 में शुरू हुआ और अब तक अपने द्वितीय वर्ष में जारी है। कुछ सत्र संगणक प्रयोगशाला में आयोजित किये गये थे। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को संगणक के क्षेत्र में शिक्षित करना है, क्योंकि यह आधुनिक समय की आवश्यकता है। इस प्रमुख कार्यक्रम की सफलता यह है कि अब उन्हें संगणक के बारे में और अधिक जानकारी है। एनएसएस इकाई भा.प्रौ.सं. मण्डी के आसपास के सरकारी स्कूल के छात्रों के बीच संगणक का ज्ञान प्रसारित करना चाहती है।

हमारे परिसर का निर्माण किया जा रहा है। यहां यूपी., पश्चिमी बंगाल, झारखण्ड और एम.पी. जैसे राज्यों से प्रवासी श्रमिक हमारे परिसर में रहते हैं। उनकी स्कूल जाने की आयु नहीं है और छोटे बच्चों के लिए शिक्षा की कोई सुविधाएँ नहीं हैं। ब्रिज स्कूल कार्यक्रम के उद्देश्य निम्नलिखित हैं:

- इन बच्चों को कुछ न्यूनतम साक्षरता प्रदान करें, जो पहले नियमित रूप से स्कूल नहीं गए हैं।

- बच्चों को पास के सरकारी स्कूल में दाखिला दिलवाएं।
- सरकारी स्कूल में दाखिला लेने के बाद उन्हें स्कूल में सामना करने में मदद करें।

यह कार्यक्रम 29 मई, 2015 में शुरू किया गया और तब से लगातार अपने तीसरे वर्ष तक जारी है। कई बच्चों के पास कोई जन्म प्रमाण पत्र और आधार कार्ड नहीं है। भा.प्रौ.सं. मण्डी के स्वयं सेवकों द्वारा एक अधिकारिक स्टैम्प पेपर पर एक हलफनामे के रूप में एक वकील द्वारा नोटरीकृत करके उचित दस्तावेज़ की कमी के उनके समाधान की पहचान की गई है। उन्होंने एक वकील को परिसर में आवश्यक हलफनामों का निष्पादन करने के लिए लाया था, ताकि उनके जो माता-पिता मण्डी जाना चाहते थे, उनकी एक दिन की मजदूरी बच जाये।

फरवरी 2017 में, ब्रिज़ स्कूल के कार्यक्रम का विस्तार भा.प्रौ.सं. मण्डी के उत्तरी परिसर में किया गया था, जहां बड़ी संख्या में प्रवासी कामगार निर्माण गतिविधि का समर्थन करने के लिए पहुंचे हैं। दक्षिणी परिसर कार्यक्रम निरंतर जारी है, क्योंकि कुछ बच्चे और उनके परिवार अभी भी दक्षिणी परिसर में रहते हैं।

वित्तीय वर्ष 2017-18 के दौरान दक्षिणी परिसर के कुल 10 बच्चों और भा.प्रौ.सं. मण्डी के उत्तरी परिसर के 30 बच्चों को पास के सरकारी प्राथमिक स्कूल कमान्द में भर्ती कराया गया था। 55 से अधिक प्रवासी श्रमिकों के बच्चे पास के सरकारी स्कूलों में दाखिल हैं। स्वयं सेवकों के प्रयास सफल होंगे और वे इस कार्य के लिए खुद को समर्पित कर सन्तुष्ट हो रहे हैं।

स्पार्क: पुस्तकालय व्यवस्था कार्यक्रम

जॉन वुड से आरम्भिक प्रेरणा लेकर, जिन्होंने अपनी किताब "लीविंग माइक्रोसॉफ्ट टु चेंज द वर्ल्ड" (रूम टू रीड पढ़ें) में यह सुझाव दिया है कि उनका संगठन तीसरी दुनिया के देशों में पुस्तकालयों की स्थापना में मदद करता है। भारत में रूम टू रीड के लगभग 8 राज्यों में पुस्तकालय हैं। स्पार्क कार्यक्रम का उद्देश्य सरकारी स्कूलों के छात्रों को अध्ययन सामग्री प्रदान करना है। इस कार्यक्रम में भा.प्रौ.सं. मण्डी के स्वयं सेवक अवसरों की पहचान करना चाहते हैं, जिसके माध्यम से वे स्कूल अध्यापकों और प्रशासन के लिए एक सहायक की भूमिका निभा सकते हैं। इस कार्यक्रम में स्वयं सेवक स्कूल में एक पुस्तकालय स्थापित करते हैं और नियमित रूप से पुस्तकों (सामान्य ज्ञान, विश्व कोष, उपन्यास आदि) को स्कूली छात्रों में वितरित करने के लिए वहां जाते हैं।

क्योंकि वर्ष 2015 में स्वयं सेवकों द्वारा पढ़न कार्यक्रम शुरू किया गया था और छात्रों में पढ़ने की रुचि को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से अब तक जारी रखा गया था। उन्होंने मित्रों, परिवार द्वारा दान की गई पुस्तकों और एनएसएस निधि से प्रदान की गई कुछ पुस्तकों का उपयोग करके पुस्तकालयों की स्थापना शुरू की। स्वयं सेवकों ने 3 या 4 दलों में स्कूलों का दौरा किया और छात्रों के साथ अध्ययन सत्र संचालित किये। इन स्कूलों में मण्डी ज़िले के कमान्द, नेरी, नवलाय और कटौला सम्मिलित हैं।



स्पार्क कक्षाओं के बाद विवज़ प्रतियोगिता



जागरूकता विषय पर स्कूली छात्रों के मध्य चित्रकला प्रतियोगिता

स्वयं सेवकों ने उनके बीच प्रतियोगिता भी आयोजित की। उन्होंने महीने के हर सप्ताह के अंत में खेल और प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया। विजेताओं को प्रमाण पत्र और स्मृति चिह्न के साथ सम्मानित किया गया।

इन कार्यक्रमों को शुरू करने के लिए निम्नलिखित कठिनाईयां हैं:

- पुस्तकालयों के लिए कुछ स्कूलों में जगह की कमी।
- पुस्तकों की विशेष स्थिति के कारण सामान्य छात्रों को पुस्तकों की दुर्गमता। उदाहरण के लिए हमने जिन स्कूलों का दौरा किया, उनमें से दो स्कूलों का पुस्तकालय प्रधानाचार्य के कमरे में था, जिससे कि छात्रों को पढ़ने के लिए पुस्तकें लेना कठिन हो गया।
- पुस्तकों का सावधानीपूर्वक अध्ययन: वे पहले से ही विज्ञान और प्रौद्योगिकी की पुस्तकों, विश्वकोष और इसी तरह की पुस्तकों में अन्तर पाते हैं।

एनएसएस इकाई मण्डी ने प्रतियोगी परीक्षा, सामान्य ज्ञान, वर्तमान मामलों, उपन्यास (हिन्दी और अंग्रेज़ी) और कहानी की पुस्तकें आदि प्रदान की। मुख्य रूप से यह प्रमुख कार्यक्रम उन दाताओं के माध्यम से चलता है, जिन्होंने इस नेक काम के लिए पुस्तकों का अच्छा संग्रह दान किया है। इस आयोजन का उद्देश्य तब तक जारी रहेगा, जब तक कि छात्र अध्ययन को रूचि नहीं बना लेते। एनएसएस इकाई उनके बेहतर भविष्य के लिए उनके साथ जुड़ेगी और उनका मार्गदर्शन करेगी।

दूसरा पृथ्वी दिवस समारोह

पृथ्वी दिवस पर भले ही पहले दिन अधिकारिक रूप से कुछ बहस हो। आज हम जिस पृथ्वी दिवस को मनाते हैं, वह 22 अप्रैल 1970 के कार्यक्रम से आया था। यह एक महान् दिन था, जिसमें सम्पूर्ण छात्र समुदाय ने कुछ अलग कार्य करते हुये पर्यावरण शिक्षा का प्रदर्शन, संस्थान को हरा-भरा करने के प्रयासों को उजागर किया।

भूमण्डलीय तापक्रम वृद्धि से पृथ्वी को कैसे बचाया जा सकेगा? इसकी जानकारी जागरूकता कार्यक्रमों से छात्रों को मिलती है। संस्थान में एक जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। पृथ्वी दिवस समारोह दोनों मुद्दों के बारे में सिखाने और एक मूर्त पर्यावरणीय प्रभाव बनाने के अवसर प्रदान करता है। हम एक साथ मिलकर हर दिन पृथ्वी दिवस मना सकते हैं और संस्थान में हम में से प्रत्येक यह कार्य कर सकता है। इस भावना के साथ एनएसएस इकाई भा.प्रौ.सं. मण्डी ने पर्यावरण क्लब के साथ मिलकर पृथ्वी दिवस मनाया।



छात्र पृथ्वी दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण कर रहे हैं

ग्रीन पैनल ने दोनों आयोजनों में भाग लिया और दोनों द्वारा आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से जागरूकता फैलाकर पृथ्वी दिवस मनाने के लिए उत्साही छात्रों के समूह को प्रोत्साहित किया। यह महत्वपूर्ण दिवस बारिश के मौसम और शांत हवा के कुछ फुहारों के साथ सुखद था। इस समारोह की शुरुआत पौधारोपण से हुई और भा.प्रौ.सं. मण्डी के छात्रों की अनेक पर्यावरणीय गतिविधियों की प्रस्तुति द्वारा शाम के कुछ घण्टे व्यतीत हुये। संस्थान के कुछ उपस्थित प्राध्यापकों और कर्मचारियों ने संस्थान के उत्साही एवं ऊर्जावान छात्रों की गतिविधियों को प्रोत्साहित किया। सुबह के सत्र के सारे कार्यक्रम स्वास्थ्यवर्द्धक जलपान द्वारा सफलतापूर्वक सम्पन्न हुये।

दिन का अंत पृथ्वी दिवस का विश्व इतिहास और परिचयात्मक भाषण के माध्यम से किया गया, इसके बाद भा.प्रौ.सं. मण्डी के पर्यावरण क्लब के छात्रों द्वारा एक प्रस्तुति दी गई।



पृथ्वी दिवस पर परिचयात्मक भाषण देते स्वयं सेवक

सांयकालीन बातचीत के बाद, स्टील के बर्तनों में परोसे जाने वाले व्यंजन थे। कागज़ के कप और प्लेट्स के उपयोग से बचने की दिशा में यह एक कदम था।

रक्त दान शिविर

रक्त को रक्त से नहीं धोया जा सकता है—अफगान कहावत

स्वैच्छिक रक्तदान कार्यक्रम—भर्ती और प्रतिधारण लोगों और समुदाय के बारे में है, उन्हें समझने, उनकी रूचि बढ़ाने और उनके व्यवहार को प्रभावित करने के बारे में है। रक्त दाता भर्ती और प्रतिधारण दोनों के लिए मुख्य संचार कार्य के महत्त्व के बारे में सार्वजनिक समझ प्राप्त करने और कार्रवाई के लिए प्रतिक्रिया को तीन गुणा करने की दिशा में सक्षम होना चाहिए। एक बार एक रक्त दाता प्रेरक जागरूकता बढ़ाता है, उसे रक्तदान करने के लिए लोगों को प्रेरित करना चाहिए। पूरे विश्व में स्वैच्छिक रक्तदाताओं में से सबसे अधिक रक्त ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बाहरी शिविरों से एकत्र किया जाता है। भा.प्रौ.सं. मण्डी द्वारा रक्त बैंक जोनल अस्पताल मण्डी के सहयोग से दिनांक 08 मई, 2017 को एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया था। इसका आयोजन ब्लड बैंक, जोनल अस्पताल मण्डी के सहयोग से किया गया था।



छात्र और कर्मचारी रक्तदान कर रहे हैं

यह लगातार दानदाताओं के सहयोग से अपराह्न लगभग 1 बजे शुरू हुआ और अपराह्न 5:00 बजे तक जारी रहा। शिविर में छात्रों, प्राध्यापकों और कर्मचारी वर्ग ने स्वेच्छा से भाग लिया। लॉज डी1 भोजनालय का उपयोग योग्य रक्त दाताओं की सम्पूर्ण चिकित्सा जांच के साथ-साथ दान के लिए किया गया था। दाताओं को जलपान करवाया गया। शिविर में छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों के सदस्यों में से 65 से अधिक स्वयं सेवकों ने स्वेच्छा से भाग लिया। नमूनों को सावधानीपूर्वक सील किया गया और रक्त बैंक ले जाया गया।

इस शिविर ने रक्तदान के लाभों के बारे में जागरूकता प्राप्त करने में भा.प्रौ.सं. मण्डी समुदाय की मदद की। समुदाय ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया और उनमें सामाजिक जागरूकता फैलायी। हम भा.प्रौ.सं. मण्डी परिसर समुदाय का इस महान् कार्य को करने के लिए धन्यवाद करते हैं।

पर्यावरण दिवस समारोह

विश्व पर्यावरण दिवस प्रतिवर्ष दिनांक 5 जून को होता है। यह दिवस हमारे पर्यावरण की सुरक्षा के लिए जागरूकता और कार्रवाई को प्रोत्साहित करने के लिए संयुक्त राष्ट्र का प्रमुख वाहक है। यह वर्ष 1974 में पहली बार आयोजित किया गया। यह समुद्री प्रदूषण, मानव आबादी और ग्लोबल वार्मिंग से उभरते पर्यावरण प्रदूषण, स्थायी उपभोग और वन्य जीव अपराध के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए एक प्रमुख अभियान रहा है। प्रतिवर्ष 143 देशों की भागीदारी से डब्ल्यूईडी जनसम्पर्क के लिए वैश्विक मंच बन गया है। हर साल डब्ल्यूईडी का एक नया विषय होता है। दुनिया भर के प्रमुख निगमों, गैर सरकारी संगठनों, समुदायों, सरकारों और प्रसिद्ध हस्तियों ने पर्यावरणीय कारणों की वकालत की है। पृथ्वी दिन-प्रतिदिन प्रदूषित होती जा रही है, इसीलिए हमें पूरे विश्व में कई जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करके अपने पर्यावरण की रक्षा करने की आवश्यकता है। हमारा कर्तव्य है कि हम अपने पर्यावरण को स्वच्छ रखें। अगर हमारा आसपास साफ-सुथरा है, तो हम स्वस्थ रहेंगे।



छात्र, कर्मचारी और प्राध्यापक स्वच्छता अभियान में भाग ले रहे हैं और स्वयं सेवक विभिन्न रंगों के डिब्बों के माध्यम से जागरूकता फैला रहे हैं।

एनएनएस इकाई, भा.प्रौ.सं. मण्डी ने “अलग-अलग कचरे के लिए अलग-अलग रंग के डिब्बे” पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। उन्होंने विभिन्न रंगीन कचरे के डिब्बों के पोस्टर के माध्यम से भा.प्रौ.सं. समुदाय में जागरूकता फैलायी, ताकि इसका ठीक से निपटारा हो जाये। उसके बाद इस विचार को जारी रखते हुये स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया और संस्थान के छात्र, कर्मचारियों और प्राध्यापकों की टीम द्वारा कचरे के लगभग 100 बैग एकत्रित किये गये। आदरणीय निदेशक, प्रा. तिमोथी ए. गोन्सेल्वज ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया। स्वयं सेवकों ने अलग-अलग रंग के डिब्बों में कचरे को अलग किया।

सन् 2017 का विषय “शहर में और जमीन पर, ध्रुवों से भूमध्य रेखा तक प्रकृति से लोगों को जोड़ना” था। इस कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को जलपान कराया गया।

पाँच सप्ताह का परिचय कार्यक्रम (5डब्ल्यूआईपी—एनएसएस)

अपने परिसर का परिचय

1. ग्राम यात्रा

अपने परिसर को जानने के लिए छात्रों ने आस-पास के गाँवों (नवलाय, सालगी और कटौला) का दौरा किया। इसका मुख्य उद्देश्य हिमालयी गाँवों और इसकी समृद्ध संस्कृति को दिखाना था। छात्र 1 घण्टे की लम्बी पैदल यात्रा के बाद इन गाँवों में पहुँचे और आसपास के दृश्यों का आनन्द लिया। वे स्थानीय क्षेत्र के लोगों की कठिनाई को भी जानते हैं कि ग्रामीण क्षेत्र में परिवहन सुविधाओं की कमी के कारण उन्हें बाज़ार से भोजन और अन्य आवश्यक वस्तुएं कैसे मिली हैं।

2. एनएसएस उन्मुखीकरण: “मैं नहीं, परन्तु आप”

स्वयं सेवक केवल कार्यकर्ता नहीं हैं। एक कार्यकर्ता काम करने में अच्छा हो सकता है, लेकिन योजना या निर्णय लेने में नहीं। इसी तरह नियोजक और निर्णायक अपने कार्य में अच्छे हो सकते हैं, लेकिन उन्हें क्रियान्वित करने में नहीं। वे विशेषज्ञ हैं, जबकि स्वयं सेवक ऑल-राउंडर हैं। वे श्रमिकों के रूप में, निष्पादन कर्ता के रूप में, योजनाकारों के रूप में, सर्जक के रूप में और नेताओं के रूप में अच्छे हैं।

स्वयं सेवक बिना किसी व्यक्तिगत स्वार्थ के काम करते हैं। वे दूसरों को लाभ पहुंचाने का काम करते हैं, स्वयं को नहीं। यह काम उन कार्यकर्ताओं को उत्कृष्ट कार्यकर्ता, निष्पादक और उत्कृष्ट नेता बनाते हैं। इसीलिए स्वयं सेवकों का धर्म समता है। स्वयं सेवक के लिए धर्म के अनुसार जीवन जीने का अर्थ है – धार्मिकता, निःस्वार्थता और सभी अहंकार से ऊपर जीवन जीना। स्वयं सेवक को विनम्रता का अभ्यास करना चाहिए, उसे माँ प्रकृति के साथ सामंजस्य में रहना चाहिए जैसे कि माँ प्यार, देखभाल और सब कार्य साझा करती है वैसे ही उसे करने चाहिए। एक स्वयं सेवक वास्तव में एक आध्यात्मिक चिकित्सक, एक कर्मयोगी है जो आत्म क्रिया के माध्यम से परम के साथ परम मिलन के लिए प्रयासरत है। आप सभी धन्य हैं, जो इस कार्य में लगे हैं। भा.प्रौ.सं. मण्डी की एनएसएस (राष्ट्रीय सेवा योजना) इकाई ने ए1-एनकेएन कमरे में दिनांक 3 से 6 अगस्त, 2017 तक अपने उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया।

इस कार्यक्रम की शुरुआत एनएसएस इकाई, भा.प्रौ.सं. मण्डी के सलाहकार डॉ. अतुल धर ने की। एनएसएस इकाई, भा.प्रौ.सं. मण्डी के क्षेत्रीय अधिकारी श्री प्रतीक पटानिया ने छात्रों और एनएसएस सदस्यों का स्वागत किया और डॉ. अतुल धर ने भा.प्रौ.सं. मण्डी के लिए एनएसएस का त्वरित अभिप्राय बताया। उसके बाद आमोद चौधरी ने भा.प्रौ.सं. मण्डी में एनएसएस और 2017-18 की भविष्य योजना पर कुछ प्रकाश डाला। उसके उपरांत प्रत्येक अनुभाग के समन्वयक ने अपने सम्बन्धित अनुभाग के बारे में बात की और दर्शकों को अपनी टीम से परिचित कराया। दर्शकों को एक वास्तविक अनुभव प्रदान करने के लिए कि एनएसएस का क्या अर्थ है और इसने लोगों के जीवन को कैसे बदल दिया, एनएसएस के कुछ स्वयं सेवकों ने इस इकाई के सदस्य होने के अपने व्यक्तिगत अनुभवों को साझा किया। इसके बाद एनएसएस इकाई भा.प्रौ.सं. मण्डी के सलाहकार डॉ. अतुल धर के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ यह समारोह सम्पन्न हो गया। कुल मिलाकर यह कार्यक्रम स्वयं सेवकों के साथ हर पल का आनन्द ले रहे छात्रों के साथ सफलतापूर्वक व्यतीत हो गया।

3. आपदा प्रबन्धन प्रशिक्षण सत्र

भारत अपनी अद्वितीय भू-जलवायु परिस्थितियों के कारण प्राकृतिक आपदाओं के लिए परम्परागत रूप से कमजोर रहा है। बाढ़, सूखा, चक्रवात, भूकम्प और भू-स्खलन एक आवर्तक घटना है। लगभग 60 भू-माफिया विभिन्न तीव्रता के भूकम्पों से ग्रस्त हैं, 40 मिलियन हेक्टेयर से अधिक को बाढ़ का खतरा है। कुल क्षेत्रफल के लगभग 8 को चक्रवात का खतरा है और 68 प्रतिशत क्षेत्र में सूखे की आशंका है।

आपदा प्रबन्धन इस देश के नीतिगत ढांचे में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है, क्योंकि यह गरीबों और वंचितों पर है जो आपदाओं के कारण सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। आपदाएं सामाजिक-आर्थिक विकास को धीमा कर देती हैं, दरिद्र को और अधिक दरिद्र बना देती हैं और विकास से लेकर पुनर्वास और पुनर्निर्माण तक दुर्लभ संसाधनों का



अपने परिसर से परिचित होने के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन

भा.प्रौ.सं. मण्डी ने 5 डब्ल्यूआईपी एनएसएस इकाई के तहत दिनांक 3 से 6 अगस्त, 2017 तक आपदा प्रबन्धन प्रशिक्षण पर 3 घण्टे का लम्बा सत्र आयोजित किया। विभिन्न 4 सत्रों में आयोजित गतिविधि और प्रत्येक सत्र में एक बार में 60 छात्रों ने भाग लिया। इसका आयोजन मण्डी के जिला आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण के सहयोग से किया गया। श्री निलेश, डीडीएमए समन्वयक और श्री अमरजीत, डीडीएमए सर्व समन्वयक ने आपदा पर विभिन्न सत्रों का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का अभिप्राय सभी छात्रों को आपदा की बदतर स्थिति से निपटने के लिए प्रशिक्षित करना था। यह कार्यक्रम हिमाचल प्रदेश में पिछले एक दशक की आपदाओं पर केन्द्रित था।

स्वच्छता अभियान: हर साल लगभग 3.4 मिलियन लोग, जिनमें अधिकतर बच्चे, अपर्याप्त जल आपूर्ति, स्वच्छता और स्वच्छता से जुड़ी बीमारियों से मर जाते हैं। दुनिया में अस्पताल के आधे से अधिक बिस्तर पानी और स्वच्छता से सम्बन्धित रोगों से ग्रसित लोगों से भरे हुए हैं।

भारत सरकार द्वारा 'स्वच्छ भारत अभियान' (साफ भारतीय मिशन) देश की सड़कों और बुनियादी ढांचे को साफ करने के लिए 4041 वैधानिक नगरों को सम्मिलित करने वाला एक राष्ट्रीय स्तर का अभियान है। यह अभियान दिनांक 2 अक्टूबर, 2014 को प्रधान मन्त्री नरेन्द्र मोदी द्वारा अधिकारिक रूप से शुरू किया गया था।

यह अभियान भारत का अब तक का सबसे बड़ा स्वच्छता अभियान है और इस आयोजन में 3 मिलियन सरकारी कर्मचारियों और भारत के स्कूलों और कॉलेजों के छात्रों ने भाग लिया। स्वच्छ भारत मिशन के इस विचार का समर्थन करने के लिए एनएसएस इकाई भा.प्रौ.सं. मण्डी ने '5 सप्ताह परिचय कार्यक्रम' के तहत स्वच्छता अभियान का आयोजन किया, जिसमें नए 150 बी.टैक. छात्र सम्मिलित हुए। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों को उनके जीवन में अच्छी आदतों के बारे में प्रेरित करना था। छात्रों को चार समूहों में विभाजित किया गया और अभियान का आयोजन दिनांक 05 अगस्त, 2017 को किया गया।



छात्र कचरा एकत्र कर रहे हैं।

छात्रों ने स्वच्छता की प्रतिज्ञा ली और फिर लगभग 3 घण्टे तक "स्वच्छता अभियान गतिविधियों"में लगे रहे। इसके परिणामस्वरूप कमान्द परिसर में 70 से अधिक अपशिष्ट पदार्थों के बैग का संग्रह हो गया। स्वच्छता अभियान में भाग लेने वाले सभी लोगों ने हमारे परिसर को साफ करने और इसे कचरा मुक्त करने के लिए बहुत प्रयास किए। कार्यक्रम का समग्र उद्देश्य स्वयं सेवकों को अपने दैनिक जीवन और समाज में स्वच्छता को बढ़ावा देने और बनाए रखने के लिए तैयार करना है।

वृक्षारोपण शिविर

हरमन हेस ने स्पष्ट रूप से समझाया है कि जब हम त्रस्त होते हैं और अपने जीवन को अब और नहीं झेल सकते हैं तो एक पेड़ के पास हमारे कहने के लिए कुछ है: अभी भी रहो! अभी भी हो! मुझे देखो! जीवन आसान नहीं है, जीवन कठिन नहीं है। वे बचकाने विचार हैं। भगवान् को अपने भीतर बोलने दें, और आपके विचार चुप हो जाएंगे। आप चिंतित हैं, क्योंकि आपका रास्ता माँ और घर से दूर है। लेकिन हर कदम और हर दिन आपको फिर से माँ के पास ले जाता है। घर न इधर का है न उधर का। घर आपके भीतर है, या घर कहीं भी नहीं है।



छात्र परिसर में पौधारोपण कर रहे हैं।

इन विचारों पर भरोसा करके राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई, भा.प्रौ.सं. मण्डी ने 5 सप्ताह के परिचय कार्यक्रम में वृक्षारोपण शिविर का आयोजन किया और परिसर मार्ग के साथ-साथ 450 पौधे लगाए। छात्रों को दिनांक 12 अगस्त, 2018 को आयोजित तीन समूहों और शिविरों में विभाजित किया गया। छात्रों ने डॉ. श्याम कुमार मासाकपल्ली (सहायक प्राध्यापक) और श्री प्रतीक पठानिया की सहायता से वृक्षारोपण के लिए उपयुक्त स्थानों की पहचान की और वृक्षारोपण के लिए तैयार किया। प्राध्यापक, कर्मचारियों, बी.टैक. प्रथम वर्ष छात्रों और एनएसएस स्वयं सेवकों ने छात्रावासों के पास सड़क के साथ 450 से अधिक पौधे लगाये।

छात्रों ने पौधों को बाड़े भी लगाये और पानी भी डाला। प्रत्येक छात्र ने पौधारोपण करने और पौधे की देखभाल करने की जिम्मेदारी ली। आखिरकार, यह क्षेत्र शानदार बन गया। एनएसएस स्वयं सेवकों ने पौधारोपण के एक महीने के बाद पौधों को कम्पोस्ट/खाद डाली। एनएसएस समिति ने परिसर की सुन्दरता बढ़ाने के लिए उसी प्रेरणा और उत्साह के साथ आगे बढ़ने का निर्णय लिया।

सामाजिक दौरा

1. राष्ट्रीय नेत्रहीन संघ कुल्लू

दयालुता वह भाषा है जिसे बहरे सुन सकते हैं और नेत्रहीन देख सकते हैं। —मार्क ट्विन

नेत्रहीन संघ की पहली यात्रा में 'पाँच सप्ताह परिचय कार्यक्रम' के तहत दिनांक 18 अगस्त, 2017 को लगभग 60 छात्रों ने राष्ट्रीय नेत्रहीन संघ कुल्लू का दौरा किया। यह सभी के लिए सबसे अधिक मार्मिक अनुभवों में से एक था। एक इन्सान होने के नाते हमारे हाथ और आँखें हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण परिग्रह (अंग) हैं, जिनके बिना एक सामान्य व्यक्ति कभी सोच भी नहीं सकता कि हमने क्या किया होगा। लेकिन लगभग 4 घण्टे नेत्रहीन स्कूल में रहने के बाद इसने हमारा दृष्टिकोण बदल दिया। हम समझ गए कि किसी व्यक्ति की इच्छाशक्ति कितनी मजबूत और शक्तिशाली है तथा एक आदमी के पास स्वयं के भीतर इतनी अधिक ताकत है। यह सभी विशेषताओं के साथ सामान्य व्यक्ति है जो ठीक है और काम करने की स्थिति में किसी न किसी कारण से भाग्य को कोसता है। कहीं न कहीं यह कहा जाता है कि बिखराव किसी व्यक्ति में सर्वश्रेष्ठ लाता है और यह बात इस यात्रा से काफी स्पष्ट थी।



नेत्रहीन छात्रों और उनके अध्यापकों के साथ स्वयं सेवकों की बातचीत

हमने सोचा था कि दुनिया में आँखों की रोशनी के बिना बहुत अंधेरा हो जाएगा। लेकिन आँखों की रोशनी आंतरिक दृष्टि से बड़ी नहीं हो सकती है। हो सकता है कि उन्होंने अन्दर एक दृष्टि ग्रहण की हो और यही उन्हें शक्ति प्रदान करती हो। कभी-कभी हमें लगता है कि नेत्रहीन होने के नाते वे भाग्यशाली हैं कि वे दुनिया में इतनी क्रूरता और कठोरता नहीं देख रहे हैं। जीवन में उन्हें दूर तक ले जाने के लिए उनकी दृष्टि ही उनकी चाबी है।

हम में से अधिकांश ने पढ़ने की उस प्रणाली के बारे में नहीं जाना, जिसे अध्ययन के लिए नेत्रहीन अपनाते हैं। उनकी सामान्य पाठ्य पुस्तकों को ब्रेल ग्रंथों में बदल दिया गया था और उन बिन्दुओं को छूने से वे अक्षरों को पहचानने और धारा प्रवाह पढ़ने में सक्षम हैं। स्पर्श की भावना ही उनका सब कुछ है। चलते समय उनका मार्गदर्शन करने के लिए हर कोई अपने हाथ में एक सफेद छड़ी रखता है। उन्होंने स्वयं सेवकों को यह भी दिखाया कि कैसे वे छड़ी की मदद से सड़क पार करते हैं।

छात्र स्वयं सेवकों ने 7,2400.00 रु. का संचित दान दिया। उन्होंने यह राशि सुश्री शालिनी, सामाजिक कार्यकर्ता (विशेष रूप से नेत्रहीन बच्चों के लिए कार्य कर रही हैं) को सौंपी। छात्र स्वयं सेवकों ने भी उनसे बातचीत की और उनके अध्ययन के बारे में पूछा। संघ के संकाय/कर्मचारियों ने छात्रों के बीच एक गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया। छात्र स्वयं सेवकों ने उन्हें संगणक पर अंग्रेजी शब्दों को लिखने के लिए भी कहा। इस तकनीक से हम उनके तेज दिमाग के बारे में जानते हैं कि वे 'की बोर्ड' को कैसे याद करते हैं। हमने छात्रों को जूस, चौकलेट, बिस्कुट और फल भी वितरित किए। यह स्कूल एक बोर्डिंग था और यहां नेत्रहीन छात्रों को बहुत कम उम्र से आत्म-निर्भर होना सिखाया जाता था। अपने आप में विश्वास हासिल करने के लिए यह बहुत कुछ अनिवार्य है। सुश्री शालिनी संगठन की स्थापना और कार्य पर एक लघु सत्र आयोजित करती है।

संगठन की स्थापना वर्ष 1997 में स्वर्गीय **मैडम चन्द्र आभा** द्वारा की गई थी, जो एक सच्ची सामाजिक कार्यकर्ता थीं और 1979 से दूसरों के लिए काम कर रही थीं। उनकी मुलाकात क्रेच सेंटर के एक बच्चे से हुई जो लगभग 10 साल का था। उन्हें पता चला कि नेत्रहीनता के कारण वह स्कूल जाने में असमर्थ है। इस प्रकार 'नेशनल एसोसिएशन ऑफ द ब्लाइण्ड' का गठन किया। स्कूल की शुरुआत साल 1999 में 4 नेत्रहीन बच्चों के साथ की गई थी, जिसमें न्यूनतम धन और कोई स्थान नहीं था। धीरे-धीरे समय के साथ संगठन का विस्तार होने लगा और अब लगभग 40 छात्र शब्द पढ़ रहे हैं। संगठन निम्नलिखित पहलुओं पर कार्य कर रहा है:

विशेष स्कूल: यह स्कूल प्राथमिक खण्ड शिक्षा, पूर्व एकीकरण गृह प्रबन्धन और बच्चों के आत्म प्रबन्धन की देखभाल कर रहा है।

एकीकृत शिक्षा: संगठन इन बच्चों के अलगाव पर विश्वास नहीं करता है, लेकिन मुख्य धारा के स्कूलों के साथ एकीकरण करता है। माध्यमिक स्तर पर स्कूल सभी के लिए स्कूल के बाद विशेष कक्षाएं लेकर बच्चों को उच्च शिक्षा हासिल करने में मदद कर रहा है।

छात्रावास की सुविधा: विशेष और एकीकृत शिक्षा दोनों में स्कूल के साथ सभी बच्चों को मुफ्त छात्रावास प्रदान किया जाता है, क्योंकि वे हिमाचल प्रदेश के विभिन्न भागों और अब अन्य राज्यों से भी हैं।

संगणक प्रशिक्षण: संगठन से जुड़े सभी बच्चे संगणक की शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। यह उन्हें ऑडियो फॉरमेट, ई-टेक्स्ट फॉर्मेट आदि में उपलब्ध कोई भी जानकारी प्राप्त करने में उनकी मदद करता है। यह उन्हें सभी विभिन्न कार्यालय उपकरणों तक पहुंचने में मदद करता है।

श्रव्य पुस्तकालय: संगठन न केवल स्कूली बच्चों, बल्कि 12वीं स्तर और कॉलेज स्तर पर उच्च शिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक नेत्रहीनों का भी ध्यान रखता है। यहां कैसेट, डेजी प्रारूप, एमपी3 प्रारूप और पाठ आदि प्रारूपों में पुस्तकें उपलब्ध हैं।

पाठ्येतर गतिविधियां: यह स्कूल बच्चों की देखभाल के अतिरिक्त उनके विकास का भी ध्यान रखता है, उन्हें स्थानीय स्तर पर आयोजित सभी सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। स्कूल में खेल को भी बढ़ावा दिया जाता है। स्कूल के बच्चों ने राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर भी शतरंज प्रतियोगिताओं, ऐथ्लेटिक मीट आदि में भाग लिया है।

बहु विकलांगता अनुभाग: संगठन ने बहु विकलांगता अनुभाग के लिए एनएबी दिल्ली के विस्तार की परियोजना शुरू की है और हम कुल्लू और मण्डी जिले में संगठन द्वारा पहचाने गए 10 एमएचयू बच्चों के स्व-प्रबन्धन कौशल देख

रहे हैं। यह एक घर आधारित मॉडल है, जिसमें शिक्षक बच्चों के घरों में जाते हैं। इन बच्चों को चिकित्सीय सेवाओं की आवश्यकता है और हम उन्हें फिज़ियोथेरेपी प्रदान कर रहे हैं। कई विकलांगों को समाज में स्वीकृति के मामले में या यहां तक कि अपने स्वयं के परिवारों में इस मामले की बहुत समस्या है। मुझे यकीन है कि क्रमिक प्रयासों से हम उनकी आवश्यकताओं के प्रति अधिक संवेदनशील होंगे और समय-समय पर हम उनकी सहायता के लिए प्रयास करेंगे।

2. दिव्य मानव ज्योति अनाथालय डैहर की यात्रा

छोटे बच्चों को मरते, मारते या अकेला छोड़ते देखना दर्दनाक है। दुनिया भर में हर दिन बच्चों को सहायता की आवश्यकता है। कभी-कभी दूसरों के जीवन को समझना कठिन होता है। कोई किसी बच्चे को कैसे जीवन दे सकता है और उन्हें कचरे के डिब्बे के पास या सड़क के किनारे छोड़ सकता है। इनमें से कुछ मामलों को देखकर बहुत दर्द होता है। सड़क पर देखे गए इन बच्चों में से कई भविष्य में किसी के अपने होने वाले हैं।

चार सप्ताह के परिचय कार्यक्रम के तहत एनएसएस इकाई भा.प्रौ.सं. मण्डी ने दिव्य मानव ज्योति अनाथालय डैहर की यात्रा का आयोजन किया। इस आयोजन में पचास छात्रों ने भाग लिया। हम अनाथालय के छात्रों से मिले। उनके चेहरे की चमक, उनकी आँखों की झलक हम सभी को अवाक कर गई। वे बहुत उम्मीद और विश्वास के साथ दौड़ते हुए हमारी ओर आये। हमने उन्हें खाना दिया। वे खुशी और उत्साह से उछल गए। यह हमें अपने बचपन के दिनों की याद दिलाता है जब हमारे पिता कार्यालय से लौटते थे और हमें उपहार और अन्य मिष्ठान्न लाते थे। कुछ बच्चों के माता-पिता जीवित नहीं हैं। बच्चों के साथ कई खेल खेले गए और अंत में सभी छात्र बहुत मधुर स्मृतियों के साथ वापिस आए।

3. वृद्धाश्रम भंगरोटु की यात्रा:

एक वृद्धाश्रम की अवधारणा भारत के लिए नई है। आमतौर पर एक वृद्धाश्रम उन वृद्ध लोगों के लिए एक घर होता है, जिनकी देखभाल करने वाला कोई नहीं होता है या जिन्हें उनके बच्चों द्वारा उनके घरों से बाहर कर दिया जाता है। यह स्थान घर की तरह ही होता है, जहां रहने वालों को भोजन, वस्त्र और आश्रय जैसी दिनचर्या वाली सभी सुविधायें मिलती हैं। इन सभी जरूरतों को पूरा किया जाता है। लेकिन प्रियजनों का बहुत जरूरी प्यार और देखभाल न होना दुःख की बात है। उनके लिए बाहरी लोग सान्त्वना कैसे प्रदान कर सकते हैं? इन घरों में पुरुष या महिला के भेदभाव के बिना उनसे बातचीत करना बहुत रोचक और मार्मिक लगता है।

कम से कम भारत में अब तक घर से दूर रह रहे वृद्ध लोग, अपने बच्चों से या खुद से अकेले हुए लोगों को बहुत खुशहाल स्थिति में नहीं माना जाता है। युवाओं से बड़ों को अलग करने की यह अवधारणा पश्चिम से भारत में आई है।

डब्ल्यूआईपी के अन्तर्गत लगभग 50 छात्र और एनएसएस स्वयं सेवक दिनांक 18 अगस्त, 2017 को बल्ह घाटी कल्याण सभा भंगरोटु गए थे। छात्र वरिष्ठ नागरिकों के साथ बातचीत करते हैं और उनकी समस्याओं और स्थितियों को समझने का प्रयास करते हैं कि वे अपने परिवार से क्यों जुड़े, कुछ वरिष्ठों का कोई बच्चा नहीं है और वे अपना जीवन सुचारू रूप से बिताने के लिए वृद्धाश्रम में चले जाते हैं। छात्र वरिष्ठ नागरिकों के सामने आने वाली कठिनाईयों के बारे में भी जानते हैं। उनमें से कुछ के अपने बच्चे हैं, लेकिन उन्होंने पीढ़ी के अंतराल के कारण उन्हें छोड़ दिया। स्वयं सेवकों ने उन्हें फल और अन्य खाने के लिए दिया। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य समाज का वास्तविक चेहरा दिखाना था, ताकि छात्र अपने माता-पिता की सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध हों। उनसे मिलने का अन्य उद्देश्य यह है कि उन्हें अनुभव न हो कि वे अकेले हैं।

दिवाली के अवसर पर अनाथालय का दौरा

एनएसएस स्वयं सेवक बुधवार, दिनांक 18 अक्टूबर, 2017 को दिवाली त्यौहार के अवसर पर दिव्य मानव ज्योति अनाथालय में 200 से अधिक अनाथ बच्चों में खुशी की लहर लाने के लिए एकत्र हुए। स्वयं सेवकों ने अनाथों के साथ अनमोल समय व्यतीत किया। उन्होंने इन बच्चों के हृदय में परिवार की एकता और सम्बन्धों के वे भाव भर दिये, जिससे सभी के लिए दिवाली विशेष बन जाती है। रंगोली और ग्रीटिंग कार्ड बनाने की प्रतियोगिता आयोजित की

गई, जिससे उन्हें अपनी रचनात्मकता को व्यक्त करने का प्रोत्साहन मिला। अनाथालय के बच्चों ने रंगीन कार्ड डिज़ाइन करके सभी स्वयं सेवकों को दिवाली की शुभकामनाएं दी।



स्वयं सेवकों के साथ अनाथालय के बच्चे विभिन्न गतिविधियों में भाग लेते हुये और समूह चित्र

इस त्यौहार के लिए बहुत तैयारियां की गई थीं। स्वयं सेवकों ने इस अनाथालय की यात्रा के लिए 5000 रु. एकत्रित किये। स्वयं सेवकों ने सभी अनाथों के साथ दिवाली मनायी और दिन प्रसन्नता से व्यतीत किया। जयकार और खुशी बढ़ाने के लिए बच्चों को दिवाली उपहार, पटाखे वितरित किये गये और सभी को सनैक्स परोसे गये। हमने अनाथों के लिए विशेष रात्रिभोज की व्यवस्था की, जो कि 5000रु. के संचित दान से सम्भव हुई और स्वयं सेवकों ने अनाथ बच्चों के साथ रात्रि भोज किया। अनाथालय को फूलों और रोशनी से सजाया गया। छात्रों ने अनाथ बच्चों के साथ रात्रिभोज किया। छात्रों ने अनाथ बच्चों के साथ देवी लक्ष्मी की पूजा की और दिवाली का उत्सव शुरू किया। उसके बाद सभी कार्यक्रम में विजेताओं को पुरस्कार वितरित किये गये। इस शुभ दिन के अंत में, स्वयं सेवक प्यार और प्रसन्नता से विदा हुये।

कुष्ठ रोगियों के लिए तीसरा दान कार्यक्रम

कुष्ठ रोग, जिसे हेन्सन रोग (एचडी) के रूप में भी जाना जाता है, एक दीर्घकालिक संक्रमण है, जो बेसिली माइकोबैक्टीरियम लेप्राई और माइकोबैक्टीरियम लेप्रोमैटोसिस के कारण होता है। प्रारम्भ में संक्रमण बिना लक्षणों के होते हैं और आमतौर पर 5 से लेकर 20 साल तक इस तरह रहते हैं। विकसित होने वाले लक्षणों में नसों के ग्रैनुलोमा श्वसन पथ, त्वचा और आँखें सम्मिलित हैं। इसके परिणाम स्वरूप दर्द अनुभव करने की क्षमता में कमी हो सकती है और इस प्रकार बार-बार चोट लगने या घावों को अनदेखा करने के कारण हाथ-पैर को बहुत क्षति हो सकती है। इससे कमजोरी और नज़र खराब भी हो सकती है।



स्वयं सेवक दिवाली के अवसर पर मिठाई और उपहार दान कर रहे हैं।

शुरूआत में सरकार विशेष रूप से कुष्ठ रोगियों के लिए एक अस्पताल चलाती है। सरकार उनके भोजन और आवास की देखभाल कर रही है। उस समय विभिन्न जिलों, राज्यों के साथ-साथ विभिन्न देशों के लोग इलाज कराने आते हैं और उनके घावों में सुधार न होने के कारण उनके परिवारों ने उन्हें छोड़ दिया, क्योंकि उन्हें लगता है कि वे अछूत हैं। लेकिन बहुत देर बाद सरकारें अस्पताल को ठीक से संचालित करने में विफल रहती हैं। इसीलिए प्राधिकरण ने अस्पताल को स्थायी रूप से बंद करने का फैसला किया। उस एकाकीपन में वे एक-दूसरे का समर्थन करना चाहते हैं, उनमें से ज्यादातर एक-दूसरे के साथ रहते हैं और एक दूसरे के साथ शादी कर अपना जीवन शुरू करते हैं। ये लोग बहुत गरीब हैं और इस महत्वपूर्ण समय अवधि में वे उस क्षेत्र से जाने में असमर्थ हैं। इसीलिए वे सामाजिक कार्यकर्ताओं और दानदाताओं की मदद से अपने लिए टेंट और स्थिर मिट्टी के घरों में रहने लगे। लेकिन काफी समय की अवधि के बाद वे अपने परिवारों की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने में असमर्थ हैं। वे लोग इस झुग्गी क्षेत्र में अपनी पत्नी, बेटों बेटियों, पोतों के साथ निवास कर रहे हैं। इसका मतलब है कि वे अछूत नहीं हैं। दिवाली के अवसर पर इन रोगियों की सहायता के लिए एक दान अभियान का आयोजन किया गया था। एनएसएस इकाई मण्डी ने दिनांक 10 अक्टूबर, 2017 को कुष्ठ रोग से पीड़ित लोगों के लिए एक दान कार्यक्रम का आयोजन किया, जो मण्डी शहर के पास रघुनाथ के पद्धर के रहने वाले हैं। उनमें से अधिकांश हिमाचल प्रदेश के अलग-अलग जिलों से हैं और कुछ उत्तराखण्ड, बंगाल के साथ-साथ नेपाल देश से भी हैं।



कुष्ठ रोगियों के साथ समूह चित्र

एनएसएस स्वयं सेवकों ने इन लोगों से मुलाकात की और इनकी समस्याओं को सुना तथा हमारे समाज के इस समुदाय के लिए कुछ करने का आश्वासन दिया। दान के भागस्वरूप स्वयं सेवकों ने 4800.00 रु. संचित किये और भोजन, फल, मिठाई और गर्म चादरें दान की। वे सभी बहुत प्रसन्न हैं और मण्डी समुदाय का धन्यवाद करते हैं कि उन्होंने उनके जीवन के उत्थान के लिए एक कदम उठाया। सभी स्वयं सेवक इसी प्रतिबद्धता के साथ परिसर में आये कि वे उनके लिए कुछ करेंगे। सभी स्वयं सेवक दान के बाद उनके भविष्य के लिए योजना पर विचार करते हैं और अंत में स्वयं सेवकों को जलपान कराया जाता है।

सुकेत वरिष्ठ नागरिक गृह सुन्दरनगर की यात्रा

छात्र और स्वयं सेवक दिवाली समारोह पर सुकेत वरिष्ठ नागरिक गृह, देहरी सुन्दरनगर, मण्डी गए। यात्रा का मुख्य उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों के लिए परिचित माहौल बनाना और वरिष्ठ नागरिकों के साथ अच्छे तरीके से दिवाली का आयोजन करना है। छात्रों ने वरिष्ठ नागरिकों के साथ बातचीत की और उनकी समस्याओं और हालात को समझने की कोशिश की, जिनके कारण वे अपने परिवार से अलग हुये थे। छात्र स्वयं सेवकों ने संचित 6000.00 रु. और

आगामी सर्दी के लिए रजाईयां दान की। स्वयं सेवकों ने दिवाली के अवसर पर फल, मिठाईयां वितरित की और उनके लिए विशेष रात्रिभोज की व्यवस्था की।



रजाई के साथ छात्र स्वयं सेवक और वरिष्ठ नागरिकों के साथ एक समूह चित्र रक्तदान दान शिविर

रक्तदान सबसे महत्वपूर्ण योगदान है जो एक व्यक्ति समाज में कर सकता है। किसी भी व्यक्ति के लिए रक्तदान करना हानिकारक नहीं है। दाता का शरीर कुछ दिनों के भीतर रक्त को पुनः उत्पन्न कर सकता है। रक्त की कमी की समस्या को ध्यान में रखते हुए दिनांक 28 अक्टूबर, 2017 को एनएसएस-भा.प्रौ.सं. मण्डी द्वारा ब्लड बैंक जोनल अस्पताल के सहयोग से एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इसका आयोजन ब्लड बैंक, जोनल अस्पताल मण्डी और चिकित्सा इकाई मण्डी, कमान्द के सहयोग से किया गया था। यह दोपहर लगभग 01:00 बजे शुरू हुआ और दानदाताओं के अनवरत सहयोग से सांय 5:30 बजे तक जारी रहा। शिविर में छात्रों, प्राध्यापकों और कर्मचारियों ने स्वेच्छा से भाग लिया।



स्वयं सेवक रक्त दान कर रहे हैं और जोनल अस्पताल टीम के साथ समूह चित्र

डी1लौज का उपयोग सम्भावित दाताओं की सम्पूर्ण चिकित्सा जांच के साथ-साथ रक्त दान के लिए किया गया था। रक्तदाताओं को जलपान करवाया गया। लगभग 51 यूनिट रक्त संचित किया गया। नमूनों को सावधानीपूर्वक सील किया गया और रक्त बैंक में ले जाया गया।

हम भा.प्रौ.सं. मण्डी परिसर समुदाय का इस महान् कार्य को करने के लिए धन्यवाद करते हैं।

एड्स पर जागरूकता वार्ता

एड्स एक वायरस नहीं है, बल्कि एचआईवी वायरस के कारण होने वाले लक्षणों (सिंड्रोम) का एक सेट है। एड्स एक व्यक्ति को तब होता है, जब संक्रमण से लड़ने के लिए उनकी प्रतिरक्षा प्रणाली बहुत कमजोर होती है और वे कुछ निश्चित लक्षणों और रोगों को विकसित करते हैं। यह एचआईवी की अंतिम अवस्था है, जब संक्रमण बहुत अधिक होता है, तब यदि उपचार न किया जाये तो रोगी की मृत्यु हो जाएगी।

भा.प्रौ.सं. मण्डी ने जागरूकता अनुभाग एनएसएस इकाई के तहत एड्स पर जागरूकता वार्ता आयोजित की और सरकारी वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल कमान्द के 17 छात्रों के साथ लगभग 30 स्वयं सेवकों ने सक्रिय रूप से बात की। इस अवसर पर एड्स के जिला कार्यक्रम समन्वयक, डॉ. ए. रॉय ने बात की। कमान्द और कटौला के सरकारी स्कूल के छात्रों ने भी जागरूकता वार्ता में भाग लिया। वार्ता निम्नलिखित पर आधारित है:

एड्स के बारे में आधारभूत तथ्य

- एड्स का मतलब एक्वायर्ड इम्यून डेफिसिएंसी सिंड्रोम है।
- एड्स को उच्च एचआईवी संक्रमण या देर अवस्था एचआईवी के रूप में भी जाना जाता है।
- एड्स लक्षणों और रोगों का एक समूह है, जो उच्च एचआईवी संक्रमण के परिणामस्वरूप विकसित होता है, जिसने प्रतिरक्षा तंत्र को नष्ट कर दिया है।
- एचआईवी के लिए उपचार का अर्थ है कि अधिक लोग अच्छी तरह से रहे हैं, कुछ लोगों में एड्स विकसित हो रहा है। हालांकि वर्तमान में सही उपचार और सहायता से एचआईवी का कोई इलाज नहीं है, फिर भी एचआईवी वाले लोग लम्बा और स्वस्थ जीवन जी सकते हैं। ऐसा करने के लिए उपचार सही ढंग से लेना और किसी भी सम्भावित दुष्प्रभावों से निपटना विशेष रूप से महत्वपूर्ण है।

एड्स की सावधानियां:

दस्ताने पहनें:

- जब आपको खुले या भरते हुये घाव या त्वचा में संक्रमण होता है।
- जब रक्त या शरीर के तरल पदार्थ, स्राव, उत्सर्जन या गैर बरकरार त्वचा के सम्पर्क में होते हैं।
- जब रक्त या शारीरिक तरल पदार्थ से दूषित सतह या सामग्री से सम्पर्क आए।
- जब रक्त वाहिका में छिद्र अथवा अन्य पहुंच सम्बन्धी कार्य किये जाने हों।
- सफाई या परिशोधन प्रक्रियाओं को करते समय।



वार्ता में भाग लेने वाले स्वयं सेवक और स्कूली छात्र तथा डॉ. रॉय वार्ता करते हुए

- फटे या छिद्रित दस्ताने तुरन्त बदल दें।
- प्रत्येक मरीज के लिए नए दस्ताने का उपयोग करें।
- रक्त या शरीर के तरल पदार्थ की बूंदों को उत्पन्न करने की सम्भावना के दौरान सुरक्षात्मक आँख पहनने, मुखौटा या चेहरे की ढाल (सुरक्षा चश्मा या चश्में के साथ) पहनें।
- सामान्य तौर पर एड्स वायरस से संक्रमित व्यक्तियों की नियमित देखभाल के लिए सुरक्षात्मक आँख पहनने, मास्क और कपड़ों की आवश्यकता नहीं होती है।
- जब रक्त या शरीर के तरल पदार्थ की बौछार हो सकती हो तो गाउन पहनें।

हाथ धोना:

- रोगी के सीधे सम्पर्क में आने से पहले और बाद में।
- रक्त या शरीर के तरल पदार्थों द्वारा दूषित होने पर जल्दी और अच्छी तरह से।
- दस्ताने उतारने के बाद।
- दस्ताने के फटने या संदिग्ध दस्ताने के रिसाव के बाद।
- कार्य क्षेत्र छोड़ने से पहले।
- दस्ताने का उपयोग हाथ धोने की आवश्यकता को समाप्त नहीं करता है। संक्रमण की रोकथाम के लिए हाथ धोना सबसे महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं में से एक है।

स्वच्छता अभियान

भारत सरकार का 'स्वच्छ भारत अभियान' (साफ भारतीय मिशन) देश की सड़कों और बुनियादी ढांचे को साफ करने के लिए 4041 वैधानिक नगरों को सम्मिलित करने वाला एक राष्ट्रीय स्तर का अभियान है। यह अभियान दिनांक 2 अक्टूबर, 2014 को प्रधान मन्त्री नरेन्द्र मोदी द्वारा अधिकारिक रूप से शुरू किया गया था।



यह अभियान भारत का अब तक का सबसे बड़ा स्वच्छता अभियान है और इस आयोजन में 3 मिलियन सरकारी कर्मचारियों और भारत के स्कूलों और कॉलेजों के छात्रों ने भाग लिया। स्वच्छ भारत मिशन के इस विचार का समर्थन करने के लिए एनएसएस इकाई भा.प्रौ.सं. मण्डी ने दिनांक 24 मार्च, 2018 को परिसर में और परिसर के बाहर दिनांक 24 मार्च, 2018 को स्वच्छता अभियान का आयोजन किया और इसे सफल बनाने के लिए 50 छात्रों, स्वयं सेवकों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों को उनके जीवन में अच्छी आदतों के बारे में प्रेरित करना था।

छात्रों ने एक "स्वच्छता प्रतिज्ञा" ली और फिर लगभग 3 घण्टे तक "स्वच्छता अभियान" की गतिविधियों में लगे रहे। इस अभियान के परिणामस्वरूप कमान्द परिसर के अन्दर/बाहर 200 से अधिक बेकार सामग्री के बैग संचित किये गये। स्वच्छता अभियान में भाग लेने वाले सभी लोगों ने हमारे परिसर को साफ करने और इसे कचरा मुक्त बनाने के लिए बहुत प्रयास किए। कार्यक्रम का मकसद स्वयं सेवकों को अपने दैनिक जीवन और समाज में स्वच्छता को बढ़ावा देने और बनाए रखने के लिए तैयार करना है। लहर अब चल पड़ी है और यह केवल बड़ी होने जा रही है, क्योंकि हमारी योजना के केन्द्रीय स्तम्भों में से एक हिमालयी परिदृश्य की सुन्दरता को बनाए रखते हुए समाज की सेवा करना है।

दान :

राष्ट्रीय नेत्रहीन संघ कुल्लू के लिए दान संग्रह अभियान

हमारे परिसर में अगस्त, 2017 को निधि अभियान आयोजित किया गया था। समुदाय की प्रतिक्रिया उदारता वाली थी और भा.प्रौ.सं. मण्डी के लगभग 60 बी.टैक. छात्रों ने 7240.00 रु. दान में दिये। यह संचित नकद धन राशि राष्ट्रीय नेत्रहीन संघ कुल्लू (कुल्लू में नेत्रहीनों के लिए संचालित एक आधिकारिक स्कूल) को दान की गई।

डीएमजे अनाथालय के लिए दान संग्रह अभियान

हमारे परिसर में अक्टूबर, 2017 में निधि अभियान आयोजित किया गया था। समुदाय की प्रतिक्रिया उदारता वाली थी और भा.प्रौ.सं. मण्डी के लगभग 100 छात्रों ने 5000 रु. दान में दिये। इस संचित धनराशि का उपयोग दिवाली के अवसर पर अनाथों के लिए विशेष रात्रिभोज का आयोजन करने के लिए किया गया।

कुष्ठ रोगियों के लिए दान संग्रह अभियान

हमारे परिसर में अक्टूबर, 2017 में निधि अभियान आयोजित किया गया था। समुदाय की प्रतिक्रिया उदारता वाली थी और भा.प्रौ.सं. मण्डी के लगभग 80 बी.टैक. छात्रों ने 4800.00 रु. दान में दिये। इस संचित दान की धनराशि का उपयोग तीसरे दान कार्यक्रम में जोनल अस्पताल मण्डी के पास रघुनाथ का पदर में रहने वाले कुष्ठ रोगियों के लिए गर्म बिस्तर की चादरें दान करने के लिए किया गया।

सुकेत वरिष्ठ नागरिक गृह सुन्दरनगर

हमारे परिसर में अक्टूबर, 2017 में निधि संग्रह अभियान आयोजित किया गया था। समुदाय की प्रतिक्रिया उदारता वाली थी और भा.प्रौ.सं. मण्डी के लगभग 50 छात्रों ने 6000.00 रु. दान में दिये। इस संचित दान राशि से सुकेत वरिष्ठ नागरिक गृह सुन्दरनगर के लिए रजाईयां दान में दी।

मार्गदर्शन एवं परामर्श सेवा (जीसीएस)

मार्गदर्शन एवं परामर्श सेवा की वर्ष 2016-17 की गतिविधियां निम्नलिखित अनुभागों में वर्गीकृत हैं:

1. पाँच सप्ताह का परिचय कार्यक्रम (5डब्ल्यूआईपी)

बी.टैक. प्रवेशी बैच के छात्रों के लिए पाँच सप्ताह का परिचय कार्यक्रम दिनांक 1 अगस्त से 2 सितम्बर, 2017 तक आयोजित किया। इसमें (5 डब्ल्यूआईपी) 70 से अधिक प्राध्यापक सम्मिलित थे। जीसीएस के कार्य निम्नलिखित थे—पूर्व आगमन परामर्श और आगमन पर प्रवेश के लिए मार्गदर्शन, अभिमुखी कार्यक्रम का आयोजन, सभी गतिविधियों

का समन्वय, समय सारणी बनाना, अनौपचारिक गतिविधियों तथा विशेष व्याख्यानो का संचालन करना ।



2. अनुस्थापन कार्यक्रम

क. पीजी/पीएच.डी. छात्र: भा.प्रौ.सं. मण्डी में आने वाले स्नातकोत्तर/पीएच.डी. छात्रों को शैक्षिक, अनुसंधान और छात्र जीवन से परिचित कराने के लिए अनुस्थापन कार्यक्रम का आयोजन किया गया । साल 2017-18 में ऐसे दो कार्यक्रमों का आयोजन किया गया था । ऑड और ईवन सेमेस्टर में दाखिला लेने वाले छात्रों के लिए दिनांक 8 अगस्त, 2017 और दिनांक 13 फरवरी, 2018 को अनुस्थापन कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।



ख डब्ल्यूपीआई छात्र: आगंतुक छात्रों के लिए पाँच दिवसीय परिचय कार्यक्रम में मार्च, 2018 को अनुस्थापन कार्यक्रम का आयोजन किया गया । इस कार्यक्रम में परिचयात्मक वार्ता सत्र और परिसर में भ्रमण सम्मिलित था ।

तकनीकी सभा:

भा.प्रौ.सं. मण्डी की तकनीकी सभा अन्तः महाविद्यालय तकनीकी उत्सव आविष्कार का आयोजन करती है

विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद् (एसएनटीसी), जोकि भा.प्रौ.सं. मण्डी की तकनीकी सभा है, ने दिनांक 20 मई, 2017 को अपना अन्तः महाविद्यालय उत्सव का आयोजन किया । आईसी161पी कोर्स और आविष्कार के तहत डॉ. हितेश

श्रीमाली, डॉ. गोपी रेड्डी, डॉ. अंकुश बाग, डॉ. कुनाल घोष के मार्गदर्शन में बी.टैक. प्रथम वर्ष के 151 छात्रों ने 25 तकनीकी परियोजनाएं बनाईं। इन परियोजनाओं को इस दिन आम स्थल में प्रदर्शित किया गया।

परियोजनाओं में निम्नलिखित सम्मिलित थीं—रिमोट गृह स्वचालन जहां आप कमरे में कहीं से भी रोशनी, पंखे, अवरोधन या खुले दरवाजे को नियंत्रित कर सकते हैं; स्वचालित सिंचाई प्रणाली, जिसके कारण किसानों को सुबह 4 बजे फसलों को पानी देने के लिए जागने के लिए परेशान नहीं होना पड़ता है। संवेदक मिट्टी में पानी की मात्रा को समझते हैं और स्वचालित रूप से मिट्टी की सिंचाई करते हैं; ईशारा— जो लोग बोल नहीं सकते, उनके लिए मदद करने वाला हाथ, उनके हाथ के संकेत श्रव्य संकेतों में बदलने के लिए इस उपकरण का उपयोग कर सकते हैं, मौसम डेटा एकत्र करने और रिपोर्ट तैयार करने के लिए मौसम स्टेशन; एक भूस्खलन भविष्यवाणी प्रणाली, नेत्रहीनों के लिए मार्गदर्शक छड़ी, एक रोबोट जो चित्र बना सकता है; स्वचालित अग्निशमक आदि अनेक और भी परियोजनाएं प्रस्तुत की गईं।

छात्रों ने स्कूली छात्रों के साथ—साथ भा.प्रौ.सं. मण्डी के छात्रों और प्राध्यापकों को भी अपनी परियोजनाएं दिखायी।

उसी समय, सत्र 2016–17 में कई एसएनटीसी क्लब, जैसे कि रोबोटिक्स और इलैक्ट्रॉनिक्स क्लब, एस्ट्रोनोमी क्लब, सिविल क्लब (निर्माण), यांत्रिकी क्लब (यांत्रिक), एसई सुप्रा टीम ने अपने क्लब की गतिविधियों का प्रदर्शन किया। सुप्रा टीम एक दौड़ने वाली कार बना रही है जो अखिल भारतीय स्तर पर वार्षिक सुप्रा प्रतिस्पर्धा करेगी। रोबोटिक्स क्लब के सदस्यों ने वार्षिक अन्तः भा.प्रौ.सं. मिलन में दूसरा स्थान प्राप्त किया। प्रोग्रामिंग क्लब के चार छात्रों को अत्यधिक प्रतिष्ठित गूगल समर कोड में चुना गया। खगोल विज्ञान क्लब के सदस्यों ने एक दूरबीन का निर्माण किया और पराशर में सितारों को देखने के लिए एक रात का आयोजन भी किया। भा.प्रौ.सं. कानपुर में दिनांक 25 से 26 मार्च, 2017 को आयोजित अन्तः भा.प्रौ.सं. तकनीकी मिलन में सभी भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों में से भा.प्रौ.सं. मण्डी कुल मिलाकर चौथे स्थान पर रहा।

सुप्रा 18

भारत ऑटोमेटाइज़ इंजीनियरों की सोसाइटी (एसई) द्वारा 'सुप्रा' नामक कार्यक्रम का आयोजन माह जून में दिनांक 10 से 16, 2018 तक किया गया। यह एक तरह का छात्र फार्मूला रेस कार कार्यक्रम है, जिसमें छात्र अलग-अलग कोलाज की रूपरेखा और अपना फॉर्मूला 1 प्रकार का वाहन बनाते हैं और प्रतियोगिता में प्रतिनिधित्व करते हैं। भा.प्रौ.सं. मण्डी ने हमारे अपने डिज़ाइन और फॉर्मूला 1 प्रकार वाहन के साथ भाग लिया, जिसका डॉ. अर्पण गुप्ता और डॉ. अतुल धर के मार्गदर्शन में भा.प्रौ.सं. मण्डी के 'सुप्रा क्लब' में डिज़ाइन और निर्माण किया गया।

शीर्ष कोडर हैकथॉन और वार्ता

शीर्ष कोडर हैकथॉन

छात्रों के विकास कौशल को सुधारने के लिए प्रोग्रामिंग क्लब और एसीएम चैप्टर ने हैकथॉन का आयोजन किया, जो 24 घण्टे लम्बा कार्यक्रम था, जहां छात्रों को एंड्रॉइड और वेब विकास की अवधारणाओं का उपयोग करके अनुप्रयोग विकसित करने थे जो कि "शिक्षा" नामक विषय पर आधारित थे। इस तरह की प्रतियोगिता छात्रों को विभिन्न समस्याओं और बाधाओं का भी ज्ञान कराती है, जो वास्तविक दुनिया की समस्याओं के समाधान विकसित करते समय उत्पन्न होती हैं। इस आयोजन में विभिन्न विषय और क्षेत्रों के 90 से अधिक छात्रों की बड़ी भागीदारी रही।

सभी प्रोग्रामिंग क्लब और एसीएम चैप्टर के सदस्यों के संयुक्त प्रयास से हैकथॉन का प्रबन्ध किया गया। चतुर्थ वर्ष के छात्र साहिल अरोड़ा और प्रिय सक्सेना को 24 घण्टे के दौरान छात्रों की सहायता करने और प्रेरित करने के लिए विशेष धन्यवाद है।

विजेता:

1. गगनदीप तोमर, भाव्या भट्ट, चिराग वशिष्ठ
2. प्रत्यूष गौरव, शास्वत गर्ग, अनन्त मिश्रा

3. ऋषिकेश सारोडी, ऋषिकेश सागर, ऋत्त्विक साहा

टॉप कोडर वार्ता— सीएस अवर स्नातक छात्र के लिए समय की आवश्यकता क्या है?

हैकथॉन प्रतियोगिता के इलावा एसीएम चैप्टर वार्ता के एक भाग के रूप में टॉप कोडर वरिष्ठ प्रचारक हर्षित मेहता ने भी इस विषय (एक सीएस अवर स्नातक छात्र के लिए समय की आवश्यकता क्या है) पर एक वार्ता की। इस वार्ता में कई छात्रों ने भाग लिया, जहां छात्रों ने सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में सम्भावित कैरियर के अवसरों के बारे में जाना और अपने कोडिंग कौशल को सुधारने के तरीके की भी जानकारी प्राप्त की।

कार्यक्रम की दिनांक: 17–18 नवम्बर, 2017

उत्कर्ष

भा.प्रौ.सं. मण्डी के ऑड समैस्टर में 'उत्कर्ष' एक अन्तः महाविद्यालय तकनीकी समारोह है। इसका आयोजन दिनांक 10, 11 और 12 नवम्बर 2017 को किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी चतुर्थ वर्ष, बी.टैक. के 150 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद् (एसएनटीसी) के अनेक क्लबों ने 'उत्कर्ष' में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये, जिनका वर्णन निम्न प्रकार से है:

1 व्हाट्स-अप

इसमें छात्रों को रात के आकाश में विद्यमान 5 यादृच्छिक वस्तुएं दी गईं। उन्हें लेज़र पॉइण्टर और स्टार चार्ट दिए गए। प्रत्येक सही वस्तु बताने के लिए उन्हें नम्बर मिले। तब छात्रों को उन 5 वस्तुओं में से एक को संरेखित करने के लिए दूरबीन का उपयोग करना पड़ा। तब उन्हें एक त्वरित प्रश्नोत्तर सत्र का सामना करना पड़ा। इस कठोर गतिविधि के बाद विजताओं का फैसला किया गया था। छात्रों ने कुछ शूटिंग सितारों को भी देखा। यह आयोजन एसटीएस अर्थात् स्पेस टेक्नोलॉजी और एस्ट्रोनोमी सेल क्लब के समन्वयक श्रेयस बापत और गर्वित माथुर द्वारा आयोजित किया गया था।



2 ऑक्युलेशन

यह एक ऐसा कार्यक्रम था, जिसके लिए एक छात्र को अंतरिक्ष भौतिक विज्ञान, कॉस्मोलॉजी और अंतरिक्ष तकनीकी का बहुत अधिक ज्ञान होना अनिवार्य था। छात्रों को अंतरिक्ष तकनीकी, नक्षत्र विज्ञान, नक्षत्र भौतिकी विज्ञान और ब्रह्माण्ड विज्ञान से सम्बन्धित अपनी रुचि का कोई एक विषय तैयार करना था। वे या तो इस पर लेख बनाते या अपने विषयों पर एक पावर पॉइण्ट प्रस्तुति दे सकते थे। फिर छात्रों को दर्शकों के सामने विषय प्रस्तुत करना था, जिसमें निर्णायक मण्डल भी सम्मिलित था। यह आयोजन एसटीएस अर्थात् स्पेस टेक्नोलॉजी और एस्ट्रोनोमी सेल क्लब के समन्वयक श्रेयस बापत और गर्वित माथुर द्वारा आयोजित किया गया था। इस आयोजन के दौरान जितेश कुमार गुप्ता, परामर्शदाता सह समन्वयक, इन्द्रेश कुमार और स्वप्निल शर्मा ने बहुत सहायता की।

3 रेल ट्रैकर

यह कार्यक्रम केवल प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए आयोजित किया गया था, जिसमें उन्हें एक रोबोट बनाना था जो ट्रैक पर अपने बीच में लाइन का पालन कर सकता है और उन्हें ट्रैक में त्रुटियों (जैसे ट्रैक का विस्तार या टूटी हुई ट्रैक) का पता लगाना होगा। आयोजन का मुख्य उद्देश्य छात्रों को यह बताना था कि महत्वपूर्ण समस्याओं का समाधान (यहां वे सीखते हैं कि कैसे ट्रैक में त्रुटियों का पता लगाने से रेल दुर्घटनाओं और इसके समान अन्य दुर्घटनाओं से बचा जा सकता है) करने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग कैसे किया जा सकता है। प्रथम वर्ष के कुल 55 छात्रों में से अधिकतम 5 छात्रों के समूह ने भाग लिया। छात्रों ने वास्तव में आनन्द लिया और अपने बॉट बनाने में बहुत कुछ सीखा। इस कार्यक्रम का आयोजन क्लब के समन्वयक सूर्यवंशी विरेन्द्र सिंह, सानिध्य अग्रवाल और लक्ष्य अरोड़ा ने किया था।



4. रोबोसैसर:

यह एक ऐसा कार्यक्रम था, जो कि मनोरंजन के साथ रोबोटिक्स में छात्रों की रुचि बढ़ाने के लिए आयोजित किया गया था। उत्कर्ष में इस तरह का आयोजन होने का यह पहला मौका था जब उन्होंने अन्तः महाविद्यालयों और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित प्रतियोगिताओं का विचार रखा। छात्रों को एक बॉट बनाना था, जिसकी भूमिका खिलाड़ी के साथ-साथ कीपर की भी थी और उन्हें इसे ब्लूटूथ के माध्यम से बेतार विधि से नियंत्रित करना था। 4 छात्रों के समूहों में कुल 80 छात्रों ने भाग लिया। बच्चों ने वास्तव में अपने बॉट का आनन्द लिया और बॉट के लिए अभिनव डिज़ाइन के साथ आ रहे थे और इस कार्यक्रम का सबसे मनोरंजक भाग स्नैक्स के साथ बॉट्स का मैच था जिसका सभी ने मजा लिया। इस कार्यक्रम को देखने के लिए भारी भीड़ जमा हुई थी। इस कार्यक्रम का आयोजन क्लब के समन्वयक सूर्यवंशी वीरेन्द्रसिंह, सानिध्य अग्रवाल और लक्ष्मी अरोड़ा ने किया था।

5. पत्थर पर कब्जा

पत्थर पर कब्जा एक 19 घण्टे का सीटीएफ कार्यक्रम था जो कि प्रोग्रामिंग क्लब और एसीएम चैप्टर द्वारा संयुक्त रूप से दिनांक 10-11 नवम्बर, 2017 को आयोजित किया गया था। यह भा.प्रौ.सं. मण्डी का पहला सीटीएफ कार्यक्रम था। यह कार्यक्रम एक प्रतियोगिता थी, जिसमें प्रतिभागियों को ऑनलाईन प्लेटफॉर्म पर स्तरों को अनलॉक करके चाबी को खोजने के लिए संकेत दिए गए थे, जिसे भा.प्रौ.सं. मण्डी के एक छात्र (अभिज्ञान खौड़) द्वारा पूर्ण रूप से विकसित किया गया था। इस कार्यक्रम को बहुत सफल बनाने के लिए सभी विषयों के 90 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। भा.प्रौ.सं. मण्डी में सीटीएफ का पहला कार्यक्रम होने के नाते यह सभी प्रतिभागियों के लिए सीखने का भी अनुभव था, जो अब जानते हैं कि इस तरह की प्रतियोगिता में समस्याओं का समाधान कैसे जाना जाएगा और विभिन्न बहुराष्ट्रीय कम्पनियों, महाविद्यालयों आदि द्वारा

आयोजित अन्य सीटीएफ में भाग लेने में अधिक अच्छा अनुभव करेंगे।

6. ट्रिडेंट की लड़ाई

प्रोग्रामिंग क्लब और एसीएम चैप्टर दोनों द्वारा दिनांक 11 नवम्बर को आयोजित ट्रिडेंट की लड़ाई एक कोडिंग प्रतियोगिता थी। प्रतियोगिता में कोड फाइट्स प्लेटफॉर्म पर प्रतिभागियों के बीच एक मैच के लिए एक शामिल था जो एक प्लेटफॉर्म में उसी के लिए विकसित हुआ था। दोनों क्लब कॉलेज में प्रोग्रामिंग के स्तर को सुधारने के लिए कार्य कर रहे थे और इस आयोजन ने छात्रों को यह जानने का अवसर दिया कि उन्होंने क्या सीखा है। इस तरह के आयोजन व्यक्तियों को विभिन्न प्रोग्रामिंग अवधारणाओं के सम्बन्ध में उनके सामर्थ्य और कमजोरियों का अनुभव कराते हैं और उनका सुधार करने में सहायता करते हैं। सभी वर्षों और विभागों के 30 छात्रों ने भाग लिया। यह हितेश रामचंदानी और अभिषेक शर्मा (समन्वयक, प्रोग्रामिंग क्लब), आकाश शर्मा (अध्यक्ष, एसीएम चैप्टर) और सागर गुप्ता की उपस्थिति में आयोजित किया गया था।

7. वायाडक्ट

यह कार्यक्रम निर्माण क्लब द्वारा प्रथम और द्वितीय वर्ष के छात्रों के लिए आयोजित किया गया था। उन्हें 100 पॉप्सिकल स्टिक, ब्लू गन और बोटल, धागे, विलप और कागज़ के टुकड़ों का उपयोग करके एक ब्रिज मॉडल बनाना था। इस आयोजन में कुल 65 छात्रों ने भाग लिया। पुलों का भारत-परीक्षण किया गया था। विजेताओं का निर्णय अधिकतम भार के आधार पर भवन निर्माण में लगने वाले समय और उपयोग किए गए संसाधनों की मात्रा के आधार पर तय किया गया था। इस कार्यक्रम में पिछले वर्ष की तुलना में छात्रों की अपार भागीदारी देखी गई।



8. प्लॉट इट

यह निर्माण क्लब द्वारा आयोजित एक सर्वेक्षण आधारित कार्यक्रम था। छात्रों को स्तर स्थानांतरण विधि और अन्तर समतलन का उपयोग करके तीन बिन्दुओं के कम स्तर का पता लगाना था। स्वतः स्तर और कर्मचारियों को उपकरणों के रूप में उपयोग किया गया था। प्रत्येक के लिए पंजीकृत 5 सदस्यों की कुल 8 टीमों को शामिल किया गया था, लेकिन सीमित साधनों के कारण केवल चार को भाग लेने की अनुमति दी गई थी। विजेताओं को कुल स्टेशन और जीपीएस डैटा के साथ निकटतम मूल्यों के आधार पर घोषित किया गया था। छात्रों ने वास्तव में उन्नत ऑप्टिकल उपकरणों के साथ काम करने का आनन्द लिया और बहुत सारी जानकारी प्राप्त की।

4 जंकयार्ड वार्ज़

यांत्रिक क्लब द्वारा आयोजित उत्कर्ष 2017 में जंकयार्ड वार्ज़ का आयोजन किया गया था। आयोजन के दो राउंड थे। पहला राउंड दिनांक 11 नवम्बर को एससी-एनकेएन में आयोजित किया गया था, जिसमें 20 टीमों ने भाग लिया, प्रत्येक टीम में 4 सदस्य थे। इस राउंड में उन्हें सीरिज, आई-वी ट्यूब, कार्डबोर्ड, चॉपस्टिक्स और अन्य घरेलू वस्तुओं का उपयोग करके एक हाइड्रोलिक जेसीबी बनाना है। 20 टीमों में से 7

टीमों ने दूसरे राउंड के लिए क्लालिफाई किया। दूसरे राउंड में प्रतिभागियों को कबाड़ से एक गुलेल बनाने के लिए कहा गया था। इसे यांत्रिक कार्यशाला के स्टाफ की मदद से यांत्रिक कार्यशाला में आयोजित किया गया।



10. इन्नोवेशन रियोट

ई-सेल द्वारा आयोजित इन्नोवेशन रियोट एक पिचिंग कार्यक्रम था, जिसमें कारोबार विचार वाले छात्रों को पसन्द करने वाले विषय जैसे कि फिनटेक, हेल्थ टेक, आईओटी, क्लीन टेक, एजु. टेक को निवेशकों के एक पैनल (इस मामले में निर्णायक) को पिच करने की आवश्यकता होती है। पैनल प्रस्तुति, विचार की मौलिकता, आपकी समस्या के आकार, आपके समाधान और वास्तविक समय कार्यान्वयन की सम्भावना के आधार पर पिचर को चिन्हित करता है। आयोजन में कुल 6 टीमों ने भाग लिया, जिनमें से 2 विचारों ने निर्णायकों को अधिक प्रभावित किया। विजेता प्रतिभागियों को अपने विचारों को आगे बढ़ाने का मौका मिलता है और इसे भा.प्रौ.सं. मण्डी के इनक्यूबेटर कैटालिस्ट की सहायता से पूर्ण विकसित उत्पाद बनाने के लिए कार्यान्वित किया जाता है। यह उन छात्रों के लिए बहुत अच्छा था, जिन्हें पहली बार पिच किया गया था और निर्णायकों ने उन्हें सुना था। यह आयोजन हृतिक गुप्ता और निखिल गुप्ता द्वारा आयोजित किया गया था।

11. क्राउड फण्ड

ई-सेल द्वारा संचालित 'क्राउड फण्ड' प्रतिभागियों के बिक्री कौशल का परीक्षण करने के लिए एक चुनौती थी, जिसमें बिक्री के लिए एक उद्यमी का सर्वोत्कृष्ट कौशल दिखाई देता है। इस चुनौती के 2 भाग थे, एक विक्रेता (जिन्हें एक नया/तात्कालिक उत्पाद) और दूसरा निवेशक (जिनके पास आभासी धन था और वे उससे उत्पाद पर निवेश करना चाहते थे)। विक्रेताओं को अधिकतम धन जुटाने की उम्मीद है। इस आयोजन में 16 विक्रेताओं और 14 निवेशकों की भागीदारी रही। यह घटना विक्रेता के लिए प्रत्येक उत्पाद के गुण और अवगुण, बाजार और ग्राहक प्रस्तावों पर चर्चा के साथ समाप्त होती है। इस कार्यक्रम का संचालन परम कश्यप, नवनीत शर्मा और शिवम चौधरी ने किया।



इस कार्यक्रम का समापन समारोह दिनांक 19 नवम्बर, 2017 को आयोजित किया गया था, इसमें डॉ. हितेश श्रीमाली (एसएनटीसी सलाहकार) और डॉ. तुषार जैन (रोबोट्रॉनिक्स क्लब सलाहकार) द्वारा विजेताओं को प्रमाण पत्र और पदक प्रदान किये गये थे।

उत्कर्ष 2017 के दौरान ई-सेल:

प्रतिभागियों ने या तो निवेशक या विक्रेता को चुना। प्रत्येक विक्रेता को भीड़ का प्रतिनिधित्व करने और उसे अपने विचार में निवेश करने के लिए एक विचार दिया गया था। प्रत्येक निवेशक को विक्रेताओं के विचार में निवेश करने के लिए आभासी मुद्रा दी गई थी।

विक्रेताओं द्वारा अपने विचारों को पिच करने के बाद, विक्रेताओं और निवेशकों ने कुछ समय के लिए स्नेक्स खाते समय आपस में अनौपचारिक बातचीत की। निवेशकों को समझाने के लिए यह विक्रेताओं के लिए महत्वपूर्ण समय था।

सर्वश्रेष्ठ विक्रेता विज्ञापन निवेशकों को क्रमशः उनकी कमाई और निवेश पर सम्मानित किया जाता है।

भागीदारी: 55



नवोत्पाद रियोट

यह एक पिचिंग प्रतियोगिता थी, जिसमें प्रत्येक प्रतिभागी को किसी भी आवश्यक उपयोग के लिए अपना विचार देना था, जिसमें प्रदर्शन के लिए 5-6 स्लाइड्स पावर पॉइंट अनिवार्य था।

भागीदारी: 8



सांस्कृतिक सोसाइटी

अन्तः भा.प्रौ.सं. सांस्कृतिक मिलन -17, भा.प्रौ.सं. कानपुर

भा.प्रौ.सं. कानपुर ने द्वितीय अन्तः भा.प्रौ.सं. खेल मिलन की मेजबानी दिनांक 28 से 30 दिसम्बर, 2017 तक की। इस सांस्कृतिक मिलन में भा.प्रौ.सं. मण्डी के 7 क्लबों ने भाग लिया।

इसमें नृत्य, आर्ट गीक्स, संगीत, शटर बग्ज, डिज़ाइनॉटस, साहित्यिक क्लबों के 70 छात्रों ने 30 प्रस्तुतियों में भाग लिया।

हमारे संस्थान का उत्कृष्ट प्रदर्शन

प्रमुख कार्यक्रम "आर्ट ऑफ फोटोशॉप" के विजेता-डिज़ाइनॉट्स
 प्रमुख कार्यक्रम "नुक्कड़ नाटक" में चतुर्थ स्थान – ड्रामा क्लब
 प्रमुख कार्यक्रम "साइफर हस्टल" में पाँचवा स्थान – नृत्य क्लब



निकोन कार्यशाला

शटरबग्स भा.प्रौ.सं. मण्डी ने दिनांक 23 सितम्बर, 2017 को फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी कार्यशाला का आयोजन किया। यह कार्यशाला निकॉन इण्डिया द्वारा क्लब के प्रयास से आयोजित की गई थी। कार्यशाला बुनियादी स्तर से आरम्भ हुई, जो बाद में निकोन विशेषज्ञों द्वारा अग्रिम फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी प्रशिक्षण में बदल गई। वे अनुभव के लिए विभिन्न गियर के साथ-साथ कुछ व्यावसायिक कैमरे भी लाए। उन्होंने हमें कैमरों और उनके उपयोगों के विभिन्न पहलूओं को सिखाया। उनकी टीम में सुन्दरनगर के एक डीलर के साथ निकॉन इण्डिया के मुख्य तकनीकी अधिकारी सहित 4 सदस्य सम्मिलित थे। चाय को नियमित अंतराल पर दिया जाता था। कार्यशाला में कर्मचारियों, छात्रों और संकायों सहित 82 प्रतिभागियों को देखा गया।

रिपोर्ट के साथ बिल जमा किए जाते हैं।



डॉ. जॉन एंटोनी लाबाडी द्वारा कला, डिज़ाइन और उपकरण पर वार्ता

डिज़ाइनॉट्स भा.प्रौ.सं. मण्डी द्वारा दिनांक 6 मई, 2017 को अपराह्न 6 बजे ए1 एनकेएन में "कला, प्रारूप और डिजिटल उपकरण पर कुछ चिंतन" पर वार्ता का आयोजन किया गया। इस आयोजन के सम्मानित अतिथि वक्ता, डॉ. जॉन एण्टोनी लाबाडी थे, जो कि वर्तमान में यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ कैरोलिना, पेम्ब्रोक में डिजिटल आर्ट्स एण्ड मीडिया इंटीग्रेशन स्टडीज आर्ट विभाग के प्राध्यापक हैं।



डॉ. लाबाडी की गणना सबसे अधिक जाने-माने प्रारूपकारों में की जाती है, चाहे वह संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन, भारत आदि हो। उन्होंने डेटन आर्ट इंस्टीट्यूट में मूर्तिकला और चित्रकला (1969–71) का अध्ययन किया, यूनिवर्सिटी ऑफ डेटन में चित्रकला में स्नातक की उपाधि (1973) प्राप्त की। राइट स्टेट यूनिवर्सिटी (1980) से अवधारणात्मक मनोविज्ञान में मास्टर और सिनसिनाटी, ओहियो अमेरिका में सिनसिनाटी यूनिवर्सिटी के प्रारूप, वास्तुकला, कला और योजना महाविद्यालय से बहुविषयक डॉक्टरेट (1993) की। वह 1994 से पेम्ब्रोक में उत्तरी कैरोलिना विश्वविद्यालय में कला विभाग के प्राध्यापक हैं और वहां डिजिटल कला के संस्थापक हैं। पिछले 20 वर्षों के दौरान डॉ. लाबाडी की कला कृतियों को 600 से अधिक राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय प्रदर्शनियों में प्रदर्शित किया गया है और वे कई निजी संग्रहालयों में भी सहेजी गई हैं।

यह वार्ता डॉ. तृप्ति सिंह और छात्र सह-समन्वयक मोहित शर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित की गई। विभिन्न विषयों के छात्रों और प्राध्यापकों ने अपनी रुचि दिखाई और जिज्ञासु बातचीत का भाग बने। डॉ. लाबाडी ने कला के विचारों को आकर्षित करने वाली स्लाइड प्रस्तुत की, जो मुख्य रूप से डिजाइन के कार्य पर और 21वीं शताब्दी में डिजिटल उपकरणों के लिए रचनात्मक अभ्यास के सम्बन्धों पर केन्द्रित थी। उन्होंने एफआर पर कुछ दृश्य भी दिखाये थे।

इस सत्र में भा.प्रौ.सं. मण्डी के छात्रों और प्राध्यापकों की महत्वपूर्ण भागीदारी देखी गई, जिससे उनकी कला में रुचि पैदा हुई।



उत्तरी परिसर में पार्टी

उत्तरी परिसर की पाइन मैस में दिनांक 24 सितम्बर, 2017 को 'उत्तरी परिसर में पार्टी' नामक विशेष मनोरंजक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य डीजे सहित रैम्प वाक, डेयरज, कन्फैशन, डम्ब चारेडेस और अन्य लघु खेल आदि की पेशकश की गई। प्रत्येक प्रस्तुति के बाद स्नैक्स दिये गये। यह कार्यक्रम अपराह्न 7 बजे से

अपराह्न 10 बजे (3 घण्टे) तक चला और इसमें 150 लोग उपस्थित थे।

राहुल जैन और हिमांशु कुमार ने इस कार्यक्रम के कुछ चित्र खींचे हैं, जो कि निम्नलिखित हैं:



पैदल और लम्बी यात्रा

हाइकिंग और ट्रेकिंग क्लब ने अप्रैल माह में डलहौजी यात्रा का आयोजन किया। छात्रों के एक दल ने दिनांक 13 अप्रैल की रात को परिसर से प्रस्थान किया और दिनांक 14 अप्रैल 2018 को प्रातः 8 बजे डलहौजी पहुँचा। वे दोपहर का भोजन करने के बाद डलहौजी में घूमने गये। यह दल अगले दिन, दिनांक 15 अप्रैल को जौट और दियान कुण्ड तक गया। छात्र, दोपहर का भोजन करने के बाद खजियार के लिए रवाना हुये। छात्रों ने रमणीय स्थल में घूमने का आनन्द लिया और डलहौजी के लिए रवाना हुये। रात्रि में छात्रों ने बीट्स पर नृत्य किया और दिनांक 16 अप्रैल को प्रातः परिसर के लिए प्रस्थान किया।



दिवाली समारोह 2017

इस वर्ष दिवाली का समारोह सभी तीन परिसरों में अलग-अलग से मनाया गया। इसकी शुरुआत हमारे सभी तीन परिसरों को सजाने से हुई और फिर लक्ष्मी पूजा, प्रसाद और मिठाईयों का वितरण किया गया तथा पटाखे (कम ध्वनि वाले) फोड़े गये। तीनों परिसरों के सभी छात्रावासों को सजाने के लिए रोशनी का क्रय किया गया। सभी तीनों परिसरों में मिठाईया बांटी गई। मिठाईयां बांटने का कार्य अपराह्न 5 बजे से आरम्भ हुआ और रात्रि-भोज के समय तक चलता रहा। लक्ष्मी पूजा का आरम्भ दिनांक 19 अक्टूबर को अपराह्न 7 बजे हुआ। बी.टैक छात्र उमंग अग्रवाल और एमएससी छात्रा हिमानी अरोड़ा ने पूजा की।



उत्तरी परिसर में पूजा समारोह

रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 19 अक्टूबर को किया गया। इसमें दोनों परिसर के छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इसके विजेताओं की घोषणा दो दिन बाद की गई।



उत्तरी परिसर में पूजा समारोह



उत्तरी परिसर में प्रकाश



दक्षिणी परिसर में पूजा के लिए एकत्रित छात्र



सभी छात्रों को विशेष प्रसाद दिया गया। इसमें फल, “खिल” और “बताशा” सम्मिलित थे।



दक्षिणी परिसर में “आरती”

सभी तीन परिसरों में लगभग 700 छात्रों ने भाग लिया और दिवाली को यादगार मनाया।

दही हाण्डी समारोह

जन्माष्टमी के एक सप्ताह बाद छात्रों ने दही हाण्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया। यह विशेष कार्यक्रम रविवार, दिनांक 27 अगस्त को आयोजित किया गया। इसमें उत्तरी और दक्षिणी दोनों परिसरों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। ये प्रतिभागी स्नातक और अधिस्नातक छात्र थे। इस कार्यक्रम के लिए 15 दल पंजीकृत थे। प्रत्येक दल में 8 व्यक्ति थे। कुल 300 छात्रों ने भाग लिया। यह प्रमुख कार्यक्रम बी3 और बी4 के मध्य हुआ। दही हाण्डी प्रतियोगिता संगीतमयी प्रस्तुति के साथ आयोजित हुई, जहां छात्रों ने संगीत का आनन्द लिया और इस पर नृत्य किया।



मटकी तोड़ने के लिए मानव पिरामिड बनाते हुये

कोई अनिष्ट या दुर्घटना न हो इसके लिए उचित सुरक्षा की गई। यह विशेष कार्यक्रम अधिक संख्या में छात्रों की भागीदारी से सफल हुआ।

अन्य गतिविधियां:

एक्सोडिया: संस्थान का वार्षिक प्रमुख कार्यक्रम एक्सोडिया-17 का आयोजन दिनांक 7 से 9 अप्रैल 2017 को किया गया। इस समय यह सर्वोत्तम और बड़ा था। भा.प्रौ.सं. मण्डी के छात्रों ने प्रमुख तकनीकी और सांस्कृतिक आयोजन किये। इन प्रमुख कार्यक्रमों में देशभर के अनेक विश्वविद्यालयों, संस्थानों और महाविद्यालयों के छात्रों ने भाग लिया। इन तीन दिनों में छात्रों को अनुभव और तकनीकी, सामाजिक और प्रतियोगात्मक कौशल के विकास के लिए सीखने का अवसर मिला।

एक्सोडिया-17 स्मरणीय था, क्योंकि इसमें विभिन्न विश्वविद्यालयों, संस्थानों और महाविद्यालयों के लगभग 300 छात्रों का आतिथ्य किया गया। इसमें लगभग 800 लोग उपस्थित थे जो कि इन प्रमुख कार्यक्रमों के साक्षी बने। जिससे कि एक्सोडिया-17 भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान का मेगा इवेंट बना।

तकनीकी:

1. जंकयार्ड वारज़
2. रोबोवारज़
3. इंटरनेट ऑफ थिंगज़
4. हर्डल रश
5. लाईन फोलोवर
6. धारणीय विकास के लिए प्रभावी समाधान
7. निर्माण



सांस्कृतिक:

1. एक्सोडिया आईडोल
2. सिंक्रोनियन्स
3. बैण्ड स्लाम
4. वस्त्र
5. चित्रफलक
6. युव फैनैटिक
7. स्ट्रीट सोल
8. सबसे बड़ा असत्यवादी
9. बचा हुआ



अनौपचारिक

1. कमरे से पलायन
2. पेंटबॉल
3. फ्रे
4. दो अजनबियों की मुलाकात
5. खजाने की खोज
6. ट्रेकिंग
7. रिवर क्रॉसिंग
8. रैप्लिंग



कार्यशालाएं:

1. इथिकल हैकिंग
2. क्लाउड कम्प्यूटिंग
3. 3डी एनिमेशन

इन कार्यक्रमों के अतिरिक्त प्रसिद्ध कलाकारों ने सांयकालीन प्रस्तुतियां दी। दिनांक 7 अप्रैल को चार हजारी बैण्ड ने प्रस्तुति दी। दिनांक 8 अप्रैल को ईडीएम प्रदर्शन में डुअल वाइब्ज और श्री हवक्क ने मंच पर धाक जमायी। दिनांक 9 अप्रैल को डीजे तेजस ने मंच पर धाक जमायी और उपस्थित लोगों को बॉलीवुड गीतों पर नाचने के लिए प्रेरित किया। एक्सोडिया-17 के कुछ चित्र निम्नलिखित हैं—



ड्युन्स संगीत समारोह (डुअल वाइब्ज और श्री हवक्क की प्रस्तुति, दिनांक 8 अप्रैल)

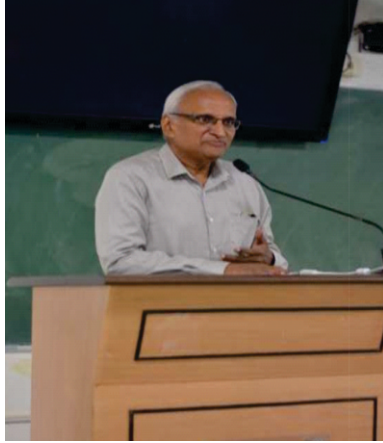


अध्यापक दिवस समारोह

“हम में से अधिकतम लोग ऐसे मर जाते हैं जिन्हें पाँच या छः लोग ही जानते हैं। अध्यापकों को सारी उम्र याद रखने वाले हजारों लोग होते हैं।”

— एन्डी रूनी

यह उद्धरण हमारे जीवन में अध्यापकों के प्रभाव और उनके कार्यों का गहन प्रभाव व्यक्त करता है। अध्यापक उस मार्गदर्शक प्रकाश के समान हैं, जो ज्ञान और समर्थन से अपने शिष्यों के जीवन पथ का संचालन करने में सहायता करते हैं। छात्र जिमखाना ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी के छात्रों की ओर से दिनांक 05 सितम्बर, 2018 को उनके अध्यापकों के प्रति कृतज्ञता और प्रेम व्यक्त करने के लिए अध्यापक दिवस का आयोजन किया। इस प्रमुख कार्यक्रम की शुरुआत अध्यापन और अधिगम अध्यक्ष, प्रा. रमेश ओरुगंटी के सम्बोधन से हुई, जिन्होंने अपने अध्यापकों के साथ अनुभव को साझा किया। डॉ. वेंकटा कृष्णन (एसोसिएट डीन) ने उनके अकादमिक और अनुसंधान जीवन को आकार देने में अध्यापकों की भूमिका के बारे में अपनी सोच और अनुभव को साझा किया।



चतुर्थ वर्ष बी.टैक छात्र (सीएसई) ने अपने अध्यापकों के साथ व्यतीत किये गये समय का मोहक संस्मरण सुनाया। तृतीय वर्ष बी.टैक. (ईई) के छात्र राहुल सिंह द्वारा वास्तव में मनोरंजक तथ्यों पर आधारित क्विज़ संचालित किया गया। उपस्थित लोगों ने इसे पसन्द किया। प्राध्यापिका ईनाक्षी भट्टाचार्य ने सही उत्तर के लिए अपनी किटी में सबसे अधिक चॉकलेट प्राप्त की। प्राध्यापिका ईनाक्षी भट्टाचार्य ने दर्शन के क्षेत्र में डॉ. राधाकृष्णन के योगदान को साझा किया और बताया कि कैसे उन्होंने विश्व मानचित्र में भारतीय दर्शन को प्रस्तुत किया।



डॉ. देविका सेठी अध्यापन व्यवसाय के लिए अच्छा विज्ञापन लेकर आईं। इससे उपस्थित छात्र अवश्य प्रभावित हुये होंगे। कार्यक्रम के सांस्कृतिक अनुभाग में नव आगंतुकों की शानदार संगीत प्रस्तुति से मन मोहित हो गया। डॉ. शुभजित राय ने रवीन्द्र संगीत की धुन के साथ मंत्रमुग्ध कर दिया।



अंत में प्रा. तिमोथी ए. गोन्सेल्वज, निदेशक, भा.प्रौ.सं. मण्डी ने एकत्रित लोगों को सम्बोधित किया और छात्रों के लिए अध्यापन सहायता पुरस्कार सहित विभिन्न वर्गों में प्राध्यापकों और विद्वानों को पुरस्कार दिये गये। निदेशक ने अपने विचारों को साझा किया और बताया कि भविष्य में अध्यापक की सीख और भूमिका कैसे विकसित हो सकती है। डॉ. श्याम कुमार मासाकपल्ली और डॉ. विश्वनाथ बालाकृष्णन को अध्यापन में निरंतर उत्कृष्टता का प्रदर्शन करने के लिए विख्यात अध्यापक का पुरस्कार मिला। डॉ. नरसा रेड्डी और डॉ. गौरव भूटानी को विख्यात नव अध्यापक पुरस्कार मिला। प्रा. रमेश ओरुगंटी ने लोकप्रिय नामांकन के आधार पर लोकप्रिय अध्यापक पुरस्कार प्राप्त किया। इस कार्यक्रम का आयोजन छात्र जिमखाना द्वारा बड़ी संख्या में छात्रों और प्राध्यापकों की भागीदारी से सफलतापूर्वक किया गया।

आगमन 2के 17

द्वितीय वर्ष के छात्रों द्वारा दिनांक 26 अगस्त को नव आगंतुक-पार्टी एवं आगमन का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस प्रमुख कार्यक्रम का आरम्भ अपराह्न 5:30 बजे आकर्षक प्रस्तुतियों से हुआ। सभी प्रस्तुतियों का तात्पर्य नवआगंतुकों को उनके वरिष्ठों के साथ सकारात्मक बातचीत के लिए प्रोत्साहित करना था। कुछ प्रस्तुतियां निम्नलिखित थीं— गुब्बारे फोड़ना, युग्मक नृत्य, रैम्प वाक और फेस ऑफ। वास्तव में सभी प्रस्तुतियां आकर्षक थीं और नवआगंतुकों की भागीदारी रोमांचक और उत्साहजनक थी। यहां तक कि द्वितीय वर्ष के छात्रों ने इसे और पेचीदा बनाने के लिए कुछ प्रस्तुतियों में भाग लिया। नवआगंतुकों को कुछ संख्या में पुरस्कार और मिस्टर/मिस फ्रेशर के नाम भी दिये गये। नवआगंतुकों के लिए स्नैक्स और प्रीतिभोज का भी प्रबन्ध किया गया। इस अद्भुत रात के अंत में, डीजे पार्टी में दोनों वरिष्ठों और कनिष्ठों ने मंच पर नृत्य कर धूम मचा दी। यह पार्टी अपराह्न लगभग 10 बजे समाप्त हुई।



रैगिंग विरोधी टीम और जीसीएस सदस्य किसी भी दुर्व्यवहार को रोकने के लिए मौजूद थे। सभी प्रमुख कार्यक्रम वरिष्ठों और कनिष्ठों के मध्य दूरी को मिटाने के लिए निश्चित रूप से सफल रहे। आयोजन की भयावहता ऐसी थी कि यह अवश्य ही परिसर में आगामी प्रमुख कार्यक्रमों के लिए मिसाल था।



स्वतन्त्रता दिवस समारोह

भा.प्रौ.सं. मण्डी में 71वां स्वतन्त्रता दिवस समारोह मनाया गया। इस कार्यक्रम की शुरुआत प्रा. तिमोथी ए. गोन्सेल्वज, निदेशक, भा.प्रौ.सं. मण्डी द्वारा ध्वजारोहण करने से हुई। इसके उपरांत सुरक्षा कर्मचारियों ने सलामी दी और सबने प्रतिज्ञा समारोह में भाग लिया, जिसकी अध्यक्षता भा.प्रौ.सं. मण्डी के कुलसचिव श्री सुशील कुमार ने की।



इसके बाद, निदेशक ने स्वराज और क्रान्ति पर बल देते हुये उपस्थित लोगों को सम्बोधित किया, जिसे गान्धी द्वारा रखा गया था। उन्होंने आत्म निर्भरता, आत्म नियम और आत्म संयम के अवरोधों से भी अवगत कराया जो कि वर्तमान समय में भी बहुत अधिक लागू हैं। माईड ट्री स्कूल और भा.प्रौ.सं. मण्डी द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया, जिसमें स्कूली बच्चों, भा.प्रौ.सं. मण्डी के अध्यापकों, कर्मचारी वर्ग और छात्रों ने विभिन्न रंगारंग प्रस्तुतियां दी।



गणतन्त्र दिवस समारोह

भा.प्रौ.सं. मण्डी में दिनांक 26 जनवरी 2018 को 69वां गणतन्त्रता दिवस मनाया। प्रा. बी.डी. चौधरी, कार्यकारी निदेशक ने राष्ट्रीय ध्वजारोहण किया। उन्होंने एकत्रित लोगों को सम्बोधित करते हुये अधिक समय तक सेवा करने के लिए राष्ट्र को परिभाषित करने वाले नेताओं का आभार व्यक्त किया।



उन्होंने शैक्षिक मान्यता के लिए संस्थान की मानक प्रणाली में योगदान करने के लिए सभी से आग्रह किया और कहा कि अपने संस्थान को लम्बे समय तक परिभाषित करने के लिए आज स्वयं को प्रतिबद्ध करें। नये प्रतिमानों को छुएं, अपने प्रयोगों के लक्ष्यों को निर्धारित करें।

स्थापना दिवस समारोह

भा.प्रौ.सं. मण्डी ने अपने स्थायी परिसर कमान्द में अपना नवम् स्थापना दिवस समारोह मनाया। इस समारोह के मुख्य अतिथि आईआईटीएम बंगलौर में प्रबन्धन कार्य के प्राध्यापक ब्रिंगी देव थे और पश्चिमी आस्ट्रेलिया विश्वविद्यालय की भूतपूर्व विनथ्रोप प्राध्यापिका हेमा श्रद्धा सम्मानित अतिथि थीं। इस अवसर पर भा.प्रौ.सं. मण्डी के प्रो. एवं निदेशक ने गणमान्य व्यक्तियों, प्राध्यापकों, कर्मचारी वर्ग और छात्रों का स्वागत किया। गणमान्य व्यक्तियों में प्रा. बी.डी. चौधरी (एमेरिटस प्राध्यापक और डीन शैक्षिक), प्रा. रमेश ओरुगंटी (एमेरिटस प्राध्यापक और अध्यापन एवं शिक्षा समिति के अध्यक्ष) और प्रा. दीपक खेमानी (डीन संकाय और भा.प्रौ.सं. मद्रास से प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त) सम्मिलित थे।





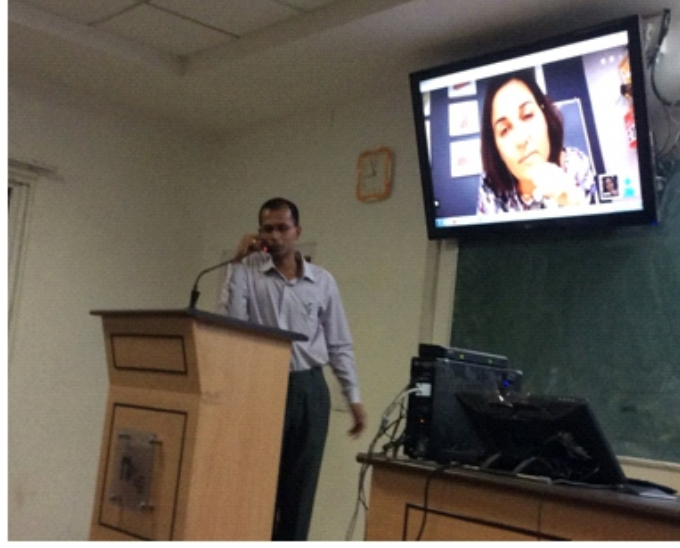
भा.प्रौ.सं. मण्डी, कमान्द परिसर के फुटबॉल मैदान में छः प्राईमरी स्कूलों ने दौड़ प्रतियोगिता में भाग लिया। इस दिन परिसर समुदाय में योगदान देने वाले छात्रों को और कर्मचारियों को उनके कार्यों में सर्वोत्तम प्रदर्शन करने के लिए तथा प्राध्यापकों को उनकी उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त प्राध्यापिका हेमा मुर्थी ने छः प्राईमरी स्कूलों (परिसर स्कूल और कमान्द के पड़ोस में स्थित चार स्कूलों) के छात्रों को खेल और कला सम्मान दिया। भा.प्रौ.सं. मण्डी में उत्कृष्ट खेल के मैदान और सुविधायें हैं और खेल कौशल पर बल देने के लिए कई गतिविधियां आयोजित की गई थीं। प्राध्यापकों, कर्मचारी वर्ग और छात्रों की उत्साही भागीदारी क्रॉस कंटरी दौड़ और रस्सा-कशी में देखी गई।

एसीएम चैप्टर की वार्ता

एसीएम चैप्टर, भा.प्रौ.सं. मण्डी ने सोमवार (1 मई) को ए1 एनकेएन में अपराह्न 7:30 बजे “विज्ञान में सॉफ्टवेयर अभियांत्रिकी” पर विशेष चर्चा की। इस वार्ता में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की एकीकृत प्रकृति और वैज्ञानिक अनुसंधान आधारित अनुप्रयोगों में सॉफ्टवेयर की भूमिका पर प्रमुख बल दिया गया। इस चर्चा में कोडिंग और एसटीईएम (विज्ञान, तकनीकी, अभियांत्रिकी और गणित) क्षेत्रों में महिलाओं पर विशेष खण्ड और सम्मान प्रतिनिधित्व बढ़ाने और बनाये रखने के तरीके भी सम्मिलित हैं।



डॉ. श्रीराम कैलासम् सहित लगभग 50 छात्रों ने इस चर्चा में भाग लिया। यह चर्चा प्रश्न/उत्तर के समय को मिलाकर 70 मिनट तक चली और कार्यक्रम के अंत में चाय के साथ व्यंजन भी दिये गये।



व्यवसाय एवं स्थानन कक्ष

व्यवसाय एवं स्थानन कक्ष ने वर्ष भर निम्नलिखित व्यवसायी परामर्श सत्रों का आयोजन किया:

1. **दिनांक 28 अगस्त 2017 को क्वांटिटेटिव अलॉगरिथम पर वेबिनार** : इस कार्यशाला की कार्यसूची क्वांटिक्स का परिचय, क्वांट वित्त और क्वांटिनेटर के साथ अलॉगरिथम का विकास करना था।

वक्ता: श्री आदित्य रंगानाथ (क्वांटिएक्स, सेन फ्रांसिस्को)

2. **भा.प्रौ.सं. मण्डी में जीडी और पीआई मूल्यांकन पर अन्तिम वर्ष छात्रों के लिए दिनांक 14 और 15 अक्टूबर, 2017 को समार्ट प्रशिक्षण**

छात्रों को निम्नलिखित मानकों पर प्रशिक्षित किया गया:

- अंग्रेजी भाषा सम्प्रेषण कौशल
- दिया गया विषय समझना
- जीडी को व्यवस्थित करने का कौशल
- सतर्कता से सुनने की योग्यता
- टीम भावना
- समय प्रबन्धन
- नेतृत्व कौशल
- आवाज़ का लहज़ा
- भाषण की दर

वक्ता : श्री जोशुवा गनाक्कान (समार्ट ट्रेनिंग रीसोर्सिज इण्डिया प्राईवेट लिमिटेड)

3. **रोबर्ट बोस्च कर्मचारियों द्वारा दिनांक 8 नवम्बर, 2017 को सूचना सत्र**

रोबर्ट बोस्च अनुसंधान और प्रौद्योगिकी केन्द्र, बंगलौर के कर्मचारी संवादात्मक और ज्ञानवर्धक सत्र के लिए भा.प्रौ.सं. मण्डी आये। इस सत्र में रॉबर्ट बोस्च में व्यवसाय और स्थानन के अवसर के बारे में जानकारी प्रदान की गई।

वक्ता: रोबर्ट बोस्च कर्मचारी

4. **छात्रों का आईबीएम, अनुसंधान प्रयोगशाला कर्मचारियों के साथ दिनांक 29 अक्टूबर, 2017 को परस्पर संवादात्मक सत्र:** इस चर्चा के दौरान छात्रों को आईबीएम, अनुसंधान प्रयोगशाला में विभिन्न कैरियर अवसरों के बारे में पता चला।

वक्ता : रश्मि मित्तल, आईबीएम अनुसंधान प्रयोगशाला

5. भा.प्रौ.सं. मण्डी में इंटरनशिप और कैरियर अवसरों के बारे में चर्चा करने के लिए दिनांक 17 नवम्बर को संवादात्मक सत्र।

वक्ता: डॉ. वरुण दत्त और डॉ. सन्नी ज़फर (प्राध्यापक सलाहकार, सीएनपी अनुभाग)

6. स्नातकोत्तर करने के बाद विभिन्न आजीविका विकल्पों के बारे में चर्चा करने के लिए स्नातकोत्तर छात्रों के साथ दिनांक 4 दिसम्बर, 2017 को सूचना सत्र

वक्ता: डॉ. वरुण दत्त (प्राध्यापक सलाहकार, सीएनपी अनुभाग)

7. **इंटरनेट अकादमी द्वारा दिनांक 17 फरवरी को एकता विकास कार्यशाला :** इस कार्यशाला ने छात्रों को आधुनिक बाजार की आवश्यकताओं को समझने में सहायता की और उपस्थित लोगों को एकता विकास के बारे में बताया तथा नये परियोजना प्रदाता बनने के लिए प्रेरित किया, जिनकी वास्तव में आधुनिक बाजार में मांग है। इस कार्यशाला का संचालन इंटरनेट बिजनेस जापान को. लिमिटेड के आमंत्रित विशेषज्ञ यूनिटी प्रशिक्षक द्वारा किया गया। वे दुनिया के प्रथम यूनिटी सरकारी प्रशिक्षण केन्द्र हैं जो कि संसार में अपने ग्राहकों को वीआर-आधारित उत्पाद वितरित करते हैं।

वक्ता: युसुकि ईरिक मेटसुमुरा, वरिष्ठ परियोजना प्रबन्धक, इंटरनेट अकादमी

8. **इंटरनेट अकादमी द्वारा दिनांक 18 फरवरी को उन्नत जावास्क्रिप्ट कार्यशाला :**

इस कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों को जावास्क्रिप्ट प्रदाताओं की मांग के लिए परिणत करना था। इस कार्यशाला में जावास्क्रिप्ट विकास परियोजनाओं के प्रमुख विषय समाविष्ट किये गये। इस कार्यशाला का संचालन आमंत्रित विशेषज्ञ, इंटरनेट बिजनेस जापान को. लिमिटेड के जावास्क्रिप्ट प्रशिक्षक द्वारा किया गया। वे संसार के प्रथम वेब विकास प्रशिक्षण केन्द्र हैं, जिनकी स्थापना टोकियो, जापान में 1995 में हुई थी।

वक्ता : श्री राकेश कुमार, इंटरनेट अकादमी

9. **भारत और आस्ट्रेलिया में आजीविका अवसरों के बारे में जानने के लिए प्रा. शारदा की दिनांक 23 फरवरी को वार्ता**

इस सत्र का उद्देश्य आस्ट्रेलिया में शिक्षा अवसरों और उपलब्ध छात्रवृत्तियों की अधिकतर जानकारी प्रदान करना था।

वक्ता: प्रा. शारदा, पूर्व में एमआईईईईई एफआईई ऑस्ट, विनथ्रोप प्राध्यापक और निदेशक दक्षिणी एशिया सम्बन्ध, यूडब्ल्यूए, आस्ट्रेलिया।

10. अमन बक्शी ने आईबीएम परियोजना पर ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण के लिए छात्रवृत्ति परीक्षा, ऑल साफ्ट सोल्यूशन्स का आयोजन दिनांक 7 मार्च को किया।

11. श्री परवेश चन्देल द्वारा दिनांक 24 मार्च, 2018 को संवाद और लेखन कौशल कार्यशाला

वक्ता: श्री परवेश चन्देल एक लेखक, कवि और वक्ता हैं। वे सटिर माई हर्ट...सटिल्ल माई सोल और द टेल ऑफ ब्लैक एण्ड व्हाइट के सर्वश्रेष्ठ विक्रयी लेखक हैं। वे विभिन्न मंचों में व्याख्यान दे रहे हैं। वे ओमसुल प्रकाशकों के सीईओ हैं। उन्हें साहित्य अकादमी ने सम्मानित किया गया है।

भूतपूर्व छात्र मामले चतुर्थ स्नातक प्रीतिभोज

इस वर्ष उत्तीर्ण होने वाले सभी छात्र-बैचों के लिए रविवार, दिनांक 21 को भा.प्रौ.सं. मण्डी के कमान्द परिसर में चतुर्थ स्नातक प्रीतिभोज का आयोजन किया गया। सभी उत्तीर्ण होने वाले 150 छात्रों में से 117 नियमित बी.टैक., 8 पीएच.डी., 3 एम.एस, 18 एम.एससी. और 4 एम.टैक. के छात्र हैं।

इस विशेष कार्यक्रम का शुभारम्भ समूह चित्रों से हुआ, जिसमें सभी बैचों के छात्र, सभी विषयों के प्राध्यापक, संकायाध्यक्ष (छात्र) और निदेशक एवं प्राध्यापक तिमोथी ए. गोन्सेल्वज उपस्थित थे। डॉ. सुमन कल्याण पाल, डीन (छात्र) के स्वागत भाषण से सत्र आगे बढ़ा। इसके पश्चात् सम्बन्धित अनुभागों के प्राध्यापक परामर्शदाताओं ने भाषण दिये। स्मृति बहुत हास्यप्रद और कुछ अश्रुपूर्ण बनी, लेकिन सभी छात्र परिसर में बिताये गये वर्षों को एक बार फिर से जीना चाहते थे। अंत में भा.प्रौ.सं. के निदेशक, प्राध्यापक तिमोथी ए. गोन्सेल्वज ने स्नातक करने वाले सभी छात्रों को बधाई दी और उन्होंने प्रत्येक छात्र से भविष्य में संस्थान के साथ लम्बे समय तक चलने वाले सम्बन्धों को बनाए रखने के लिए कहा।

इस विशेष सांय का समापन सभी उपस्थित लोगों के लिये परोसे गये स्वादिष्ट प्रीतिभोज के साथ हुआ।



2017 का उत्तीर्ण होने वाला बैच



निदेशक स्मृति चिन्ह का अनावरण करते हुये

कमान्ड में हमारा स्थायी परिसर

भा.प्रौ.सं. मण्डी, दक्षिणी परिसर में स्थायी परिसर का निर्माण अप्रैल 2012 से आरम्भ हुआ। इस समय भा.प्रौ.सं. मण्डी के दक्षिण परिसर में शैक्षिक सुविधायें, छात्रावास, भोजन करने के लिए दो खण्ड और प्राध्यापक आवास, खेल का मैदान, दोनों स्नातकों और स्नातकोत्तरों के लिए मनोरंजन सुविधाएं हैं।

उत्तरी परिसर में 1400 छात्रों के लिए छात्रावास सुविधा, 138 3बीएचके प्राध्यापक आवास, शैक्षिक खण्ड के अतिरिक्त ग्राम वर्ग भवन, जिनमें अतिथि गृह, खेल परिसर, अस्पताल और 800 लोगों के बैठने की क्षमता वाला सभागार भी है।

North Campus



North Campus

Faculty Housing



उत्तरी परिसर में 8 छात्रावास खण्ड, भोजनालय हॉल, एक शैक्षिक भवन, 44-3बीएचके प्लेट पूरे होने वाले हैं और दिसम्बर, 2018 तक अन्य छात्रावास-खण्ड / प्राध्यापक आवासीय खण्डों के निर्मित होने की उम्मीद है।



उत्तरी परिसर ग्राम वर्ग भवनों का समूह

अभिशासक मण्डल



अध्यक्ष (पदेन)

श्री सुबोध भार्गवा

टाटा कम्यूनिकेशन्स लिमिटेड के भूतपूर्व अध्यक्ष
विल्ला 69, द पाम स्प्रिंग्स
गोल्फ कोर्स रोड, सेक्टर-54
गुडगांव-122002, हरियाणा

सदस्य

प्राध्यापक तिमोथी ए. गोन्सेल्वज

अध्यक्ष प्रभारी

एवं निदेशक, भा.प्रौ.सं. मण्डी (पदेन)
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी
मण्डी-175001 (हि.प्र.)

मुख्य सचिव/सचिव (एचई)

जम्मू एवं कश्मीर सरकार
श्रीनगर-190001

प्राध्यापक (श्रीमती) बासाबी भौमिक

विद्युत अभियांत्रिकी विभाग
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली
हॉज खास, नई दिल्ली-110016
नई दिल्ली-110025

प्राध्यापक सुब्रता रे

विशिष्ट आगंतुक प्राध्यापक
अभियांत्रिकी स्कूल
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी
कमान्द-175005 (हि.प्र.)

डॉ. प्रदीप सी. परमेश्वरन

सहयोगी प्राध्यापक
आधार विज्ञान स्कूल
सचिव (पदेन)
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी
कमान्द-175005 (हि.प्र.)

मुख्य सचिव/सचिव (तकनीकी शिक्षा)

हिमाचल प्रदेश सरकार
शिमला-171002

प्राध्यापक एस.सी. सहस्राबुधे

पूर्व निदेशक
धिरूभाई अम्बानी सूचना एवम् संचार
तकनीकी संस्थान (डीएआईआईसीटी)
गान्धी नगर-382007

श्री सतीश के. कौरा

सीएमडी, सेमटेल ग्रुप,
षष्ठ मंजिल, 7 टीडीआई सेंटर
ज़िला सेंटर, जसोला

श्री राज पी. खिलनानी

भूतपूर्व डीजी, भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो
1001, सेल्लो नाइटी विंड चाइम्स
उंडेरी, पुणे-411060

सचिव

श्री विशाल सिंह चौहान
श्री सुशील कुमार (17.07.2017 से
15.12.2017 तक)
कुलसचिव/कार्यकारी कुलसचिव (पदेन)
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी
कमान्द-175005 (हि.प्र.)

* इस वर्ष अभिशासक मण्डल की बैठकें दिनांक 23.05.2017, 07.10.2017 तथा 16.02.2018 को आयोजित हुईं।

वित्त समिति

अध्यक्ष (पदेन)

श्री सुबोध भार्गवा

भूतपूर्व अध्यक्ष, टाटा कम्यूनिकेशन्स लिमिटेड
विल्ला 69, द पाम स्प्रिंग्स
गोल्फ कोर्स रोड, सेक्टर-54
गुड़गांव-122002, हरियाणा

सदस्य

प्राध्यापक तिमोथी ए. गोन्सेल्वज

अध्यक्ष प्रभारी

एवं निदेशक, भा.प्रौ.सं. मण्डी (पदेन)
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी
कमान्द मण्डी-175001 (हि.प्र.)

ब्यूरो मुख्य (तकनीकी शिक्षा)

अतिरिक्त सचिव (एच.ई.)

एमएचआरडी, शास्त्री भवन
नई दिल्ली-110016

वित्त सलाहकार

एम.एच.आर.डी.

शास्त्री भवन,

नई दिल्ली-110001

प्राध्यापक एस.सी. सहस्राबुधे

पूर्व निदेशक

धिरूभाई अम्बानी सूचना एवम् संचार
प्रौद्योगिकी (डीएआईआईसीटी)
6 बी, अंजनेय, ओरकार्ड एवेन्यु
समीप हीरा नन्दनी स्कूल
पोवेड़, मुम्बई-400076

प्राध्यापक पी. श्रीराम

प्राध्यापक एवं मुख्य

अंतरिक्ष अभियांत्रिकी विभाग

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास

चेन्नई-600036

डीन (वित्त एवं लेखा) (पदेन)

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी

कमान्द-175005 (हि.प्र.)

सचिव

डॉ. विशाल सिंह चौहान

श्री सुशील कुमार (दिनांक 17.07.2017 से दिनांक 15.12.2017 तक)

कुलसचिव/प्रभारी कुलसचिव (पदेन)

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी

कमान्द-175005 (हि.प्र.)

*इस वर्ष वित्त समिति की बैठकों का आयोजन दिनांक 23.05.2017 और 16.02.2018 को किया गया।

भवन एवं कार्य समिति

अध्यक्ष (पदेन)

प्राध्यापक तिमोथी ए. गोन्सेल्वज
निदेशक
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी
कमान्द-175005 (हि.प्र.)

डीन (अवसंरचना एवं सेवाएँ) (पदेन)

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी
कमान्द-175005, हिमाचल प्रदेश

सदस्य

प्राध्यापक बी. भट्टाचारजी

उप कुलपति
जनपद अभियांत्रिकी विभाग
भा.प्रौ.सं. दिल्ली

अभियंता ए.के. जैन

वरिष्ठ सलाहकार, भा.प्रौ.सं. मण्डी
और विशेष डीजी, सीपीडब्ल्यूडी (सेवा निवृत्त)
कमान्द -175005, हिमाचल प्रदेश

अभियंता निरंजन सिंह

मुख्य अभियंता (जनपद), सीपीडब्ल्यूडी (सेवा निवृत्त)
ए-3/202, निर्मल छाया टावर्ज
वीआईपी रोड, ज़िराकपुर
ज़िला एसएस नगर, मोहाली (पीबी) -140603

संस्थान अभियंता (पदेन)

सदस्य सचिव (दिनांक 12.02.2018)
अधीक्षण अभियंता
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी
कमान्द परिसर, ग्राम व डाकखाना कमान्द
ज़िला मण्डी-175005 (हि.प्र.)

प्राध्यापक आर.एल. शर्मा (दिनांक 31.12.2017 तक)

उपाध्यक्ष
हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय
हमीरपुर (हि.प्र.)

अभियंता उद्यान उक्खल (दिनांक 31.12.2017 तक)

प्राध्यापक
उप महाप्रबन्धक
हिमाचल प्रदेश पॉवर कोर्पोरेशन लिमिटेड
बीबीएमबी कोलोनी, सुन्दरनगर -174402

श्री के.एन. राय (दिनांक 31.12.2017 तक)

भूतपूर्व मुख्य अधिशाषी, जनपद कार्य
डीआरडीओ, सी-4, 4112
वसन्त कुंज, नई दिल्ली

प्राध्यापक सुनील आर.काले (दिनांक 31.12.2017 तक)

प्राध्यापक
यांत्रिकी अभियांत्रिकी विभाग
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली
नई दिल्ली-110026

प्राध्यापक एस. आर. गान्धी (दिनांक 31.12.2017 तक)

निदेशक
सरदार वल्लभभाई राष्ट्रीय तकनीकी संस्थान
सुरत, गुजरात-395007

सचिव

डॉ. विशाल सिंह चौहान (दिनांक 31.12.2017 तक)

श्री सुशील कुमार (दिनांक 17.07.2017 से दिनांक
15.12.2017 तक)
कुलसचिव/कार्यकारी कुलसचिव (पदेन)
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी
कमान्द-175005 (हि.प्र.)

* इस वर्ष भवन तथा कार्य समिति की बैठकें दिनांक 22.05.17 और 16.02.2018 को आयोजित की गईं।

प्रबन्ध समिति

अध्यक्ष

प्राध्यापक टी.ए. गोन्सेल्वज, निदेशक, भा.प्रौ.सं. मण्डी (पदेन)

संस्थान के सदस्य

प्रा. बी.डी. चौधरी, एमेरिटस प्राध्यापक एवं संकायाध्यक्ष (शैक्षिक), एससीईई, भा.प्रौ.सं. मण्डी

प्रा. रमेश ओरुगंति, ससम्मान सेवा निवृत्त प्राध्यापक, एससीईई, भा.प्रौ.सं. मण्डी

प्रा. केन्नथ ई. गोन्सेल्वज, सुप्रसिद्ध अभ्यागत प्राध्यापक, एसबीएस, भा.प्रौ.सं. मण्डी

डॉ. भरत एस. राजपुरोहित, सहायक प्राध्यापक एवं संकायाध्यक्ष (प्राध्यापक) (दिनांक 01.04.2016 से दिनांक 21.03.2017 तक), एससीईई भा.प्रौ.सं. मण्डी

प्रा. दीपक खेमानी, प्राध्यापक (प्रतिनियुक्ति पर) एवं संकायाध्यक्ष (प्राध्यापक) (दिनांक 22.03.2017), एससीईई, भा.प्रौ.सं. मण्डी

डॉ. सुमन कल्याण पाल, सहायक प्राध्यापक एवं संकायाध्यक्ष (छात्र), एसबीएस, भा.प्रौ.सं. मण्डी

डॉ. सुब्रता घोष, सहायक प्राध्यापक एवं संकायाध्यक्ष (अवसंरचना एवं सेवाएं), एसबीएस, भा.प्रौ.सं. मण्डी

डॉ. प्रेम फिलिक्स सिरिल, सहायक प्राध्यापक एवं संकायाध्यक्ष (स्त्रिक), एसबीएस, भा.प्रौ.सं. मण्डी

डॉ. विशाल सिंह चौहान, सहायक प्राध्यापक एवं संकायाध्यक्ष (वित्त एवं लेखा) प्रभारी, एसई भा.प्रौ.सं. मण्डी

प्रा. बी. सुब्रमण्यन, अभ्यागत प्राध्यापक, एसएचएसएस भा.प्रौ.सं. मण्डी

प्रा. सुब्रता रे, सुप्रसिद्ध अभ्यागत प्राध्यापक, एसई, भा.प्रौ.सं. मण्डी

प्रा. भवेन्द्र पाल शर्मा, संयुक्त प्राध्यापक, एसएचएसएस, भा.प्रौ.सं. मण्डी

डॉ. अनिल के. साव, सहायक प्राध्यापक एवं अध्यक्ष (दिनांक 01.04.2016 से 21.03.2017 तक), एससीईई, भा.प्रौ.सं. मण्डी

डॉ. भरत सिंह राजपुरोहित, सहायक प्राध्यापक एवं अध्यक्ष (दिनांक 22.03.2017 से), एससीईई भा.प्रौ.सं. मण्डी

डॉ. प्रसांथ जोस, सहायक प्राध्यापक एवं अध्यक्ष, एसबीएस, भा.प्रौ.सं. मण्डी

डॉ. राजीव कुमार, सहायक प्राध्यापक एवं अध्यक्ष, एसई, भा.प्रौ.सं. मण्डी

डॉ. राजेश्वरी दत्त, सहायक प्राध्यापिका एवं अध्यक्ष, एसएचएसएस, भा.प्रौ.सं. मण्डी

डॉ. वेंकटा कृष्णन, सह समन्वयक, एएमआरसी, भा.प्रौ.सं. मण्डी

डॉ. तुलिका पी. श्रीवास्तवा, सह समन्वयक, बायो एक्स सेंटर, भा.प्रौ.सं. मण्डी

डॉ. सतिन्द्र के. शर्मा, सह समन्वयक, सी4डीएफईडी, भा.प्रौ.सं. मण्डी

डॉ. प्रदीप परमेश्वरन, सहायक संकायाध्यक्ष (पाठ्यक्रम), भा.प्रौ.सं. मण्डी

डॉ. वेंकटा कृष्णन, सह समन्वयक, (अनुसंधान), भा.प्रौ.सं. मण्डी

डॉ. समर अग्निहोत्री, सहायक संकायाध्यक्ष (स्त्रिक), भा.प्रौ.सं. मण्डी

डॉ. वरुण दत्त, सहायक संकायाध्यक्ष (अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध), भा.प्रौ.सं. मण्डी

डॉ. तुलिका पी. श्रीवास्तवा, सहायक संकायाध्यक्ष (भर्ती), भा.प्रौ.सं. मण्डी

डॉ. विशाल सिंह चौहान, सहायक संकायाध्यक्ष (वित्त एवं लेखा), भा.प्रौ.सं. मण्डी

श्री नरेश सिंह भण्डारी, उप पुस्तकालयाध्यक्ष, भा.प्रौ.सं. मण्डी

डॉ. एस्ट्रिड किह्ल, अध्यक्ष, पुस्तकालय सलाहकार समिति (एलएसी), भा.प्रौ.सं. मण्डी

डॉ. वरुण दत्त, चीफ वार्डन, भा.प्रौ.सं. मण्डी

डॉ. अर्णव भावसार विनायक (एसएपी सलाहकार), भा.प्रौ.सं. मण्डी

डॉ. दिलीप ए.डी. (सीआईजी-सीएसई), भा.प्रौ.सं. मण्डी

डॉ. धीरज वी. पाटिल (सीआईजी-एमई), भा.प्रौ.सं. मण्डी
डॉ. दीपक स्वामी (सीआईजी-सीई), भा.प्रौ.सं. मण्डी
डॉ. राहुल वैश, सहायक प्राध्यापक, एसई, भा.प्रौ.सं. मण्डी
डॉ. विश्वनाथ बालाकृष्णन, सहायक प्राध्यापक, एसई, भा.प्रौ.सं. मण्डी
डॉ. कौस्तव सरकार, सहायक प्राध्यापक, एसई, भा.प्रौ.सं. मण्डी
डॉ. मनोज ठाकुर, सहायक प्राध्यापक, एसबीएस, भा.प्रौ.सं. मण्डी
डॉ. श्याम कुमार मासाकपल्ली, सहायक प्राध्यापक, एसबीएस, भा.प्रौ.सं. मण्डी
डॉ. देविका सेठी, सहायक प्राध्यापिका, एसएचएसएस, भा.प्रौ.सं. मण्डी
डॉ. सुमन सिग्रोहा, सहायक प्राध्यापिका, एसएचएसएस, भा.प्रौ.सं. मण्डी
श्री मोहम्मद शकील, सचिव, ओएसडी एवं कुलसचिव (पदेन), भा.प्रौ.सं. मण्डी
श्री अजय, छात्र अनुसंधान मामला सचिव, भा.प्रौ.सं. मण्डी
श्री रवि कुमार, छात्र महासचिव, भा.प्रौ.सं. मण्डी
श्री पवन मुक्कर, शैक्षिक मामले के सचिव, भा.प्रौ.सं. मण्डी

बाहरी सदस्य

प्रा. सुनील आर. काले
प्राध्यापक
यांत्रिकी विभाग, भा.प्रौ.सं. दिल्ली

प्रा.एन. सथ्यमूर्थी
माननीय प्राध्यापक
जवाहरलाल नेहरू उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान,
(जेएनसीएसआर) बेंगलुरु

प्रा. रोविना रोबिन्सन
प्राध्यापक, एसएचएसएस, भा.प्रौ.सं. बॉम्बे

* इस वर्ष प्रबन्ध समिति की बैठकें दिनांक 15.06.2017, 04.10.2017 और 19.02.2018 को हुई थीं।

दिनांक 31.03.2018 तक शैक्षिक कर्मचारी

निदेशक

प्रा. तिमोथी ए. गोन्सेल्वज
निदेशक

संकायाध्यक्ष

प्राध्यापक बी.डी. चौधरी
संकायाध्यक्ष (शैक्षिक)

डॉ. विशाल सिंह चौहान
संकायाध्यक्ष (वित्त एवं लेखा) प्रभारी

प्रा. दीपक खेमानी
संकायाध्यक्ष (प्राध्यापक)

डॉ. सुमन कल्याण पाल
संकायाध्यक्ष (छात्र)

डॉ. सुब्रता घोष
संकायाध्यक्ष (अवसंरचना एवं सेवाएं)

डॉ. प्रेम फिलिक्स सिरिल
संकायाध्यक्ष (स्त्रिक)

सहायक संकायाध्यक्ष

डॉ. प्रदीप परमेश्वरन
सहायक संकायाध्यक्ष (पाठ्यक्रम)

डॉ. वरुण दत्त
सहायक संकायाध्यक्ष (अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध)

डॉ. विशाल सिंह चौहान
सहायक संकायाध्यक्ष (वित्त एवं लेखा)

डॉ. वेंकटा कृष्णन
सहायक संकायाध्यक्ष (अनुसंधान)

डॉ. समर अग्निहोत्री
सहायक संकायाध्यक्ष (स्त्रिक)

डॉ. तुलिका पी. श्रीवास्तवा
सहायक संकायाध्यक्ष (भर्ती)

अध्यक्ष

डॉ. भरत सिंह राजपुरोहित
संगणक एवं विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल

डॉ. राजीव कुमार
अभियांत्रिकी स्कूल

डॉ. प्रसांथ पी. जोस (दिनांक 19.12.2017 तक)
आधार विज्ञान स्कूल

डॉ. राजेश्वरी दत्त
मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान स्कूल

डॉ. सैयद अब्बास
आधार विज्ञान स्कूल

दिनांक 31.03.2018 तक प्रशासनिक कर्मचारी

डॉ. विशाल सिंह चौहान

ओएसडी एवं कुलसचिव (25.05.2017)

अभियंता सुनील कपूर

अधीक्षण अभियंता

श्री सुशील कुमार

कुलसचिव (दिनांक 17.07.2017 से दिनांक 15.12.2017 तक)

श्री मोहम्मद शकील

ओएसडी और कुलसचिव प्रभारी (दिनांक 24.05.2017 तक)

श्री नरेश सिंह भण्डारी

उप पुस्तकालयाध्यक्ष

श्री जे. आर. शर्मा

वित्त एवं लेखा अधिकारी

श्री सी.एल. शर्मा

सहायक कुलसचिव (लेखा परीक्षा एवं लेखा)
(दिनांक 01.05.2017 तक)

श्री सुरेश कुमार रोहिल्ला

सहायक कुलसचिव (प्रशासन)

श्री विवेक तिवारी

सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)

(दिनांक 01.05.2017 तक)

(दिनांक 02.05.2017 से अब तक)

श्री विवेक तिवारी

सहायक कुलसचिव (प्रशासन)

श्री सुरेश कुमार रोहिल्ला

सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)

(दिनांक 02.05.2017 से अब तक)

श्री परमिन्दर जीत सिंह

सहायक कुलसचिव (भण्डारण व क्रय)

डॉ. चन्द्र सिंह

चिकित्सा अधिकारी

कर्मल देवांग नायक (सेवा निवृत्त)

प्रबन्धक (अवसंरचना एवं सेवाएं)

डॉ. नेहा सूद

चिकित्सा अधिकारी

डॉ. शिव नाथ झा

प्रधान खेल अधिकारी

श्री हरदीप सिंह

सुरक्षा अधिकारी

श्री सुधीर कुमार गुरंग (दिनांक 26.02.2018 तक)

दिनांक 31/03/2018 तक नियमित कर्मचारियों की सूची

क्रमांक	नाम	पदनाम
'क' वर्ग		
1	श्री नरेश सिंह भण्डारी	उप पुस्तकालयाध्यक्ष
2	श्री सुरेश रोहिल्ला	सहायक कुलसचिव (शैक्षिक)
3	श्री विवेक तिवारी	सहायक कुलसचिव (प्रशासन)
4	श्री परमिन्दर जीत	सहायक कुलसचिव (भण्डारण व क्रय)
5	डॉ. चन्द्र सिंह	चिकित्सा अधिकारी
'ख' वर्ग		
6	श्रीमती मोनिका कश्यप	अधीक्षक
7	श्री विनोद कुमार	वरिष्ठ पुस्तकालय सूचना सहायक
8	अभियंता नीरज चौहान	कनिष्ठ अभियंता (विद्युत)
9	डॉ. खुशी राम भगत	शारीरिक प्रशिक्षण अनुदेशक
10	सुश्री चन्दन शर्मा	अधीक्षक
11	श्री अभिजीत तिवारी	वरिष्ठ पुस्तकालय सूचना सहायक
12	श्री अनुज कुमार दूबे	अधीक्षक
13	श्री हरदीप सिंह	सुरक्षा अधिकारी
14	श्री पुनीत कुमार	सहायक अभियंता (जनपद)
15	श्रीमती सोनाली मल्होत्रा	वरिष्ठ पुस्तकालय सूचना सहायक
'ग' वर्ग		
16	श्री रमेश कुमार	वरिष्ठ लेखाकार
17	श्रीमती सुचेतना शर्मा	वरिष्ठ सहायक
18	श्रीमती सुषमा कुमारी	वरिष्ठ सहायक
19	श्री सुनील	वरिष्ठ सहायक
20	श्री सुशील कुमार पाल	वरिष्ठ सहायक
21	श्री अमित शर्मा	वरिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
22	श्री ललित कुमार	वरिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
23	श्री पवन कुमार	वरिष्ठ लेखाकार
24	श्री अंकुश कपिल	वरिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
25	श्री आदित्य	कनिष्ठ सहायक
26	श्री प्रकाश सिंह नेगी	कनिष्ठ सहायक
27	श्री सुजीत स्वामी	कनिष्ठ सहायक
28	श्री देश राज	कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
29	श्री दिनेश ठाकुर	कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
30	श्री तरुण वर्मा	कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
31	श्री मनोज कुमार	कनिष्ठ परिचारक

**दिनांक 31/03/2018 तक अनुबंध कर्मचारियों
(समेकित वेतन पर) की सूची**

क्रमांक	नाम	पदनाम
1.	श्री जे.आर. शर्मा	वित्त एवं लेखा अधिकारी
2.	श्री सी.एल. शर्मा	सहायक कुलसचिव (लेखा परीक्षा एवं लेखा)
3.	श्री आर.एस. राघव	तकनीकी पर्यवेक्षक
4.	श्रीमती लिषमा आनन्द	परामर्शदाता
5.	अभि. अनिल कुमार जैन	वरिष्ठ सलाहकार (अंश कालिक)
6.	श्री दौलत राम	क्षेत्रीय पर्यवेक्षक
7.	श्री पाविन एस. सैम्यूल	उप प्रशासक (छात्र)
8.	डॉ. शिव नाथ झा	प्रधान खेल अधिकारी
9.	कर्नल देवांग नायक (सेवा निवृत्त)	प्रबन्धक (अवसंरचना एवं सेवाएं)
10.	श्री ओम शंकर द्विवेदी	उप प्रबन्धक (कार्यालय स्वचालन)
11.	डॉ. नेहा सूद	चिकित्सा अधिकारी
12.	श्री मन्धीर बालि	जेई (जनपद)
13.	श्री विकास कुमार चौधरी	एई (जनपद)
14.	श्रीमती देबाश्रिता रॉय चौधरी	वैब-विषयक प्रदाता
15.	श्रीमती निमिषा एन.बी.	जीवन एवं स्थानन अधीक्षक
16.	श्री दीनदयाल	जेई (जनपद)
17.	डॉ. टविकल सूद	चिकित्सा अधिकारी
18.	डॉ. मृदु ठाकुर	चिकित्सा अधिकारी
19.	श्री कौल सिंह	शारीरिक प्रशिक्षण अनुदेशक

दिनांक 31/03/2018 तक प्रतिनियुक्त/विदेश सेवा कर्मचारियों की सूची

क्रमांक	नाम	पदनाम
1.	अभि. सुनील कपूर	अधीक्षक अभियंता
2.	श्री हेमन्त कुमार	एई (विद्युत)

छात्र नेतृत्व 2017-18

राकडे अनुराग केशव	महासचिव
कानिकरम साई सन्दीप	सांस्कृतिक सचिव
आकाश डगर	खेल सचिव
कुशाग्र सिंघल	तकनीकी सचिव
वी. साई सुब्बा राओ	साहित्यिक सचिव
अमोद कुमार चौधरी	छात्रावास मामले सचिव
जे. रघुनाथ	शैक्षिक सचिव

वर्ष 2017-18 के दौरान प्रवेशित छात्र
पी.एच.डी. छात्र-2017 बैच

क्र.सं.	अनुक्रमांक	नाम	स्कूल
1	डी 17001	मोहम्मद अमीर	एसई
2	डी 17002	मोहम्मद कामरान	एसई
3	डी 17003	अजीत रे	एसई
4	डी 17004	आशीष कुमार	एसई
5	डी 17005	तरुण सेमवाल	एसई
6	डी 17006	अहमद राज़ा	एसई
7	डी 17007	स्मृति शर्मा	एसई
8	डी 17009	महक महाजन	एसएचएसएसएस
9	डी 17010	नुपुर बन्दयोपाध्याय	एसएचएसएसएस
10	डी 17011	दीक्षा ठाकुर	एसबीएस
11	डी 17012	आर्णया कर	एसबीएस
12	डी 17013	जसकिरज सिंह ब्रा	एसबीएस
13	डी 17014	योगेश पन्त	एसबीएस
14	डी 17015	रित्विक घोष	एससीईई
15	डी 17016	क्षितिज शाक्या	एससीईई
16	डी 17017	सचिन चौहान	एससीईई
17	डी 17018	चौरासिया रोहित	एससीईई
18	डी 17019	विश्वेन्द्र प्रताप	एसई
19	डी 17020	मुनीस्वर्ण पी	एससीईई
20	डी 17021	मोरालि कृष्णा. एच	एससीईई
21	डी 17022	अवनीश कुमार	एससीईई
22	डी 17023	अंकिता देओ	एससीईई
23	डी 17024	जोय जोन्सन	एससीईई
24	डी 17025	सुकेश कुमार दास	एससीईई
25	डी 17026	शिवम गुजराल	एससीईई
26	डी 17027	प्राची गुप्ता	एससीईई
27	डी 17028	सुमित चौधरी	एससीईई
28	डी 17029	अनुज वर्मा	एससीईई
29	डी 17030	दीपशिखा पाण्डा	एससीईई
30	डी 17031	दाल चन्द अहिरवार	एससीईई
31	डी 17032	रविन्द्र कौशिक	एसबीएस
32	डी 17033	आस्था सिंह	एसबीएस
33	डी 17034	ईश्वर चन्द्र मण्डल	एसबीएस
34	डी 17035	बिदिसा बिस्वास	एसबीएस
35	डी 17036	भुवन उपाध्याय	एसबीएस
36	डी 17037	शमिम एसके	एसबीएस
37	डी 17038	गुरप्रीत कौर	एसबीएस
38	डी 17039	सोनू चिल्लर	एसबीएस

39	डी 17040	रक्तिम भट्टाचार्य	एसबीएस
40	डी 17041	अभिषेक त्रिपाठी	एसबीएस
41	डी 17042	शुभांगी द्विवेदी	एसबीएस
42	डी 17043	आदित्य यादव	एसबीएस
43	डी 17044	पवन कुमार मण्डल	एसबीएस
44	डी 17045	कार्तिक साहू	एसबीएस
45	डी 17046	कृष्णन कुमार	एसबीएस
46	डी 17047	प्रसान्थ सेनी	एसई
47	डी 17048	गुरप्रीत सिंह	एसई
48	डी 17049	विक्रम सिंह चन्देल	एसई
49	डी 17050	यति अग्रवाल	एसई
50	डी 17051	साहिल शर्मा	एसई
51	डी 17052	सौरव शर्मा	एसई
52	डी 17053	अंकुर गर्ग	एसई
53	डी 17054	हेमन्त ठाकुर	एसई
54	डी 17055	भूपिन्द्र सिंह	एसई
55	डी 17056	मिर खुशीद आलम	एसएचएसएस
56	डी 17057	पापरी सेकिया	एसएचएसएस
57	डी 17058	नवदीप कौर	एसएचएसएस
58	डी 17059	केशव भारद्वाज	एसबीएस
59	डी 17060	कुमार उदित सौम्या	एसबीएस
60	डी 17061	फरहान अंजुम	एसबीएस
61	डी 17062	शताबिशा भट्टाचारजी	एसबीएस

एमएस छात्र-2017 बैच

क्र.सं.	अनुक्रमांक	नाम	स्कूल
1	एस17001	नमन अग्रवाल	एसई
2	एस17002	हितेश कुमार	एसई
3	एस17003	चाँदनी	एसई
4	एस17005	अजिज़ हामिद लोन	एससीईई
5	एस17006	तेजिन्द्र ठाकुर	एसई
6	एस17007	प्रवीण कुमार	एससीईई
7	एस17008	सोमा घोष	एससीईई
8	एस17009	भरत वरदानी	एससीईई
9	एस17010	दीपक मोरी	एसई
10	एस17011	राज किरण	एसई
11	एस17012	दीपक कुमार सिंह	एसई
12	एस17013	विकांश नाथ	एससीईई

बी.टैक. छात्र-2017 बैच
जनपद अभियांत्रिकी

क्र.सं.	अनुक्रमांक	नाम	स्कूल
1	बी17001	आदित्य मन्त्री	सीई
2	बी17002	आकाश गर्वा	सीई
3	बी17003	अक्षत मालविया	सीई
4	बी17004	अक्षिता जैन	सीई
5	बी17005	अमन कुमार	सीई
6	बी17006	अमित चौहान	सीई
7	बी17007	आन्या शुक्ला	सीई
8	बी17008	अनुराधा मीना	सीई
9	बी17009	अर्पित सिंह बहादुरिया	सीई
10	बी17010	आर्यन सिंह	सीई
11	बी17011	दिवांशु गुप्ता	सीई
12	बी17012	हिमांशु बघेल	सीई
13	बी17013	जतिन गर्ग	सीई
14	बी17014	जतिन निमावत	सीई
15	बी17015	मेडिपेल्ली अनुराग	सीई
16	बी17016	मनडेडी पवन कुमार	सीई
17	बी17017	मोहित प्रजापति	सीई
18	बी17018	मुनीश कुमार मीना	सीई
19	बी17019	निकिता यादव	सीई
20	बी17020	पीयूष वास्तुपल बफना	सीई
21	बी17021	राजकुमार	सीई
22	बी17022	संजीव सिंह यादव	सीई
23	बी17023	सौरभ सिंह	सीई
24	बी17024	शिखर कुमार	सीई
25	बी17025	शिशिर कुमार सिंह	सीई
26	बी17026	शिवम् कुमार बैरवा	सीई
27	बी17027	सुनील कुमार डंगी	सीई
28	बी17028	तन्मय रस्तोगी	सीई
29	बी17029	उत्कर्ष जैन	सीई
30	बी17030	विकास वर्मा	सीई

संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी

क्र.सं.	अनुक्रमांक	छात्र का नाम	स्कूल
1	बी17031	आशिमा	सीएसई
2	बी17032	आकाश डकूर	सीएसई
3	बी17033	अखिल राजपुत	सीएसई
4	बी17034	अमन सक्सेना	सीएसई
5	बी17035	अंकित जिगानवाल	सीएसई
6	बी17036	अर्णव प्रसाद	सीएसई

7	बी17037	अत्यंत यादव	सीएसई
8	बी17038	बालम निवेदित रेड्डी	सीएसई
9	बी17039	दीपक कुमार	सीएसई
10	बी17040	देवेश सोनी	सीएसई
11	बी17041	धीरज	सीएसई
12	बी17042	दीनबन्धु कुमार सिंह	सीएसई
13	बी17043	दिपेश कुमार गुप्ता	सीएसई
14	बी17044	हितेश कनोडिया	सीएसई
15	बी17045	जैदीप भार्गवा	सीएसई
16	बी17046	झलक चौधरी	सीएसई
17	बी17047	कनिका गुप्ता	सीएसई
18	बी17048	खुशी गुप्ता	सीएसई
19	बी17049	नव्या वाराकांथम	सीएसई
20	बी17050	नीरज कुमार शर्मा	सीएसई
21	बी17051	प्राज्जवाल झा	सीएसई
22	बी17052	प्रिया सिंह	सीएसई
23	बी17053	पुरुषोत्तम सिन्हा	सीएसई
24	बी17054	रौशन शर्मा	सीएसई
25	बी17055	सचित यादव	सीएसई
26	बी17056	सम्भव दुसाद	सीएसई
27	बी17057	सारांश शर्मा	सीएसई
28	बी17058	सत्यम् शुक्ला	सीएसई
29	बी17059	सौरभ बंसल	सीएसई
30	बी17060	सौरभ	सीएसई
31	बी17061	शरद शुक्ला	सीएसई
32	बी17062	श्रेयांश कुलश्रेष्ठा	सीएसई
33	बी17063	सिद्धार्थ गुप्ता	सीएसई
34	बी17064	सूरज कुमार	सीएसई
35	बी17065	वैभव सहारन	सीएसई
36	बी17066	वैभव सैनी	सीएसई
37	बी17067	वर्षदीप सिंह मीना	सीएसई
38	बी17068	विनय कुमार	सीएसई
39	बी17069	विपुल शर्मा	सीएसई
40	बी17070	यश खन्ना	सीएसई

विद्युत अभियांत्रिकी

क्र.सं.	अनुक्रमांक	नाम	स्कूल
1	बी17071	आदित्य अरोड़ा	ईई
2	बी17072	अभिषेक भारद्वाज	ईई
3	बी17073	ऐश्वर्य भार्गव	ईई
4	बी17074	आकाश दीप बाथम	ईई
5	बी17075	अमोल अग्रवाल	ईई

6	बी17076	अंकित साहु	ईईई
7	बी17077	अनुराग	ईईई
8	बी17078	अर्णव विपुल शाह	ईईई
9	बी17079	अरुण कुमार बैरवा	ईईई
10	बी17080	देशराज मीना	ईईई
11	बी17081	धीरज राम	ईईई
12	बी17082	ध्रुव	ईईई
13	बी17083	दिव्या गुप्ता	ईईई
14	बी17084	दिव्यांशु कुमावत	ईईई
15	बी17085	गौरव निर्मल	ईईई
16	बी17086	हार्दिक अग्रवाल	ईईई
17	बी17087	कृति मेहता	ईईई
18	बी17088	लक्ष्मी नागा ख्याथि चिटिनेनी	ईईई
19	बी17089	महाले कोमल बाबुराव	ईईई
20	बी17090	महिमा चौधरी	ईईई
21	बी17091	मनप्रीत सिंह	ईईई
22	बी17092	मानवी गुप्ता	ईईई
23	बी17093	मयंक मित्तल	ईईई
24	बी17094	मोहम्मद रोशन पी.के.	ईईई
25	बी17095	नकुल यादव	ईईई
26	बी17096	नम्रता मलकानी	ईईई
27	बी17097	पार्थ कंकरवाल	ईईई
28	बी17098	पवन	ईईई
29	बी17099	ऋषभ धर्मांनी	ईईई
30	बी17100	रोहित अग्रवाल	ईईई
31	बी17101	सचिन एस रांजलकर	ईईई
32	बी17102	शौर्य प्रताप सिंह टोमर	ईईई
33	बी17103	सोहन साहारिया	ईईई
34	बी17104	स्वप्निल रस्तोगी	ईईई
35	बी17105	थबशीर मोहम्मद एमके	ईईई
36	बी17106	तुषार त्यागी	ईईई
37	बी17107	उज्जवल	ईईई
38	बी17108	वैभव शर्मा	ईईई
39	बी17110	वरुण सिंह	ईईई

यांत्रिकी अभियांत्रिकी

क्र.सं.	अनुक्रमांक	नाम	स्कूल
1	बी17111	आदित्य नौटियाल	एमई
2	बी17112	अजय	एमई
3	बी17113	अमन राज	एमई
4	बी17114	अमन वर्मा	एमई
5	बी17115	अंकित सेजवार	एमई

6	बी17116	अन्वेश दास	एमई
7	बी17117	अर्जुन सहदेव	एमई
8	बी17118	अर्युश सकसेना	एमई
9	बी17119	आशु चन्देलिया	एमई
10	बी17120	दीपशिखा राणा	एमई
11	बी17121	गौतम एसोपा	एमई
12	बी17122	हृतिक देव	एमई
13	बी17124	कुलदीप तेत्रवाल	एमई
14	बी17125	मानसदीप विश्वकर्मा	एमई
15	बी17126	मनीश कुमार शर्मा	एमई
16	बी17127	मनमोहन मीना	एमई
17	बी17128	मयंक अग्रवाल	एमई
18	बी17129	मोहित कुमार	एमई
19	बी17130	नबील खान	एमई
20	बी 17131	नवीन कुमार	एमई
21	बी17132	नितिन मित्तल	एमई
22	बी17133	प्रदीप कुमार नाग	एमई
23	बी17134	प्रजीत दारदा	एमई
24	बी17135	पुरुषोत्तम गोयल	एमई
25	बी17136	राजन कुमार	एमई
26	बी17137	राजेश	एमई
27	बी17138	ऋषि शर्मा	एमई
28	बी17139	रोहित कुमार भामू	एमई
29	बी17140	सचिन	एमई
30	बी17141	शशी कुमार फागना	एमई
31	बी17142	श्रेय प्रकाश लांजीवार	एमई
32	बी17143	शुभम् मीना	एमई
33	बी17144	शुभम् शाह	एमई
34	बी17145	स्वर्ण बिसेनी	एमई
35	बी17147	तोषेन्द्र रस्तागी	एमई
36	बी17148	वैशाली	एमई
37	बी17149	यश पालिवाल	एमई
38	बी17150	युवराज ढोलिया	एमई

एम.एससी. (रसायन विज्ञान)

क्र.सं.	अनुक्रमांक	नाम
1	वी17001	गायत्री बत्रा
2	वी17002	नीरज सोनी
3	वी17003	मीनु उपाध्याय
4	वी17004	साक्षी त्यागी

5	वी17005	अंकित कश्यप
6	वी17006	महेन्द्र सिंह
7	वी17007	मुकेश कुमार
8	वी17008	निष्कंट मालकोटि
9	वी17009	पंकज कुमार
10	वी17010	अभय शर्मा
11	वी17011	आकाश कुमार
12	वी17012	विशाल ठाकुर
13	वी17013	चेतन सैनी
14	वी17014	रेणुका शर्मा
15	वी17015	ज्योति रोहिल्ला
16	वी17016	वेदाश्रीसी मौतम
17	वी17017	ऋतु
18	वी17018	श्वेता कौशल
19	वी17019	सोमेश चमोली
20	वी17020	स्वर्णिम पाण्डेय
21	वी17021	अंजु
22	वी17022	सौरभ कुमार

एमएस.सी. (गणित)

क्र.सं.	अनुक्रमांक	नाम
1	वी17041	कुलदीप सिंह
2	वी17042	दीपक कुमार
3	वी17043	निखिल राघव
4	वी17044	ऋषभ सक्सेना
5	वी17045	अनिल कुमार
6	वी17046	स्नेह
7	वी17047	जसवंत सिंह
8	वी17048	राकेश कुमार
9	वी17049	रजनीश कुमार
10	वी17050	अश्वनि
11	वी17051	अर्चना रानी
12	वी17052	अफिफा फातमा
13	वी17053	विवेक कुमार यादव
14	वी17054	अभिषेक गर्ग
15	वी17055	केएम आयूषी चौहान
16	वी17056	विष्णु प्रताप सिंह परिहार

एमएससी. (भौतिक विज्ञान)

क्र.सं.	अनुक्रमांक	नाम
1	वी17081	प्रिया यादव
2	वी17082	आत्मिका भारद्वाज

3	वी17083	राजकुमार जंगिद
4	वी17084	अमित कुमार शर्मा
5	वी17085	रवि कुमार शर्मा
6	वी17086	हरिओम सैनी
7	वी17087	सुमीत कान्त
8	वी17088	संजीव कुमार
9	वी17089	सूरज सिंह
10	वी17090	राधिका
11	वी17091	मयंक वशिष्ठ
12	वी17092	राहुल मित्तल
13	वी17093	कौशल
14	वी17094	आयूष रस्तोगी
15	वी17095	वैभव राज सिंह
16	वी17096	मुकेश कुमार
17	वी17097	दीक्षा कान्ति

एम.टैक. (ऊर्जा अभियांत्रिकी/यांत्रिकी अभियांत्रिकी)

क्र.सं.	अनुक्रमांक	छात्र का नाम
1	टी17001	दिवेश भारती
2	टी17002	आनन्द सिंह
3	टी17003	सौम्या पाण्डेय
4	टी17004	प्रिंस काकर्ण
5	टी17005	विकास हूडा
6	टी17006	दिक्षिता जोशी
7	टी17007	अपाकृता विनायक टायारे
8	टी17008	दिवाकर सिंह
9	टी17009	तरुण कुमार
10	टी17010	मनुज भाटि
11	टी17011	रोशन लाल
12	टी17012	आशुतोष चौहान
13	टी17013	कर्णवीर सिंह
14	टी17014	पंकज राजेन्द्र काले
15	टी17015	गौरव सारस्वत
16	टी17016	निखिल तनाजी डोइफोडे
17	टी17017	हनि चौधरी
18	टी17018	मिन्हाज
19	टी17019	सन्दीप यादव
20	टी17020	शशांक प्रभाकर
21	टी17021	आयूष रस्तोगी

एम.टैक. (वीएलएसआई में विद्युत अभियांत्रिकी)

क्र.सं.	अनुक्रमांक	छात्र का नाम
1	टी17041	शुभम संजय टेलगोटे
2	टी17042	साहिल अग्रवाल
3	टी17043	मोहम्मद सुहेलइल्लिकाल
4	टी17044	आशीष मनचन्दा
5	टी17045	मुनीब सुल्तान पीपी
6	टी17046	शिव कुमार
7	टी17047	करुणानिधान पाण्डेय
8	टी17048	वर्तिका वर्मा
9	टी17049	रूपल जैन
10	टी17050	राहुल पनवार

एम.टैक. (ऊर्जा इलेक्ट्रॉनिक्स और ड्राइव्स)

क्र.सं.	अनुक्रमांक	छात्र का नाम
1	टी17101	जेन बिछाक्षयाना मोहन्ते
2	टी17102	ऋतु राय
3	टी17103	विरेन्द्र सिंह
4	टी17104	प्रियंका तिवारी
5	टी17105	गौरव गौतम
6	टी17106	दिवाकर जेडोन
7	टी17107	गितिकल पाण्डेय
8	टी17108	देविन्द्र कुमार
9	टी17109	मोइनुदीन
10	टी17110	गडाला रवि कुमार

एम.टैक. (संचार और संकेत प्रक्रम)

क्र.सं.	अनुक्रमांक	छात्र का नाम
1	टी17131	ओम कारवाल
2	टी17132	राघव शर्मा
3	टी17133	वर्तिका सेंगर
4	टी17134	विपुल अग्रवाल
5	टी17135	अक्षय तिवारी
6	टी17136	अनुशा अस्वाथ
7	टी17137	अनिल तिवारी
8	टी17138	मुहम्मद उबादाह
9	टी17139	सरथप्रसाद केवी
10	टी17140	चन्द्रकान्त सोनावेने
11	टी17141	शेलडिया निरालिधनिभाई

12	टी17142	सुमन कुमार
13	टी17143	सुरभि जैन
14	टी17144	हितिका तिवारी

एम.टैक. (जैव प्रौद्योगिकी)

क्र.सं.	अनुक्रमांक	छात्र का नाम
1	टी17071	अनुमा सिंह
2	टी17072	प्रिया सिंह
3	टी17073	स्वच्छताओ घोष
4	टी17074	सुचेता घोष
5	टी17075	भूमिका पटेल
6	टी17076	सुरभि मिश्रा
7	टी17077	पवन कुमार पाण्डेय
8	टी17078	उर्वशी सिंह
9	टी17079	सन्देश कुमार पटेल
10	टी17080	शहिदा सिद्दिकि

संकलित भौतिक विज्ञान

क्र.सं.	अनुक्रमांक	छात्र का नाम
1	डीआई1701	आदेश सिंह
2	डीआई1702	विवेक कुमार
3	डीआई1703	अंजलि जंगिद
4	डीआई1704	निधि चमोली
5	डीआई1705	साहिल भाबदारी
6	डीआई1706	केशव कुमार